विदेह VIDEHA

विदेह-सदेह १–३७ विस्तृत अध्ययन

Videha Sadeha 1–37 Detailed Study

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड २२ / २२ · Volume 22 of 22

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह-सदेह ३७ — विस्तृत अध्ययन १६८० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह-सदेह ३७ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड १२३ : विदेह-सदेह ३७ — शब्दावली: भोजन, लोक-औखधि आ पशु-सन्दर्भ

१. शब्दावलीमे ‘उप्पिडी’ ककरा कहल गेल अछि?

(A) टूटल चाउर वा सूजी आ दालिसँ बनल मसालेदार व्यञ्जन

(B) वन्य भालुक पंजा

(C) जमीनक माप

(D) सरकारी बैठक

२. ‘लुङ्गी’ शब्दक अर्थ की देल गेल अछि?

(A) डाँरक चारू कात लपेटल जाए वला पुरुष-वस्त्र

(B) भालुक दाँत

(C) धानक मापक

(D) वनस्पति औखधि

३. ‘पक्कीर’ शब्द ककर अपभ्रंश रूप कहल गेल?

(A) फकीर वा साधु

(B) कलेक्टर

(C) भालु

(D) किसान

४. शब्दावलीक अनुसार उपन्यासमे प्रयुक्त भालु मूलतः कोन प्रकारक अछि?

(A) सुस्त भालु/लैबिएट भालु, दक्षिण एशियामे भेटय वला

(B) ध्रुवीय भालु

(C) समुद्री भालु

(D) खिलौना भालु

५. सुस्त भालुकेँ नाचैत भालु लेल उपयुक्त चिन्हक रूपमे कोन बात सभ बताओल गेल?

(A) पातर शरीर, हाँसूक आकारक नह आ झबरा कोट

(B) सिङ आ खुर

(C) लम्बा चोंच

(D) पंख

६. ‘जाजी’ शब्द ककरा कहल गेल?

(A) जायफल

(B) महुआ फूल

(C) मकइक बालि

(D) सोनाक बाली

७. जाजी/जायफल पारम्परिक चिकित्सा मे मुख्यतः कोन विकार सभसँ जोड़ल गेल?

(A) स्नायु आ पाचन तन्त्र सम्बन्धी विकार

(B) भूमि-मापन

(C) कानूनी अपराध

(D) ताड़ी बनब

८. ‘शनि’बारे शब्दावलीमे कोन मान्यता देल गेल?

(A) यमक भाय आ ज्योतिषमे अनिष्ट संकेत

(B) मकइक देवता

(C) भालुक रक्षक

(D) जमीनक अधिकारी

९. ‘गुड़-पिटल पाथर’ मुहावराक अर्थ ककर तुलना लेल देल गेल?

(A) मूर्ख आ सुस्त व्यक्तिसँ

(B) तेज धावकसँ

(C) सोनाक व्यापारीसँ

(D) ईमानदार अधिकारीसँ

१०. ‘कठेरा’ शब्दावलीमे कोन प्रकारक वस्तु अछि?

(A) काँटबला झाँखुड़ जकरा भालु रोइयाँ फँसबाक डर सँ डराइत अछि

(B) माटिक थारी

(C) ताबीजक धागा

(D) सरकारी पट्टा

खण्ड १२४ : विदेह-सदेह ३७ — शब्दावली-परिशिष्ट: पल्लेबाटा, माप आ कलन्दर जीवन

११. ‘इप्पा’ शब्दक अर्थ की देल गेल?

(A) महुआक फूल, जकरासँ ताड़ी बनैत अछि आ जे भालु सभकेँ प्रिय होइत अछि

(B) सोनाक छल्ला

(C) जमीनक कागज

(D) भालुक थारी

१२. भालुक ध्वनिबारे शब्दावली कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

(A) भालु अलग-अलग स्थितिमे बहुत तरहक ध्वनि निकालैत अछि

(B) भालु पूर्ण मूक होइत अछि

(C) भालु केवल मनुष्यक भाषा बजैत अछि

(D) भालु केवल गीत गबैत अछि

१३. ‘पल्लेबाटा’ शब्द ककरा कहल गेल?

(A) सरकारी योजना जकर माध्यमे लोक अपन समस्या निर्वाचित प्रतिनिधि सोझाँ राखि सकैत छल

(B) भालुक नाचक ताल

(C) मकइक मापक

(D) जंगलक झाँखुड़

१४. ‘सोला’, ‘थव्वा’, ‘माना’, ‘कुंचा’ आदि शब्द कथामे ककर संकेत छथि?

(A) तेलंगाना क्षेत्रक पारम्परिक ओजन-मापक

(B) भालुक नहक प्रकार

(C) पुलिस पदनाम

(D) नाटकक पात्र

१५. ‘गुंटा’ शब्दावलीमे कोन अर्थमे देल गेल?

(A) भूमिक वर्ग-माप

(B) विषक प्रकार

(C) भालुक आवाज

(D) कपड़ाक नाम

१६. सुस्त भालुक घर-वापसी प्रवृत्तिबारे शब्दावली कोन संकेत दैत अछि?

(A) दूर लऽ जाएल गेलो पर ओ पहिने देखल स्थान दिस लौटबाक असाधारण क्षमता राखि सकैत अछि

(B) ओ कहियो घर नहि खोजि सकैत

(C) ओ केवल जलमे रहैत

(D) ओ गन्ध छोड़ैत नहि

१७. परिशिष्टक अनुसार कलन्दर समुदाय पारम्परिक रूपसँ कोन काजसँ जुड़ल छल?

(A) भालु-बानर नचाबय, ताबीज-मन्त्र बेचब, घुमन्तु प्रदर्शन आ आन छोटे व्यवसाय

(B) केवल राजकाज

(C) केवल विश्वविद्यालय अध्यापन

(D) केवल रेल चलाबय

१८. कलन्दर सभक प्रवास खेतीक मौसमसँ कोना जुड़ैत छल?

(A) कटनी-कुटनीक समय खेत-मजूरी वा भालु नचा कऽ पुरस्कार पाबय लेल गामक बाहरे बसैत छलाह

(B) ओ सदिखन नगरमे अफसर रहैत छलाह

(C) ओ खेतीक समय गाम छोड़ि देत छलाह

(D) ओ केवल समुद्र किनार रहैत छलाह

१९. सरकारी जाति-श्रेणीकरणक अस्थिरता कलन्दर सभ लेल कोन समस्या बनैत अछि?

(A) ओबीसी/एसटी आदि मे असंगत सूचीकरणसँ जमीन, रोजगार आ भोजनक अधिकारसँ वञ्चना

(B) सबकेँ तुरत्ते अधिक जमीन

(C) कोनो सामाजिक समस्या नहि

(D) सिर्फ खेलक नियम

२०. परिशिष्ट पारम्परिक पशु-आधारित पेशा अवैध/अव्यावहारिक भेलाक बाद कलन्दर सभक स्थिति कोना देखबैत अछि?

(A) पुनर्वासक किछु बाट खुलल, मुदा भेदभाव, अधिकार-वञ्चना आ सांस्कृतिक विलुप्तिक खतरा बनल रहल

(B) सभ समस्या समाप्त भऽ गेल

(C) सभ कलन्दर राजा बनि गेल

(D) कानूनक कोनो असर नहि भेल

खण्ड १२५ : विदेह-सदेह ३७ — तेलुगु अनूदित गद्य: के. पुरुषोत्तम आ कोलकलुरी इनोच

२१. ‘कौआ’ आ ‘कारी मसि’ क मूल तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवाद के केने छथि?

(A) के. पुरुषोत्तम

(B) पी. जयलक्ष्मी

(C) रहमान राही

(D) भिखारी ठाकुर

२२. के. पुरुषोत्तमक अकादमिक सम्बन्ध कोन संस्थानसँ बताओल गेल अछि?

(A) काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल

(B) निजाम कॉलेज, हैदराबाद

(C) आदिकवि नन्नय्या विश्वविद्यालय

(D) महाराजा कॉलेज, विजयनगरम

२३. के. पुरुषोत्तमक रुचि अध्यापन आ शोधक अतिरिक्त कोन काजमे अछि?

(A) तेलुगु साहित्यक अंग्रेजी अनुवाद

(B) चित्रकला मात्र

(C) ज्योतिष गणना

(D) नाट्य अभिनय

२४. के. पुरुषोत्तम कोन दलित तेलुगु उपन्यास सभक अनुवाद कएने छथि?

(A) ‘कक्क’ आ ‘मल्लेमोग्गल गोदुदु’

(B) ‘जिगरी’ आ ‘दादी’

(C) ‘नारायणराव’ आ ‘कन्यादान’

(D) ‘लज्जा’ आ ‘ओडलाला’

२५. कोलकलुरी इनोचक जन्म कोन जिलामे बताओल गेल अछि?

(A) गुंटूर जिला

(B) करीमनगर जिला

(C) वारंगल जिला

(D) सहरसा जिला

२६. प्रोफेसर इनोचक लेखन-परिसर कोना प्रस्तुत भेल अछि?

(A) कविता, कथा, उपन्यास, नाटक आ आलोचना धरि विस्तृत

(B) केवल गणित-पाठ्यपुस्तक

(C) केवल यात्रा-वृत्तान्त

(D) केवल सरकारी प्रतिवेदन

२७. इनोचक लेखन पर शोधक कोन प्रमाण देल गेल अछि?

(A) पाँच पीएचडी आ आठ एम.फिल. काज भऽ चुकल

(B) कोनो शोध नहि भेल

(C) केवल एक लेख छपल

(D) मात्र मौखिक चर्चा भेल

२८. इनोच कोन-कोन सम्मानसँ जोड़ल गेल छथि?

(A) राज्य आ केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार

(B) केवल खेल पुरस्कार

(C) केवल सैन्य पदक

(D) केवल चलचित्र पुरस्कार

२९. इनोच कोन विश्वविद्यालयक कुलपति रहि चुकल छथि?

(A) पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद

(B) काकतीय विश्वविद्यालय

(C) उस्मानिया विश्वविद्यालय

(D) दिल्ली विश्वविद्यालय

३०. ‘कौआ’ कथाक मूल तेलुगु शीर्षकक अर्थ की बताओल गेल अछि?

(A) काकी, अर्थात् कौआ

(B) जिगरी, अर्थात् मित्र

(C) क्रोरत्वम, अर्थात् क्रूरता

(D) पाडु देवालयम, अर्थात् ध्वस्त मन्दिर

खण्ड १२६ : विदेह-सदेह ३७ — ‘कौआ’: अव्वा, कौआक झुण्ड आ आरोपक वातावरण

३१. ‘कौआ’ कथाक आरम्भमे एकचारीमे कियैक तरहक घरेलू त्रिकोण अछि?

(A) बुढ़िया, बेटी आ नाती

(B) केवल पिता-पुत्र

(C) मन्दिरक पुजारी आ राजा

(D) डॉक्टर आ रोगी

३२. छात आ गाछ सभ पर बैसल कौआक काँव-काँव केना चित्रित अछि?

(A) जेना कियो डाँटि रहल हो अथवा शोक-आक्रोश प्रकट करि रहल हो

(B) मधुर लोरी जकाँ

(C) पूजा-घण्टी जकाँ

(D) नदीक कलकल जकाँ

३३. अव्वा कौआ सभक तामसक पहिल अर्थ की लगबैत छथि?

(A) ओकर कुटुम कानि रहल अछि

(B) ओ सभ वर्षा मागि रहल अछि

(C) ओ सभ अनाज बेचि रहल अछि

(D) ओ सभ विवाह-गीत गाबि रहल अछि

३४. जखन नाती बाहर देखय चाहैत अछि, अव्वा ओकरा किएक रोकैत छथि?

(A) कौआ सभ लड़य लेल आयल अछि

(B) बाहर मेला लागल अछि

(C) भोजन पकैत अछि

(D) नदीमे नाव अछि

३५. अव्वा बाहर निकलिते कौआ सभ की करैत अछि?

(A) दू-चारि कौआ माथ पर जोर सँ ठोक मारैत अछि

(B) ओ सभ फूल चढ़बैत अछि

(C) ओ सभ चुप भऽ जाइत अछि

(D) ओ सभ भात खुआबैत अछि

३६. एकचारीक सोझाँ कौआक कोन-कोन अवशेष बान्हल देखाइत अछि?

(A) मूड़ी, गोड़, नह आ पाँखि

(B) केवल अण्डा

(C) केवल चोंच

(D) केवल दाना

३७. अव्वा ई काज ककर होयबाक घोषणा करैत छथि?

(A) बण्डोडुक

(B) नातीक

(C) सरपञ्चक

(D) चरवाहाक

३८. कथा मे कौआक भीड़ घरक चारू कात कोना पसरैत अछि?

(A) घर, गाछ, देवाल आ बिजलीक तार पर

(B) केवल पोखरिक बीच

(C) केवल रसोईघरमे

(D) केवल मन्दिरक गर्भगृहमे

३९. अव्वाक भय मात्र कौआक शोरसँ नहि, बल्कि कोन बातसँ अछि?

(A) भविष्यक अशुभ समय आ अपशकुनसँ

(B) टीवीक आवाजसँ

(C) चूल्हिक धूआँसँ

(D) साइकिलक ब्रेकसँ

४०. कथा मे कौआक झुण्डक शक्ति आ मादिग सभक प्रयासक परिणाम की अछि?

(A) मादिग सभ हटाबय चाहैत अछि मुदा कौआ फेर वापस आबि जाइत अछि

(B) कौआ तुरत्ते भागि जाइत अछि

(C) कौआ भोजन पका दैत अछि

(D) कौआ मन्दिर बना दैत अछि

खण्ड १२७ : विदेह-सदेह ३७ — ‘कौआ’: बण्डोडु, भूख आ सामाजिक बहिष्कार

४१. बण्डोडु कोन जातीय उप-समूहसँ सम्बद्ध बताओल गेल अछि?

(A) मादिगक एगारह उप-जातिमे सँ दशम उप-जाति

(B) ब्राह्मण पुजारी वंश

(C) कलन्दर परिवार

(D) राजपूत सैनिक समूह

४२. बण्डोडुक जीविका कोना चलैत अछि?

(A) मात्र मादिग सभसँ रातिमे भीख मांगि

(B) सरकारी वेतनसँ

(C) मन्दिरक दान-पेटीसँ

(D) खेतीक विशाल जमीनसँ

४३. बण्डोडु भोजन लेबाक लेल कोन भाँति ‘कटोरा’ बनबैत अछि?

(A) अपन तरहत्थीमे कटोरा जकाँ आकार बना कऽ

(B) सोनाक थारी लऽ कऽ

(C) माटिक घड़ा लऽ कऽ

(D) कागजक प्लेट लऽ कऽ

४४. यदि बण्डोडुकेँ भोजन नहि देल जाइत, तखन ओ प्रत्यक्ष गारि नहि, कोन उपाय करैत?

(A) कौआ सभकेँ उकसा दैत

(B) घरमे आगि लगा दैत

(C) सरकारी अर्जी लिखैत

(D) गीत गाबि चलि जाइत

४५. बण्डोडु कौआ मारबाक लेल कोन असामान्य कौशल रखैत अछि?

(A) गोली/मार्बल आ आंगुरक जोर सँ निशाना लगबैत अछि

(B) धनुष-बाण चलबैत अछि

(C) जाल बुनैत अछि

(D) मंत्र पढ़ि कौआ सुताबैत अछि

४६. अव्वाक घरमे बण्डोडुकेँ भोजन नहि भेटबाक वास्तविक कारण की छल?

(A) घरमे भोजन वा गिड देबाक सामर्थ्य नहि छल, चूल्हि नै जरल छल

(B) ओ सभ धनवान भऽ कऽ कंजूस छल

(C) ओ सभ कौआ खा गेल छल

(D) ओ सभ भोज करि थाकल छल

४७. बण्डोडु कौआक पाँखि-पुड़िया बाँस पर लटका कऽ की संकेत देलक?

(A) भोजन नहि देबाक अपराधक सार्वजनिक चिह्न

(B) विवाहक तोरण

(C) मन्दिरक ध्वजा

(D) बच्चाक खेलौना

४८. बण्डोडुक बोकरल कौआ-मांसक दुर्गन्ध कथामे कोन प्रभाव छोड़ैत अछि?

(A) अपमान, गन्दगी आ अशुभ दण्डक अनुभूति

(B) पूजाक सुगन्ध

(C) फूलक पराग

(D) हॉर्लिक्सक मिठास

४९. कथा अन्तमे कौआ सभक फेर कहियो नहि बैसब की बनि जाइत अछि?

(A) मुक्ति आ श्राप दुनू, सामाजिक बहिष्कारक चिह्न

(B) घरक सम्मान-वृद्धि

(C) सरकारी योजना

(D) मेला-उत्सव

५०. 'कौआ' कथाक मूल सामाजिक प्रश्न की अछि?

(A) निर्धनता, जाति-आधारित निर्भरता आ अपशकुनक दण्ड

(B) केवल पक्षी-विज्ञान

(C) मोटर-वाहन दुर्घटना

(D) राजमहलक षड्यन्त्र

खण्ड १२८ : विदेह-सदेह ३७ — 'कारी मसि': श्रिया, स्नेह आ निष्कपट बाल-दुनिया

५१. 'कारी मसि' कथाक लेखिका विनोदिनी अपन अनुभवक स्रोत कोना चिन्हैत छथि?

(A) एकटा दलित ईसाईक रूपमे अपन अनुभव लिखब

(B) केवल राजदरबारक इतिहास लिखब

(C) केवल पर्वतारोहणक संस्मरण लिखब

(D) केवल शास्त्रीय गणित लिखब

५२. कथा आरम्भमे फ्लैट सभक तहखाना कोना चित्रित अछि?

(A) फूलक खिलल फुलवारी आ बच्चा सभक कोलाहलसँ भरल

(B) ध्वस्त मन्दिरक अन्हार

(C) रिक्त सरकारी कार्यालय

(D) बाढ़िक घाट

५३. श्रिया पहिल बेर कथावाचकक दरवाजा पर किएक आयल?

(A) पानि पीबाक लेल

(B) जाति पुछबाक लेल

(C) चाबी देबाक लेल

(D) भिक्षा मागबाक लेल

५४. श्रिया दोसर बेर आ किएक आयल?

(A) बाथरूम प्रयोग करबाक लेल

(B) टीवी बन्द करबाक लेल

(C) पुस्तक बेचबाक लेल

(D) भोजन फेकबाक लेल

५५. श्रिया अपन परिचयमे कौन बात सभ कहैत अछि?

(A) नाम श्रिया, चौथा 'बी', गाँधी नगर, २०२ फ्लैट

(B) नाम अव्वा, नदी किनार घर

(C) नाम बण्डोडु, रातिक भिखारी

(D) नाम विजया, पाँचम कक्षा

५६. कथावाचक श्रियाकेँ हॉर्लिक्स किएक बनबैत अछि?

(A) श्रिया कहैत अछि जे घर पहुँचला पर ओकर माय पहिने हॉर्लिक्स दैत छथि

(B) श्रिया बीमार अछि

(C) हॉर्लिक्स पूजा-प्रसाद अछि

(D) कथावाचक अतिथि भगाबय चाहैत छथि

५७. श्रिया घरक काजमे भाग लेबाक आग्रह किएक करैत अछि?

(A) ओ चुपचाप बैसल रहनाय पसिन्न नहि करैत आ मायक मदति करैत रहैत अछि

(B) ओ दण्ड देबय चाहैत अछि

(C) ओ कियो सँ नहि बाजैत

(D) ओ घर छोड़य चाहैत अछि

५८. सूअर-छौआक दुर्घटना कथा श्रियाक कोन गुण देखबैत अछि?

(A) जानवरक पीड़ा प्रति गहिर करुणा

(B) हिंसक खेलक रुचि

(C) धनक लोभ

(D) जातीय घमण्ड

५९. श्रिया डायरीमे रंगक कोन नियम बतबैत अछि?

(A) पसिन्न बात नील मसिमे, नापसिन्न बात कारी मसिमे

(B) सँख्याक हिसाब लाल रंगमे

(C) केवल पेंसिलमे सभ

(D) केवल सोना रंगमे नाम

६०. कथावाचक आ श्रियाक आरम्भिक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

(A) तुरन्त स्नेह, खेल, भोजन, गप्प आ चुम्बनक आत्मीयता

(B) मात्र डर आ चुप्पी

(C) कानूनी बहस

(D) व्यापारिक सौदा

खण्ड १२९ : विदेह-सदेह ३७ — 'कारी मसि': जाति-प्रश्न, टूटल आत्मीयता आ शीर्षकक अर्थ

६१. भोजनक समय कोन वस्तु श्रियाक जातिगत जिज्ञासाकेँ जगबैत अछि?

(A) कथावाचकक थारीमे चिकन देखब

(B) हॉर्लिक्सक गिलास

(C) रुमालक सिंघारा

(D) टीवीक गीत

६२. श्रिया जाति पुछैत-पुछैत कोन क्रममे अनुमान लगबैत अछि?

(A) ब्राह्मण, चौधरी, रेड्डी, फेर 'के छी?'

(B) कवि, पुजारी, डॉक्टर

(C) कलन्दर, सरपञ्च, एसआई

(D) राजा, सैनिक, व्यापारी

६३. कथावाचक अपन पहिचान कोना बतबैत छथि?

(A) 'हम एकटा दलित छी' आ बादमे ईसाई

(B) 'हम ब्राह्मण पुजारी छी'

(C) 'हम सरपञ्च छी'

(D) 'हम बण्डोडु छी'

६४. श्रिया 'हरिजन, महिमा जकाँ?' पुछैत की प्रकट करैत अछि?

(A) घर-परिवारसँ सीखनिहार जातिगत भाषा आ दूरी

(B) पूर्ण सामाजिक समझदारी

(C) अकादमिक शोध

(D) कविता-रस

६५. कथावाचकक हृदयमे काँट गड़बाक उपमा कखन अबैत अछि?

(A) श्रिया जाति-प्रश्नकेँ ‘हरिजन’ शब्द धरि लऽ जाइत अछि

(B) पानि खतम भऽ जाइत अछि

(C) कुकुर भूकैत अछि

(D) चाह ठंढा होइत अछि

६६. श्रिया कथावाचकक दलित पहिचान सुनलाक बाद कोन परिवर्तन देखबैत अछि?

(A) मुँहक रंग निपत्ता, घृणा आ दूरी

(B) आरो बेसी स्नेह

(C) नाच-गान

(D) दीर्घ आलिंगन

६७. कथावाचक ‘हम सखी छी’ कहि की बचाबय चाहैत छथि?

(A) बाल-स्नेहकेँ जाति-सवालसँ ऊपर राखय चाहैत छथि

(B) भोजन लुकाबय चाहैत छथि

(C) जाति-प्रश्न बढ़ाबय चाहैत छथि

(D) घर बेचय चाहैत छथि

६८. श्रिया बाहर किएक भागि जाइत अछि?

(A) दादी पुकारि रहल छथि कहि बहाना बना कऽ

(B) नदीमे खेलय

(C) बण्डोडुकेँ भोजन देबय

(D) मन्दिरमे पूजा करय

६९. अन्तिम दृश्यमे टिकली सभ कैटरपिलरमे बदलबाक बिम्ब की देखबैत अछि?

(A) निष्कपट सौन्दर्यक विकृत, पीड़ादायक अनुभवमे बदलि जाएब

(B) साधारण मौसम-बदलाव

(C) सफल पूजा

(D) मेला-प्रसन्नता

७०. ‘कारी मसि’ शीर्षकक तीख अर्थ की अछि?

(A) पूर्वाग्रहक कारण प्रिय अनुभव अप्रिय कारी लिखोटमे बदलि सकैत अछि

(B) मसि बनाबयक वैज्ञानिक विधि

(C) रसोईक मसाला

(D) टीवी कार्यक्रम

खण्ड १३० : विदेह-सदेह ३७ — ‘ध्वस्त मन्दिर’: बाबा, खँडहर आ रहस्यक प्रवेश

७१. ‘ध्वस्त मन्दिर’क मूल तेलुगु लेखक के छथि?

(A) आदिवि बापिराजू

(B) कोलकलुरी इनोच

(C) विनोदिनी

(D) करुणा टी.

७२. आदिवि बापिराजूक व्यक्तित्व कोना बहुमुखी बताओल गेल अछि?

(A) स्वतन्त्रता सेनानी, पत्रकार, कवि, उपन्यासकार आ कलाकार

(B) केवल गणित शिक्षक

(C) केवल किसान

(D) केवल सैनिक

७३. गाममे अबैत बूढ़ बाबा कोना भिक्षा मांगैत छलाह?

(A) बिना गीत, बिना विशेष पुकार, चुपचाप केबाड़ पर ठाढ़ रहि

(B) ढोल बजा कऽ

(C) कौआ मारि कऽ

(D) सरकारी पर्चा लऽ कऽ

७४. बाबाक कपड़ा आ देह-छवि कोना देखाओल गेल अछि?

(A) फाटल-चीटल मुदा साफ कपड़ा, उज्जर दाढ़ी

(B) राजसी रेशमी वस्त्र

(C) सैनिक वर्दी

(D) विद्यालयी ड्रेस

७५. बाबा पीड़ित जानवर सभक लेल की करैत छलाह?

(A) थैला सँ जड़ी-बूटी निकालि लुगदी बना घाव पर पट्टी बान्हैत

(B) ओ सभकेँ भगबैत

(C) ओ सभकेँ बेचि दैत

(D) ओ सभ पर पाथर फेकैत

७६. बाबाकेँ भूखल लोकमे भातक 'कुन्चा' बाँटैत देखब कथामे की रहस्य बनबैत अछि?

(A) ओ अन्न कतय सँ अनैत छथि, ई कियो नहि बुझैत

(B) ओ सरकारी गोदामक मालिक छथि

(C) ओ अनाज उधार लिखैत छथि

(D) ओ केवल अभिनय करैत छथि

७७. कथावाचक आ मित्र जंगलमे ककर खोज/दर्शन लेल गेल छलाह?

(A) पुरान ध्वस्त मन्दिर

(B) नव अपार्टमेण्ट

(C) सरकारी कार्यालय

(D) रेलवे स्टेशन

७८. ध्वस्त मन्दिरमे बचल वस्तु सभ की छल?

(A) पाथरक खाम्ह, शिलालेख, नक्काशीदार पाथर आ फुटल ईंटा

(B) केवल आधुनिक मशीन

(C) केवल प्लास्टिक कुर्सी

(D) केवल सरकारी फाइल

७९. पुरातत्व विभागक पट्टिका ककरा रोकबाक आदेश दैत छल?

(A) खँडहरक वस्तु सभकेँ छुअबासँ

(B) भिक्षा देबासँ

(C) कविता पढ़बासँ

(D) हँसबासँ

८०. सातम तिथिक चाँदनी मन्दिरक वातावरणमे की जोड़ैत अछि?

(A) रहस्यमय सुन्दरता आ अजीब अनुभवक भूमिका

(B) बाजारक भीड़

(C) खेलक शोर

(D) भोजनक गन्ध

खण्ड १३१ : विदेह-सदेह ३७ — ‘ध्वस्त मन्दिर’: पूजा, वंश-कर्तव्य आ आध्यात्मिक प्रकाश

८१. मित्र सभ पहिने कौन आवाज सुनि घबड़ा जाइत छथि?

(A) घण्टीक तीक्ष्ण झनकार

(B) बच्चा सभक हँसी

(C) कौआक काँव-काँव

(D) ऑटो ब्रेक

८२. दोसरा बेर आवाज सुनि कथावाचक की चिन्हैत छथि?

(A) झनकार भितुरका मन्दिरसँ निकलि रहल अछि

(B) आवाज नदीसँ अछि

(C) आवाज अपार्टमेण्टसँ अछि

(D) आवाज बण्डोडुसँ अछि

८३. मन्त्र सुनलाक बाद कथावाचक अपना अंग्रेजी शिक्षासँ की तर्क करैत छथि?

(A) भूत-प्रेत शब्दकोशमे नहि, डरबाक जरूरत नहि

(B) भूत अवश्य खाइत अछि

(C) भोजन देबाक चाही

(D) घर तुरन्त छोड़बाक चाही

८४. भितुरका मन्दिरमे जरैत दीपक बिम्ब कोना अबैत अछि?

(A) विशाल दीप छाह खिरबैत, प्रेत-आगि जकाँ शंका जगबैत

(B) मिझायल राख

(C) बिजलीक बल्ब

(D) मोबाइल टॉर्च

८५. अन्ततः पूजा करैत आकृति ककर रूपमे चीन्हल जाइत अछि?

(A) गाममे भिक्षा मांगय बला वएह बाबा

(B) सरपञ्च

(C) बण्डोडु

(D) श्रिया

८६. बाबाक संस्कृत मन्त्रोच्चारण कोना वर्णित अछि?

(A) स्पष्ट, शुद्ध, निर्बाध आ बिना भूल

(B) टूटल-फूटल आ अस्फुट

(C) हास्य-गीत जकाँ

(D) बच्चाक कविता जकाँ

८७. बाबा अपन पूर्वजक सम्बन्ध कोन संस्थानसँ जोड़ैत छथि?

(A) एहि मन्दिरक पीढ़ी-दर-पीढ़ी पुजारीक कर्तव्य

(B) सरकारी अदालत

(C) नगरक थियेटर

(D) फ्लैटक सोसाइटी

८८. बाबाक बाबूजी मृत्युशय्या पर कोन अपूर्ण संकेत छोड़ि गेलाह?

(A) किछु कहय चाहलनि मुदा स्पष्ट नहि कहि सकलाह

(B) मन्दिर बेचबाक लिखित आदेश

(C) कौआ मारबाक कला

(D) डायरी लिखबाक नियम

८९. बाबा सेवाकालमे प्रत्येक उत्सवक समय कतेक विचित्र कष्ट भोगैत छलाह?

(A) असमझ रोग सँ ग्रसित भऽ जाइत छलाह

(B) अचानक धनी भऽ जाइत छलाह

(C) नाच प्रतियोगिता जीतैत छलाह

(D) चुनाव लड़ैत छलाह

९०. मन्दिरमे पएर धयलाक बाद बाबाकेँ कोन आन्तरिक आदेश सुनाइ पड़ल?

(A) 'हमर पुत्र! हम कतेक दिन बिना पूजाक रहब?'

(B) 'भोजन दिअ'

(C) 'जाति पुछू'

(D) 'कविता लिखू'

खण्ड १३२ : विदेह-सदेह ३७ — 'अनुवादक कला': भाषा, संस्कृति आ स्वरक सिद्धान्त

९१. वेंकट सुब्बैयाक उपमा अनुसार लेखन आ अनुवादमे की अन्तर अछि?

(A) लेखन एक तरुआरि पर अभ्यास, अनुवाद दू तरुआरि पर अभ्यास

(B) लेखन भोजन, अनुवाद निद्रा

(C) लेखन खेल, अनुवाद मौन

(D) लेखन सरल, अनुवाद अनावश्यक

९२. निबन्ध अनुसार मात्र दू भाषा जानब किएक पर्याप्त नहि?

(A) भाषा संग संस्कृति, जीवन-शैली आ अभिव्यक्ति-स्रोत बुझबाक जरूरत अछि

(B) दू भाषा जानब अपराध अछि

(C) भाषा अनुवादमे कामे नहि आबैत

(D) अनुवाद केवल चित्रकारी अछि

९३. अनुवाद सामान्यतः कोन भाषामे करबाक मान्यता निबन्धमे उल्लेखित अछि?

(A) अपन मातृभाषामे

(B) सदैव अज्ञात भाषामे

(C) सदैव लैटिनमे

(D) सदैव मौन संकेतमे

९४. भाषाक शब्दावलीक स्रोत बुझाबय लेल एस्किमो आ मराठी उदाहरण किएक देल गेल?

(A) भौगोलिक, सांस्कृतिक आ जीवन-रुचि शब्द-विकासकेँ आकार दैत अछि

(B) सभ भाषा समान शब्द रखैत अछि

(C) अनुवादमे शब्दावली अप्रासंगिक अछि

(D) केवल कविता गढ़बाक लेल

९५. तेलुगु शब्दावलीक अधिकांश स्रोत निबन्धमे ककरा सँ जोड़ल गेल?

(A) कृषि-प्रधान चिन्ता

(B) समुद्री डाकू

(C) केवल राजमहल

(D) केवल डिजिटल खेल

९६. अनुवादकक पहिल योग्यता निबन्ध अनुसार की अछि?

(A) शब्दावली आ अभिव्यक्तिक स्रोत जानब

(B) केवल छपाइ कौशल

(C) केवल वाद्य-वादन

(D) केवल दौड़ प्रतियोगिता

९७. दोसरा योग्यता रूपमे स्रोत पाठक सम्बन्धमे की माँग कएल गेल अछि?

(A) मुख्य विषयमे गहीर रुचि आ सहानुभूति

(B) विषयसँ घृणा

(C) स्रोत पाठ नहि पढ़ब

(D) केवल शीर्षक देखब

९८. स्रोत पाठक लेखकक 'स्वर' पकड़ब किएक जरूरी अछि?

(A) स्वर लेखक, विषय आ पाठक-संबंधक भाव व्यक्त करैत अछि

(B) स्वर केवल गायक लेल होइत अछि

(C) स्वर अनुवादमे हटाय देबाक चाही

(D) स्वर पृष्ठ-सजावट थिक

९९. वैज्ञानिक/सैद्धान्तिक पाठक अनुवादमे कोन कठिनाई बताओल गेल?

(A) विस्तृत अंग्रेजी शब्दावलीकेँ सीमित सक्रिय तेलुगु शब्द-संसाधनमे फिट करब

(B) केवल अक्षर रंग चुनब

(C) कथा पात्रक नाम बदलब

(D) मञ्च सज्जा करब

१००. निबन्ध अनुवादक श्रमबारे कोन निष्कर्ष देत अछि?

(A) कठोर परिश्रम अनुवादक अस्तित्वक केन्द्र-बिन्दु अछि

(B) प्रेरणा मात्र पर्याप्त अछि

(C) अनुवाद मेहनत बिना होइत अछि

(D) अनुवाद केवल व्यवसाय अछि

खण्ड १३३ : विदेह-सदेह ३७ — 'अनुवादक कला': अनुभव, उदाहरण आ पाठक-चेतना

१०१. निबन्ध अनुसार तेलुगु साहित्यक उत्पत्ति कोन प्रवृत्तिसँ गहिर जुड़ल अछि?

(A) अनुवादसँ

(B) मात्र मौखिक खेलसँ

(C) केवल सरकारी आदेशसँ

(D) चित्रकला मात्रसँ

१०२. बीसम शताब्दीमे अनुवाद द्वारा तेलुगु पाठकक लेल के सभ परिचित भेलाह?

(A) प्रेमचन्द, ठाकुर, शरत्, गोर्की आ राहुल

(B) केवल स्थानीय दुकानदार

(C) केवल फुटबॉल खिलाड़ी

(D) केवल राजदरबारी

१०३. 'विपुला' पत्रिका निबन्धमे किएक उल्लेखनीय अछि?

(A) मात्र अनुवादित कथा सभ लेल समर्पित भारतीय साहित्यिक पत्रिका रूपमे

(B) कृषि-बाजार दरपत्रक रूपमे

(C) बाल-खेल पत्रिका रूपमे

(D) सिनेमा पोस्टर रूपमे

१०४. वेंकट सुब्बैया अपन लेखनक शुरुआत कोना बतबैत छथि?

(A) कविक रूपमे, बादमे कथा आ उपन्यास दिस

(B) सरकारी अधिकारीक रूपमे मात्र

(C) व्यापारीक रूपमे

(D) चित्रकारक रूपमे मात्र

१०५. हैदराबाद बुक ट्रस्टक आरम्भिक परामर्शमे लेखक कोन पुस्तक सुझौलनि?

(A) ई.एच. कारक ‘व्हाट इज हिस्ट्री?’

(B) ‘जिगरी’

(C) ‘कौआ’

(D) ‘नानीलु’

१०६. ‘व्हाट इज हिस्ट्री?’ अनुवादमे पहिल समस्या की छल?

(A) स्रोत पाठक विद्वान श्रोता आ तेलुगु साधारण पाठकक समझ-स्तरक अन्तर

(B) कागजक रंग

(C) कथा पात्रक उमेर

(D) मन्दिरक दूरी

१०७. प्रकाशक फुटनोटसँ किएक डरैत छल?

(A) साधारण पाठक एहन किताब नहि पढ़त, ई आशंका छल

(B) फुटनोट अवैध छल

(C) कागज भेटत नहि

(D) फुटनोटमे कौआ रहैत

१०८. लेखक पहिल समस्याक समाधान कोना कएलनि?

(A) इतिहासक छात्र आ साधारण पाठकसँ कठिन वाक्य चिन्हाबि पाठमे/एण्डनोट्समे व्याख्या जोड़लनि

(B) संपूर्ण पाठ हटा देलनि

(C) चित्र मात्र छापलनि

(D) अंग्रेजी ज्योंक त्यों राखलनि

१०९. दोसरा आ पैघ गलती लेखक ककरा मानलनि?

(A) मूल पाठक हास्य-व्यंग्य स्वर नहि पकड़ि पाबब

(B) कागजक मोटाई

(C) नामक वर्तनी

(D) शीर्षकक आकार

११०. ‘सॉयल एण्ड सिविलाइजेशन’ अनुवाद लेल लेखक पतञ्जलि शास्त्रीक नाम किएक सोचलनि?

(A) विषयक संग हृदयक एकाकारता आ इतिहास-पर्यावरण पृष्ठभूमि हुनका अनुकूल छल

(B) ओ सब सँ नजिक रहैत छलाह मात्र

(C) ओ सस्ता काज करैत छलाह

(D) ओ कविता नहि बुझैत छलाह

खण्ड १३४ : विदेह-सदेह ३७ — ‘क्रूरता’: बालिका, खेल, डर आ हँसी पर पाबन्दी

१११. ‘क्रूरता’ कथाक मूल तेलुगु शीर्षक कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) क्रोरत्वम

(B) काकी

(C) पाडु देवालयम

(D) जिगरी

११२. कथाक आरम्भमे सैदम्मा की खेल रहल छलीह?

(A) चोरा-नुक्की

(B) कबड्डी

(C) भालु-नाच

(D) शतरंज

११३. सैदम्माक माय ओकरा स्कूल किएक नहि पठबैत छलीह?

(A) घरक काजमे मदति करबाक लेल कियो आन नहि छल

(B) स्कूल बन्द छल

(C) सैदम्मा राजा छल

(D) सैदम्मा शिक्षक छल

११४. चारू सखीमे विजया कतेक पैघ छलीह?

(A) दोसर सभसँ दू बर्ख पैघ

(B) सब सँ छोट

(C) बीस बर्ख पैघ

(D) उमेर बराबर नहि बताओल

११५. सखी सभ शौच लेल ककरा दिस जायबाक विचार करैत छथि?

(A) सरकारी लगायल गाछ सभक दिस

(B) मक्का मस्जिद

(C) ध्वस्त मन्दिर

(D) फ्लैटक बाथरूम

११६. मंगाताई नीम आ तेतरिक गाछसँ किएक डराइत अछि?

(A) मोट डारि पर भूत लटकल रहबाक बात सुनने अछि

(B) ओतय सोना गड़ल अछि

(C) ओतय पुलिस अछि

(D) ओतय कौआ नहि अछि

११७. सुगुना सरकारी गाछक बीच बैसबासँ ककर डर बतबैत अछि?

(A) सुग्गर सभ धकेल देत

(B) कौआ मित्र बनत

(C) दीप जरत

(D) डायरी भीजत

११८. माथ पर खपरी राखबाक उपाय ककरा लेल सुझाओल गेल?

(A) शौच होयबाक लोक-उपाय रूपमे

(B) हँसी बढ़ाबय लेल

(C) जाति चिन्हबाक लेल

(D) मन्दिर खोलबाक लेल

११९. 'लड़की सभकेँ जोर सँ नहि हँसय चाही' बात कथामे कोन सामाजिक हिंसा खोलैत अछि?

(A) बालिकाक देह, हँसी आ स्वतन्त्रता पर पाबन्दी

(B) मात्र स्वास्थ्यमन्त्र

(C) खेतीक नियम

(D) अनुवादक सिद्धान्त

१२०. सुगुना आ सखी सभ गन्दे लोटाक पानि किएक पी लैत छथि?

(A) एहि भय सँ जे हँसलापर माय सभ पीटतीह, आ पानि पीला सँ हँसी रुकि जायत

(B) प्यास बहुत लगल छल

(C) ई पूजा प्रसाद छल

(D) ई चिकित्सकीय औखधि छल

खण्ड १३५ : विदेह-सदेह ३७ — एन. गोपीक 'नानीलु': परिचय, नाम आ प्रसार

१२१. 'नानीलु: द लिटिल वन्स' क मूल तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवाद के द्वारा बताओल गेल अछि?

(A) जयलक्ष्मी पोपुरी

(B) खदीर बाबू

(C) वेम्पल्ले शरीफ

(D) के. पुरुषोत्तम

१२२. 'नानीलु' कैं तेलुगु साहित्यिक जगतमे कोन रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि?

(A) कविक विचार व्यक्त करबाक ताजा आ जीवन्त छोट-कविता शैली

(B) दीर्घ महाकाव्यक स्थिर छन्द

(C) केवल इतिहास-लेखनक विधा

(D) नाटकक मंचीय निर्देश

१२३. 'नानीलु' क लोकप्रियता संबंधी कोन बात विशेष रूप सँ कहल गेल अछि?

(A) गोपीक अनुकरणमे कम सँ कम डेढ़ सय प्रकाशित संग्रह भऽ गेल

(B) ई शैली तुरन्त लुप्त भऽ गेल

(C) ई मात्र एक लेखक धरि सीमित रहल

(D) ई केवल मौखिक खेल बनि रहल

१२४. तेलुगुमे 'नानीलु' शीर्षकक भावार्थ कोना समझाओल गेल अछि?

(A) छोट बच्चा सभ लेल स्नेहसूचक अभिव्यक्ति

(B) राजकीय करक नाम

(C) युद्ध-घोषणाक शब्द

(D) लम्बा नाटकक नाम

१२५. 'नानीलु' नामक अन्तिम 'लु' क भूमिका की बताओल गेल अछि?

(A) कविता सभक बहुवचन सूचित करब

(B) एकवचन राजा सूचित करब

(C) विराम-चिह्न बनब

(D) कथावाचकक नाम बनब

१२६. 'नानीलु' विषयक दशकीय उत्सवक उल्लेख ककर संकेत अछि?

(A) शैली प्रकाशनक बाद शीघ्र व्यापक मान्यता पाबि गेल

(B) शैली पर कोनो प्रतिक्रिया नहि भेल

(C) ई केवल विद्यालयी अभ्यास छल

(D) ई सरकारी नियमावली छल

१२७. 'नानीलु' कैं सूक्ति वा कहबीक वर्णनक रूपमे स्थापित कहल गेल—एहि सँ कोन गुण उभरैत अछि?

(A) संक्षिप्ततामे गहिर विचारक संकेन्द्रण

(B) लम्बा कथाविस्तार

(C) केवल हास्य-ठट्ठा

(D) निरर्थक ध्वनि-खेल

१२८. 'नानीलु' क नेनपन आ खुलापन कविक काजमे की करैत अछि?

(A) गम्भीर विचारक मूल तत्त्वकैं सुलभ आ सघन बनबैत अछि

(B) विचारकैं पूर्णतः मेटा दैत अछि

(C) कवितासँ केवल बाल-गीत बना दैत अछि

(D) भाषाकैं अनुवाद-अयोग्य बना दैत अछि

१२९. ‘नानीलु’ क आरम्भिक स्वीकार्यता कोना चित्रित अछि?

(A) अभूतपूर्व उत्साह आ मान्यता सहित

(B) पूर्ण उपेक्षा सहित

(C) केवल विरोध सहित

(D) केवल सरकारी प्रतिबन्ध सहित

१३०. ‘नानीलु’ कैँ कवि आ पाठक बीच कोन सम्बन्ध बनाबयवाला रूप कहल गेल अछि?

(A) दुनूक बीच अद्वितीय उत्साह जगाबयवाला रूप

(B) दुनूक बीच दूरी बढ़ाबयवाला रूप

(C) कविता हटाबयवाला रूप

(D) सिर्फ अनुवादक लेल बनल रूप

खण्ड १३६ : विदेह-सदेह ३७ — ‘नानीलु’ क संरचना, अक्षर-सीमा आ अर्थ-गठन

१३१. ‘नानीलु’ सामान्यतः कोन संरचनामे लिखल कहल गेल अछि?

(A) चारि पंक्ति बला चतुष्पदी

(B) सात अङ्कक नाटक

(C) दू हजार पंक्तिक महाकाव्य

(D) एक पंक्तिक समाचार

१३२. गोपीक अनुसार एक ‘नानीलु’ क नामई मूलतः कतेक अक्षरक सीमामे सोचल गेल अछि?

(A) बीस सँ पचीस अक्षर

(B) एक सय सँ दू सय अक्षर

(C) सिर्फ पाँच अक्षर

(D) कोनो सीमा नहि

१३३. मूल तेलुगुक अक्षर-सीमा अंग्रेजी लक्ष्य भाषामे पूर्ण करब किएक कठिन बताओल गेल?

(A) भाषा-रचना आ ध्वनि-संरचना भिन्न भेला सँ

(B) अंग्रेजीमे अक्षर नहि होइछ

(C) तेलुगु अनुवाद निषिद्ध भेला सँ

(D) कविता चित्रमे बदलि गेलासँ

१३४. गोपी ‘नानीलु’ कैँ ‘बहुत छोट’ नहि कहि ‘छोट कविता’ किएक कहैत छथि?

(A) ओ अनावश्यक संक्षिप्तता नहि, बल्कि कसावदार विचार-रचना चाहैत छथि

(B) ओ लम्बा उपन्यास लिखैत छथि

(C) ओ छन्दक विरोध करैत छथि

(D) ओ कविता नहि मानैत छथि

१३५. ‘नानीलु अहाँक आ हमर अछि’ व्याख्यामे ‘ना’ आ ‘नी’ क अर्थ की बताओल गेल अछि?

(A) हमर आ अहाँक

(B) राति आ दिन

(C) आगि आ पानि

(D) राजा आ प्रजा

१३६. यदि कियो दोसर पंक्तिक अन्तमे रुकि जाइत अछि, तखन अर्थक स्थिति कोना कहल गेल अछि?

(A) अर्थ अपूर्ण रहैत अछि

(B) कविता पूर्ण भऽ जाइत अछि

(C) शीर्षक बदलि जाइत अछि

(D) अनुवाद समाप्त भऽ जाइत अछि

१३७. ‘नानीलु’ मे दू इकाई एक संग मिलि की बनबैत अछि?

(A) एक पूर्ण विचार-कविता

(B) सिर्फ सूची

(C) कानूनी धारा

(D) अलग-अलग समाचार

१३८. दोसरा दोहा/दोसरा भागक सामान्य भूमिका की बताओल गेल अछि?

(A) पहिल भागक समर्थन, विस्तार वा अर्थ-प्रकाश

(B) पहिल भागक पूर्ण नाश

(C) केवल लेखकक नाम

(D) मात्र छन्द-गणना

१३९. ‘नानीलु’ मे रूपक, उपमा वा मानवीकरणक भूमिका की अछि?

(A) पहिल संकेतकेँ तीक्ष्ण आ तमसायल ढंगें खोलब

(B) कविता सँ अर्थ हटाब

(C) कवितासँ नियमावली बनाब

(D) भाषा बदलि देब

१४०. संरचना आ विचारक सम्बन्धमे ‘नानीलु’ क मुख्य शिक्षा की अछि?

(A) छोट आकारमे सेहो पूर्ण काव्य-तनाव आ अर्थ सम्भव अछि

(B) छोट कविता अर्थहीन होइत अछि

(C) लम्बाईये कविता बनबैत अछि

(D) अनुवाद सँ कविता मरि जाइत अछि

खण्ड १३७ : विदेह-सदेह ३७ — ‘नानीलु’ आ मुक्तक, वेमना, हाइकू सँ भिन्नता

१४१. ‘नानीलु’ मे आधुनिक गद्य-कविता, मुक्तक परम्परा आ पाठक-रुचिक कोन मेल देखाओल गेल अछि?

(A) शास्त्रीय परम्परा आ आधुनिक संक्षिप्तता-बोधक संयोजन

(B) केवल शिलालेखक नकल

(C) मात्र नाटक-गीतक पुनरावृत्ति

(D) कृषि-पत्रक शैली

१४२. संस्कृत मुक्तक वा वेमनाक विपरीत ‘नानीलु’ क एक विशेषता की बताओल गेल?

(A) ओ उपदेशात्मक परम्परा सँ हटैत अछि

(B) ओ मात्र उपदेश-पुस्तिका अछि

(C) ओ केवल धार्मिक नियम अछि

(D) ओ केवल व्याकरण-अभ्यास अछि

१४३. गाथासप्तशतीक उल्लेख ककर लेल कएल गेल अछि?

(A) सघन संक्षिप्तताक ऊर्जा देखाबय लेल

(B) नाटकक मंच-सज्जा लेल

(C) विद्यालयी अनुशासन लेल

(D) इतिहासक तारीख लेल

१४४. रल्लपल्लि अनन्तकृष्ण शर्मा किनका अनुवाद लेल छोट कविता-प्रारूप चुनलनि?

(A) प्राचीन सूक्ति वा मुक्तक सभक तेलुगु अनुवाद लेल

(B) सरकारी पत्र सभक लेल

(C) चित्रकला-पाठ लेल

(D) खेलक नियम लेल

१४५. ‘नानीलु’ कैँ हाइकु सँ सीधे-सीधे समान मानब किएक भूल कहल गेल?

(A) ई २०-२५ अक्षरक स्वतंत्र गति आ अलग संरचना रखैत अछि

(B) ई हाइकुक अनुवाद मात्र अछि

(C) ई सत्रह अक्षरक स्थिर नियम दोहरबैत अछि

(D) ई कविता नहि कथा अछि

१४६. हाइकु विषयमे गोपीक आलोचनात्मक अनुभव की बताओल गेल?

(A) ओकरा स्नैपशॉट वा स्थिर फोटोग्राफ जकाँ गति-विहीन बुझलनि

(B) ओकरा नाटक मानलनि

(C) ओकरा व्याकरणक नियम मानलनि

(D) ओकरा लंबा उपन्यास मानलनि

१४७. सी.पी. ब्राउनक वृत्त आ उपवृत्तक उल्लेखसँ गोपी कोन सम्भावना देखैत छथि?

(A) छोट कविता लेल नियत आ परिवर्तनशील छन्दक बीच उपलब्ध स्थान

(B) केवल गद्य-पत्रक सीमा

(C) नाटकक पर्दा-विभाजन

(D) चित्रकला-रंग-सिद्धान्त

१४८. ‘नानीलु’ मे काव्य स्वतन्त्रता कोना काम करैत अछि?

(A) निअम आ शर्त विचारकैँ सीमितो करैत अछि आ मुक्तो करैत अछि

(B) कोनो निअम नहि आ कोनो अर्थ नहि

(C) केवल राजकीय आदेश सँ

(D) केवल पाठ्यपुस्तक परीक्षा लेल

१४९. ‘नानीलु’ पढ़बाक अर्थ कोना समझाओल गेल अछि?

(A) एक धारणा सम्भव अछि, कहियो-कहियो वैह एकमात्र धारणा अछि, से स्वीकारब

(B) केवल शब्द-गणना करब

(C) केवल कविक जीवनी याद करब

(D) केवल शीर्षक बदलि देब

१५०. ‘नानीलु’ क तनाव कतय निहित कहल गेल अछि?

(A) सीमित रूप आ मुक्त विचारक बीचक अन्तरमे

(B) लेखकक नाम आ प्रकाशकक नाममे

(C) चित्र आ मंचक बीचमे

(D) विद्यालय आ बस-स्टैंडक बीचमे

खण्ड १३८ : विदेह-सदेह ३७ — ‘नानीलु’ क जीवन-दृष्टि, अनुवाद आ सामाजिक विस्तार

१५१. ‘नानीलु’ कैँ जीवन सँ लेल गेल छवि सभक की कहल गेल अछि?

(A) बहुरूपदर्शक

(B) कानूनी दस्तावेज

(C) चित्रकला-कॉपी

(D) मात्र गणना-तालिका

१५२. प्रत्येक ‘नानीलु’ क सादगीमे की विशेषता बताओल गेल?

(A) ओ अपनामे पूर्ण अछि आ जीवनक स्थिति पर प्रतिक्रिया अछि

(B) ओ अधूरा समाचार अछि

(C) ओ केवल शीर्षक अछि

(D) ओ बिना अर्थक ध्वनि अछि

१५३. गोपीक पर्यवेक्षण-क्षमता कोना उभरैत अछि?

(A) लगपासक जीवनक गहीर निरीक्षक रूपमे

(B) राजनीतिक घोषक रूपमे मात्र

(C) केवल मंच-अभिनेता रूपमे

(D) व्यापारी रूपमे

१५४. 'समयक छोट-छोट बिन्दु' रूपक सँ की बुझायल गेल अछि?

(A) क्षणमे चमकैत काव्य-सत्य

(B) घड़ीक मरम्मत

(C) इतिहासक तारीख-सूची

(D) मौसमक पूर्वानुमान

१५५. 'नानीलु' कैँ विभिन्न भाषा सभक अनुवादक बीच प्रिय बनयबाक कारण की बताओल गेल?

(A) जीवन-छवि, संक्षिप्तता आ सार्वभौमिक स्पर्श

(B) केवल तेलुगु-लिपि

(C) बहुत पैघ आकार

(D) केवल स्थानीय प्रशासन

१५६. थोड़बे समयमे 'नानीलु' प्रारूपक प्रभाव की भेल?

(A) गहीर जड़ि जमेलक आ बहुत लोककैँ कवि बना देलक

(B) कविता पढ़ब बन्द भऽ गेल

(C) कवि सभ नाटककार बनि गेलाह

(D) पत्रिका सभ बन्द भऽ गेल

१५७. तेलंगाना बोलीमे 'नानीलु' प्रयोगक माध्यमे कोन विषय सभ आगू आयल?

(A) क्षेत्रीय संस्कृति, राजनीति, आक्रोश, वर्ग, जाति आ स्त्री-स्थिति

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) केवल मौसम-रिपोर्ट

(D) केवल खेल-तालिका

१५८. 'नानीलु' द्वारा क्षेत्रक नाम पर वर्चस्वक प्रतिरोधक उल्लेख की देखबैत अछि?

(A) ई शैली सामाजिक-राजनीतिक चेतना सेहो वहन करैत अछि

(B) ई केवल बाल-कविता अछि

(C) ई मात्र निजी प्रेमगीत अछि

(D) ई अनुवाद-विरोधी अछि

१५९. अन्नवरम देवेन्द्रक उदाहरणमे गोपीकैँ कोन रूपमे स्वीकार कएल गेल?

(A) 'नानीलु' क पिता-निर्माता रूपमे

(B) चित्रकला मास्टर रूपमे

(C) पत्रकार रूपमे

(D) नाटक-नायक रूपमे

१६०. 'भिजबैत-भिजबैत नानीलु फूलि गेल' पंक्ति सँ कोन भाव निकलैत अछि?

(A) प्रारूपक विकास देखि स्रष्टा गोपीक चकित गर्व

(B) कविता मुरझा गेल

(C) भाषा समाप्त भऽ गेल

(D) कथा बन्द भऽ गेल

खण्ड १३९ : विदेह-सदेह ३७ — 'नानीलु' अंश: रूपक, दुःख, समय आ सृष्टि

१६१. टूटल माटिक बर्तनवाला नानी कोन आशा व्यक्त करैत अछि?

(A) धरती फेर सँ आकार देबाक तैयारी करैत अछि

(B) टूटल वस्तु सँ कोनो अर्थ नहि

(C) सृष्टि पूर्णतः रुकि जाइत अछि

(D) कुम्हारक स्मृति मिटि जाइत अछि

१६२. लोलक-वाला नानी चलब आ थम्हबाक बीच कोन विचार रखैत अछि?

(A) चलब नीक अछि, मुदा कखनो-कखनो थम्हब बेसी सार्थक अछि

(B) थम्हब सदिखन मृत्यु अछि

(C) चलबक कोनो अर्थ नहि

(D) लोलक समय नहि देखबैत

१६३. बरखा आ सूर्यवाला नानी कोन असम्भव प्रश्नक माध्यमे संवेदना जगबैत अछि?

(A) बरखा नोर पोंछैत अछि कि सूर्य घामकेँ भाप बनबैत अछि?

(B) माटि आगि बनैत अछि कि नहि?

(C) कागज खेत जोतैत अछि कि नहि?

(D) समुद्र जंगलमे बसैत अछि कि नहि?

१६४. तालाबक तलमे उगल बंगलाक छवि कोन व्यंग्य व्यक्त करैत अछि?

(A) तालाब सभक विनाश आ मकबरा-जकाँ निर्माण

(B) जल-संरक्षणक उत्सव

(C) कमल-उत्सव

(D) किसानक गीत

१६५. दहिना हाथ श्मशानमे नहि जरबाक कारण कोना बताओल गेल अछि?

(A) ओ कलम धारण करय बला हाथ अछि

(B) ओ पत्थर उठबैत छल

(C) ओ सैनिक हाथ अछि

(D) ओ बांसुरी बजबैत छल

१६६. पात आ गाछवाला नानी कोन पारस्परिक अज्ञान देखबैत अछि?

(A) पात गाछक दुःख नहि बुझैत, गाछ पातक सरसराहटि नहि बुझैत

(B) दुनू सब किछु पूर्ण बुझैत अछि

(C) पात आ गाछ शत्रु अछि

(D) गाछ पातक बिना जीवैत अछि

१६७. शब्दकोश खोलैत मनुष्य पर आधारित नानी की कहैत अछि?

(A) शब्द भेटलासँ विचार अपने-आप नहि निकलैत

(B) शब्दकोश सभ विचार लिखैत अछि

(C) कविता शब्दकोशमे बन्द अछि

(D) विचारक जरूरत नहि

१६८. कमल-रहित पोखरि आ कविता-रहित कागजक तुलना की सूचित करैत अछि?

(A) सौन्दर्य वा सृजन-बिना माध्यम अधूरा अछि

(B) कागज पोखरिक समान नहि

(C) पोखरिमे कागज राखब चाही

(D) कमल कविता नहि

१६९. ‘चोट एकटा नव भाषा बाजैत अछि’ सँ कोन अनुभव व्यक्त अछि?

(A) पीड़ा अपन अलग स्वर रखैत अछि आ स्वस्थ भेला पर स्वर बदलैत अछि

(B) चोट मौन अछि

(C) भाषाक पीड़ा सँ सम्बन्ध नहि

(D) चोट केवल खेल अछि

१७०. समुद्र पर तरसवाला नानी कोन विडम्बना देखबैत अछि?

(A) जतेक ऊँच उठैत अछि, ओही ठाम वापस खसि पड़ैत अछि

(B) समुद्र कहियो उठैत नहि

(C) समुद्रक कोनो लहर नहि

(D) समुद्र पर्वत बनि जाइत अछि

खण्ड १४० : विदेह-सदेह ३७ — ‘नानीलु’ अंश: नोर, लय, विचार आ मृत्यु

१७१. पएरक अँगूठीक टनकारसँ कवि की जानि गेल?

(A) व्यक्ति दुःखसँ भरल छथि

(B) व्यक्ति नाचक अभ्यास करैत छथि

(C) व्यक्ति युद्धमे जा रहल छथि

(D) व्यक्ति बाजार जा रहल छथि

१७२. सृष्टिक गाथावाला नानीमे ‘कॉपीराइट मात्र हुनकर’ कथन कोन व्यंग्य करैत अछि?

(A) सृष्टिमे दुनू स्रष्टा होइतो स्वामित्व एकतरफा मानल जाइत अछि

(B) कविता प्रकाशकक नियम बतबैत अछि

(C) सृष्टि ककरो नहि

(D) कॉपीराइट वनस्पतिक अछि

१७३. अश्वेत जीवन आ लयवाला नानीमे लय की बनि जाइत अछि?

(A) जीवनक झटका सँ जुड़ल अस्तित्वगत ताल

(B) केवल नृत्य-संगीतक अभ्यास

(C) घड़ीक टिक-टिक

(D) कागजक सरसराहटि

१७४. समुद्री सीप-मोती-नोरवाला नानी जीवनक कोन रूप देखबैत अछि?

(A) जीवनमे डुबकी लगला पर सौन्दर्य आ पीड़ा दुनू भेटैत अछि

(B) जीवनमे केवल मोती अछि

(C) जीवनमे केवल व्यापार अछि

(D) समुद्रमे कोनो अर्थ नहि

१७५. सूर्यकेँ जगाबयवाला नानीमे विश्राम कखन सम्भव कहल गेल अछि?

(A) सुतला कऽ बाद मात्र

(B) प्रातः भोजन सँ पहिने

(C) नौकरी लगते

(D) युद्ध समाप्त होइते

१७६. समयक नोर न पोंछबाक कारण कोना कहल गेल?

(A) समयक हाथ नहि अछि

(B) समयक कागज नहि अछि

(C) समयक घर नहि अछि

(D) समयक भाषा नहि अछि

१७७. समयक नोर न बहाबक कारण कोना कहल गेल?

(A) समयक आँखि नहि अछि

(B) समयक कान नहि अछि

(C) समयक कपड़ा नहि अछि

(D) समयक नाव नहि अछि

१७८. 'विचार सभ शब्दक वस्त्र नै पहिरि सकैत' पंक्ति कोन समस्या उठबैत अछि?

(A) विचारकेँ शब्दमे बाँधब कठिन अछि

(B) विचार सदिखन शब्दमे पूरा समा जाइत अछि

(C) वस्त्र कविता लिखैत अछि

(D) सियौन विचारक शत्रु नहि

१७९. पन्ना सभ गुनगुनाबय लागल—ई छवि कोन प्रकारक काव्य-जीवन सूचित करैत अछि?

(A) अक्षर सभ जीवित ध्वनि बनि उठल

(B) पुस्तक पूर्ण मौन अछि

(C) पन्ना सभ जलि रहल अछि

(D) कविता समाप्त अछि

१८०. 'अहाँ एतेक किएक कनैत छी? मृत्यु तखन गर्व अनुभव करत' पंक्ति कोन चेतावनी दैत अछि?

(A) अत्यधिक विलाप मृत्युक विजय-बोध बढ़ा सकैत अछि

(B) मृत्यु केवल हँसी अछि

(C) रोदनक कोनो सामाजिक अर्थ नहि

(D) मृत्यु कवितामे नहि आबि सकैत

खण्ड १४१ : विदेह-सदेह ३७ — खदीर बाबू आ 'हमर चित्रकला गुरु': लेखक-परिचय आ आरम्भ

१८१. 'हमर चित्रकला गुरु' क मूल तेलुगु लेखक के छथि?

(A) खदीर बाबू

(B) एन. गोपी

(C) करुणा टी.

(D) वल्लम्पाटि वेंकट सुब्बैया

१८२. खदीर बाबूक जन्म कोन ठाम बताओल गेल अछि?

(A) नेल्लोर जिलाक कावलीमे

(B) वारंगलक काकतीय विश्वविद्यालयमे

(C) गुंटूर जिलाक तेनालीमे

(D) जनकपुरक बस-स्टैंड लग

१८३. खदीर बाबू लोकप्रिय तेलुगु अखबार 'आन्ध्र ज्योति' मे कोन रूपमे काज कएलनि?

(A) फीचर पत्रकार

(B) चित्रकला मास्टर

(C) रेडियो जॉकी

(D) मन्दिर पुजारी

१८४. खदीर बाबू वर्तमानमे कोन समाचार-संस्था सँ जोड़ल बताओल गेल छथि?

(A) 'साक्षी' अखबारक समाचार सम्पादक

(B) आकाशवाणी मैथिली केन्द्र

(C) विश्वोदय स्कूल

(D) जवाहर भारती कॉलेज

१८५. खदीर बाबूक तीन कथा-संग्रहमे सँ कोन नाम देल गेल अछि?

(A) दरगामिट्टा कथालु

(B) नानीलु

(C) सदा लेल मित्र

(D) क्रोरत्वम

१८६. खदीर बाबूकेँ 'कथा अवार्ड' कोन कथालेँ भेटल बताओल गेल?

(A) 'जमीन'

(B) 'कौआ'

(C) 'मचण्ड'

(D) 'गंगा ब्रिज'

१८७. कथाक प्रथम वाक्य 'हमर चित्रकला गुरु हमर भगवान छथि' कोन भाव स्थापित करैत अछि?

(A) गुरु प्रति अत्यन्त श्रद्धा आ जीवन-ऋणक भाव

(B) चित्रकला प्रति घृणा

(C) विद्यालयक उपहास मात्र

(D) वरिष्ठ छात्रक भय

१८८. कथावाचक आठम कक्षामे रहिते दसम् कक्षाक कोन दू वरिष्ठ छात्रक उल्लेख करैत अछि?

(A) एबेनेजर आ डेविड

(B) येंकय्या आ सेशैया

(C) पिच्चैया आ मधुसूदनराव

(D) सुगुना आ मंगाताई

१८९. एबेनेजर आ डेविड नव-भर्ती छात्रसँ पहिने की पुछैत छल?

(A) नाम-ठेकाना

(B) बैंक खाता

(C) कविता-पंक्ति

(D) खेतीक जमीन

१९०. वरिष्ठ छात्रक भूमिका कथामे एक साथ किएक गर्मजोश आ दुष्ट कहल गेल?

(A) ओ सलाहो दैत छल आ शरारती परम्परा सेहो थोपैत छल

(B) ओ केवल पीटैत छल

(C) ओ केवल पढ़बैत छल

(D) ओ शिक्षक छल

खण्ड १४२ : विदेह-सदेह ३७ — 'हमर चित्रकला गुरु': वरिष्ठ छात्र, शिक्षक-उपनाम आ स्कूल-हास्य

१९१. गणितक पिच्चैया मास्टर विषयमे वरिष्ठ छात्रक टिप्पणी की छल?

(A) नीक पढ़बैत छथि मुदा नोट्स नहि दैत छथि

(B) नोट्स दैत छथि मुदा पढ़बैत नहि

(C) कहियो कक्षा नहि अबैत

(D) चित्र बनबैत छथि

१९२. मधुसूदनराव मास्टर विषयमे वरिष्ठ छात्रक टिप्पणी की छल?

(A) ढेर नोट्स दैत छथि मुदा एक शब्दो नहि पढ़बैत

(B) कठोर चित्रकला सिखबैत

(C) मौन रहैत

(D) केवल गीत गबैत

१९३. तेलुगु शिक्षक नरसैया मास्टरक पाठ वरिष्ठ छात्र कोना वर्णन करैत छल?

(A) ‘दान वीर सूर कर्ण’—छत्तीस रील, शानदार, मुदा शोर पर कठोर पिटाइ

(B) मात्र मौन ध्यान

(C) केवल गणित-सूत्र

(D) फूलक चित्र

१९४. अन्नपूर्णा टीचरक पढ़ब आ पिटाइ कोना वर्णित अछि?

(A) दुनू कोमल—पाठ फुसफुसाहट सन आ पिटाइ सेहो नरम

(B) दुनू अत्यन्त हिंसक

(C) ओ पढ़बैत नहि

(D) ओ केवल खेल खेलबैत

१९५. वरिष्ठ छात्र ‘चारि बहुत महत्वपूर्ण शब्द’ क नाम पर वास्तवमे की देलक?

(A) मास्टर सभक उपनाम

(B) गणितक सूत्र

(C) काव्यक चारि पंक्ति

(D) धार्मिक मंत्र

१९६. ‘अनन्त गाथा’ उपनाम ककर मुहावरा सँ उपजल?

(A) एक मास्टरक बार-बार दोहराओल ‘अनन्त गाथा’ वाक्यांश सँ

(B) चित्रकला मास्टरक दया सँ

(C) छात्रक कविता सँ

(D) बस-स्टैंडक नाम सँ

१९७. ‘पनामा ब्लेड’ उपनाम किएक पड़ल?

(A) मास्टर धमकीमे पनामा ब्लेडक नाम बार-बार लैत छलाह

(B) मास्टर ब्लेड बेचैत छलाह

(C) छात्र चित्र काटैत छल

(D) स्कूलक नाम पनामा छल

१९८. ‘दाँत नोचल जायत’ उपनामक पाछाँ कोन बात छल?

(A) सज्जन मास्टरक कोलाहल पर बेंतसँ दाँत नोचि देबाक चेतावनी

(B) दन्त-चिकित्सा पाठ

(C) छात्रक बीमारी

(D) मजदूरक उपकरण

१९९. ‘दिव्य निद्रा’ उपनाम ककर आदत सँ बनल?

(A) भोजनक बाद पाँच मिनट ओंघी लैत मास्टरक

(B) हरदम दौड़ैत छात्रक

(C) चित्र बनबैत शिक्षकक

(D) कविता गबैत कविक

२००. कथावाचक उपनाम-परम्परा पर अन्ततः कोन नैतिक प्रश्न उठबैत अछि?

(A) गुरु सभकेँ हुनकर शब्द सँ स्थायी नाम देब आ कनिष्ठकेँ देब उचित अछि कि नहि

(B) उपनामक वर्तनी की हो

(C) उपनामक रंग कोन हो

(D) कतेक छात्र उपस्थित छल

खण्ड १४३ : विदेह-सदेह ३७ — ‘हमर चित्रकला गुरु’: चित्रकला-कक्षा, दया आ जीवन-पाठ

२०१. चित्रकला मास्टरक असली नाम की बताओल गेल अछि?

(A) जी. नागेश्वरराव

(B) पिच्चैया

(C) नरसैया

(D) एबेनेजर

२०२. कथावाचक चित्रकला पीरियडक प्रतीक्षा किएक करैत छल?

(A) ओहि कक्षामे ऊब, गृहकार्यक पीड़ा आ बेंत-पिटाइ नहि छल

(B) ओहि कक्षामे केवल परीक्षा होइत छल

(C) ओहि कक्षामे स्कूल बन्द रहैत छल

(D) ओहि कक्षामे वरिष्ठ छात्र दण्ड दैत छल

२०३. चित्रकला कक्षामे बच्चा सभ कोन-कोन वस्तु बनबैत छल?

(A) कमल फूल, माटिक घैल, जोड़ा हंस, मोमबत्ती, लालटेन, काँच आम

(B) केवल युद्ध-मानचित्र

(C) केवल गणित-सूत्र

(D) केवल सरकारी मुहर

२०४. कथावाचक अपन चित्र बनबैत समय कतेक परिश्रमक हास्यपूर्ण उल्लेख करैत अछि?

(A) चारि इरेजर, छह पेन्सिल आ तीन शीट कागज कारी करब

(B) एकटा किताब बेचब

(C) दूटा बस पकड़ब

(D) सात दिन उपवास

२०५. चित्रकला मास्टर टेढ़-मेढ़ आकार सभ पर की प्रतिक्रिया दैत छलाह?

(A) किछु नहि कहैत छलाह

(B) तुरन्त पिटाइ करैत छलाह

(C) कक्षा सँ निकालैत छलाह

(D) उपनाम दैत छलाह

२०६. आधा घण्टा चित्र देखलाक बाद चित्रकला मास्टर असली पाठ कोना शुरू करैत छलाह?

(A) कुर्सी छोड़ि मेज पर पएर लटकबैत बैसि गप करब शुरू करैत

(B) बेंत उठबैत

(C) परीक्षा लेबैत

(D) कक्षा छोड़ि जाइत

२०७. येंकय्या क उदाहरणमे मास्टर कोन बात बुझबैत छलाह?

(A) मजदूर पिता बेटाक पढ़ाइ लेल कठोर परिश्रम करैत छथि

(B) भट्ठा काज मजाक अछि

(C) बेटाकेँ स्कूल छोड़बाक चाही

(D) चित्रकला व्यर्थ अछि

२०८. सेशैया क उदाहरणमे कोन सामाजिक यथार्थ अछि?

(A) अदरक चाह बेचि पिता बेटाक कर्मठ भविष्य चाहैत छथि

(B) चाह बेचब राजसी काज अछि

(C) बेटा शिक्षक अछि

(D) बस-स्टैंड स्कूल अछि

२०९. चित्रकला मास्टर बार-बार बच्चा सभसँ की उत्तर कहलवबैत छलाह?

(A) बहुत मेहनत सँ पढ़बाक चाही

(B) चित्र छोड़बाक चाही

(C) स्कूल नहि आबक चाही

(D) उपनाम राखबाक चाही

२१०. चित्रकला मास्टरक जीवन-पाठक केन्द्र की अछि?

(A) गरीब पिता-माताक श्रमक मान राखि शिक्षा लेल मेहनत करब

(B) शिक्षकक उपनाम फैलाब

(C) कक्षा मे सुतब

(D) चित्रकला छोड़ब

खण्ड १४४ : विदेह-सदेह ३७ — 'हमर चित्रकला गुरु': प्रेरणा, दसम् परीक्षा आ गुरु-देवत्व

२११. चित्रकला मास्टर स्कूलक पाछू स्थित कोन संस्थानक उदाहरण दैत छलाह?

(A) जवाहर भारती कॉलेज

(B) काकतीय विश्वविद्यालय

(C) मक्का मस्जिद

(D) पेदपावनि बस-स्टैंड

२१२. जवाहर भारती कॉलेजक उदाहरणमे मास्टर लड़का सभकेँ कोन लक्ष्य दिस धकेलैत छथि?

(A) दसम् पास कऽ इण्टरमे दाखिला लेब

(B) स्कूल छोड़ि देब

(C) वरिष्ठ छात्र बनि उपनाम देब

(D) चित्रकला कॉपी फाड़ब

२१३. मास्टरक 'लड़की सभक बगलमे बैसि पाठ सुनू' वाला प्रसंगक कार्य की अछि?

(A) किशोर छात्रक कल्पना केँ पढ़ाइ लेल प्रेरक भाषा बनब

(B) विद्यालयक नियम बताब

(C) कठोर दण्ड घोषित करब

(D) कविता अनुवाद करब

२१४. चित्रकला मास्टर बुरबक बच्चा सभकेँ 'जानवर जकाँ हाँकैत' किएक प्रेरित करैत छलाह?

(A) जाहि सँ ओ सभ दसम् पास कऽ सकय

(B) जाहि सँ ओ चित्र छोड़ि देथि

(C) जाहि सँ उपनाम बने

(D) जाहि सँ कक्षा बन्द हो

२१५. चित्रकला विषयक परीक्षा रहितो ओकर अङ्क निर्धारित नहि छल—एहि स्थिति सँ की भासैत अछि?

(A) औपचारिक प्रणाली ओकर योगदानकेँ कम देखैत छल

(B) विषय अत्यधिक प्रतिष्ठित छल

(C) कक्षा अनिवार्य नहि छल

(D) मास्टर अनुपस्थित रहैत छलाह

२१६. कुमारस्वामी मास्टरक कार्यालयक चार्ट कथामे ककर प्रमाण बनैत अछि?

(A) दसम् परीक्षाक उत्तीर्ण प्रतिशतमे चित्रकला मास्टरक बराबर भूमिका

(B) चित्रकला कॉपीक बिक्री

(C) वरिष्ठ छात्रक उपनाम-सूची

(D) बस-स्टैंडक रूट

२१७. कथावाचक चित्रकला मास्टरक भूमिका आन शिक्षकक बराबर किएक मानैत अछि?

(A) ओ छात्र सभमे पढ़बाक इच्छा आ आत्मविश्वास जगबैत छलाह

(B) ओ गणित नोट्स दैत छलाह

(C) ओ तेलुगु पाठ फुसफुसबैत छलाह

(D) ओ सजा मात्र दैत छलाह

२१८. एबेनेजर आ डेविड सन वरिष्ठ छात्र अंततः चित्रकला मास्टरक विषयमे की भाव देखबैत छथि?

(A) श्रद्धासँ क्षमायाचना करैत 'ओ हमर भगवान नहि छथि?' कहय पड़ैत अछि

(B) ओ हुनका उपनाम दैत रहैत छथि

(C) ओ हुनका भूलि जाइत छथि

(D) ओ हुनका विरोध करैत छथि

२१९. 'हमर चित्रकला गुरु हमर भगवान छथि' कथन अन्तमे फेर किएक सार्थक बनैत अछि?

(A) कथा सिद्ध करैत अछि जे गुरु छात्रक जीवन-दिशा बदलि सकैत छथि

(B) कथा चित्रकला छोड़बा पर खत्म होइत अछि

(C) कथा उपनाम पर अटकि जाइत अछि

(D) कथा परीक्षा-तालिकामे सिमटि जाइत अछि

२२०. अनुवादक टिप्पणीमे 'हमर चित्रकला गुरु' क मूल कथासंग्रह कोन कहल गेल अछि?

(A) 'पोलेरम्मा बण्डा कथालु'

(B) 'नानीलु: द लिटिल वन्स'

(C) 'थायम्मा कथालु'

(D) 'सदा लेल मित्र'

खण्ड १४५ : विदेह-सदेह ३७ — 'जुम्मा': मक्का मस्जिद विस्फोट आ मायक भय

२२१. 'जुम्मा' कथाक आरम्भमे कथावाचकक आँखि सोझाँ ककर मुँह बार-बार अभरैत अछि?

(A) भय सँ भरल मायक निर्दोष मुँह

(B) कार्यालयक सम्पादकक मुँह

(C) बाल्यकालक शिक्षकक मुँह

(D) चारमीनारक दुकानदारक मुँह

२२२. कथाक वर्तमान समयमे कोन घटना कथावाचक आ मायक सम्बन्धकेँ हिला दैत अछि?

(A) मक्का मस्जिदक भीतर बम विस्फोट

(B) गाममे बाढ़िक आगमन

(C) कथावाचकक नौकरी छूटब

(D) स्कूलक परीक्षा स्थगित होयब

२२३. फोन पर माय पहिने-पहिने ककरा लेल चिन्तित छथि?

(A) बेटा मस्जिद गेल छल की नहि

(B) बेटा भोजन केलक की नहि

(C) बेटा चारमीनार चढ़ल की नहि

(D) बेटा चिट्ठी लिखलक की नहि

२२४. कथावाचककेँ किएक पीड़ा होइत अछि जे माय खुश छथि ओ मस्जिद नै गेल?

(A) कारण पहिने वैह माय ओकरा शुक्रवारक नमाज लेल अनिवार्य रूपेँ भेजैत छलीह

(B) कारण माय सदिखन मस्जिदक विरोधी छलीह

(C) कारण कथावाचक मस्जिदमे रहैत छल

(D) कारण माय चारमीनार देखय चाहैत छलीह

२२५. कथा मे बम विस्फोटक वातावरण कोना चित्रित अछि?

(A) हाहाकार, टीवीक व्याकुल स्वर, पाथरबाजी, दहशत आ रक्तपातक रूपमे

(B) बस-यात्रा, बाजार आ हँसी-मजाकक रूपमे

(C) शांत पूजा आ प्रसाद-वितरणक रूपमे

(D) विद्यालयी कक्षा आ खेल-कूदक रूपमे

२२६. 'जुम्मा' मे वर्तमान फोन-वार्ता कथावाचककेँ कतय खींचि लैत अछि?

(A) बाल्यकालक शुक्रवार आ मस्जिद-स्मृति दिस

(B) नवकरीक वेतन-विवाद दिस

(C) चित्रकला कक्षाक शरारत दिस

(D) कुश्तीक मैदान दिस

२२७. कथावाचकक अनुसार माय पहिल बेर कोन बातसँ खुश भेलीह?

(A) बेटा मस्जिद नहि गेल छल

(B) बेटा परीक्षा पास कएलक

(C) बेटा चारमीनार चढ़ल

(D) बेटा नौकरी छोड़लक

२२८. मायक 'हमर बेटा' पुकार कथामे कोन भाव तीव्र करैत अछि?

(A) मातृत्वक भय आ स्नेहक संकुलता

(B) केवल आदेशात्मक क्रोध

(C) व्यंग्यात्मक हास्य

(D) व्यापारिक सौदा

२२९. कथाक शीर्षक 'जुम्मा' क मुख्य भाव-सूत्र की अछि?

(A) शुक्रवारक नमाज, स्मृति, आ हिंसा-पश्चात् बदलैत आस्था

(B) विद्यालयी छुट्टीक कार्यक्रम

(C) चित्रकारक प्रशिक्षण

(D) किसानक ऋण-संकट

२३०. वेम्पल्ले शरीफक परिचय कथापूर्वक ककर रूपमे भेटैत अछि?

(A) कवि-कथाकार आ साक्षी टीवीक मुख्य उप-सम्पादक

(B) गुजराती चित्रकार

(C) विद्यालयक चित्रकला गुरु

(D) मक्का मस्जिदक हजरत

खण्ड १४६ : विदेह-सदेह ३७ — 'जुम्मा': बाल्यकाल, शुक्रवार आ घरक धार्मिक संस्कार

२३१. बाल्यकालमे मायक शुक्रवारक नमाज प्रति भाव कोना छल?

(A) ओ भक्तिपूर्वक प्रेम करैत छलीह आ ओकरा छोड़ि नै सकैत छलीह

(B) ओ सदिखन ओकर विरोध करैत छलीह

(C) ओ केवल त्योहारक दिन याद करैत छलीह

(D) ओ बच्चा सभकेँ मस्जिद सँ रोकैत छलीह

२३२. बाबूजी मस्जिद जाय सँ बचबाक लेल की करैत छलाह?

(A) काजक बहाना बनबैत छलाह

(B) सदैव पहिने मस्जिद पहुँचि जाइत छलाह

(C) चारमीनारक टिकट किनैत छलाह

(D) स्कूलक शिक्षकसँ बहस करैत छलाह

२३३. कथावाचक बचपनमे मस्जिद जाय सँ बचबाक कोन हास्यास्पद बहाना करैत छल?

(A) ओ कहैत जे एखने माटिक ढेरी पर लगही कऽ आयल छी

(B) ओ कहैत जे चारमीनार बंद अछि

(C) ओ कहैत जे स्कूलमे परीक्षा अछि

(D) ओ कहैत जे टोपी हराइ गेल

२३४. मायक ठेंगा लऽ कऽ अबैत छवि ककर संकेत अछि?

(A) बेटाकेँ नमाज लेल अनुशासनमे राखबाक दृढ़ता

(B) मस्जिदक भय

(C) नारिकेल बेचबाक व्यवसाय

(D) सड़क पार करबाक असमर्थता

२३५. मस्जिद पहुँचि बच्चा कथावाचक सामान्यतः की करैत छल?

(A) आन बच्चा सभसँ घुलि-मिलि वरदान माँगैत छल

(B) हजरतकेँ घर लऽ अबैत छल

(C) टीवी समाचार पढ़ैत छल

(D) दरगाहक फ्रेम बेचैत छल

२३६. माय नमाजक अर्थ केवल वरदान माँगब नहि मानैत छलीह; हुनकर मुख्य बात की छल?

(A) अल्लाह पर विश्वास रखि मोन केन्द्रित राखब

(B) नारिकेलक गुदा बेसी खायब

(C) स्कूलसँ जल्दी घुरब

(D) चारमीनार ऊपर चढ़ब

२३७. माय प्रार्थना समय बकवास सँ बचबाक सीख कोना तीव्र बनबैत छलीह?

(A) बम फुटियो जाए, मोन अल्लाह पर केन्द्रित राखू कहि

(B) मस्जिद छोड़ि भागू कहि

(C) स्कूल बैग घर राखू कहि

(D) नारिकेल बेचू कहि

२३८. शुक्रवारक मध्याह्न अवकाशमे कथावाचककेँ स्कूलसँ निकलबाक सुविधा कोना भेटल?

(A) माय शिक्षकसँ बात कऽ कऽ मस्जिद-व्यवस्था करौने छलीह

(B) बाबूजी पुलिससँ आदेश लएने छलाह

(C) कथावाचक झूठा प्रमाणपत्र बनौने छल

(D) प्रधानाध्यापक ओकरा निकालि देने छलाह

२३९. आन बच्चा सभ कथावाचकक जल्दी घर घुरब पर की अनुभव करैत छल?

(A) ईर्ष्या

(B) घृणा

(C) उदासीनता

(D) भय

२४०. शुक्रवारक पोशाक आ सजावट कथामे कोन छवि बनबैत अछि?

(A) गरम स्नान, सुरमा, टोपी, उज्जर कुर्ता-पाजामा सँ पावन चमक

(B) कादो भरल खेतक श्रम

(C) मेडिकल अस्पतालक वर्दी

(D) चित्रकला कक्षाक धूसर कॉपी

खण्ड १४७ : विदेह-सदेह ३७ — 'जुम्मा': दरगाह, नारिकेल आ हैदराबादक मक्का मस्जिद

२४१. शुक्रवारक साँझ घर-घरमे कोन दृश्य देखाओल गेल अछि?

(A) दरगाहक चित्र सोझाँ दीप, अगरबत्ती आ स्त्री सभक आवा-जाही

(B) रेलवे स्टेशनक भीड़

(C) टीबी अस्पतालक वार्ड

(D) गामक पञ्चायत

२४२. दरगाहक चित्र पर नारिकेल चढ़ाबयक अनुष्ठानमे बाबूजीक भूमिका की छल?

(A) हजरतकेँ गली-गली सँ घर लऽ आनब

(B) नारिकेलक गुदा सभसँ पहिने खायब

(C) मस्जिदक सीढ़ी झाड़ब

(D) टीवी पर समाचार पढ़ब

२४३. माय कलमा आ ग़ुस्लक अन्तर पर बाबूजीकेँ टोकैत छथि—एहि प्रसंगमे की उभरैत अछि?

(A) धार्मिक विधि प्रति मायक सजगता आ बाबूजीक अनभिज्ञता

(B) बाजारक मोलभाव

(C) विद्यालयक अनुशासन

(D) मेडिकल विज्ञानक बहस

२४४. नारिकेलक प्रसाद बाँटैत माय कथावाचककेँ कोन शिक्षा दैत छलीह?

(A) भगवानकेँ चढ़ाओल वस्तुमे लोभ नहि, बाँटब आवश्यक

(B) सभ खण्ड अपने लेल राखब

(C) हजरतकेँ नहि देब

(D) नारिकेल बेसी महँग अछि तेँ नहि कीनब

२४५. हैदराबादमे माय कथावाचकक हाथ पकड़ब आ हाथ पकड़ाएबक उलटफेर किएक भावुक बनैत अछि?

(A) बाल्यकालमे माय बच्चाकेँ सम्हारैत छलीह, आब पैघ बेटा मायकेँ सड़क पार करबैत अछि

(B) माय बेटाकेँ अस्पताल लऽ जाइत छलीह

(C) बेटा मायकेँ स्कूलमे भर्ती करबैत अछि

(D) बाबूजी दुनूकेँ छोड़ि जाइत छथि

२४६. हैदराबाद आगमन पर माय बाहर घुमबाक विरोध किएक करैत छलीह?

(A) ओ बेटा पर खर्चक बोझ नहि बनय चाहैत छलीह

(B) ओ शहरसँ घृणा करैत छलीह

(C) ओ मस्जिद देखबाक विरोधी छलीह

(D) ओ रेलयात्रा करय चाहैत छलीह

२४७. मक्का मस्जिद देखब लेल माय किएक उत्सुक भेलीह?

(A) बेटा बतौलक जे निजाम नवाब सभ द्वारा बनायल बड़का मस्जिद अछि

(B) ओतय चित्रकला प्रतियोगिता छल

(C) ओतय अस्पतालक भर्ती छल

(D) ओतय नौकरीक साक्षात्कार छल

२४८. मस्जिदमे प्रवेश करैत माय किएक झिझकलीह?

(A) महिला सभ सामान्यतः मस्जिदमे प्रवेश नहि करैत छथि आ ओ बुरका बिना छलीह

(B) मस्जिदमे काज चलि रहल छल

(C) कथावाचक चप्पल खो देने छल

(D) चारमीनार बन्द छल

२४९. मक्का मस्जिदक भीतर परबा, हौज आ सीढ़ीक दृश्य कथामे की करैत अछि?

(A) शान्त, मनमोहक धार्मिक परिसरक दृश्य बनबैत अछि

(B) हिंसाक आरम्भ सूचित करैत अछि

(C) विद्यालयी खेलक मैदान बनबैत अछि

(D) बाजारक शोर बढ़बैत अछि

२५०. मीनारक देवार छूबि आँखिमे लगबैत माय कोन भाव व्यक्त करैत छथि?

(A) श्रद्धा आ पवित्रता

(B) व्यापारिक उत्सुकता

(C) राजनीतिक विरोध

(D) शहरी ऊब

खण्ड १४८ : विदेह-सदेह ३७ — 'जुम्मा': वचन, विस्फोट आ मातृत्वक परिवर्तन

२५१. मक्का मस्जिद भ्रमणक बाद कथावाचक मायसँ कोन वादा करैत अछि?

(A) अगिला हप्ता एतय नमाज पढ़य आयब

(B) सदैव गाम घुरि रहब

(C) चारमीनार फेर नहि देखब

(D) नारिकेल नहि बाँटब

२५२. माय 'एहन ठाम सभ पर नमाज पढ़बाक सौभाग्य' कहि की संकेत करैत छथि?

(A) पुरान, पवित्र मस्जिदमे नमाजक आध्यात्मिक महत्त्व

(B) केवल पर्यटनक आनन्द

(C) व्यापारिक लाभ

(D) राजनीतिक सभा

२५३. मस्जिदक वचन बाद कथावाचकक व्यवहार की भेल?

(A) ओ वादा कात कऽ देलक आ मस्जिद जायब बिसरि गेल

(B) ओ प्रतिदिन मस्जिद गेल

(C) ओ गाम घुरि गेल

(D) ओ हजरत बनि गेल

२५४. विस्फोटक समाचार सुनलाक बाद कथावाचक शुक्रक बारेमे की अनुभव करैत अछि?

(A) ओ शुक्र सँ डराइत अछि

(B) ओ शुक्रकेँ उत्सव मात्र बुझैत अछि

(C) ओ शुक्रक अर्थ भूलि जाइत अछि

(D) ओ शुक्रक दिन नौकरी छोड़ैत अछि

२५५. कथावाचक मायकेँ मक्का मस्जिद विस्फोटक बात कहैत कोन दृश्य जोड़ैत अछि?

(A) शोनित सँ लथपथ बच्चा आ मरल परबा

(B) चित्रकला मास्टरक चार्ट

(C) कपासक सूखल खेत

(D) टीबी वार्डक खाँसी

२५६. फोन पर माय बेटासँ अन्ततः की आग्रह करैत छथि?

(A) गाम घुरि आउ आ ओहि मस्जिद लग नहि जाउ

(B) हर शुक्रवार ओहि मस्जिद जाउ

(C) चारमीनार अवश्य चढ़ू

(D) नारिकेलक खण्ड बचाउ

२५७. ‘की अपन सन्तानक प्रेमक आगाँ भगवान आन भऽ गेल अछि?’—ई प्रश्न ककर द्वन्द्व अछि?

(A) आस्था आ मातृत्वक बीच कथावाचकक भीतरी द्वन्द्व

(B) बाजार आ नौकरीक द्वन्द्व

(C) शिक्षक आ विद्यार्थीक द्वन्द्व

(D) चित्रकला आ गणितक द्वन्द्व

२५८. अन्तमे कथावाचक अल्लाहसँ क्षमा किएक माँगैत अछि?

(A) कारण ओ आस्था, भय आ मायक बदलल आग्रहक बीच अपराध-बोध अनुभव करैत अछि

(B) कारण ओ प्रसाद बेसी खा लेने छल

(C) कारण ओ चित्र नहि बना सकल

(D) कारण ओ अस्पताल नहि गेल

२५९. कथाक समर्पण कोन लोकसभ लेल अछि?

(A) मक्का मस्जिद विस्फोटक बाद बदलय लेल विवश माय सभ लेल

(B) नौकरी छोड़ल मजदूर नेता सभ लेल

(C) चित्रकला गुरु सभ लेल

(D) आइसक्रीम अनय बला बच्चा सभ लेल

२६०. ‘जुम्मा’ अन्तमे पाठककेँ कोन मुख्य अनुभूति दैत अछि?

(A) हिंसा पवित्र स्मृति आ आस्था दुनूकेँ घायल करैत अछि

(B) धार्मिक दिन केवल छुट्टी अछि

(C) शहरक यात्रा सदिखन हास्यपूर्ण अछि

(D) बचपनक खेल सभ निरर्थक अछि

खण्ड १४९ : विदेह-सदेह ३७ — ‘जुम्मा’: शब्दावली, प्रतीक आ कथा-संरचना

२६१. ‘सुरमा’ शब्दावलीमे कोना समझाओल गेल अछि?

(A) आँखिमे लगाबय बला काजर

(B) मृतकक अन्तिम स्नान

(C) सन्तक मकबरा

(D) विश्वासक पवित्र वचन

२६२. ‘दरगाह’ शब्द कथामे कोन अर्थ धारण करैत अछि?

(A) सन्त सभक मकबरा पर बनल श्रद्धास्थल

(B) स्कूलक परीक्षा-कक्ष

(C) टीबी अस्पतालक वार्ड

(D) किसानक खेत

२६३. ‘कलमा’ कथाक शब्दावलीमे ककर पवित्र वचन कहल गेल अछि?

(A) खुदा आ पैगम्बर मुहम्मद पर विश्वास व्यक्त करय बला वचन

(B) चित्रकला परीक्षा पास करयक वचन

(C) मजदूरी लेबाक वचन

(D) बस-यात्राक टिकट

२६४. ‘ग़ुस्ल’ शब्दावलीमे कोन क्रिया अछि?

(A) दफनाबय सँ पहिने मृतककेँ कराओल जाय बला अन्तिम स्नान

(B) नारिकेल चढ़ाबयक विधि

(C) शुक्रवारक स्कूल छुट्टी

(D) मस्जिदक मीनार चढ़ब

२६५. ‘हजरत’ कथामे कोन प्रकारक व्यक्ति लेल प्रयुक्त अछि?

(A) पवित्र आ श्रद्धेय व्यक्ति

(B) विद्यालयक वरिष्ठ छात्र

(C) मेडिकल सहपाठी

(D) दुकानदार

२६६. परबा सभ ‘जुम्मा’ मे कोन प्रतीकात्मक भूमिका निभबैत अछि?

(A) शान्त पवित्र परिसरक जीवित सौन्दर्य, जे बादमे हिंसा सँ टूटैत अछि

(B) मजदूर आन्दोलनक नेता

(C) गणितक पहाड़ा

(D) व्यापारिक लाभ

२६७. नारिकेलक खण्ड कथामे कोन नैतिक पाठ बनैत अछि?

(A) चढ़ाओल वस्तु बाँटब आ लोभ त्यागब

(B) प्रसाद केवल अपने राखब

(C) दुकानक दाम बढ़ाउ

(D) मस्जिदसँ बचू

२६८. चारमीनार आ मक्का मस्जिदक तुलना कथामे ककर भूमिका बनबैत अछि?

(A) ऐतिहासिक शहर, पर्यटन-आकर्षण आ पवित्र स्थल बीच बेटा-मायक संवाद

(B) गामक खेतक नाप

(C) अस्पतालक दवाई-सूची

(D) चित्रकला गुरुक पाठ्यक्रम

२६९. कथा ‘जुम्मा’ क संरचनात्मक चाल की अछि?

(A) वर्तमान फोन-भय सँ अतीत स्मृति आ फेर वर्तमान शोक दिस लौटब

(B) सरल जन्म-देखि-मृत्यु जीवनी

(C) केवल शब्दावली-सूची

(D) निरन्तर हास्य-प्रसंग

२७०. ‘जुम्मा’ मे मायक परिवर्तनकेँ सरलीकृत विरोधाभास नहि मानबाक कारण की अछि?

(A) ओ धार्मिक आस्थाकेँ छोड़ि नहि देलनि; भयभीत मातृत्व बेटाक जीवन बचय चाहैत अछि

(B) ओ धर्मसँ सदिखन घृणा करैत छलीह

(C) ओ मस्जिदक बारेमे किछु नहि बुझैत छलीह

(D) ओ केवल शहर घुमय चाहैत छलीह

खण्ड १५० : विदेह-सदेह ३७ — ‘अभिशप्त’: चक्रवात, कोठली आ बालसखा शर्मा

२७१. ‘अभिशप्त’ कथाक आरम्भिक वातावरण कोना अछि?

(A) चक्रवात, भारी बरखा, अन्हार आ खराब स्ट्रीट लाइटक बीच

(B) उज्जर दुपहरिया आ मेला

(C) विद्यालयक चित्रकला कक्षा

(D) मस्जिदक शांत चबूतरा

२७२. कथावाचक अपन कोठलीमे प्रवेश करैत की अचरज देखैत अछि?

(A) केबाड़ भीतर सँ बन्द नहि छल आ शर्मा फर्श पर सुतल छल

(B) घरमे उत्सव चलि रहल छल

(C) महालक्ष्मी भोजन परोसि रहल छलीह

(D) रोहिणी प्रतीक्षा कऽ रहल छलीह

२७३. शर्मा आ कथावाचकक पुरान सम्बन्ध कोना वर्णित अछि?

(A) बचपनसँ संग गाबैत-खेलैत आ कॉलेजमे कोठली साझा करैत पैघ भेल मित्र

(B) एक-दोसरकेँ नहि चिन्हनिहार यात्री

(C) मालिक आ मजदूर

(D) शिक्षक आ प्रधानाचार्य

२७४. शर्माक हालत देखि कथावाचक कोन संकेत पबैत अछि?

(A) ओ बीमार, भूखल, बेरोजगार आ बदहाल अछि, मुदा आँखि चमकदार अछि

(B) ओ धनी बनि गेल अछि

(C) ओ पूर्ण स्वस्थ आ प्रसन्न अछि

(D) ओ शहर छोड़ि देलनि अछि

२७५. शर्माक चरित्रक बारेमे कथावाचक मुख्यतः की कहैत अछि?

(A) ओ आदर्शकेँ शब्द नहि, कर्ममे उतारैत छल आ ओहिमे फँसि जाइत छल

(B) ओ सदिखन झूठ बाजैत छल

(C) ओ केवल स्वार्थी प्रबन्धक छल

(D) ओ मित्रतासँ बचैत छल

२७६. शर्मा कथावाचककेँ बार-बार पहिने की करय कहैत अछि?

(A) भीजल केश सुखाउ, नहि तँ सर्दी लागि जायत

(B) तुरन्त अस्पताल चलू

(C) मक्का मस्जिद जाउ

(D) यूनियन मीटिंग बोलाउ

२७७. शर्माक पत्नीक विषयमे ओ की बतबैत अछि?

(A) ओ सातम मासमे अछि आ भाइ सभ प्रसव लेल घर लऽ गेल छथि

(B) ओ अस्पतालमे डॉक्टर छथि

(C) ओ प्रबन्ध निदेशक छथि

(D) ओ रोहिणीक सहेली छथि

२७८. कथावाचक 'अहाँ फेर अपन नौकरी खतरामे धऽ देलहुँ?' किएक पूछैत अछि?

(A) कारण शर्मा आदर्शवादी संघर्षक कारण बेरोजगारीमे पड़ैत रहल अछि

(B) कारण शर्मा सदिखन आलसी छल

(C) कारण शर्मा अस्पतालसँ भागि गेल छल

(D) कारण शर्मा परीक्षा नहि देलक

२७९. शर्माक ऋण-ऋणदाता आ जन्म-जन्मान्तर सम्बन्धक बात पर कथावाचकक प्रतिक्रिया की अछि?

(A) ओ ओकरा अन्धविश्वास कहि रोकय चाहैत अछि

(B) ओ तुरन्त मानि लैत अछि

(C) ओ पूजा शुरू करैत अछि

(D) ओ ओकरा कविता मानैत अछि

२८०. आरम्भिक रातिक दृश्य कथाक शीर्षक 'अभिशप्त' लेल कतेक उपयुक्त अछि?

(A) मित्रक बीमारी, बेरोजगारी, तूफान आ अनिष्टक संकेत एक संग जुटैत अछि

(B) सब पात्र सुखी आ सुरक्षित अछि

(C) कथा पूर्ण हास्य मे चलैत अछि

(D) केवल पर्यटन-वृत्तान्त अछि

खण्ड १५१ : विदेह-सदेह ३७ — 'अभिशप्त': हैदराबाद स्मृति, गरीबी आ यूनियन-संघर्ष

२८१. छह मास पहिने कथावाचक हैदराबादमे की कएलक?

(A) शर्माक घर खोजि ओकरा भेटय गेल

(B) मक्का मस्जिदमे नमाज पढ़य गेल

(C) चित्रकला गुरुकेँ खोजय गेल

(D) प्रबन्ध निदेशकसँ नौकरी माँगय गेल

२८२. शर्मा कथावाचककेँ देखि महालक्ष्मीकेँ की कहैत अछि?

(A) भैया आबि गेलाह, महालक्ष्मी

(B) डॉक्टर आबि गेलाह, भर्ती करू

(C) मजदूर नेता भागि गेल

(D) मस्जिद बन्द अछि

२८३. शर्माक घरक आर्थिक स्थिति कोना झलकैत अछि?

(A) मात्र एक कोठली आ छोट मटियातेल स्टोव

(B) पाँच कमरा आ मोटरगाड़ी

(C) कार्यालय-सज्जित भवन

(D) मस्जिदक बड़का चबूतरा

२८४. महालक्ष्मी भोजन करबैत कथावाचककेँ की कहैत छथि?

(A) उभरैत डॉक्टरकेँ चिड़िया जकाँ नहि खेबाक चाही

(B) डॉक्टरकेँ नमाज पढ़बाक चाही

(C) मजदूरकेँ नौकरी छोड़बाक चाही

(D) चित्रकारकेँ पेन्सिल किनबाक चाही

२८५. शर्मा प्रबन्धनक विरुद्ध अपन संघर्षक आधार की बतबैत अछि?

(A) मजदूर सभकेँ न्यूनतम मजदूरी आ न्याय दिलायब

(B) स्वयं महँगा पद पायब

(C) महालक्ष्मीकेँ शहर घुमायब

(D) हजरतकेँ घर अनब

२८६. कथावाचक शर्मा केँ कनी स्वार्थी बनबाक सलाह किएक दैत अछि?

(A) कारण संघर्षमे पत्नी आ ओकर भविष्य सेहो जोखिममे अछि

(B) कारण कथावाचक मजदूर विरोधी अछि

(C) कारण शर्मा धनी अछि

(D) कारण यूनियन जीत चुकल अछि

२८७. शर्मा अपन आयक अतिरिक्त साधन की बतबैत अछि?

(A) कहानी सभक चित्रण कऽ कऽ कमा लैत अछि

(B) नारिकेल बेचैत अछि

(C) मस्जिदक टिकट काटैत अछि

(D) बस-कण्डक्टर अछि

२८८. कथावाचक मेडिकल छात्र हेबाक बावजूद अपन आर्थिक असुरक्षा किएक व्यक्त करैत अछि?

(A) मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि बिना डॉक्टर बनबो कठिन आ खर्चीला अछि

(B) मेडिकल पढ़ाइ मुफ्त अछि

(C) ओ धनवान परिवारसँ अछि

(D) ओ नौकरी पाए चुकल अछि

२८९. कथावाचकक ‘भावुकता आ अकड़ मात्र धनी सभकेँ शोभा दैत’ विचार की प्रकट करैत अछि?

(A) गरीब आदर्शवादी संघर्षक व्यावहारिक खतरा

(B) धनी सभक आध्यात्मिक श्रेष्ठता

(C) मजदूरक जीत निश्चितता

(D) मित्रता व्यर्थता

२९०. शर्माक ‘हमरा पाछू एक हजार लोक अछि’ कथन कथावाचककेँ असहज किएक करैत अछि?

(A) ओ गरीब भीड़केँ धनिकक हाथक असहाय मोहरा मानैत अछि

(B) ओ भीड़सँ प्रसन्न अछि

(C) ओ चुनाव लड़य चाहैत अछि

(D) ओ अस्पतालक लाइन सोचैत अछि

खण्ड १५२ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अभिशप्त’: अस्पताल, ‘काला जादू’ आरोप आ बर्खास्तगी

२९१. शर्माक रातभरि खोंखला कऽ बाद कथावाचक की निर्णय करैत अछि?

(A) ओकरा अस्पताल लऽ जा कऽ मुख्य डॉक्टरकेँ देखाएब

(B) ओकरा तुरन्त हैदराबाद भेजब

(C) ओकरा यूनियन मीटिंगमे लऽ जायब

(D) ओकरा मस्जिद पठाएब

२९२. ओपीडी पुर्जा ककर नाम सँ बनाओल जाइत अछि?

(A) बालागंगाधर शर्मा, पुरुष, २४ बर्ख

(B) वेम्पल्ले शरीफ, पुरुष, ३४ बर्ख

(C) करुणाकर राव, छात्र

(D) महालक्ष्मी, सातम मास

२९३. मुख्य डॉक्टर जाँच कऽ की निर्देश दैत छथि?

(A) ओकरा भर्ती करू आ ध्यान सँ फलो-अप करू

(B) ओकरा तुरन्त निकालू

(C) ओकरा नमाज पढ़ाउ

(D) ओकरा यूनियन सचिव बनाउ

२९४. शर्मा बादमे नौकरी छोड़ब/छोड़बाक कारण कोना बतबैत अछि?

(A) प्रबन्धन-संघर्षक बीच ओकरा काला जादू आ अभिशाप देबाक झूठ आरोपमे घेरल गेल

(B) ओ स्वेच्छासँ विदेश गेल

(C) ओ पढ़ाइ छोड़ि देलक

(D) ओ चित्रकला गुरु बनल

२९५. अदहा रातिक पाथरबाजी पहिने शर्मा कोना बुझैत छल?

(A) विरोधी यूनियनक काज हएत

(B) बच्चा सभक खेल होएत

(C) बम विस्फोट होएत

(D) प्राकृतिक दुर्घटना होएत

२९६. यादगिरी शर्माकेँ की चेतावनी दैत अछि?

(A) ठाम छोड़ू, नहि तँ लोक मारि देत

(B) दसम् पास करू

(C) मक्का मस्जिद जाउ

(D) नारिकेल बाँटू

२९७. शर्मा पर मृत पड़ोसीक विषयमे कोन आरोप लगाओल जाइत अछि?

(A) ओ काला जादूसँ ओकर मृत्यु करौलक

(B) ओ ओकरा अस्पताल लऽ गेल

(C) ओ ओकरा नौकरी देलक

(D) ओ ओकरा नमाज पढ़ौलक

२९८. प्रबन्धन अन्ततः शर्माकेँ कोना हटबैत अछि?

(A) तीन मासक वेतन आ असंतोषजनक सेवाक बर्खास्तगी आदेश दऽ कऽ

(B) सम्मान-पत्र दऽ कऽ पदोन्नति कऽ

(C) मजदूरी बढ़ा कऽ

(D) स्वास्थ्य-छुट्टी दऽ कऽ

२९९. शर्मा विरोधी यूनियन आ प्रबन्धनक सम्बन्धमे की निष्कर्ष निकालैत अछि?

(A) दूनूक मिलीभगत ओकरा अलग-थलग करलक

(B) दूनू ओकर पक्षमे छल

(C) दूनूक झगड़ा समाप्त भेल

(D) दूनू अस्पताल चलि गेल

३००. 'सोझ-साधा लोकक बचब कठिन अछि' कथन ककर पीड़ा अछि?

(A) शर्माक, जे अपनाकेँ जन-हितैषी मानितो दुश्मन मानल जाइत अछि

(B) प्रबन्ध निदेशकक

(C) रोहिणीक

(D) हजरतक

खण्ड १५३ : विदेह-सदेह ३७ — 'अभिशप्त': रोहिणी, स्वास्थ्य-लाभ आ भयक पुनरागमन

३०१. अस्पतालमे प्रारम्भिक उपचारक बाद शर्माक स्वास्थ्य पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) खोंखी घटि जाइत अछि आ नीक दवाई-भोजनसँ ओ बदलि जाइत अछि

(B) ओ तुरन्त मरि जाइत अछि

(C) ओ अस्पताल छोड़ि भागि जाइत अछि

(D) ओ डॉक्टर बनि जाइत अछि

३०२. शर्मा अस्पतालमे रहितो कथावाचकक भविष्यक विषयमे कोना सोचैत अछि?

(A) ओ ओकर समृद्धि, नौकरी आ भविष्यक सपना देखैत रहैत अछि

(B) ओ ओकरा त्यागि दैत अछि

(C) ओ ओकरा धमकाबैत अछि

(D) ओ ओकरा मस्जिद पठबैत अछि

३०३. शर्मा आदर्शवादसँ हटि कथावाचक केँ कोन व्यावहारिक सलाह दैत अछि?

(A) गरीबक सेवा कहबाक बदला खाड़ी देश जाउ आ धनी बनू

(B) हर दिन यूनियन धरना दियौ

(C) मेडिकल पढ़ाइ छोड़ू

(D) काला जादूक अभ्यास करू

३०४. रोहिणी शर्माक विषयमे कथावाचककेँ ककरा लग जायब ठीक नहि कहलनि?

(A) पीड़ित सभक लग

(B) मक्का मस्जिद लग

(C) चित्रकला कक्षा लग

(D) जवाहर भारती कॉलेज लग

३०५. रोहिणीक चेतावनी पर कथावाचकक भीतरी प्रतिक्रिया की अछि?

(A) ओ दाँत पीसैत अछि आ आहत होइत अछि

(B) ओ तुरन्त सहमत भऽ जाइत अछि

(C) ओ हँसि दैत अछि

(D) ओ नौकरी छोड़ि दैत अछि

३०६. पोस्टिंग बदलबाक सन्दर्भ कथामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) टीबी अस्पताल सँ हटला बाद शर्माक सुरक्षा आ निगरानी कमजोर पड़ैत अछि

(B) कथावाचक मस्जिदमे नियुक्त होइत अछि

(C) रोहिणी विदेश जाइत अछि

(D) शर्मा नौकरी पाबि जाइत अछि

३०७. शर्मा बादमे शरीर पर चोटक निशान संग की बतबैत अछि?

(A) तीन बदमाश ताजा हवा लेबा लेल निकलला पर ओकरा पीटि देलक

(B) ओ बस दुर्घटनामे घायल भेल

(C) ओ चित्रकला सीखैत चोट खा गेल

(D) ओ पूजा मे गिरि गेल

३०८. बदमाश सभ शर्माकेँ कोन नाम/छवि सँ चिह्नित करैत अछि?

(A) बानामती बापनय्या—काला जादू करय बला खतरनाक ओझा

(B) मक्का मस्जिदक हजरत

(C) मेडिकल प्रोफेसर

(D) चित्रकला मास्टर

३०९. 'करुणा, कृपया हमरा एतय सँ बचा लिअ'—एहि वाक्यमे शर्माक कोन अवस्था अछि?

(A) पहिल बेर सन्तुलन खोने भयभीत निराशा

(B) हास्यपूर्ण छेड़छाड़

(C) राजनीतिक विजय

(D) स्वस्थ आत्मविश्वास

३१०. कथावाचक सहपाठीसँ शर्मापर नजरि रखबाक कहैत अछि, मुदा प्रतिक्रिया की भेटैत अछि?

(A) लोक ओकरा मानसिक रोगी जकाँ बुझि डरैत छथि

(B) सभ सहपाठी उत्साहसँ मदति करैत छथि

(C) प्रबन्धन माफी माँगैत अछि

(D) रोहिणी ओकरा घर लऽ जाइत अछि

खण्ड १५४ : विदेह-सदेह ३७ — 'अभिशप्त': मित्रता, मृत्यु आ असली 'काला जादू'

३११. रोहिणी कथावाचकसँ की कहि व्यक्तिगत सम्बन्ध पर दबाव बनबैत अछि?

(A) अहाँक मित्र हमर प्रेम पर ग्रहण लगा देलक

(B) अहाँक मित्र हमरा नौकरी देलक

(C) अहाँक मित्र पूर्ण स्वस्थ अछि

(D) अहाँक मित्र नमाज पढ़ैत अछि

३१२. कथावाचक रोहिणीकेँ किएक टोकैत अछि?

(A) ओ मेडिकल छात्रा भऽ कऽ एहन बकवास मानैत छथि, से अस्वीकार्य अछि

(B) ओ शर्मा केँ दवाई देलनि

(C) ओ महालक्ष्मीकेँ चिट्ठी लिखलनि

(D) ओ मस्जिद गेलीह

३१३. कथावाचक शर्माक बारेमे रोहिणी सँ कोन सीमा रखैत अछि?

(A) ने शर्माक विषयमे हलुक बात, ने प्रेमकेँ ओकर विरोधमे राखब

(B) शर्माकेँ तुरन्त त्यागब

(C) रोहिणीसँ विवाह स्थगित करब

(D) मेडिकल पढ़ाइ छोड़ब

३१४. रोहिणीक 'जँ अहाँ ओकरा त्यागि नै देब तऽ...' धमकी पर कथावाचक की कहैत अछि?

(A) हमरा परवाह नै अछि

(B) हम ओकरा त्यागि देब

(C) हम अस्पताल छोड़ि देब

(D) हम गाम घुरि जायब

३१५. शर्माक मृत्यु सँ ठीक पहिने ओकरा कोन सुखद समाचार भेटल छल?

(A) बच्चीक जन्म आ माय-बच्चा दुनू नीक होयब

(B) नव नौकरीक नियुक्ति

(C) रोहिणीक माफी

(D) प्रबन्धनक सम्मान

३१६. अस्पतालमे दोसर मरीजक मृत्यु देखलाक बाद शर्माक स्थिति कथावाचक कोना अनुमान करैत अछि?

(A) ओ झूठा अभिशाप-भय सँ टूटि गेल हएत

(B) ओ पूर्णतः निश्चिन्त भेल हएत

(C) ओ घर घुरि गेल हएत

(D) ओ नौकरी पाबि गेल हएत

३१७. कथावाचक 'ई असली काला जादू अछि' कहि ककरा लक्ष्य करैत अछि?

(A) अन्धविश्वास, सामाजिक भय आ संस्थागत असहायता जे निर्दोषकेँ मारि दैत अछि

(B) शर्माक वास्तविक तांत्रिक शक्ति

(C) मक्का मस्जिदक चमत्कार

(D) रोहिणीक मेडिकल ज्ञान

३१८. कथावाचक हैदराबादक दूरीक बात किएक उठबैत अछि?

(A) दिखाबय लेल जे दूरक शत्रु नहि, बल्कि भीतरक भय शर्माकेँ मारि गेल

(B) यात्रा खर्च गिनबाक लेल

(C) मस्जिदक दूरी नापबाक लेल

(D) नौकरीक पते लिखबाक लेल

३१९. रोहिणी बादमे कथावाचकसँ गप करबाक प्रयत्न किएक नहि करैत?

(A) मित्रता आ नैतिक निर्णयक दरार प्रेम-संबन्धकेँ समाप्त कऽ दैत अछि

(B) ओ विदेश पढ़य गेलीह

(C) ओ शर्मा सँ विवाह कएलनि

(D) ओ मक्का मस्जिद गेलीह

३२०. 'अभिशप्त' क अन्तिम प्रभाव की अछि?

(A) एक आदर्शवादी गरीब मित्र समाजक अन्धविश्वास, सत्ता-संरचना आ असहाय मित्रताक बीच मरि जाइत अछि

(B) एक धनी युवक पदोन्नति पबैत अछि

(C) एक धार्मिक यात्रा सुखपूर्वक समाप्त होइत अछि

(D) एक चित्रकला गुरु परीक्षा पास करबैत अछि

खण्ड १५५ : विदेह-सदेह ३७ — ‘दुःख अप्रमिता’: लेखिका, शीर्षक आ पीड़ाक सूत्र

३२१. ‘दुःख अप्रमिता’ कथाक शीर्षक कोन परम्परागत स्रोत सँ लेल गेल अछि?

(A) भीमा भोइक भजन सँ

(B) कालीदासक नाटक सँ

(C) विद्यापतिक पद सँ

(D) रामायणक युद्धकाण्ड सँ

३२२. शीर्षकक मूल भाव कथामे कोन दिशामे संकेत करैत अछि?

(A) राजदरबारक हास्य-व्यंग्य दिस

(B) केवल विद्यालयी परीक्षा-प्रतिस्पर्धा दिस

(C) कृषि-बाजारक लाभ-हानि दिस

(D) अस्तित्वक अथाह दुःख आ ओकर सहनशीलता दिस

३२३. सरोजिनी साहूक परिचयमे नारीवादक कोन अर्थ प्रमुख अछि?

(A) केवल चुनावी अधिकारक मुद्दा

(B) केवल हास्य-साहित्यक प्रवृत्ति

(C) स्त्री-जीवनकेँ पुरुषक दुनिया सँ अलग सम्पूर्ण इकाईक रूपमे देखब

(D) पुरुष-विरोध मात्र

३२४. सरोजिनी साहू कोन भाषासभमे लेखन करैत छथि?

(A) केवल गुजरातीमे

(B) उड़िया आ अंग्रेजी दुनूमे

(C) केवल संस्कृतमे

(D) केवल मैथिलीमे

३२५. ‘दुःख अप्रमिता’ मैथिलीमे कोना आयल?

(A) उड़ियासँ अंग्रेजी अनुवाद, फेर अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद द्वारा

(B) सीधा फ्रेंचसँ मैथिली अनुवाद द्वारा

(C) संस्कृत टीकासँ संकलन द्वारा

(D) केवल मौखिक लोकगीत द्वारा

३२६. कथाक आरम्भमे कलम किएक महत्त्वपूर्ण वस्तु बनैत अछि?

(A) किएक तँ ओ सरकारी हथियार अछि

(B) किएक तँ ओ खेत जोतबाक औजार अछि

(C) किएक तँ ओ अस्पतालक दवाई अछि

(D) किएक तँ ओ महँग, सुन्दर आ बच्चीक आत्मीय गर्वक वस्तु अछि

३२७. भजनक अनूदित भाव ‘संसार जिऐत रहय’ कथामे कोन करुणा खोलैत अछि?

(A) युद्धमे विजयक आह्वान

(B) कठोर दण्डक आदेश

(C) अपन दुःख सहि दोसरक उद्धारक कल्पना

(D) धन जमा करबाक शिक्षा

३२८. लेखिका-सूचनामे साहूक स्त्री-लेखनक कोन व्यापकता उल्लेखित अछि?

(A) केवल राजा-महाराजाक इतिहास

(B) किशोरावस्था सँ रजोनिवृत्ति धरिक स्त्री-संवेदना

(C) केवल सैनिक जीवन

(D) केवल पशु-कथा

३२९. कथाक शीर्षक आ टिकलीक प्रसंगक बीच कोन साम्य अछि?

(A) छोट घटना सेहो अथाह पीड़ा आ उपेक्षाक इतिहास खोलि दैत अछि

(B) दूनू केवल हास्य पैदा करैत अछि

(C) दूनू युद्ध-नीति सिखबैत अछि

(D) दूनू व्यापारिक अनुबंध अछि

३३०. 'दुःख अप्रमिता'क भूमिका पाठककेँ कोन तरहक कथा लेल तैयार करैत अछि?

(A) केवल जासूसी रहस्य लेल

(B) केवल परीक्षा-प्रश्नावली लेल

(C) केवल मिठाईक वर्णन लेल

(D) व्यक्तिगत स्मृति आ सामाजिक स्त्री-पीड़ाक गहिर कथा लेल

खण्ड १५६ : विदेह-सदेह ३७ — 'दुःख अप्रमिता': टिकली, कलम, सोनाली आ नहर

३३१. कथावाचिका कलम स्कूल किएक लऽ गेलीह?

(A) ट्यूटरकेँ उपहार देबाक लेल

(B) नहर मापबाक लेल

(C) प्रेमलताकेँ देखबय जे एहन कलम सचमुच अछि

(D) प्रधानाचार्यकेँ बेचबाक लेल

३३२. ओ कलमक विशेषता की छल?

(A) ओ चिलमक धुआँ रोकैत छल

(B) एक छोर पर छोट घड़ी छल आ लिखबा काल चमकत छल

(C) ओ नहरक पुल खोलैत छल

(D) ओ दूध गरम करैत छल

३३३. कलम पहिने कथावाचिकाकेँ के देने छल?

(A) विदेश सँ आयल काकी

(B) प्रधानाचार्य

(C) सोनाली

(D) स्कूल बस चालक

३३४. प्रेमलताक गोपनीयता टूटला पर की भेल?

(A) महापात्रा मैडम छुट्टी देलनि

(B) माय कलम फेकि देलनि

(C) नहर सुखा गेल

(D) सोनाली कलमक बात जानि ओकरा मांगय लगलीह

३३५. स्कूल बसक देरी कथानकमे किएक निर्णायक अछि?

(A) एहि सँ कलम महँग भेल

(B) एहि सँ काकी विदेश गेलीह

(C) एहि देरी सँ बच्ची पैदल घर जाय लगलीह आ नहरक रस्ता बनल

(D) एहि सँ परीक्षा रद्द भेल

३३६. माय पैदल रस्तासँ किएक रोकैत छलीह?

(A) रस्तामे पुस्तकालय छल

(B) शराबक दोकान, सुनसान रस्ता आ टूटल नहर-पुलक डर सँ

(C) रस्तामे फूल बेसी छल

(D) रस्ता बहुत महँग छल

३३७. कलम नहरमे कोना खसल?

(A) सोनालीक छीनाझपटी सँ

(B) प्रधानाचार्य फेकि देलनि

(C) माय भूलि गेलीह

(D) ट्यूटर तोड़ि देलक

३३८. कलम देखाइ पड़ैत रहबाक परिणाम की भेल?

(A) ओ तुरन्त घर घुरि गेलीह

(B) ओ बसमे चढ़ि गेलीह

(C) ओ परीक्षा देबय गेलीह

(D) कथावाचिका कादोमे उतरि ओकरा निकालबाक प्रयास करैत फँसि गेलीह

३३९. सोनाली बच्चीकेँ खींचबाक बदला की करैत अछि?

(A) नहरमे संगहि कूदैत अछि

(B) मायक घरमे पहिने सँ प्रतीक्षा करैत अछि

(C) डरि कऽ पाछू हटि मदति अनबाक आश्वासन दैत चलि जाइत अछि

(D) कलम तुरन्त निकालि दैत अछि

३४०. कादोमे फँसल बच्चीक स्थिति कथामे कोन प्रतीकात्मक अर्थ लैत अछि?

(A) ओ यात्राक आराम अछि

(B) ओ अपन जीवनक निरन्तर धँसब, असहायता आ उपेक्षाक रूपक बनैत अछि

(C) ओ केवल खेलक जीत अछि

(D) ओ धन कमेबाक उपाय अछि

खण्ड १५७ : विदेह-सदेह ३७ — 'दुःख अप्रमिता': जन्म, रोग, निद्रा आ आत्म-छवि

३४१. कथावाचिकाक जन्मसँ पहिने माय किएक दुखी रहैत छलीह?

(A) ज्योतिषी कननी बेटीक भविष्यवाणी कएने छल आ गर्भधारण अनचाहल छल

(B) ओ राजगद्दी चाहैत छलीह

(C) ओ विदेश जाय चाहैत छलीह

(D) ओ कलम बेचि देलनि

३४२. जन्मक समय कोन संकट घटल?

(A) स्कूल बस लेट भेल

(B) प्रधानाचार्य रिपोर्ट कार्ड फेकि देलनि

(C) ससुर चिलम पीबय लगलाह

(D) गर्भक पानि समय सँ पहिने टूटल आ माय-बच्चा दुनूक जान जोखिममे पड़ल

३४३. बच्चीक जन्मक समय घरमे कोन घटना मायकेँ 'अभाग्य'क संकेत बुझायल?

(A) कलम चमकल

(B) पिकनिक भेल

(C) घरमे चोरी भेल आ भगवान लेल राखल पन्द्रह टाका चलि गेल

(D) भाइ पुरस्कार पेलक

३४४. अस्पतालमे नवजात बच्ची पर कोन शारीरिक संकट आबि पड़ल?

(A) समुद्री यात्रा

(B) कारी चीज बोकरब, संक्रमण, दस्त आ सलाइन

(C) कुश्तीमे हार

(D) चिलमक धुआँ

३४५. मायक दूधक प्रसंग कथावाचिकाक आत्म-छवि पर की असर करैत अछि?

(A) ओ अपनाकेँ आरम्भसँ अस्वीकारित/अलग बच्चा जकाँ मोन करैत अछि

(B) ओ अपनाकेँ रानी मानैत अछि

(C) ओ अपनाकेँ शिक्षक मानैत अछि

(D) ओ अपनाकेँ व्यापारी मानैत अछि

३४६. 'कूड़ादानक आत्मकथा' प्रसंग किएक मार्मिक अछि?

(A) ओ शाब्दिक अर्थ पूर्णतः सिद्ध करैत अछि

(B) ओ परीक्षा जीतैत अछि

(C) ओ कविता प्रतियोगिता जितैत अछि

(D) बच्ची आत्मकथा बुझैत नहि, मुदा ओकर जीवन स्वयं उपेक्षित वस्तु सन देखाइत अछि

३४७. घरमे टिकली नाम पर उलाहना किएक देल जाइत अछि?

(A) ओ नदी पार करैत अछि

(B) ओ चिलम पीबैत अछि

(C) ओ टिकली जकाँ चंचल-प्रफुल्लित नहि, बल्कि सुस्त आ निद्रालु अछि

(D) ओ बहुत धनी अछि

३४८. बचपनमे ओकरा 'राढ़ीगाढ़ी' आ 'कुम्भकर्णक बहिन' किएक कहल जाइत छल?

(A) बेसी चित्र बनयबाक कारण

(B) बेसी सुतबाक आदतिक कारण

(C) बेसी गाबय के कारण

(D) बेसी तैरबाक कारण

३४९. माय 'निद्रा तोर दुश्मन अछि' कहि की बुझबैत छलीह?

(A) निद्रा पढ़ाइ आ बुद्धि-विकास रोकैत अछि, एहन मान्यता

(B) निद्रा धन बढ़बैत अछि

(C) निद्रा कलम बचबैत अछि

(D) निद्रा नहर सुखबैत अछि

३५०. कथावाचिका अपन दिमागक तुलना रेगिस्तानसँ किएक करैत अछि?

(A) कारण ओ ऊँट चलबैत अछि

(B) कारण ओ सोनालीसँ खेलैत अछि

(C) कारण महिसागर खारा अछि

(D) कारण ओकरा लगैत अछि जे पढ़ल गप टिकैत नहि आ भीतर सूखलपन अछि

खण्ड १५८ : विदेह-सदेह ३७ — 'दुःख अप्रमिता': परिवार, पढ़ाइ आ शिक्षकीय हिंसा

३५१. बाबूजी पढ़बैत काल बच्ची पर कोन दबाव बनबैत छलाह?

(A) कविता गाबबाक पुरस्कार

(B) महिसागर पार करबाक अभ्यास

(C) नौक पहाड़ा ने कहला पर गरदनि पकड़ि मारबाक धमकी

(D) मिठाई खायबाक आग्रह

३५२. माय बाबूजीक तामस बीच बच्चीकेँ कोना बचबैत छलीह?

(A) चिलम छीनि लैत छलीह

(B) भनसाघर सँ दौड़ि उत्तर बताबय लगैत छलीह

(C) नहरमे कूदि पड़ैत छलीह

(D) प्रधानाचार्य बनि जाइत छलीह

३५३. अक्षर ‘म’ नहि लिखि सकलाक स्मृति कथामे की देखबैत अछि?

(A) पढ़ाइ-कठिनाई पर मातृ-हताशा आ शारीरिक दण्ड

(B) कविताक सफलता

(C) चित्रकलाक प्रशिक्षण

(D) पिकनिकक आनन्द

३५४. नव ट्यूटरक आगमन पर माय बच्चीक परिचय कोना करबैत छलीह?

(A) पुरस्कार-सूची पढ़ि सुनबैत

(B) नहरक नक्शा दैत

(C) बियाहक गीत गबैत

(D) डॉक्टरकेँ मरीजक इतिहास कहबाक तरहें कमजोरी, मिरगी आ पढ़ाइ-कठिनाई बतबैत

३५५. माय अपन जीवनक उदाहरण दऽ कऽ बच्चीकेँ की सिखाबय चाहैत छलीह?

(A) धन बिना नाम नहि

(B) नहरमे उतरब चाही

(C) प्रयास कयला सँ शिक्षा सम्भव अछि

(D) पढ़ाइ छोड़ब नीक अछि

३५६. भाइ आ बच्चीक विद्यालय-यात्रा मे कोन असमानता देखाइत अछि?

(A) बच्ची विदेश गेलीह

(B) भाइ श्रेष्ठ स्कूल, भ्रमण आ प्रतियोगितासँ जुड़ल; बच्ची कमजोर स्कूलमे अटकल

(C) दूनू एके तरहक अवसर पेलक

(D) भाइ स्कूल छोड़ि देलक

३५७. बेरोजगार इंजीनियरिंग छात्र ट्यूटरक तरीका की छल?

(A) उत्तर कॉपीमे लिखि दैत आ याद नहि रहला पर सजा दैत

(B) कहानी सुनबैत

(C) चित्र बनबैत

(D) महिसागरक पानि अनैत

३५८. ट्यूटरक हिंसा कोन रूपमे व्यक्त भेल?

(A) मिठाई बाँटनाइ

(B) पुरस्कार देनाइ

(C) नदी पार करेनाइ

(D) आंगुर बीच पेंसिल दबेब, नोचनाइ, नाक-कानसँ शोनित निकलनाइ

३५९. माय ट्यूटरसँ नाराज रहितो अगिला दिन की करैत छलीह?

(A) स्कूल बन्द करा दैत

(B) कलम नहरमे फेकि दैत

(C) मुस्कुरा कऽ ‘कृपया नै मारू’ कहैत फेर पढ़बाक अनुमति दैत

(D) ट्यूटरकेँ जेल पठा दैत

३६०. प्रधानाचार्य रिपोर्ट कार्ड देखाबैत मायकेँ कोना अपमानित करैत छथि?

(A) भाइकेँ स्कूलसँ निकालैत

(B) बच्चीक प्रोन्नति पर प्रश्न उठा कऽ घरक देख-रेख नहि करबाक आरोप लगबैत

(C) मायक पुरस्कार घोषणा करैत

(D) सोनालीकेँ दण्ड दैत

खण्ड १५९ : विदेह-सदेह ३७ — ‘दुःख अप्रमिता’: कादोमे अटकल टिकलीक भय आ आशा

३६१. कादो जाँघ धरि चढ़ला पर बच्चीक पहिल चिन्ता की अछि?

(A) सोनाली मदति अनलक कि नहि आ कियो देखत कि नहि

(B) भाइ पिकनिक गेल कि नहि

(C) काकी विदेश अइलीह कि नहि

(D) ट्यूटरक नह काटल कि नहि

३६२. पुल पार करैत काका कैँ बच्ची किएक नहि बचा पबैत?

(A) काका सोनालीक संग छथि

(B) काका स्कूल बस चलबैत छथि

(C) काका प्रधानाचार्य छथि

(D) ओ पुकारैत अछि मुदा काका सुनि नहि पबैत छथि

३६३. माय ‘मरि किएक नहि जाइत छी’ कहैत छलीह, मुदा बच्ची भीतर की बुझैत अछि?

(A) माय स्कूल बन्द करब चाहैत छथि

(B) माय चिलम पीबैत छथि

(C) माय डाँटैत छथि, मुदा ओकर मृत्यु पर कनतीह

(D) माय ओकरा कलम दऽ प्रसन्न छथि

३६४. ज्योतिषीक आगि-वाला भविष्यवाणी बच्चीक कादोमे धँसैत समय की भूमिका निभबैत अछि?

(A) ओ कलम महँग बना दैत

(B) ओ सोचैत अछि जे डूबि नहि मरब, हमरा तऽ जरि कऽ मरबाक भविष्यवाणी अछि

(C) ओ तुरन्त तैरबाक कला देत

(D) ओ सोनालीकैँ दोषमुक्त करैत

३६५. दहेजक भय मायक कल्पनामे कोना अबैत अछि?

(A) ओ डरैत छथि जे पढ़ाइमे कमजोर बेटीकैँ सासुरमे जरा देल जायत

(B) ओ बेटीकैँ रानी बनबय चाहैत छथि

(C) ओ बेटीक विवाह समुद्री जहाजसँ करबय चाहैत छथि

(D) ओ स्कूलमे भोज करबय चाहैत छथि

३६६. कादोमे फँसल बच्ची अपन मृत्यु टारबाक लेल कोन कल्पना दोहरबैत अछि?

(A) नहर स्वयं सोना बनत

(B) कलम उड़ि कऽ घर पहुँचत

(C) बस पानीमे तैरत

(D) राति सँ पहिने कियो जरूर आयत आ बचायत

३६७. गाय निकलि गेलाक प्रसंग कथामे की करैत अछि?

(A) कलम वापस देत

(B) मायकैँ फोन करैत अछि

(C) झूठ आशाक क्षण बनि बच्चीक एकाकीपन बढ़ा दैत अछि

(D) उद्धार तुरन्त करा दैत अछि

३६८. बच्ची सोचैत अछि माय ओकरा कतय-कतय खोजतीह?

(A) सिर्फ चिलम-दुकान पर

(B) स्कूल, सखी सभक घर, रस्ता सभ पर

(C) सिर्फ विदेशमे

(D) सिर्फ अस्पतालमे

३६९. कादोमे अटकल बच्चीक अन्तिम विश्वास कोन अछि?

(A) ओ कादोमे नहि, आगिसँ मरबाक कथित भाग्य कारण बचि जायत

(B) सोनाली कलम बेचि देत

(C) प्रधानाचार्य प्रोन्नति दैत छथि

(D) ट्यूटर माफी माँगत

३७०. टिकलीक कथा शिक्षा-व्यवस्था पर कोन टिप्पणी करैत अछि?

(A) विद्यालय सदिखन दयालु अछि

(B) ट्यूटर सदिखन रक्षक अछि

(C) पढ़ाइ केवल खेल अछि

(D) अंकीय असफलता बच्चाक सम्पूर्ण अस्तित्वकेँ दोष बना दैत अछि

खण्ड १६० : विदेह-सदेह ३७ — 'माताक कोरामे': गुजराती खण्ड, सुन्दरम आ शाबूक विदाई

३७१. 'माताक कोरामे' कोन भाषा-परम्परा सँ आबि रहल कथा अछि?

(A) केवल तेलुगु कविता

(B) संस्कृत नाटकक अंश

(C) गुजराती मूलक कथा, अंग्रेजी बाटे मैथिलीमे

(D) रूसी मूलक कथा

३७२. सुन्दरमक परिचयमे हुनका कोन युग/आन्दोलनसँ जोड़ल गेल अछि?

(A) फ्रांसीसी क्रान्ति

(B) गाँधी युग आ गुजराती नव-कविताक आन्दोलन

(C) मुगल दरबार

(D) रोमन साम्राज्य

३७३. कथा आरम्भमे दू पुरुष आ एक स्त्री कतयसँ बाहर निकलैत छथि?

(A) नदीक कात पर चट्टान-बसल गामक पातर गली सँ

(B) रेलवे स्टेशनक प्रतीक्षालय सँ

(C) मक्का मस्जिदक आँगन सँ

(D) अस्पतालक वार्ड सँ

३७४. गामक स्त्री सभ शाबूकेँ कोना विदा करैत छथि?

(A) ओकरा दण्ड दऽ

(B) ओकरा परीक्षा देबा पठा कऽ

(C) ओकरा नौकरीक नियुक्ति दऽ

(D) अलविदा, सम्हरि कऽ जाउ, अपन ध्यान राखब कहि

३७५. शाबू अपन सासुर ककरा संग जा रहली छथि?

(A) प्रधानाचार्य संग

(B) ट्यूटर संग

(C) ससुर आ पति संग

(D) केवल सोनाली संग

३७६. विदाईक क्षण शाबूकेँ भीतरसँ कोना प्रभावित करैत अछि?

(A) ओ कलम खोजय लगलीह

(B) गोड़ निर्जीव जकाँ, आगू डेग बढ़ेबाक शक्ति घटल

(C) ओ अत्यधिक उल्लसित भऽ नाचय लगलीह

(D) ओ तुरन्त गाबय लगलीह

३७७. शाबूक पाछू रहि जेबाक कारण की अछि?

(A) सम्बन्धी-पड़ोसी आ बच्चाक सखीसभसँ विदाईक भावुकता

(B) ओ बसक प्रतीक्षा करैत छलीह

(C) ओ परीक्षा लिखैत छलीह

(D) ओ ट्यूटरक कॉपी खोजैत छलीह

३७८. गलीमे 'अपशकुन' कोन घटना मानल जाइत अछि?

(A) कलम चमकल

(B) बकरी चरि रहल छल

(C) नदीमे ज्वार आयल

(D) बिलाइ शाबूक रस्ता काटि देलक

३७९. लोक शाबूकेँ रोकि किएक नहि पबैत?

(A) ओ स्कूलमे अछि

(B) ओ अस्पतालमे भर्ती अछि

(C) वापस बजाएब वा रुकाएब सम्भव नहि मानल जाइत अछि

(D) ओ पहिने सँ नदी पार कएने छथि

३८०. 'माय अम्बा सब नीक करतीह' कथन कथामे कोन भूमिका रखैत अछि?

(A) चिकित्सकीय नुस्खा

(B) अनिष्ट-भयक बीच सांत्वना आ असहाय धर्म-आश्रय

(C) व्यापारिक सौदा

(D) विद्यालयी आदेश

खण्ड १६१ : विदेह-सदेह ३७ — 'माताक कोरामे': नदी, कादो, स्मृति आ महिसागर

३८१. शाबू खधाइमे पहुँचला पर बाप-बेटाकेँ कोन अवस्था मे देखैत छथि?

(A) ओ सभ चिलम पीबैत प्रतीक्षा करैत छथि

(B) ओ सभ पूजा करैत छथि

(C) ओ सभ परीक्षा जाँचैत छथि

(D) ओ सभ कलम खोजैत छथि

३८२. नदीक भाटा कथामे कोन दृश्य बनबैत अछि?

(A) सुनामी उठैत अछि

(B) स्कूल बस बहैत अछि

(C) शहरक बजार खुलैत अछि

(D) नाङट किनारक कादो दर्पण जकाँ चमकैत अछि

३८३. सासुरक गाम देखला पर शाबूक शरीरमे की प्रतिक्रिया होइत अछि?

(A) तत्काल निद्रा

(B) हँसीक फुहार

(C) भयक हल्लुक थरथरी

(D) पूर्ण उल्लास

३८४. ससुर नीचाँ ठाढ़ छथि बुझला पर शाबू की करैत छथि?

(A) प्रधानाचार्य बनैत छथि

(B) रीति अनुसार घोघट खींचि लैत छथि

(C) चिलम पीबैत छथि

(D) नहरमे कलम फेकि दैत छथि

३८५. खधाइ आ एकपेरिया देख शाबूकेँ कोन अतीत याद अबैत अछि?

(A) बचपनमे पशु चराएब, बेर तोड़ि खाएब आ मुक्त घूमब

(B) मेडिकल कॉलेजक वार्ड

(C) मक्का मस्जिद विस्फोट

(D) रिपोर्ट कार्ड

३८६. नव कपड़ा आ भारी गहना शाबूकेँ कोना लगैत अछि?

(A) पूर्ण स्वतंत्रता जकाँ

(B) विद्यालयी वर्दी जकाँ

(C) चिकित्सकीय पट्टी जकाँ

(D) घृणा आ बोझ जकाँ

३८७. 'कनी आस्ते चलू' पर बाप-बेटाक प्रतिक्रिया की अछि?

(A) ओ विदा समारोह रोकैत छथि

(B) ओ शाबूकेँ गाड़ी दैत छथि

(C) ओ सभ अनसुन करैत बिना रुकल चलैत रहैत छथि

(D) ओ तुरन्त पानि दैत छथि

३८८. कादो पर पुरुषसभक पदचिह्न देखि शाबू किएक खिन्न छथि?

(A) ओ सभ भजन गाबय लगल

(B) ओकरा लगैत अछि जे ओ सभ ओकर कादो खराब कऽ देलक

(C) ओ सभ पुल बना देलक

(D) ओ सभ कलम निकालि देलक

३८९. महिसागरक पानि लग शाबू की करैत छथि?

(A) आँजुरमे पानि भरि माथ पर धरि 'माय महिसागर' सँ प्रार्थना

(B) पानि बेचि दैत छथि

(C) कागजक नाव बनबैत छथि

(D) सोनालीकेँ पुकारैत छथि

३९०. नदीमे उतरला पर शाबूकेँ कोन विरोधी भाव अनुभव होइत अछि?

(A) केवल व्यापारिक उत्साह

(B) केवल परीक्षा-चिन्ता

(C) केवल निद्रा

(D) शीतल स्पर्श आ भय दुनू

खण्ड १६२ : विदेह-सदेह ३७ — 'माताक कोरामे': पारगमन, मायभूमि आ स्मृति

३९१. नदी पार करैत शाबू ककरा याद करैत छथि?

(A) शर्मा आ रोहिणी

(B) मक्का मस्जिदक हजरत

(C) बचपनक सखी, नवजात बच्चा आ अपन भावी बच्चा

(D) प्रधानाचार्य आ ट्यूटर

३९२. पेटमे हलचल अनुभव कएलाक बाद शाबूकी प्रतिक्रिया अछि?

(A) चिलमक लोभ

(B) भावी बेटाक कल्पना, छातीमे दूधक उमड़नाइ आ कोमलता

(C) पढ़ाइक डर

(D) रिपोर्ट कार्डक क्रोध

३९३. महिसागरक पानि मुँहमे देला पर शाबू किएक थुकि दैत छथि?

(A) पानि नूनगर अछि

(B) पानि गरम दूध अछि

(C) पानि कलम बनि गेल

(D) पानि मधुर शरबत अछि

३९४. सुनसान नदी-किनार पर पियासक भय कथामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ओ मिठाईक स्वाद बढ़बैत अछि

(B) ओ परीक्षा पास करबैत अछि

(C) ओ घोघट हटबैत अछि

(D) मीठ पानिक अभाव जानलेवा बनि सकैत अछि

३९५. नदी पार भेला पर शाबूकेँ दोसर किनार कोना लगैत अछि?

(A) विद्यालयक कक्षा जकाँ

(B) मेला जकाँ

(C) विदेशी, अज्ञात आ मातृभूमिसँ अलग

(D) अपन घरक आँगन जकाँ

३९६. शाबू 'हमर घर ओइ पार' किएक सोचैत छथि?

(A) ओ पिकनिक चाहैत छथि

(B) जन्मभूमि नदीक ओहि पार रहि गेल अछि

(C) ओ बजार देखैत छथि

(D) ओ अस्पताल खोजैत छथि

३९७. बचपनमे बियाहक बाद पहिल विदाईक स्मृति कोन रूपमे अबैत अछि?

(A) कटही गाड़ी, बालुक खेलबाक इच्छा, मुदा उतरय नहि देल गेल

(B) हवाई जहाज यात्रा

(C) विद्यालयी पुरस्कार

(D) चिकित्सकीय ऑपरेशन

३९८. शाबूक बाबूजीक स्मृति कथामे किएक ताकतवर अछि?

(A) ओ प्रधानाचार्य छलाह

(B) ओ ट्यूटर छलाह

(C) ओ बस चालक छलाह

(D) ओ सासुरक प्रताड़ना सँ बेटीकेँ बचाबय बला साहसी व्यक्ति छलाह

३९९. ससुरक विषयमे शाबूक स्मृति कोन भय जगबैत अछि?

(A) ओ चित्रकार गुरु छथि

(B) ओ कवि-सम्मेलन संचालक छथि

(C) ओ निर्दयी, हिंसक आ पूर्व पुत्रवधू सम्बन्धी अफवाहसँ घेरल व्यक्ति बुझाइत छथि

(D) ओ दयालु चिकित्सक छथि

४००. पति शाबूक स्मृतिमे कोना उभरैत अछि?

(A) सफल कवि

(B) बाबूजी पर निर्भर, डरपोक आ पितृ-आज्ञाक गुलाम

(C) पूर्ण स्वतंत्र नायक

(D) विद्रोही चिकित्सक

खण्ड १६३ : विदेह-सदेह ३७ — 'माताक कोरामे': पियास, छल आ हिंसक षड्यन्त्र

४०१. बालु पर चलैत शाबू बार-बार कोन बात कहय चाहैत छथि?

(A) हमरा पानि पीबाक अछि

(B) हमरा परीक्षा देबाक अछि

(C) हमरा कलम चाही

(D) हमरा ट्यूटर चाही

४०२. बाप-बेटाक मुँह सँ निकलैत धुआँ शाबूकेँ किएक असहज करैत अछि?

(A) ओ पियास तुरन्त बुझा दैत अछि

(B) ओ नदीकेँ मीठ बना दैत अछि

(C) ओ देवीक आरती अछि

(D) ओ कठोर, अनुदार पुरुष-उपस्थिति आ षड्यन्त्रक संकेत बनैत अछि

४०३. शाबू पियास कहैत छथि, पति की उत्तर दैत अछि?

(A) ओकरा पाछाँ घर भेजैत अछि

(B) ओ देवीक प्रसाद दैत अछि

(C) लगमे प्याऊ घर नहि होयबाक बात बड़बड़ाइत अछि

(D) तुरन्त घड़ा भरि पानि दैत अछि

४०४. रिरियाहट सुनला पर ससुर की करैत अछि?

(A) नदीमे कूदि पड़ैत अछि

(B) पानि ओतय अछि कहि ओकरा भ्रामक दिशा मे लऽ जाय लगैत अछि

(C) बच्चाकेँ बचाबय दौड़ैत अछि

(D) शाबूकेँ घर घुराबैत अछि

४०५. शाबूकेँ किएक संदेह होइत अछि जे ओ सभ उल्टा दिस जा रहल छथि?

(A) अबाज दोसर दिशासँ आबि रहल छल

(B) सूर्य पश्चिममे छल

(C) कलम चमकि रहल छल

(D) घोघट भारी छल

४०६. ससुर शाबूकेँ कोना भ्रमित करैत अछि?

(A) कहैत अछि स्कूल खुलल अछि

(B) कहैत अछि सोनाली आयल अछि

(C) कहैत अछि डॉक्टर प्रतीक्षा करैत छथि

(D) कहैत अछि जे अबाज एहि दिससँ आबि रहल अछि, प्याऊ सेहो एहि दिस अछि

४०७. शाबू थाकि खसि पड़ला पर ससुरक नजरि कोना अछि?

(A) बाल-खेलक

(B) शिक्षकीय

(C) षड्यन्त्रपूर्ण, चारू कात सुनसान जाँचय बला

(D) करुणामय

४०८. ससुर बेटाकेँ 'तूँ ककरा ताकि रहल छह?' कहि की उकसाबैत अछि?

(A) गीत गेबाक लेल

(B) शाबू पर हमला करबाक लेल

(C) पानि देबाक लेल

(D) घर लौटबाक लेल

४०९. पति पहिने शाबू पर कोन हिंसा करैत अछि?

(A) दुनू हाथसँ गरदनि पकड़ैत अछि

(B) माथ पर पानि धरैत अछि

(C) कलम वापस दैत अछि

(D) चोट पर मलहम लगबैत अछि

४१०. शाबू प्रतिरोध कोना करैत छथि?

(A) ओ चुपचाप हारि मानैत छथि

(B) ओ चिलम पीबैत छथि

(C) ओ परीक्षा लिखैत छथि

(D) ओ जोरक लात मारि पति कैँ दूर खसा दैत छथि

खण्ड १६४ : विदेह-सदेह ३७ — 'माताक कोरामे': हत्या, गर्भ आ कथा-त्रासदी

४११. पति खसलाक बाद शाबू पर अन्तिम हमला कियो करैत अछि?

(A) प्रधानाचार्य

(B) मेडिकल डॉक्टर

(C) ससुर

(D) सोनाली

४१२. ससुर शाबू पर कोन झूठा नैतिक आरोप लगबैत अछि?

(A) चिलम तोड़ेबाक

(B) व्यभिचारी जीवन जीबय चाहबाक

(C) पढ़ाइमे कमज़ोर होयबाक

(D) कलम चोरेबाक

४१३. ससुर बेटाकेँ शाबूक पएर पकड़बाक आदेश किएक दैत अछि?

(A) हत्या पूरा करबाक लेल ओकरा सहयोगी बनाबय

(B) उद्धार करबाक लेल

(C) नदी पार कराबय लेल

(D) जूता पहिराबय लेल

४१४. गरदनि दबैत समय शाबूकेँ कोन अनुभूति होइत अछि?

(A) विद्यालयक मंच पर पुरस्कार

(B) कलम चमकैत

(C) अस्पतालक सलाइन

(D) महिसागरक पानिमे डुबकी लगैत जकाँ

४१५. अन्तिम क्षणमे शाबू आकाशमे ककर छवि देखैत छथि?

(A) ट्यूटर पेंसिल संग

(B) सोनाली कलम संग

(C) बाबूजी गिद्ध जकाँ चक्कर काटैत

(D) प्रधानाचार्य रिपोर्ट कार्ड संग

४१६. शाबूक अन्तिम पुकार कोन अछि?

(A) हे ट्यूटर!

(B) हे बाबूजी!

(C) हे प्रधानाचार्य!

(D) हे सोनाली!

४१७. मृत्यु पश्चात् ससुर ककरा संकेत करैत 'मामिला' छिपाबय चाहैत अछि?

(A) घूँघट ओढ़ने स्त्रीकेँ, एक रुपैया दऽ कऽ

(B) स्कूल बस चालककेँ

(C) डॉक्टरकेँ

(D) ट्यूटरकेँ

४१८. ससुर मेघासँ बादमे की ध्यान देबाक कहैत अछि?

(A) शाबूकेँ कलम छल

(B) शाबू परीक्षा पास छलीह

(C) शाबू चिलम पीबैत छलीह

(D) शाबू गर्भवती भऽ गेल छलीह

४१९. मेघाक 'हँ पिता! मुदा...' अधूरा वाक्य की देखबैत अछि?

(A) पूर्ण प्रसन्नता

(B) व्यापारिक सौदा

(C) आत्मग्लानि, डर आ पितृ-आज्ञाक सामने बोली बन्द भऽ जेबाक स्थिति

(D) साहसिक प्रतिरोध

४२०. 'माताक कोरामे' शीर्षक अन्ततः कोन करुण विडम्बना रचैत अछि?

(A) कलम सुरक्षित घर पहुँचैत अछि

(B) मातृ-शरण चाहैत गर्भवती स्त्री पितृसत्तात्मक हिंसामे मारल जाइत अछि

(C) मेला सफलतापूर्वक सम्पन्न होइत अछि

(D) विद्यालयी शिक्षा सुधरैत अछि

खण्ड १६५ : विदेह-सदेह ३७ — 'माजा वेलोक निधन': परिवार, स्थान आ साँझक वातावरण

४२१. 'माजा वेलोक निधन'मे माजा वेलोकेँ आरम्भमे कोन रूपमे देखाओल गेल अछि?

(A) तीन-चारि पीढ़ीक सन्तानसभसँ घेरायल बूढ़ कुलमुखिया

(B) असगरे स्कूल मास्टर

(C) नदी पार करैत जवान किसान

(D) दरबारमे बैसल सेनापति

४२२. माजा वेलोक परिवार रोज साँझमे कोन ठाम जमा होइत छल?

(A) गामक पोखरिक घाट पर

(B) विद्यालयक बरामदामे

(C) दरबारक सभागृहमे

(D) नगरक देबाल बाहर मोटर डिपोक नीचाँ, ऊँच मीनार लग फुटपाथ पर

४२३. कारखानाक धुआँक तुलना कथामे ककरासँ नहि, बल्कि ककरासँ उलट कएल गेल अछि?

(A) चन्दनक लेपसँ

(B) फूलक बगैचासँ

(C) हवनक सुगन्धित धुआँसँ उलट गन्दा नाली-जकाँ दुर्गन्धित धुआँ

(D) बरखा-मेघक शीतल छाहसँ

४२४. माजा वेलोक सन्तान रोज साँझमे गलीमे की करैत छल?

(A) समुद्र यात्रा पर निकलैत छल

(B) डोनी लऽ कऽ भीख माँगैत आ भोजन जुटबैत छल

(C) राजकीय परीक्षा दैत छल

(D) नाटकक मंचन करैत छल

४२५. बचल-खुचल भोजनक बाँट-व्यवस्था कथामे की देखबैत अछि?

(A) घरक भीतर श्रेणी, भूख आ वृद्धसभ लेल अन्तिम हिस्सा

(B) केवल राजसी भोजक सम्पन्नता

(C) खेतीक बराबर लाभ

(D) विद्यालयी अनुशासन

४२६. माजा वेलो बेमार होइतहुँ बाहर किएक अयबाक हठ कएलनि?

(A) अदालतमे गवाही देबाक लेल

(B) खेत जोतबाक लेल

(C) नदीमे स्नान करबाक लेल

(D) बियाहक भोज आ नगर देखबाक तीव्र इच्छा सँ

४२७. बच्चा सभ माजा वेलो लग कोना व्यवहार करैत अछि?

(A) कठोर गुरु जकाँ

(B) अजनबी व्यापारी जकाँ

(C) मोंछ खींचैत, कान्ह पर चढ़ैत, कोरामे खेलैत स्नेहसँ

(D) दरबारक अपराधी जकाँ

४२८. मोटर डिपोक सिगरेट प्रसंग माजा वेलोक कोन पक्ष खोलैत अछि?

(A) शास्त्रीय संगीत प्रशिक्षण

(B) पुरान स्वाद, लत आ आधुनिक चीजक प्रति उत्सुकता

(C) पूर्ण वैराग्य

(D) सैनिक अनुशासन

४२९. लालिया ‘बीड़ी’क बदला ‘सिगरेट’ कहि की दिखबैत अछि?

(A) नव पीढ़ीक शहरी शब्द-संस्कार आ बूढ़क पुरान भाषा बीच अन्तर

(B) लड़का गंगा-पारक सेनानी अछि

(C) बूढ़कैँ खेतीक हिसाब चाही

(D) परिवार माछ-व्यापार करैत अछि

४३०. आरम्भिक दृश्यक मूल सामाजिक धरातल की अछि?

(A) राजदरबारक विलास

(B) विद्यालयी खेलकूद

(C) समुद्री व्यापारक समृद्धि

(D) शहरी गरीबी, वंश-समूह, भीख-आधारित जीवन आ स्मृति

खण्ड १६६ : विदेह-सदेह ३७ — ‘माजा वेलोक निधन’: डकैती-स्मृति, पुलिस आ अपराधक गर्व

४३१. माजा वेलो अचानक कोन विषय पुछि परिवारकैँ चौंकबैत छथि?

(A) नदीक बाढ़ि

(B) चित्रकला प्रतियोगिता

(C) जे लोक डकैती पर निकलल छल, ओकरा सभक खबर

(D) विद्यालयक परीक्षा-फल

४३२. पुत्र माजा वेलोकैँ आस्ते बाजबय किएक कहैत अछि?

(A) किएक तँ वर्षा भऽ रहल छल

(B) किएक तँ ओतय पुलिस घूमि रहल छल

(C) किएक तँ बच्चा सभ सुतल छल

(D) किएक तँ नाटक शुरू भेल छल

४३३. पुलिस वैन देखि माजा वेलोक प्रतिक्रिया की छल?

(A) तिरस्कारपूर्ण गर्व, जे ओ एहन दर्जन पुलिसकेँ जेबीमे राखि सकैत छलाह

(B) तुरन्त आत्मसमर्पण

(C) भय सँ घर भागब

(D) प्रार्थना-पाठ शुरू करब

४३४. परपोता माजा वेलोसँ कोन कथा फेर सुनबय चाहैत अछि?

(A) कृषि-उत्पादनक हिसाब

(B) राजा जनकक दरबार

(C) विद्यालयी पुरस्कार

(D) नगरमे भेल पुरान डकैतीक कथा

४३५. माजा वेलो शहर आबि पहिने कोन-कोन काज करबाक बात कहैत छथि?

(A) माछ पकड़ब, खेत जोतब आ कढ़ाई करब

(B) विद्यालय चलाबब, बैंक खोलब आ नाटक लिखब

(C) दातमनि बेचब, भीख माँगब आ राति असगर भेटल लोककेँ लूटब

(D) कानून पढ़ब, अस्पताल खोलब आ गीत गाबब

४३६. ओ अपन 'कला' एहि फाटक पर नहि देखेबाक नियम किएक बनौने छलाह?

(A) ओतय खेतीक बाजार छल

(B) अड्डा-बचाव लेल अपन रहबाक ठाम पर सज्जन गाय जकाँ रहबाक नीति

(C) ओतय केवल विद्यालय छल

(D) ओतय नदी बहैत छल

४३७. पुरान गहरी खाधि आ मीनारक तुलना कथामे की करैत अछि?

(A) शहरक बदलैत भूगोल आ बूढ़क स्मृतिक टकराव

(B) केवल मौसमक बदलाव

(C) नदीक प्रवाह

(D) विद्यालयक भवन

४३८. घानचन स्त्रीक गहना लूटबाक प्रसंग माजा वेलोक अपराधक कोन अँधार पक्ष खोलैत अछि?

(A) दान-पुण्यक आदर्श

(B) बाल-शिक्षा सुधार

(C) संगीत साधना

(D) लूट संग हत्या करबाक कठोरता

४३९. डकैतीक बाद माजा वेलोकेँ सजा किएक भेल?

(A) ओ नदीमे डूबि गेलाह

(B) ओ कर न देबाक कारण

(C) संगी अपन हिस्सा बेचैत पकड़ा गेल, यद्यपि ओ अपन हिस्सा पघिला देने छलाह

(D) ओ परीक्षा नकलमे पकड़ा गेलाह

४४०. डकैती-स्मृति बच्चा आ पैघ लोक पर अलग प्रभाव किएक छोड़ैत अछि?

(A) सभ भोजन फेकि दैत अछि

(B) बच्चा रोमांचित होइत अछि, पैघ लोक पुलिस-सावधानी आ ऊब बीच अटकल अछि

(C) सभ केवल रोइत अछि

(D) सभ तुरन्त सोइ जाइत अछि

खण्ड १६७ : विदेह-सदेह ३७ — 'माजा वेलोक निधन': पुरान शहर, स्वाद आ आधुनिकता पर कटाक्ष

४४१. माजा वेलो पुरान शहरक सड़क आ कुकुरक वर्णन कोना करैत छथि?

(A) बालुक सड़क, सदिखन भूँकैत कुकुर, मुदा ओ सभ हुनका चिन्हैत छल

(B) चिकन राजमार्ग आ बिजली रेल

(C) केवल फूल-पातक बगैचा

(D) सदा बाढ़िसँ डूबल घाट

४४२. आधुनिक भोजन पर माजा वेलोक मुख्य शिकायत की अछि?

(A) सदा अतिशय घी खाइत अछि

(B) सभ भोजन सोना सँ बनैत अछि

(C) भोजन केवल माछक अछि

(D) घी-विहीन सादा भोजनमे स्वाद आ बल नहि

४४३. आधुनिक गहनाक विषयमे माजा वेलो की कहैत छथि?

(A) गहना पहिरब निषिद्ध अछि

(B) गहना केवल पुरुष पहिरैत अछि

(C) बहुत गहना देखाइत अछि मुदा अधिकांश नकली आ लूटने पर किछु हाथ नहि लगत

(D) सभ गहना देवालयमे राखल अछि

४४४. हुक्का चोरीक स्मृति कोन भाव खोलैत अछि?

(A) अस्पतालक उपचार

(B) छोट अपराध सेहो हुनका लेल साहसिक किस्सा आ स्वाद-संस्मरण अछि

(C) धार्मिक साधना

(D) खेतीक ऋतु

४४५. सिक्का गढ़बाक गप पर पुत्र किएक रोकि दैत अछि?

(A) ओ विषय पुलिस आ अपराधक दृष्टि सँ खतरनाक अछि

(B) ओ विषय केवल संगीतक अछि

(C) ओ विषय बच्चा सभकेँ भूखा करैत अछि

(D) ओ विषय विद्यालयी पाठ्यक्रममे नहि

४४६. बच्चाक भूख कथा-सुनबाक मध्य किएक महत्त्वपूर्ण बनैत अछि?

(A) कथा तुरन्त राजकीय भाषण बनि जाइत अछि

(B) सब समुद्रयात्रा पर जाइत अछि

(C) मीनार ढहि पड़ैत अछि

(D) अपराध-रोमांच केँ रोजमर्रा पेटक जरूरत रोकि दैत अछि

४४७. माजा वेलोक मोंछक तुलना पहिने कोन चीजसँ कएल जाइत अछि?

(A) कोयला-जकाँ कारी

(B) नदी-जकाँ नील

(C) रुपैया-जकाँ उज्जर, फेर सुतारफेनी-जकाँ

(D) काकड़ी-जकाँ हरियर

४४८. बच्चा सभ सुतारफेनी नहि चिन्हैत, एहि पर माजा वेलो की अनुभव करैत छथि?

(A) विद्यालयी अनुशासन

(B) समयक पतन आ नव पीढ़ीक स्वाद-वंचना

(C) पूर्ण गर्व जे बच्चा उपवास करैत अछि

(D) सैनिक विजय

४४९. सुतारफेनीक वर्णनमे ‘गोइठा’ तुलना पर बच्चा सभक प्रतिक्रिया की अछि?

(A) छी-छी कहि नाक सिकोड़ैत अछि

(B) सभ तुरन्त सोना खोजैत अछि

(C) सभ रोइ पड़ैत अछि

(D) सभ नदीमे कूदि पड़ैत अछि

४५०. सुतारफेनी प्रसंग कथामे कोन गहिर भाव राखैत अछि?

(A) केवल व्याकरण-शिक्षा

(B) मात्र युद्धक नीति

(C) मात्र कानूनी करार

(D) स्वाद, स्मृति, गरीबी आ पीढ़ीक बीच अनुभूति-अन्तर

खण्ड १६८ : विदेह-सदेह ३७ — ‘माजा वेलोक निधन’: ज’ड़, खुड़ी आ वाणोक अनुपस्थिति

४५१. बच्चा सभ माजा वेलोक शरीरमे कोन परिवर्तन नोटिस करैत अछि?

(A) ओ नदी पार करैत छथि

(B) ओ चित्र बनाबय लगैत छथि

(C) मोंछ आ कान्ह थरथराय लगैत अछि

(D) ओ नाचय लगैत छथि

४५२. माजा वेलोक पुत्र हुनका किएक डाँटैत अछि?

(A) सुतारफेनी बेचबाक कारण

(B) ज’ड़ रहितो बाहर अयबाक कारण

(C) डकैत-संगीकेँ भोजन देबाक कारण

(D) विद्यालय नहि जाइत

४५३. भातिज वाणो माजा वेलो पर की करैत अछि?

(A) ज’ड़ जाँचि हरियर कम्बल ओढ़ा दैत अछि

(B) लाठी छीनि लैत अछि

(C) मीनार पर चढ़बैत अछि

(D) घोड़ा पर बैसबैत अछि

४५४. माजा वेलो बच्चा सभकेँ हटेबासँ किएक रोकैत छथि?

(A) ओ हुनका सभसँ डरैत छथि

(B) ओ पुलिसकेँ बजबैत छथि

(C) ओ एकान्त साधना चाहैत छथि

(D) ओ अपन लग बच्चा सभकेँ बैसल देखबय चाहैत छथि

४५५. वाणो किछु लऽ अनबाक लेल गेलापर माजा वेलो किएक घबरा जाइत छथि?

(A) कारण वाणो विद्यालयक प्रधानाध्यापक अछि

(B) कारण वाणो पूर्ण संन्यासी अछि

(C) कारण वाणो कुशल जेबीकटा अछि आ पकड़ा जेबाक डर अछि

(D) कारण वाणो नदीमे माछ पकड़ैत अछि

४५६. माजा वेलो ‘वाणो वापस आउ’ किएक चिचियैत छथि?

(A) ओकरा नदी पार कराबय

(B) ओ आइ ओकरा चोरी/जेब-काटाक जोखिम सँ बचाबय चाहैत छथि

(C) ओकरा कविता सुनाबय

(D) ओकरा खेतीक हल देबय

४५७. बच्चा सभ भोजनक डोनीमे अपरिचित चीजकेँ की कहि चिचियैत अछि?

(A) उत्तरफेनी

(B) महिसागर

(C) कल्लन

(D) साथारी

४५८. दस बजे पुलिस हटलापर माजा वेलो कोना अनुभव करैत छथि?

(A) पूरी तरह प्रसन्न बिना विचार

(B) तुरन्त घर भागल

(C) नदीमे कूदि पड़ल

(D) सुरक्षित, मुदा अपना डर पर क्रोधित

४५९. खुड़ीक आगमन माजा वेलोक भावभूमि कोना बदलैत अछि?

(A) ओ शत्रु-सैनिक बनि अबैत अछि

(B) ओ स्कूलक परीक्षा लऽ अबैत अछि

(C) ओ स्नेह, भोजन आ अन्तिम सेवा ले’ अबैत अछि

(D) ओ अदालतक समन लऽ अबैत अछि

४६०. वाणोक अनुपस्थितिक प्रतीक्षा कथामे की तनाव बनबैत अछि?

(A) केवल विद्यालयी प्रतियोगिता

(B) बूढ़क मृत्यु-सन्निकट शरीर आ प्रिय चोर-भातिजक जोखिम एक साथ जुड़ैत अछि

(C) केवल मौसमक समाचार

(D) केवल बाजा-बजनाइक उत्सव

खण्ड १६९ : विदेह-सदेह ३७ — ‘माजा वेलोक निधन’: आइसक्रीम, सुतारफेनी आ मृत्यु

४६१. खुड़ी माजा वेलो लेल की स्वादिष्ट चीज अनैत अछि?

(A) आइसक्रीम

(B) खिचड़ी

(C) दही-चूड़ा

(D) चिलम

४६२. खुड़ी आइसक्रीम कतयसँ अनबाक बात कहैत अछि?

(A) गामक पोखरिसँ

(B) विद्यालयक कार्यालयसँ

(C) मंदिरक प्रसाद-पात्रसँ

(D) एकटा क्लब पर ठेंस खा गेलहुँ, ओतयसँ पुड़िया भरि आनलहुँ

४६३. माजा वेलो पहिने आइसक्रीम किएक टारय चाहैत छथि?

(A) ओ व्रतधारी संन्यासी छथि

(B) ओ दूध पीबैत नहि

(C) मोन ठीक नहि आ ठंढ रातिक कारण

(D) ओकरा मिठाईसँ घृणा अछि

४६४. खुड़ी माजा वेलोकेँ आइसक्रीम खेबाबय लेल कोन दबाव/स्नेह प्रयोग करैत अछि?

(A) विद्यालयक नियम पढ़ैत अछि

(B) अपन जानक सप्पत दऽ कऽ एक चम्मच खाय कहैत अछि

(C) पुलिसक डर देखबैत अछि

(D) कर-वसूलीक धमकी दैत अछि

४६५. आइसक्रीम पीबा काल बच्चा सभ माजा वेलोक मोंछ पर कोना प्रतिक्रिया करैत अछि?

(A) हँसीसँ चिचियैत जे दादाक मोंछ अजीब लागि रहल अछि

(B) चुपचाप रोइत

(C) भय सँ भागैत

(D) मोंछ काटि दैत

४६६. आइसक्रीमक बाद माजा वेलोकेँ की बेसी महसूस होइत अछि?

(A) अचानक गर्मी

(B) भूखक अन्त

(C) पूर्ण आरोग्य

(D) नीचाँक धरती आरो ठंढा

४६७. खुड़ी दादा लेल की ओछबैत अछि?

(A) राजसी गलीचा

(B) विद्यालयक नक्शा

(C) गिलास-जार बेचय बला महिलासँ भेटल कपड़ा

(D) सैनिक कम्बल

४६८. माजा वेलो खुड़ीकेँ कोन आशीष दैत छथि?

(A) सिक्का गढ़ू

(B) सवा सौ बर्ख जीबू

(C) सागर पार करू

(D) राजा बनू

४६९. वाणो अन्ततः की लऽ कऽ लौटैत अछि?

(A) कपड़ामे लपेटल बाँसक पथियामे जलेबी, हलवा, मैसूर, लड्डू/मिठाई आ सुतारफेनी

(B) केवल पानि

(C) अदालतक कागज

(D) महींसक बच्चा

४७०. माजा वेलोक मृत्युकेँ परिवार कोना स्वीकार करैत अछि?

(A) हत्या कहि

(B) नदी-दुर्घटना कहि

(C) पुलिस-युद्ध कहि

(D) ‘बहुत नीक, आरामदायक, उत्तम मृत्यु’ कहि

खण्ड १७० : विदेह-सदेह ३७ — ‘माजा वेलोक निधन’: अन्तिम संकेत, खोडियार आ कथा-भाव

४७१. माजा वेलो मिठाई चखैत कोना पहिचानैत छथि?

(A) पुलिससँ पूछिकऽ

(B) नदीक गन्धसँ

(C) स्वाद/स्पर्श सँ जलेबी, हलवा, मैसूर, लड्डू, मागस/मोहनथाल आ सुतारफेनी चिन्हैत

(D) घड़ी देखिकऽ

४७२. वाणोसँ माजा वेलो कानमे की पुछैत छथि?

(A) मीनार किएक हिलैत अछि

(B) ई सब कतयसँ उठौने छह आ सब ठीक छैक कि नहि

(C) पाठशाला कतय अछि

(D) नदी कतय बहैत अछि

४७३. वाणो उत्तरमे ककर भरोसा दैत अछि?

(A) माय खोडियार सब ठीक राखैत छथि

(B) पुलिस कमिश्नर

(C) विद्यालयक गुरु

(D) लवजी भा

४७४. सुतारफेनी खाइत माजा वेलोकेँ कोन स्थान मोन पड़ैत अछि?

(A) जनकपुर

(B) महिसागरक प्याऊ

(C) विद्यालय

(D) खम्भात

४७५. खम्भातक डकैती स्मृतिमे ओ सब कोना भागल छल?

(A) हाथी पर चढ़ि

(B) विद्यालयी बसमे

(C) छोट नाओमे समुद्री यात्रा कऽ काठियावाड़ उतरि

(D) रेलमे टिकट काटि

४७६. अन्तिम क्षणसँ पहिले माजा वेलो बच्चा सभकेँ की कहैत छथि?

(A) मीनार तोड़ू

(B) हम खा लेलहुँ, आब अहाँ सभ खाउ

(C) सब भागि जाउ

(D) पुलिस बोलाउ

४७७. माजा वेलो अचानक ककर नाम कर्कश स्वरमे बजैत छथि?

(A) वाणो

(B) लवजी

(C) सोनाली

(D) मावजी

४७८. माजा वेलो खुड़ीक भविष्य लेल वाणोसँ की कहैत छथि?

(A) खुड़ीकेँ डकैती सिखा देब

(B) खुड़ीकेँ नदीमे छोड़ि देब

(C) खुड़ीकेँ चिलम देब

(D) खुड़ीक बियाह नीक लोकसँ करा देब

४७९. माजा वेलोक अन्तिम जप कोन अछि?

(A) विद्यालय गुरु

(B) पुलिस सरकार

(C) खोडियार माय

(D) महिसागर माय

४८०. कथाक अन्तिम भाव माजा वेलोक जीवनकेँ कोना देखबैत अछि?

(A) केवल राजदरबारी हास्य

(B) अपराध, गरीबी, स्वाद, परिवार-स्नेह आ मृत्यु-शान्तिक जटिल संगम

(C) केवल नीति-उपदेश

(D) केवल परीक्षा-वृत्तान्त

खण्ड १७१ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अवाक्’: जीवित प’रु, साथारी आ पापक भय

४८१. ‘अवाक्’क आरम्भमे जीवी की लऽ कऽ साथारी धरि अबैत अछि?

(A) माथ पर पथियामे महींसक प’रुक लाश

(B) सुतारफेनीक पथिया

(C) विद्यालयक पुस्तक

(D) नदीक पानि

४८२. रणछोड़ ककरा चक्कू लऽ कऽ पाछू-पाछू अबैत छथि?

(A) खुड़ीक

(B) शाबूक

(C) सोनालीक

(D) जीवीक

४८३. कुकुर सभ साथारी लग किएक झपटैत अछि?

(A) आइसक्रीम खेबाक लेल

(B) पुलिससँ बचबाक लेल

(C) मांस/लाशक गन्ध आ लोभसँ

(D) कविता सुनबा लेल

४८४. गिद्ध सभक चित्रण कथामे की वातावरण बनबैत अछि?

(A) राजकीय सम्मान

(B) मृत्यु, लोभ आ हिंसाक प्रतीक्षा

(C) वसन्तक उल्लास

(D) विद्यालयी अनुशासन

४८५. मीना जीवीसँ कोन टिप्पणी करैत अछि?

(A) महींसक प’रु पन्द्रह दिनसँ बेसी जीवित नहि रहैत, लवजीक कनियाँक धैर्य अछि

(B) सुतारफेनी बहुत मीठ अछि

(C) माजा वेलो बीमार छथि

(D) खुड़ी क्लब गेलीह

४८६. सीधा काटबाक समय महींसक बच्चाक विषयमे कौन चौंकाबय बला सत्य खुलैत अछि?

(A) ओ सोना बनि गेल

(B) ओ नदीमे भागि गेल

(C) ओ पक्षी बनि उड़ि गेल

(D) ओ अखनो जीवित छल

४८७. जीवित प’रु उठि खसलापर रणछोड़क अवस्था की होइत अछि?

(A) ओ तुरन्त भोजन करैत

(B) ओ पुलिस बुलाबैत

(C) चक्कू छूटि जाइत, घाम सँ लथपथ, पापक भयमे स्तब्ध

(D) ओ हँसैत नाचय लगैत

४८८. रणछोड़ लवजी पर किएक क्रोधित होइत अछि?

(A) मीनार ऊँच होयबाक कारण

(B) जिऐत प्राणी भेजि पापक बोझ ओकर माथ पर लादि देबाक आरोपसँ

(C) सुतारफेनी नहि भेजबाक कारण

(D) आइसक्रीम ठंढ होयबाक कारण

४८९. भीखो मृत्युक पुष्टि कोना करैत अछि?

(A) नाक, पेट आ आँखि जाँचि कहैत अछि जे शरीर गरम अछि मुदा प्राण नहि

(B) घड़ी देखिकऽ

(C) मंदिरक घंटी सुनिकऽ

(D) पुलिससँ पूछिकऽ

४९०. साथारी प्रसंग कथाक मूल नैतिक संकट की अछि?

(A) परीक्षा मे नकल

(B) राजनीतिक भाषण

(C) समुद्री व्यापार

(D) भूख-जीविका आ जीवित प्राणीक हत्या-बोधक टकराव

खण्ड १७२ : विदेह-सदेह ३७ — 'अवाक्': जीवी, मावजी पंड्यो आ एकादशीक विचार

४९१. रणछोड़ घर घुरि जीवीसँ पहिने की माँगैत अछि?

(A) नदीक नाव

(B) विद्यालयी प्रमाणपत्र

(C) लाठी, चिलम आ जरैत गोइठा

(D) सुतारफेनी

४९२. जीवी रणछोड़क हड़बड़ी देखि की बुझबाक कोशिश करैत अछि?

(A) ओ मीनार किएक देखैत

(B) एतेक जल्दी आ तामसक कारण

(C) ओ कतेक प्रश्न लिखत

(D) ओ केहन आइसक्रीम खाएत

४९३. मावजी पंड्यो आँगनमे आबि कोन दिनक घोषणा करैत छथि?

(A) एकादशीक पुण्य दिन

(B) दशहराक युद्ध-दिन

(C) विद्यालयक वार्षिकोत्सव

(D) समुद्री ज्वार-दिन

४९४. मावजी पंड्योक उपदेश रणछोड़क मनमे कोन विचार जगबैत अछि?

(A) डकैती करब पुण्य अछि

(B) मांस अवश्य खेबाक चाही

(C) शहर छोड़ि देबाक चाही

(D) व्रत रखला सँ पाप सँ मुक्ति भेटि सकैत अछि

४९५. जीवी मावजी पंड्योकेँ की दान दैत अछि?

(A) सोना

(B) चिलम

(C) मुट्ठी भरि बाजरा

(D) आइसक्रीम

४९६. मावजी पंड्यो झोरा कोना चिन्हैत छथि?

(A) पुलिससँ पूछिकऽ

(B) हाथ सँ अलग-अलग झोरा दबा कऽ, जाहिमे बाजरा राखब अछि

(C) लालटेनक रंग देखिकऽ

(D) मीनार मापिकऽ

४९७. जीवीक छिपल गलती की छल?

(A) मनिमाक कहला पर साँस लैत प’रु पाँच किलो बाजराक लोभमे लऽ आयल, रणछोड़कैं नहि बतौलक

(B) सुतारफेनी चोरि कएलक

(C) खुड़ीकैं आइसक्रीम देलक

(D) पुलिसकैं घर बजौलक

४९८. रणछोड़ ‘साथारी अपवित्र’ कहि की बुझबैत अछि?

(A) धरती पर पानि गिरबाक दोष

(B) मिठाई कम होयबाक दुख

(C) घड़ी बन्द होयबाक चिन्ता

(D) जिऐत प्राणी काटि देबाक पापक दाग

४९९. जीवीक तर्क ‘सम्पूर्ण देश ई करैत छैक’ कोन सामाजिक यथार्थ खोलैत अछि?

(A) सभ लोक आइसक्रीम खाइत अछि

(B) सभ पुलिसमे भर्ती अछि

(C) नर बछड़ा/अनुत्पादक पशुक प्रति व्यापक क्रूर आर्थिक व्यवहार

(D) सभ देश कविता लिखैत अछि

५००. एकादशी प्रसंग कथामे कोन विडम्बना रचैत अछि?

(A) मीनार-निर्माण

(B) मांसक हिंसक यथार्थ बीच व्रत-पुण्यक धार्मिक आशा

(C) विद्यालयक हास्य

(D) राजकीय चुनाव

खण्ड १७३ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अवाक्’: लवजीक घर, टूटल प्रतिशोध आ घर-वापसी

५०१. गाम जाइत रणछोड़ चिलम किएक नहि पी पबैत अछि?

(A) पवित्र अङ्गार कतयसँ आनब, ई सोचि तम्बाकू फेर राखि दैत अछि

(B) चिलम नदीमे खसि गेल

(C) पुलिस छीनि लेलक

(D) मावजी खा गेलाह

५०२. रणछोड़क मायक सीख मोन पड़ला पर कोन भय उठैत अछि?

(A) मिठाई बाँटबाक

(B) मीनार चढ़बाक

(C) पुलिसमे भरती होयबाक

(D) जिऐत प्राणी मारला पर भगवानकैं सोनाक प्रतिमा भेंट करबाक

५०३. सोनाक महींसक बच्चा भेंट करबाक कल्पना पर रणछोड़ किएक हँसैत अछि?

(A) ओकरा सोना सँ घृणा अछि

(B) ओ मीनार बेचि सकैत अछि

(C) अपन निर्धनता बीच एहन भेंट असम्भव बुझि

(D) ओ बहुत धनी अछि

५०४. मनिमा रणछोड़कैं लवजीक घरमे देखतहि की समझैत अछि?

(A) ओ परीक्षा देबय आयल अछि

(B) ओ अपन हिस्सा/बाजरा लेबा लेल अधीर भऽ आयल अछि

(C) ओ कथा सुनाबय आयल अछि

(D) ओ आइसक्रीम खरीदय आयल अछि

५०५. लवजीक सोझाँ आबि रणछोड़क प्रतिशोध किएक कमजोर पड़ि जाइत अछि?

(A) लवजीक उपस्थिति, थकान, भूख आ असमंजससँ बोलि अटकि जाइत अछि

(B) ओ तुरन्त पुलिस बनि जाइत अछि

(C) लवजी भागि जाइत अछि

(D) मीनार टूटि पड़ैत अछि

५०६. लवजी नव कीनल महींसक बारेमे की बतबैत अछि?

(A) ई सुतारफेनी बनबैत अछि

(B) ई मीनार चढ़ैत अछि

(C) ई परीक्षा पास कएलक

(D) ई महींस पाँच हजारक अछि आ खूब दूध दैत अछि

५०७. लवजीक 'ओ दू दिनमे मरि गेल' कथन रणछोड़ पर की असर करैत अछि?

(A) ओ मिठाई बाँटैत अछि

(B) ओ चिलम फेंकि दैत अछि

(C) ओ आरो चौंकि जाइत अछि जे एतयो प'रु मृत्युक सामान्यीकरण अछि

(D) ओ प्रसन्न भऽ नाचैत अछि

५०८. लवजी रणछोड़कैं की दैत/फेकैत अछि?

(A) पुस्तक

(B) आधा पीबल सिगरेट

(C) सोना

(D) सुतारफेनी

५०९. मनिमा रणछोड़कैं विदा करैत की कहैत अछि?

(A) साँझमे आउ, दुपहरिया बीति गेल

(B) अखनहि भोज खाउ

(C) विद्यालय जाउ

(D) नदी पार करू

५१०. घर घुरैत रणछोड़क मुखसँ 'सब एक्के जकाँ अछि' किएक निकलैत अछि?

(A) सब मिठाई एक स्वादक अछि

(B) सब बच्चा स्कूल गेल

(C) सब नदी मीठ अछि

(D) ओ देखैत अछि जे दोष केवल लवजी नहि, व्यापक सामाजिक क्रूरता अछि

खण्ड १७४ : विदेह-सदेह ३७ — 'अवाक्': भोजन, भ्रम आ अन्तिम व्रत-घोषणा

५११. घर पहुँचल रणछोड़ पहिने की माँगैत अछि?

(A) आइसक्रीम

(B) सोनाक प'रु

(C) एक गिलास पानि

(D) सुतारफेनी

५१२. जीवी किएक राहत अनुभव करैत अछि?

(A) मीनार ढहि पड़ल

(B) रणछोड़ कहैत अछि जे ओ किछु नहि कएलक, झगड़ा नहि भेल

(C) लवजीक घर जळि गेल

(D) पुलिस आयल

५१३. जीवी भोजनमे की परोसैत अछि?

(A) रोटी आ महींसक बच्चाक माँसक तीमन

(B) दूध-भात

(C) सुतारफेनी

(D) केवल पानि

५१४. रणछोड़ तसनूनमे झाँकि की पुछैत अछि?

(A) ई नदी कतय अछि?

(B) ई मीनार कतेक ऊँच अछि?

(C) ई सिगरेट ककर अछि?

(D) ई तरकारी ककर अछि?

५१५. तसनूनक तीमन रणछोड़क आँखिमे की रूप धारण करैत अछि?

(A) विद्यालयक पुस्तक

(B) आइसक्रीमक पुड़िया

(C) सचेत उसनाइत, खुर-पएर-बछड़ा आ रक्त-धारा बला दृश्य

(D) फूलक माला

५१६. भ्रममे महींसक बच्चा कोना अबैत अछि?

(A) पुलिस रिपोर्ट लिखैत

(B) छटपटाइत, धड़ाम सँ खसैत, घर भरि रक्त पसरबैत

(C) नाचैत गाबैत

(D) सुतारफेनी बाँटैत

५१७. मावजी पंड्योक कोन वाक्य पुनः रणछोड़क मोनमे घूमैत अछि?

(A) जँ अखन धरि किछु नहि खैने छी तऽ व्रत रखला सँ पाप सँ मुक्ति भेटत

(B) सुतारफेनी खाउ

(C) पुलिससँ डेराउ नहि

(D) मीनार पर चढ़ू

५१८. रणछोड़ तसनून हटाकऽ की अनुभव करैत अछि?

(A) अधिक पियास

(B) सैनिक विजय

(C) पूर्ण निद्रा

(D) भ्रम हटिते राहत

५१९. अन्तमे रणछोड़ जेबी सँ की निकालैत अछि?

(A) आइसक्रीम

(B) पुस्तक

(C) सिगरेटक बचल खण्ड

(D) सोना

५२०. रणछोड़क अन्तिम घोषणा 'आइ हम व्रत रखने छी' कथामे की अर्थ लैत अछि?

(A) विद्यालयी पुरस्कार

(B) अपराध-बोध, धर्मक शरण आ मांस न खा सकबाक मनोवैज्ञानिक बचाव

(C) केवल हास्यपूर्ण स्वाद-विकल्प

(D) राजनीतिक भाषण

खण्ड १७५ : विदेह-सदेह ३७ — कन्नड़ कथा ‘अन्हार’: भोरक घरेलू दबाव

५२१. ‘अन्हार’क आरम्भमे मनोहरक दिन कोना शुरू होइत अछि?

(A) घर सँ निकलबा सँ पहिने भागमभाग, दूधक झंझट आ अखबारक बेचैनीसँ

(B) शान्त नदी-स्नान आ पूजा सँ

(C) विद्यालयी उत्सव सँ

(D) गामक मेला सँ

५२२. मनोहर शौचालयमे बैसल-बैसल की पढ़ैत अछि?

(A) मिथिला पेंटिंगक सूची

(B) सुतारफेनीक विधि

(C) कृषि पंचांग

(D) भ्रष्टाचारी आ ओकर गुर्गा सभक समाचार

५२३. फिल्मी सिताराक नवजातक नाम-विज्ञापन कथामे की संकेत करैत अछि?

(A) विद्यालयक परीक्षा

(B) कन्नड़ व्याकरण

(C) मीडिया-उपभोक्ता संस्कृति आ सतही उत्साह

(D) गामक धार्मिक अनुष्ठान

५२४. बेटाकेँ नहबैत समय मनोहर बीच-बीचमे कोन उपकरण पर काज करैत अछि?

(A) माटिक चाक

(B) ब्लैकबेरी

(C) हल-बैल

(D) तानपुरा

५२५. मनोहरक पत्नी ओकरा कोन पारिवारिक उत्तरदायित्व याद दियबैत छलीह?

(A) मायकेँ फोन कऽ छुट्टीमे गाम अयबाक उत्तर देब

(B) मीनार बनब

(C) सुतारफेनी किनब

(D) कविता पाठ करब

५२६. मनोहर पत्नी पर किएक चिचियाइत अछि?

(A) ओकरा बियाहक गीत याद नहि

(B) ओकरा दूध नीक लगैत अछि

(C) ओ स्कूलमे पढ़ाबैत अछि

(D) ओ फोन-उत्तर देबाक जिम्मेदारी पत्नी पर ढकेलब चाहैत अछि

५२७. पत्नीक ‘हम ऑफिस लेल लेट भऽ रहल छी’ कथन कोन यथार्थ खोलैत अछि?

(A) ओ मेला बेचय जा रहल छलीह

(B) ओ नदी पार करबाक अभ्यास करैत छलीह

(C) घरक बोझ संग ओकर अपन पेशेवर दबाव सेहो अछि

(D) ओ राजदरबार जा रहल छलीह

५२८. भोरक प्रसंग मनोहरक स्वभावक कोन छवि बनबैत अछि?

(A) शान्त बालकवि

(B) थाकल, चिड़चिड़ा आ जिम्मेदारी टारय बला

(C) पूर्ण तपस्वी

(D) निर्भीक किसान

५२९. घर सँ निकलिते मनोहरकेँ की शारीरिक अनुभूति होइत अछि?

(A) जी ओकियाय लगैत अछि

(B) अत्यधिक नींद

(C) नृत्यक उमंग

(D) शीतल सुख

५३०. आरम्भिक घरेलू दृश्य कथाक शीर्षक ‘अन्हार’ सँ कोना जुड़ैत अछि?

(A) ई केवल रातिक अन्हारक वर्णन अछि

(B) ई मौसम-रिपोर्ट अछि

(C) ई पुरातत्त्व-वृत्तान्त अछि

(D) बाहरी उजास होइतहुँ भीतर बेचैनी, झूठ आ तामसक अन्हार बनैत अछि

खण्ड १७६ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: ट्राफिक, रेडियो आ शहरी घृणा

५३१. कारमे एफएम रेडियो पर सुनयना कोन कार्यक्रम-जगत बनबैत अछि?

(A) खेतीक मौसम-विज्ञान

(B) अदालतक फैसला

(C) गीत-अनुरोध, विज्ञापन आ ‘चो च्वीट’ सेलिब्रिटी गपक शोर

(D) वैदिक मन्त्र-पाठ

५३२. मनोहर रेडियो किएक बन्द कऽ दैत अछि?

(A) ओ कविता लिखय चाहैत छल

(B) ओकर जी ओकियायब बढ़ि जाइत अछि

(C) बैटरी बचयबाक लेल

(D) गीत समाप्त भऽ गेल

५३३. बाहर देखिते मनोहरकेँ कोन दृश्य भेटैत अछि?

(A) ट्राफिक जाम, धुआँ, गर्दा आ सीटी बजबैत पुलिस

(B) शान्त धानक खेत

(C) खाली राजमार्ग

(D) नदीक नीला किनार

५३४. ट्राफिक पुलिसक सीटीक परिणाम की होइत अछि?

(A) सभ गाड़ी तुरन्त रुकि जाइत अछि

(B) बरखा शुरू भऽ जाइत अछि

(C) विद्यालय खुलि जाइत अछि

(D) गाड़ीबला सभ ओकरा नजरिअन्दाज करैत अछि

५३५. पुरान बड़द सबक गाड़ी खींचबाक दृश्य कथामे की विरोध रचैत अछि?

(A) राजदरबारक ठाठ

(B) समुद्री व्यापार

(C) आधुनिक ट्राफिक बीच श्रमरत पुरान देहक संघर्ष

(D) संगीत-महोत्सव

५३६. मनोहर कम सँ कम आइ की आशा करैत छल?

(A) मेला उद्घाटन करब

(B) घर जल्दी पहुँचब

(C) नगर छोड़ि सन्यास लेब

(D) नव कविता-संग्रह छपब

५३७. गाड़ीमे पिछला सीट पर पड़ल चिट्ठी ककर छल?

(A) बेटाक स्कूलक अन्तिम फीस-नोटिस

(B) मित्रक विवाह-निमंत्रण

(C) मायकेँ पत्र

(D) कविता-पाण्डुलिपि

५३८. स्कूल नोटिसमे की चेतावनी छल?

(A) बच्चा पुरस्कार पाओत

(B) विद्यालय बन्द भऽ गेल

(C) मायकेँ फोन करू

(D) एक दिनमे फीस नहि जमा भेल तँ बच्चाक नाम काटल जाएत

५३९. इलेक्ट्रॉनिक सिटी पहुँचला पर मनोहर कोन संसारमे डूमि जाइत अछि?

(A) सौराठ सभा

(B) माछ-बाजार

(C) बैठक, परियोजना, योजना, इंटरव्यू, प्रशिक्षण आ ग्राहक-परामर्श

(D) कठघोड़वा नाच

५४०. ट्राफिक प्रसंग मनोहरक नैतिक यात्रा लेल की करैत अछि?

(A) ओकरा नींदमे पठा दैत अछि

(B) शहरक अव्यवस्था ओकर करुणा घटा कऽ चिढ़ आ हिंसक प्रतिक्रिया बढ़बैत अछि

(C) ओकरा पूर्ण संत बना दैत अछि

(D) ओकरा खेती सिखबैत अछि

खण्ड १७७ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: दफ्तर, बॉस आ देर-रातिक पलायन

५४१. दफ्तरमे मनोहर फीस जमा करबाक बात किएक बिसरि जाइत अछि?

(A) कार्यालयक असंख्य कामक दबावमे ओ ओझरा जाइत अछि

(B) ओ स्कूल बन्द बुझैत छल

(C) ओ शुल्क माफ भऽ गेल बुझलक

(D) ओ गाम गेल छल

५४२. हुनकर बॉस फोन पर की माँग करैत छथि?

(A) बेटाकेँ स्कूल छोड़बाक

(B) कविता-पाठ करबाक

(C) चिलम लयबाक

(D) नव ग्राहक लेल प्रस्तुति तैयार करबाक

५४३. बॉसक ‘की अहाँ ई काज देखि सकै छी?’ कथन कथामे किएक आदेश बुझाइत अछि?

(A) ओ छुट्टीक घोषणा छल

(B) ओ वेतनवृद्धि छल

(C) कार्यालयी सत्ता-संबंधमे इनकारक जगह नहि अछि

(D) ओ मित्रवत निमंत्रण छल

५४४. मनोहर लैपटॉप बन्द करैत-करैत कतेक राति भऽ जाइत अछि?

(A) साँझ पाँच बजे

(B) राति दस बजे

(C) भोर पाँच बजे

(D) दुपहरिया बारह बजे

५४५. मनोहर पत्नीकेँ फोन करबासँ किएक डरैत अछि?

(A) ओ सोचैत अछि जे देर आ भूला गेल जिम्मेदारी पर पत्नी की कहतीह

(B) फोनमे नेटवर्क नहि छल

(C) ओ पत्नीकेँ पहचानैत नहि

(D) ओ कविता सुनय चाहैत छल

५४६. मनोहर मोबाइल बन्द किएक करैत अछि?

(A) बैटरी बचयबाक अनुशासनसँ

(B) संगीत सुनबाक लेल

(C) विद्यालय आदेशसँ

(D) उत्तरदायित्वक सामना टारबाक लेल

५४७. दफ्तरक मित्र सभ ओकरा कहाँ लऽ जाइत अछि?

(A) विद्यालय शुल्क-काउण्टर पर

(B) नाटक-मंच पर

(C) नव ढाबामे भोजन आ जैक डेनियल पीबाक लेल

(D) मन्दिरक आरतीमे

५४८. सहकर्मी सभक देर-रातिक गपमे कोन लहजा अछि?

(A) बाल-कविता

(B) ग्राहक, सरकार, नेता आ सितारा पर कोसबाक बेतुका थकान

(C) पूर्ण शास्त्रीय विवेचना

(D) मौन ध्यान

५४९. समीर सलमान खानक प्रसंग किएक उठबैत अछि?

(A) नशामे गाड़ी सँ फुटपाथी लोककेँ कुचलबाक घटना पर तामस जतयबाक लेल

(B) आइसक्रीम प्रतियोगिता लेल

(C) कन्नड़ कविता लेल

(D) विद्यालयी फीस लेल

५५०. ढाबा प्रसंग कथामे मनोहरक पतन-रेखा कोना बढ़बैत अछि?

(A) ओकरा विद्यालय पहुँचा दैत अछि

(B) ओकरा बच्चाक फीस जमा करा दैत अछि

(C) ओकरा गाममे स्थिर करैत अछि

(D) घरक जिम्मेदारीसँ बचि थकान, शराब आ झूठक मार्ग पर धकेलैत अछि

खण्ड १७८ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: अदहा रातिक घर-प्रवेश आ वैवाहिक विस्फोट

५५१. मनोहर घर पहुँचैत कतेक राति भऽ चुकल छल?

(A) दुपहरिया तीन बजे

(B) साँझ सात बजे

(C) राति एक बजे

(D) भोर आठ बजे

५५२. चौकीदार जागबापर मनोहरक प्रतिक्रिया कोना अछि?

(A) ओ स्कूल फीस दैत अछि

(B) ओ खौंझाइत अछि आ गेट खोलबाक कहैत अछि

(C) ओ गीत गाबय लगैत अछि

(D) ओ फूल दैत अछि

५५३. सीढ़ी पर विभा किएक भेटैत अछि?

(A) ओ कॉल सेण्टरक काज लेल रातिमे निकसि रहल छलीह

(B) ओ खेत जोतय जा रहल छलीह

(C) ओ कथा पाठ करबाक लेल

(D) ओ विवाह-मण्डप सँ

५५४. विभा मनोहरसँ की माँगैत अछि?

(A) सुतारफेनी

(B) पुस्तकालयक चाभी

(C) ढोलक

(D) कम्पनीमे सपोर्ट इंजीनियर पद लेल बायोडाटा देबाक अवसर

५५५. घरक केबाड़ चुपचाप खोलबाक प्रयास किएक असफल होइत अछि?

(A) बिजली चलि जाइत अछि

(B) पड़ोसी गीत गबैत अछि

(C) केबाड़ धड़ामसँ खुजि जाइत अछि

(D) चाभी हराइत अछि

५५६. पत्नी मनोहरक देर पर मुख्यत: कोन शिकायत करैत छथि?

(A) ओ मेला नहि लगबैत

(B) फोन नहि करब, घर-बच्चा नहि सम्हारब आ मित्रसभ संग पार्टी

(C) ओ कम कविता पढ़ैत अछि

(D) ओ खेत नहि जोतैत

५५७. पत्नी फल-सब्जी आ गाड़ी-बैटरीक उदाहरण किएक दैत छथि?

(A) मनोहरक रोजमर्रा भूल आ उपेक्षा सिद्ध करबाक लेल

(B) नव व्यंजन सिखयबाक लेल

(C) रेल-यात्रा बतयबाक लेल

(D) नाटकक कथानक लेल

५५८. पापुक फीस नहि जमा भेलाक परिणाम की भेल?

(A) ओ पुरस्कार जीतलक

(B) ओ गाम चलि गेल

(C) ओ शिक्षक बनल

(D) ओकरा कक्षासँ बाहर ठाढ़ कएल गेल आ स्कूल नहि अयबाक चिट्ठी देल गेल

५५९. मनोहर पहिल बचावमे की झूठ बजैत अछि?

(A) स्कूल बन्द छल

(B) पापु परीक्षामे पहिल भेल

(C) हम तऽ फीस जमा कएने छलहुँ

(D) हम गाममे छलहुँ

५६०. पत्नी 'मर्दबला अहंकार' कहि मनोहरक कोन कमजोरी चिन्हैत छथि?

(A) चित्रकला-कौशल

(B) गलती स्वीकार नहि करब आ झूठ सँ ढँकब

(C) अत्यधिक दानशीलता

(D) अधिक मौन

खण्ड १७९ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: पापु, बीमारी आ टूटैत संवाद

५६१. पत्नी बतबैत छथि जे पापु कोन दवाई लेने अछि?

(A) ५०० मिलीग्रामक एन्टीबायोटिक

(B) सुतारफेनी

(C) चिलम

(D) कच्चा दूध

५६२. बासन खसबाक आवाज पर पत्नी फेर किएक बाहर अबैत छथि?

(A) ओ नाच देखय चाहैत छथि

(B) ओ गाड़ी चलाबय चाहैत छथि

(C) ओ चित्र बनाबय चाहैत छथि

(D) बीमार पापु जागि सकैत अछि, ई चिन्तासँ

५६३. डॉक्टर पापुक विषयमे की कहने छलाह?

(A) ओ शुल्क नहि देऊ

(B) ओ रेडियो सुनू

(C) ओकर रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम अछि, टॉनिक दियौ

(D) ओ तुरन्त पर्वत चढ़ू

५६४. पत्नीक शिकायतमे ‘हमरा झूठ बाजय पड़ल’ कोन बातसँ जुड़ल अछि?

(A) गेट खोलब

(B) डॉक्टरक सोझाँ टॉनिक देबाक बारेमे

(C) ढाबाक बिल

(D) साड़ी खरीद

५६५. मनोहरक भोजन टेबुल पर कोना पड़ल अछि?

(A) ठंढा भऽ गेल

(B) गरम-गरम परसल

(C) नदीमे बहि गेल

(D) विद्यालयमे राखल

५६६. मनोहर फ्रिजमे भोजन राखैत समय की होइत अछि?

(A) फीस रसीद भेटि जाइत अछि

(B) साड़ी फाटि जाइत अछि

(C) रेडियो चालू भऽ जाइत अछि

(D) किछु प्लेट नीचाँ खसि जोर आवाज करैत अछि

५६७. पत्नी ‘जँ हमहूँ एहिना करी’ कहि की प्रश्न उठबैत छथि?

(A) कविता कतेक पंक्तिक

(B) फिल्मी सितारा के

(C) घर-परिवारक जिम्मेदारी केवल स्त्री पर किएक

(D) सड़कमे ट्राफिक किएक

५६८. मनोहरक स्वरमे तामस रहि जेबाक परिणाम की अछि?

(A) चौकीदार गेट बन्द करैत अछि

(B) संवाद फेर कटु बनि जाइत अछि

(C) पत्नी तुरन्त हँसैत छथि

(D) पापु स्कूल चलि जाइत अछि

५६९. पत्नीक 'नीक हएत जे असगरे रहू' कथन की सूचित करैत अछि?

(A) संबंधक थकान आ अलगावक इच्छा

(B) विद्यालयी पुरस्कार

(C) कला-प्रदर्शनी

(D) गामक उत्सव

५७०. घरक झगड़ा कथाक नैतिक अन्हारमे की जोड़ैत अछि?

(A) केवल हास्य रस

(B) संगीतक अभ्यास

(C) कृषि-समृद्धि

(D) झूठ, थकान, असंवेदना आ दोष-टारब निजी जीवनकेँ अँधियार करैत अछि

खण्ड १८० : विदेह-सदेह ३७ — 'अन्हार': अगिला दिनक झूठ, स्कूल आ सड़क-झगड़ा

५७१. अगिला दिन मनोहर पत्नीकेँ फोन पर फीसबारे की कहैत अछि?

(A) पापु फीस माफ पेलक

(B) हम गाम गेलहुँ

(C) फीस जमा कएलहुँ आ प्रिन्सिपलकेँ डाँटि देलहुँ

(D) स्कूल बन्द छल

५७२. पत्नी सड़क-झगड़ाक खबर कोना पबैत छथि?

(A) चौकीदारक कविता सँ

(B) पापु सभकेँ 'पोकेमान' लड़ाई जकाँ सुना रहल अछि

(C) रेडियो समाचार सँ

(D) बॉसक पत्र सँ

५७३. पापु पिता केँ शिक्षक सँ डाँट खेबाक कथा किएक फैलाबैत अछि?

(A) ओ घटना केँ खेल-जकाँ बुझि अपार्टमेंटमे कहि रहल अछि

(B) ओ अदालतमे गवाही दैत अछि

(C) ओ स्कूल छोड़ि देलक

(D) ओ रेडियो होस्ट अछि

५७४. पत्नी मनोहरकेँ बैंगलोरक कोन खतराक बात याद दियबैत छथि?

(A) सदा बरफ पड़ैत अछि

(B) सब गाड़ी बन्द अछि

(C) विद्यालय शुल्क शून्य अछि

(D) मामूली गप पर लोक मारि देल जाइत अछि

५७५. पत्नी प्लॉट आ फ्लैटक कर्ज किएक उठबैत छथि?

(A) खेतीक लाभ बतयबाक लेल

(B) मेला सजयबाक लेल

(C) मनोहर पर निर्भर परिवारक जोखिम देखयबाक लेल

(D) कविता-विषय बदलयबाक लेल

५७६. फोनक अन्तमे पत्नी कोन साधारण घरेलू आग्रह करैत छथि?

(A) बायोडाटा छापू

(B) केरा लऽ कऽ आउ

(C) जैक डेनियल लाउ

(D) मीनार बनाउ

५७७. मनोहर राति भोजन लेल कखन पहुँचबाक कहैत अछि?

(A) दू-तीन बजे राति धरि

(B) दुपहरिया बारह बजे

(C) भोर छह बजे

(D) साँझ सात बजे

५७८. सड़क-झगड़ा प्रसंग मनोहरक कोन छवि गढ़ैत अछि?

(A) पूर्ण विनम्र शिक्षक

(B) शान्त साधु

(C) निष्क्रिय किसान

(D) गलतीसँ बचेबा लेल झूठ आ आक्रामकता दुनू बरतय बला

५७९. पापुक 'पोकेमान' उपमा कथामे की असर पैदा करैत अछि?

(A) खेतीक उत्पाद बतबैत अछि

(B) समुद्र-यात्रा करबैत अछि

(C) वयस्क हिंसा बच्चाक खेल-भाषामे हास्यास्पद आ खतरनाक दुनू बनैत अछि

(D) कविता छन्द समझबैत अछि

५८०. ई खण्ड मनोहरक झूठक श्रृंखलाकेँ कोना आगे बढ़बैत अछि?

(A) ओ स्कूल छोड़ि दैत अछि

(B) फीस नहि भरबाक गलती सँ शुरू झूठ आब सामाजिक छवि बचयबाक हथियार बनैत अछि

(C) झूठ पूर्णतः समाप्त भऽ जाइत अछि

(D) ओ तुरन्त स्वीकार करैत अछि

खण्ड १८१ : विदेह-सदेह ३७ — 'अन्हार': आधी रातिक ऑटो-दुर्घटना

५८१. राति तीन बजे घर लौटैत मनोहरक आगाँ कोन वाहन चलि रहल छल?

(A) एकटा ऑटो-रिक्शा

(B) बैलगाड़ी

(C) स्कूल बस

(D) घोड़ा-गाड़ी

५८२. ऑटो-रिक्शासँ की निकसि रहल छल?

(A) फूलक गन्ध

(B) शीतल जल

(C) घंटी

(D) धुआँक मेघ

५८३. मनोहर ऑटोकेँ ओवरटेक करबाक लेल की करैत अछि?

(A) गाड़ी रोकि दैत अछि

(B) चालककेँ जल दैत अछि

(C) लगातार हॉर्न बजबैत अछि

(D) गीत गबैत अछि

५८४. ऑटो रस्ता नहि देलापर मनोहरक मनमे की विचार अबैत अछि?

(A) घर फोन करबाक

(B) ऑटो-रिक्शामे ठेंस मारबाक

(C) चालककेँ अस्पताल लयबाक

(D) फीस जमा करबाक

५८५. दुर्घटना कतेक अचानक घटैत अछि?

(A) किछु टूटबाक आवाज, डगमगाहट, पलटना आ खाधिमे खसना

(B) धीरे-धीरे पार्किंग

(C) सुरक्षित मोड़

(D) विद्यालयी अभ्यास

५८६. ऑटो कतय जा खसैत अछि?

(A) मन्दिरक आँगनमे

(B) विद्यालयक मैदानमे

(C) नदीक घाट पर

(D) फ्लाईओवर लेल खोधल खाधिमे

५८७. दुर्घटनाक बाद चारू दिस की पसरि जाइत अछि?

(A) बारिशक नृत्य

(B) कविता-पाठ

(C) पहिने मिश्रित चीत्कार-टूटन, फेर सुन्नता

(D) मेला-संगीत

५८८. मनोहर गाड़ी रोकि की ताकैत अछि?

(A) ढाबाक बिल

(B) अबाजक स्रोत

(C) फीस रसीद

(D) बेटाक खिलौना

५८९. ड्राइवरक देहक वर्णन कोना अछि?

(A) मुँहक नस पीड़ा सँ खिंचल, मुँह सँ शोनित रिसैत

(B) पूर्ण स्वस्थ

(C) नाचैत

(D) हँसैत गीत गबैत

५९०. दुर्घटना मनोहरक नैतिक परीक्षा किएक बनैत अछि?

(A) ओकरा कविता छन्द चुनय पड़ैत अछि

(B) ओकरा मिठाई चुनय पड़ैत अछि

(C) ओकरा मेला दिन चुनय पड़ैत अछि

(D) ओकरा सहायता, उपेक्षा वा प्रतिशोधमे चुनय पड़ैत अछि

खण्ड १८२ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: घायल चालक आ करुणाहीन प्रतिक्रिया

५९१. घायल ड्राइवर मनोहरसँ की विनती करैत अछि?

(A) फीस जमा करू

(B) रेडियो चालू करू

(C) मदति करू, एम्बुलेन्स बजाउ

(D) सुतारफेनी दिअ

५९२. ड्राइवर अपन घरक कोन बात कहैत अछि?

(A) घरमे मीनार अछि

(B) घरमे एकटा छोट बेटी अछि

(C) घरमे दसटा घोड़ा अछि

(D) घर खाली अछि

५९३. मनोहर जेबीमे हथोरिया कऽ की निकालैत अछि?

(A) सिगरेट

(B) एम्बुलेन्स नम्बर

(C) फीस रसीद

(D) पानि

५९४. मनोहर ड्राइवरक पीड़ाकेँ कोना सम्बोधित करैत अछि?

(A) करुणा भरल प्रार्थना सँ

(B) डॉक्टरी उपचार सँ

(C) मौन आँसू सँ

(D) 'दुख भऽ रहल अछि बदमाश?' कहि उपहास-प्रतिशोधसँ

५९५. मनोहर ड्राइवरकेँ दोषी किएक ठहरबैत अछि?

(A) कविता नहि पढ़बाक कारण

(B) साड़ी किनबाक कारण

(C) सड़कक बीच रॉकेट-जकाँ गाड़ी चलयबाक आरोप लगाकऽ

(D) फीस नहि भरबाक कारण

५९६. 'अहाँ मरब तऽ हमरा की?' कथन मनोहरक कोन अवस्था देखबैत अछि?

(A) शिक्षकीय अनुशासन

(B) पूर्ण करुणा-शून्यता आ नैतिक पतन

(C) महान दया

(D) धार्मिक व्रत

५९७. मनोहर 'हम अहाँक झमेलामे किएक पड़ी' कहि की टारैत अछि?

(A) संकटग्रस्त अजनबीक प्रति नागरिक जिम्मेदारी

(B) कविता-लेखन

(C) भोजन पकाब

(D) विद्यालयी गीत

५९८. ड्राइवर अन्तिमे की कहैत रहैत अछि?

(A) जय हो

(B) फीस जमा भेल

(C) गीत सुनू

(D) 'सॉरी सर'

५९९. मनोहरक गाड़ी चालू करब कोन अर्थ रखैत अछि?

(A) ओ पुलिस बनि गेल

(B) ओ अस्पताल खोलैत अछि

(C) ओ सहायता छोड़ि अपराधपूर्ण उदासीनता चुनैत अछि

(D) ओ एम्बुलेन्स आनय जा रहल अछि

६००. घायल चालक प्रसंग कथाक पूर्व प्रसंगसभसँ कोना जुड़ैत अछि?

(A) ई खेतीक गीत अछि

(B) सलमान-फुटपाथ चर्चा, सड़क-चिढ़ आ घरेलू असंवेदना आब वास्तविक अमानुषिकतामे बदलैत अछि

(C) सभ प्रसंग असंबद्ध अछि

(D) ई केवल हास्य-विराम अछि

खण्ड १८३ : विदेह-सदेह ३७ — 'अन्हार': शीर्षक, प्रतीक आ अंत

६०१. कथाक अन्तिम दृश्य मनोहर साइड मिररमे की देखैत अछि?

(A) क्षितिज धरि पसरल अन्हार

(B) भोरक उजास

(C) विद्यालयक प्रांगण

(D) कविता-मञ्च

६०२. साइड मिरर कथामे प्रतीक रूपेँ की करैत अछि?

(A) केवल सजावट

(B) मिठाई राखबाक थाल

(C) विद्यालयी प्रमाणपत्र

(D) पीछे छूटल घायल जीवन आ मनोहरक आत्म-दर्शनक मौका

६०३. 'अन्हार' शीर्षक केवल रातिक अंधकार नहि, आर की अछि?

(A) छन्द-विधान

(B) मिथिला चित्रकला

(C) मनोहरक भीतरक करुणाहीन नैतिक अंधकार

(D) कृषि ऋतु

६०४. ऑटो चालकक 'सॉरी सर' आ मनोहरक गालीक टकराव की देखबैत अछि?

(A) बालक्रीड़ा

(B) वर्गीय भय आ सत्ता-भाव सँ विकृत मानव सम्बन्ध

(C) समान मित्रता

(D) उत्सवी नाच

६०५. कथा शहरी मध्यवर्गक कोन आलोचना करैत अछि?

(A) काम-दबाव, उपभोग, ऋण, झूठ आ असंवेदनशीलता सँ बनल आत्मकेंद्रित जीवन

(B) केवल ग्रामीण गरीबी

(C) मात्र राजदरबार

(D) सिर्फ पौराणिक युद्ध

६०६. पत्नी आ ड्राइवरक विनतीमे कोन समानता अछि?

(A) दुनू गीत गबैत अछि

(B) दुनू पुलिस अछि

(C) दुनू फीस माफ करैत अछि

(D) दुनू मनोहरसँ जिम्मेदारी आ संवेदना माँगैत अछि

६०७. मनोहरक झूठक कथा-भूमिका की अछि?

(A) ओ तुरन्त प्रायश्चित्त करैत अछि

(B) ओ व्रत राखैत अछि

(C) ओ गलती स्वीकारबासँ भागि धीरे-धीरे नैतिक संवेदना खोबैत अछि

(D) ओ सत्यक प्रतिमा बनैत अछि

६०८. कथा दुर्घटनाकेँ नियति नहि, कोन रूपमे देखबैत अछि?

(A) विद्यालयी खेल

(B) शहरी अव्यवस्था आ मानवीय असंवेदना सँ उपजल नैतिक परीक्षा

(C) जादुई चमत्कार

(D) नदीक बाढ़ि

६०९. अन्तिम अन्हार पाठक पर कोन प्रभाव छोड़ैत अछि?

(A) सवाल जे सभ्यता आ सफलताक भीतर करुणा बचल अछि कि नहि

(B) केवल मौसमक जानकारी

(C) मिठाईक स्वाद

(D) कविता-मात्रा

६१०. ‘अन्हार’क सम्पूर्ण यात्रा कोन क्रममे बढ़ैत अछि?

(A) मेला → गीत → पूजा → उत्सव → पुरस्कार

(B) खेती → बरखा → कटनी → भंडार

(C) विद्यालय → परीक्षा → अवकाश → खेल

(D) घरेलू चिढ़ → दफ्तर-दबाव → झूठ → सड़क-हिंसा → करुणाहीन पलायन

खण्ड १८४ : विदेह-सदेह ३७ — ‘अन्हार’: लेखक, अनुवाद आ प्रकाशन-संदर्भ

६११. ‘अन्हार’क मूल भाषा कोन अछि?

(A) गुजराती

(B) उड़िया

(C) कन्नड़

(D) तेलुगु

६१२. ‘अन्हार’क लेखक के छथि?

(A) सरोजिनी साहू

(B) अशोक हेगड़े

(C) सुन्दरम

(D) दलपत चौहान

६१३. कथाक अंग्रेजी अनुवादक के छथि?

(A) कमलाकर भट्ट

(B) पुरुषोत्तम के.

(C) हेमांग देसाई

(D) जयलक्ष्मी पोपुरी

६१४. कथाक मैथिली अनुवाद के कएने छथि?

(A) मनोहर

(B) विभा

(C) के.के.

(D) गजेन्द्र ठाकुर

६१५. कमलाकर भट्टक पेशेवर परिचयमे मुख्य पद की अछि?

(A) ढाबा-मालिक

(B) स्कूल प्रिन्सिपल

(C) अहमदनगर कॉलेजक अंग्रेजी स्नातकोत्तर विभाग आ शोध केंद्रक प्रोफेसर आ विभागाध्यक्ष

(D) ऑटो-रिक्शा चालक

६१६. कमलाकर भट्ट कोन-कोन भाषा बीच अनुवादक कार्यसँ जुड़ल छथि?

(A) केवल नेपाली

(B) अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, मराठी आ कन्नड़

(C) केवल संस्कृत

(D) केवल मैथिली

६१७. अशोक हेगड़ेक पेशेवर क्षेत्र की कहल गेल अछि?

(A) तकनीक

(B) कठघोड़वा नाच

(C) धातु-मूर्ति

(D) माछ-पालन

६१८. अशोक हेगड़ेक वर्तमान रुचिमे कोन-कोन तकनीकी क्षेत्र अछि?

(A) धान-कटनी, पाट-बुनाई, मधुपर्क

(B) नौकायन, शिकार, घुड़सवारी

(C) ढोल, पिपही, करताल

(D) मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा आ ब्लॉकचेन

६१९. 'अन्हार' पहिने कोन कन्नड़ पत्रिकामे प्रकाशित भेल छल?

(A) आन्ध्र ज्योति

(B) मार्ग

(C) देशकाल

(D) विदेह

६२०. 'देशकाल' प्रकाशन-सूचनामे सम्पादकक नाम के अछि?

(A) सन्दीप

(B) विवेक शाणभाग

(C) मनोहर

(D) पापु

खण्ड १८५ : विदेह-सदेह ३७ — अनूदित पद्य खण्ड: तेलुगु दलित कविता आ पुरुषोत्तम के.

६२१. अनूदित पद्य खण्डक तेलुगु भागमे अंग्रेजी अनुवादक रूपमे के चिन्हित छथि?

(A) पुरुषोत्तम के.

(B) कमलाकर भट्ट

(C) हेमांग देसाई

(D) गोपा नायक

६२२. पुरुषोत्तम के.क अकादमिक सम्बन्ध कोन विश्वविद्यालयसँ जोड़ल गेल अछि?

(A) वारंगलक काकतीय विश्वविद्यालय

(B) दिल्ली विश्वविद्यालय

(C) मद्रास विश्वविद्यालय

(D) काशी विद्यापीठ

६२३. पुरुषोत्तम के.क अनुवाद-कार्यक मुख्य क्षेत्र की देखाइत अछि?

(A) तेलुगु कविता, दलित उपन्यास आ कथाक अंग्रेजी अनुवाद

(B) केवल गणित-पुस्तक

(C) केवल वैद्यक ग्रन्थ

(D) केवल नाटक-मंचन

६२४. बोयी भीमन्ना कैँ तेलुगु साहित्यक कोन धारा सँ जोड़ल गेल अछि?

(A) तेलुगु दलित साहित्यक अग्रदूत

(B) दरबारी प्रेम-काव्यक मात्र कवि

(C) केवल हास्य-लेखक

(D) संस्कृत नाटककार

६२५. बोयी भीमन्नाक लेखन पर कोन राजनीतिक-सामाजिक आन्दोलनक प्रभाव कहल गेल अछि?

(A) गान्धीक राष्ट्रीय आन्दोलन

(B) केवल औद्योगिक विज्ञापन

(C) दरबारी नृत्य आन्दोलन

(D) सैन्य प्रशिक्षण

६२६. बोयी भीमन्नाक त्रयीमे हुनका संग कोन दू नामक उल्लेख अछि?

(A) गुर्रम जाशुवा आ कुसुमान धर्मन्ना

(B) मनोहर आ पापु

(C) शादुल आ चाँद

(D) सुन्दरम आ दलपत

६२७. भीमन्नाक 'जरैत खोपड़ी सभ' कविता कोन सामाजिक रहस्य पर चोट करैत अछि?

(A) धर्म, जाति आ पुनरुत्पन्न होइत बहिष्कारक दुष्चक्र

(B) केवल मौसमक तापमान

(C) बाल-क्रीड़ाक नियम

(D) भोजनक स्वाद

६२८. 'हमर पैतृक अधिकार' कवितामे कवि ककर पुनः-दावा करैत छथि?

(A) इतिहासमे दबाओल वैदिक-सांस्कृतिक अधिकारक

(B) सरकारी नौकरीक छुट्टी

(C) केवल खेतक नाप

(D) मिठाईक दुकान

६२९. भीमन्नाक कविता सभमे 'कब्रिस्तान खनब' कोन प्रतीक अछि?

(A) दबाओल इतिहास उजागर करबाक प्रतिरोध

(B) घर बनबाक वास्तु-रीति

(C) खेलक मैदान समतल करब

(D) भोजन पकाबक तैयारी

६३०. तेलुगु दलित पद्य-भागक प्रमुख बौद्धिक लक्ष्य की अछि?

(A) जाति-वर्चस्वक आलोचना आ आत्मसम्मानक घोषणा

(B) केवल पुष्प-वर्णन

(C) राजसी शिकारक प्रशंसा

(D) बालगीत मात्र

खण्ड १८६ : विदेह-सदेह ३७ — बोयी भीमन्ना: खोपड़ी, अधिकार आ इतिहासक पुनर्पाठ

६३१. 'जरैत खोपड़ी सभ'मे 'सालमे एक बेर' जरबाक बिम्ब की सूचित करैत अछि?

(A) दमनक पुनरावृत्ति आ अनवरत सामाजिक हिंसा

(B) नव वर्षक उत्सव

(C) फसल-कटनीक आनन्द

(D) विद्यालयी परीक्षा

६३२. खोपड़ी 'बेर-बेर उगि अबैत' अछि — एहि सँ कवि की देखबैत छथि?

(A) दमनकारी व्यवस्था अपन शिकार फेर पैदा करैत रहैत अछि

(B) गाछक वैज्ञानिक विकास

(C) माटिक उर्वरता मात्र

(D) हास्यक चुटकुला

६३३. भीमन्नाक स्वर ‘ई हमर धर्मक रहस्य अछि’ कहि कोन शैली अपनबैत अछि?

(A) व्यंग्यात्मक उद्घाटन

(B) सरल भजन मात्र

(C) बाजारू घोषणा

(D) नाटकक मंच-निर्देश

६३४. ‘हमर पैतृक अधिकार’मे पौराणिक प्रसंग सभक उपयोग किएक अछि?

(A) आर्य/वैदिक श्रेष्ठताक दावा उलटि कऽ दलित अधिकार देखेबाक लेल

(B) केवल कथा-कहानी सजाबय लेल

(C) बच्चा सभकेँ सुताबय लेल

(D) भूगोल पढ़ाबय लेल

६३५. कवि अपन पैतृक अधिकार ‘गर्व सँ फेकि देबाक’ बात किएक करैत छथि?

(A) पहिने अधिकार स्वीकार कराबय, फेर दास्य-संस्कार अस्वीकार करबाक लेल

(B) भोजन बरबाद करबाक लेल

(C) खेलमे हार मानबाक लेल

(D) कपड़ा फेकबाक लेल

६३६. ‘सम्पूर्ण सम्मान सँ साँस लेबाक’ पंक्ति खण्डक कोन मूल्यकेँ केन्द्र बनबैत अछि?

(A) मानवीय गरिमा

(B) व्यापारिक लाभ

(C) शस्त्र-बल

(D) पर्यटन

६३७. भीमन्नाक कवितामे इतिहास कतेक स्थिर अछि?

(A) स्थिर नहि; प्रश्न आ पुनर्पाठसँ बदलैत

(B) सदैव बन्द किताब

(C) केवल राजकाजक हिसाब

(D) मात्र तिथि-सूची

६३८. ‘दलित अजाति’क विरोधाभास कोन पीड़ा देखबैत अछि?

(A) जाति-व्यवस्थामे मनुष्यकेँ बाहर धकेलबाक पीड़ा

(B) विद्यालयी छुट्टी

(C) मौसमक बदलाव

(D) मिठाईक महँगाई

६३९. भीमन्नाक प्रतिरोधक भाषा कोना अछि?

(A) तिख, प्रश्नाकुल आ घोषणात्मक

(B) पूर्ण मौन

(C) केवल लोरी

(D) केवल हास्य

६४०. एहि कवितासभकेँ ‘दलित साहित्य’क केन्द्रमे रखबाक मुख्य कारण की?

(A) ओ जाति-दमनक अनुभवकेँ प्रतिरोधी चेतना बनबैत अछि

(B) ओ केवल छन्द-अभ्यास अछि

(C) ओ पृष्ठ-सज्जा अछि

(D) ओ संगीत-सूची अछि

खण्ड १८७ : विदेह-सदेह ३७ — जे. सुभद्रा: श्रम, चाम, साड़ीक कोर आ अव्वा

६४१. जे. सुभद्राक 'लोढ़ब'मे वक्ताक दिनक आरम्भ कोन श्रमसँ होइत अछि?

(A) जमीन्दारक घरक आंगन, गोबर-पानि, बथान आ कूड़ा साफ करब

(B) राजदरबारमे गीत गाबब

(C) फूलक माला बेचब मात्र

(D) विद्यालयमे भाषण

६४२. 'लोढ़ब'मे मेहनतिक बदलामे की भेटैत अछि?

(A) भीख-जकाँ बासी भात आ अपमान

(B) सुनक मुकुट

(C) राजसी पुरस्कार

(D) शाही घोड़ा

६४३. 'लाण्डा' शब्द कविता-संदर्भमे की अछि?

(A) जानवरक छाल शोधबाक कुण्ड

(B) कविता-पुस्तक

(C) नदीक घाट

(D) विद्यालयक घंटी

६४४. चाम साफ करबाक प्रसंगमे की मुख्य अनुभव उभरैत अछि?

(A) घिन, कीड़ा, गन्ध आ बाध्य श्रम

(B) केवल उत्सव

(C) राजसी भोज

(D) बाल-खेल

६४५. 'साड़ीक कोर' कवितामे साड़ीक कोर की बनैत अछि?

(A) भूख, श्रम, आँसू आ आश्रयक बहुउद्देशीय प्रतीक

(B) केवल महँगा आभूषण

(C) राजकीय झण्डा

(D) काँचक खिलौना

६४६. 'साड़ीक कोर'मे खेत-पथारक थकान पर कोरक भूमिका की अछि?

(A) ओ ओछाउन बनि जाइत अछि

(B) ओ तलवार बनैत अछि

(C) ओ अदालतक कागज बनैत अछि

(D) ओ नाव बनैत अछि

६४७. 'अव्वा' कवितामे अव्वा कैं कोना चित्रित कएल गेल अछि?

(A) सङ्घर्षक मूर्त रूप

(B) दरबारी रानी

(C) युद्धक सेनापति मात्र

(D) हास्य-पात्र

६४८. 'अव्वा'मे 'भोर नहि' बला सङ्घर्षक अर्थ की?

(A) ओकर श्रम आ पीड़ा निरंतर अछि

(B) ओ सदिखन सुतैत छथि

(C) ओ केवल उत्सव करैत छथि

(D) ओ यात्रामे छथि

६४९. अव्वाक हाथक चित्रण कोन भाव उत्पन्न करैत अछि?

(A) स्नेहक अभाव नहि, श्रमसँ कठोर बनल मातृत्व

(B) केवल विलासिता

(C) निर्थक सजावट

(D) नाटकक मुखौटा

६५०. जे. सुभद्राक कवितामे स्त्री-श्रमक केन्द्रीय प्रश्न की अछि?

(A) घर, खेत, जाति आ शरीर पर एकसाथ पड़ैत बोझ

(B) केवल अलंकार-शास्त्र

(C) रंगमंचक पर्दा

(D) सैर-सपाटा

खण्ड १८८ : विदेह-सदेह ३७ — स्त्री-दलित प्रतिरोध: निन्दा, रजस्वला कपड़ा आ अलिसम्मा

६५१. 'निन्दा' शीर्षक कवितामे वक्ता उच्चतर स्त्रीसँ कोन संवाद करैत अछि?

(A) स्वामिनी-आश्रित सम्बन्धक भीतरक जाति आ लिंग अन्याय पर

(B) फूलक माला पर

(C) नदीक नाव पर

(D) विद्यालयी खेल पर

६५२. 'जाधरि केबल पुरुष वा केबल स्त्री अछि' पंक्ति कोन सीमा तोड़य चाहैत अछि?

(A) लिंगक साथ जाति-वर्गक प्रश्न जोड़बाक सीमा

(B) संगीतक ताल

(C) बाजारक भाव

(D) भोजनक विधि

६५३. 'हम रजस्वला कपड़ा ओढ़ि रहल छी'मे कपड़ा कोन प्रतिरोधी प्रतीक बनैत अछि?

(A) शरीर, अपमान आ स्त्री-अनुभवक राजनीतिक घोषणा

(B) केवल परदा-सज्जा

(C) शाही वस्त्र

(D) विवाह-माला

६५४. एहि कवितामे 'कलम' पर प्रश्न किएक अछि?

(A) पुरुषवादी समर्पण-धारणाकेँ लिखनिहार सत्ता पर चोट करबाक लेल

(B) स्याहीक रंग जानबाक लेल

(C) कागजक आकार मापबाक लेल

(D) विद्यालयी निब बदलबाक लेल

६५५. सार्वजनिक इनारक अपमान कोन सामाजिक संरचना देखबैत अछि?

(A) जल, जाति आ स्त्री-देह पर नियंत्रण

(B) खेतीक उत्सव

(C) राजकीय सम्मान

(D) बाल-क्रीड़ा

६५६. 'अलिसम्माक स्राप'मे वक्ता अपनाकेँ कोना परिभाषित करैत अछि?

(A) एकटा नव प्रश्न आ सङ्कट

(B) केवल दर्शक

(C) मेला-घोषक

(D) अकर्मण्य पात्र

६५७. अलिसम्मा ‘स्त्री आ दलित’ होइतो जीवित रहबाक बात किएक कहैत छथि?

(A) दुहरा दमनक बावजूद प्रतिरोधक जीवित स्वर देखेबाक लेल

(B) केवल दीर्घायु बताबय लेल

(C) हँसी करबाक लेल

(D) व्यापारक विज्ञापन लेल

६५८. अलिसम्माक स्रापमे ‘मानवमे परिणत भऽ जाउ’ कहब कोन उलटबाँसी अछि?

(A) हिंसक दमनकारीकेँ असल मानवता सीखबाक स्राप

(B) पशु बनबाक आशीर्वाद

(C) नृत्यक निमन्त्रण

(D) भोजनक आदेश

६५९. एहि स्त्री-दलित कवितासभक स्वर केवल करुणा किएक नहि अछि?

(A) ओ करुणाकेँ प्रतिरोध, प्रश्न आ शापमे बदलैत अछि

(B) ओ मौन अछि

(C) ओ केवल प्रकृति-वर्णन अछि

(D) ओ हास्य-गीत अछि

६६०. स्त्री-दलित कविता खण्डक मुख्य सौन्दर्यशास्त्र की अछि?

(A) अनुभवक कठोरता सँ उपजल साक्ष्यात्मक कविता

(B) दरबारी अलंकरण मात्र

(C) राजसी मनोरंजन

(D) संग्रहालय सूची

खण्ड १८९ : विदेह-सदेह ३७ — वी.वी.बी. रामा राव: आधुनिकता, युद्ध आ मीडिया-बोध

६६१. वी.वी.बी. रामा रावक परिचयमे अंग्रेजी अनुवाद कोना देल गेल अछि?

(A) कवि द्वारा स्वयं

(B) विद्यालयक छात्र द्वारा

(C) अज्ञात व्यापारी द्वारा

(D) नाटक-मंडली द्वारा

६६२. ‘गर्भधारणक क्षणमे’ कविता कोन बात कहैत अछि?

(A) कविता अपन सन्दर्भ, स्थान आ संरचना स्वयं रचि लैत अछि

(B) कविता सदिखन बाहरी आदेशसँ बनैत अछि

(C) कविता केवल तिथि-सूची अछि

(D) कविता बिना अर्थक ध्वनि अछि

६६३. ‘तुरत्ते आयल समाचार’मे ‘क्लिक’ आ ‘फीस’ कोन युगक संकेत अछि?

(A) माध्यमीकृत, बाजारू आ त्वरित सूचना-युग

(B) प्राचीन वनवास

(C) हस्तलिखित भोजपत्र मात्र

(D) मौन साधना

६६४. ‘ककरा सरोकार छै, के हमर गुजर-बसरक खर्चा उठाबैत अछि?’ पंक्ति कोन विडम्बना देखबैत अछि?

(A) आर्थिक निर्भरता आ वैचारिक उदासीनता

(B) नदीक प्रवाह

(C) फसलक रंग

(D) मधुर संगीत

६६५. तिकरित-संदर्भक कविता कोन वैश्विक राजनीतिक प्रसंगक ओर इशारा करैत अछि?

(A) युद्ध, तानाशाही आ शिकारक मीडिया-दृश्य

(B) केवल लोकनृत्य

(C) बाल-विवाह

(D) धान रोपनी

६६६. 'बेईमानी' कविता युद्धक पोशाक आ राज्यक भाषा सँ की करैत अछि?

(A) राजनीतिक छल आ विनाशक व्यंग्यात्मक विश्लेषण

(B) शादीक गीत

(C) कृषि-परामर्श

(D) भोजन-विधि

६६७. 'परदा नै खसल' पंक्ति कोन भाव रखैत अछि?

(A) विनाशक नाटक अखनो समाप्त नहि भेल

(B) नाटक सफलतापूर्वक खत्म भेल

(C) मेला बन्द भेल

(D) कक्षा छुट्टी भेल

६६८. 'झुनझुन आ कनफुसकी'मे सार्वजनिक स्थानक व्यवहार की देखबैत अछि?

(A) वर्गीय घृणा, देह-गन्ध आ सामाजिक दूरी

(B) समता-उत्सव

(C) केवल बाल-क्रीड़ा

(D) राजकीय परेड

६६९. रामा रावक आधुनिक कवितामे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

(A) सभ्य भाषा पछाड़ि छिपल हिंसा खोलब

(B) मात्र हँसाबय

(C) कथानक रोकब

(D) छन्द गिनब

६७०. एहि कवितासभमे विश्व-राजनीति आ निजी अनुभवक सम्बन्ध कोना अछि?

(A) दुनू एक-दोसरमे पसरैत; वैश्विक घटना देह-मन पर असर करैत

(B) दुनू पूर्ण अलग

(C) दुनू केवल खेल

(D) दुनू अर्थहीन

खण्ड १९० : विदेह-सदेह ३७ — रामा राव: देह, लक्ष्य, स्मृति आ प्रेमक जटिलता

६७१. 'शीतकालीन पुष्प'मे देहक अनुभव कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

(A) कामना सँ आगू बढ़ि एकत्व आ प्रेमक दार्शनिक रूप

(B) केवल रोगक लक्षण

(C) युद्धक रणनीति

(D) खेतक नाप

६७२. 'अद्वैत' शब्द कविता-संदर्भमे की अर्थ धारण करैत अछि?

(A) पूर्ण एकत्व आ विभाजनहीनता

(B) केवल गणितीय जोड़

(C) दरबारी पद

(D) भोजनक नाम

६७३. ‘भेटैत अछि ... लक्ष्य!’मे लक्ष्यक अति-पीछा ककर आलोचना अछि?

(A) यंत्रीकृत, लक्ष्य-ग्रस्त आधुनिक जीवनक

(B) बालक स्वतंत्र खेलक

(C) नदीक स्वाभाविक बहावक

(D) पक्षीक उड़ानक

६७४. लक्ष्य ‘मृग-मरीचिका’ किएक कहल गेल अछि?

(A) ओ पाछू दौड़बैत अछि, मुदा संतोष नहि दैत

(B) ओ निश्चित जलस्रोत अछि

(C) ओ घरक छत अछि

(D) ओ पूर्ण विश्राम अछि

६७५. ‘चाँदक लेल आग्रह’मे कवि चाँद नहि माँगैत किएक?

(A) असम्भव वस्तुसँ बेसी विश्वास आ न्यायपूर्ण दुनिया चाहैत छथि

(B) चाँद टूटि गेल अछि

(C) चाँद नहि अछि

(D) कवि आकाश नहि देखैत

६७६. ‘पाइ-विहीन’ दुनिया कवितामे कोन आदर्श अछि?

(A) संपत्ति-दावा आ अभावसँ मुक्त समाज

(B) सिक्का-संग्रहालय

(C) बाजारक विस्तार

(D) ऋण-लेखा

६७७. ‘जर्जर स्मृति सभ’मे स्मृति कोन प्रकारक अछि?

(A) आकर्षण, अपराध-बोध, देह आ पश्चातापसँ भरल

(B) केवल बालगीत

(C) खेतीक हिसाब

(D) मेला-सूची

६७८. ‘क्रिया आ हृदयक बीचक दूरी’ पंक्ति कोन द्वन्द्व खोलैत अछि?

(A) शारीरिक सम्बन्ध आ भावनात्मक उत्तरदायित्वक दूरी

(B) नदी आ नावक दूरी

(C) विद्यालय आ घरक दूरी

(D) बाजार आ खेतक दूरी

६७९. रामा रावक प्रेम-कवितामे प्रेम ‘मात्र लेब’ नहि किएक अछि?

(A) कवि प्रेमकेँ देब, समर्पण आ आत्म-परीक्षण मानैत छथि

(B) प्रेम व्यापार अछि

(C) प्रेम मुकदमा अछि

(D) प्रेम खेलक अंक अछि

६८०. एहि समूहमे कविक आधुनिकता-दृष्टि कोना अछि?

(A) आकांक्षा आ देह दुनूक भीतर नैतिक प्रश्न खोजैत

(B) सिर्फ तकनीक प्रशंसा

(C) सिर्फ ग्रामीण स्मृति

(D) सिर्फ हास्य

खण्ड १९१ : विदेह-सदेह ३७ — तेलंगाना, मातृभूमि आ सांस्कृतिक स्मृति

६८१. ‘तेलंगाना!’ कवितामे तेलंगाना कैँ कोन रूपमे पुकारल गेल अछि?

(A) माय, सपना, ध्वज आ संघर्षक धरती

(B) केवल नक्शाक रेखा

(C) केवल बाजार

(D) केवल होटल

६८२. नदी, दूध, बाछा-बाछी आ बरखा कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) हरियर, जीवंत आ कृषिसम्पन्न तेलंगानाक छवि

(B) रेगिस्तानक सूखा

(C) युद्धक ध्वंस मात्र

(D) कारखानाक धुआँ

६८३. ‘बथुकम्मा’ गीतक उल्लेख कोन सांस्कृतिक परत जोड़ैत अछि?

(A) स्थानीय त्योहार आ स्त्री-सांस्कृतिक स्मृति

(B) विदेशी बैंकिंग

(C) सैन्य परेड

(D) न्यायालयी दस्तावेज

६८४. कबड्डी, बिल्लम गोड्डू आ बोनालू क उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) प्रदेशक लोक-खेल आ पर्व सभकेँ स्मृति-संसारमे राखय लेल

(B) केवल परीक्षा-प्रश्न बनाबय लेल

(C) मोटर-मॉडल बताबय लेल

(D) राजसी उपाधि लेल

६८५. ‘बन्द मुट्ठी’ बिम्ब तेलंगाना कैँ कोन अर्थ दैत अछि?

(A) प्रतिरोध आ सामूहिक संघर्ष

(B) नींद

(C) भोजन

(D) विलासिता

६८६. ‘हाँसू अहाँ छी’ पंक्ति प्रदेशकेँ कोन वर्गसँ जोड़ैत अछि?

(A) किसान-श्रमिक संघर्ष

(B) केवल दरबार

(C) समुद्री व्यापार

(D) आकाशीय यात्रा

६८७. ‘हमर झण्डा अहाँ छी’ कोन राजनीतिक भाव अछि?

(A) आन्दोलनक प्रतीक रूपमे मातृभूमि

(B) केवल सजावटी कपड़ा

(C) विद्यालयी नेपकिन

(D) व्यापारिक लोगो

६८८. कविता पुरान वैभवक प्रश्न ‘कतय विलुप्त भेल?’ किएक पूछैत अछि?

(A) सांस्कृतिक-आर्थिक ह्रासक पीड़ा व्यक्त करबाक लेल

(B) हास्य करबाक लेल

(C) गणना करबाक लेल

(D) पाकक विधि लेल

६८९. तेलंगाना-कवितामे लोकध्वनि ‘देद्देक्का देम’ की करैत अछि?

(A) ढोलकक ताल आ सामुदायिक आवाज जगेबैत अछि

(B) मौन पैदा करैत अछि

(C) कागज नापैत अछि

(D) गाड़ी रोकैत अछि

६९०. एहि कविताक मूल स्वर की अछि?

(A) मातृभूमि-स्मृति सँ उपजल राजनीतिक स्वाभिमान

(B) उदासीन पर्यटन

(C) निजी विलास

(D) केवल वस्तु-वर्णन

खण्ड १९२ : विदेह-सदेह ३७ — गोरा शासन, भूमण्डलीकरण आ भाषिक उपनिवेश

६९१. ‘एकटा गोरा शासन’मे गोरा शासनक नया रूप कोन कहल गेल अछि?

(A) भूमण्डलीकरणक मुखौटा लगाओल आदेश

(B) गामक लोकगीत

(C) बच्चाक खेल

(D) विवाहक गीत

६९२. कवितामे सरकारी भाषा ‘हमर नै’ कहबाक अर्थ की?

(A) शासनक भाषा जनता-संस्कृतिसँ कटि गेल

(B) भाषा सभ समान रूपेँ अपन अछि

(C) कोनो भाषा नहि चाही

(D) केवल संगीत चाही

६९३. ‘सम्पूर्ण संस्कृति एकटा विकृति अछि’ पंक्ति कोन अनुभव बतबैत अछि?

(A) थोपल गेल सांस्कृतिक संरचनाक अस्वाभाविकता

(B) संस्कृति पूर्ण मुक्त अछि

(C) संस्कृति केवल भोज अछि

(D) संस्कृति केवल कपड़ा अछि

६९४. शरीर ‘बलसँ वशमे’ कएल जाए सन अनुभूति कोन राजनीतिक रूपक अछि?

(A) सांस्कृतिक-आर्थिक अधीनता शरीरधरि पहुँचैत अछि

(B) व्यायामक लाभ

(C) नृत्यक मुद्रा

(D) नींदक सुख

६९५. एम.एन.सी. सभक उल्लेख कोन आलोचना करैत अछि?

(A) बहुराष्ट्रीय पूँजी द्वारा भारतीयता पर निशाना

(B) स्थानीय खिलौना

(C) धानक बीज

(D) लोक-गीत

६९६. गोरा भाषा आ गोरा वाणीक प्रभुत्व किएक समस्या अछि?

(A) ओ स्थानीय आवाजकेँ हाशिये पर धकेलैत अछि

(B) ओ सभकेँ बराबर बोलाबैत अछि

(C) ओ खेती बढ़बैत अछि

(D) ओ बच्चा खेलबैत अछि

६९७. ‘व्याकरण नोरसँ भरल इतिहास’ कोन संकेत दैत अछि?

(A) भाषाक नियम सेहो पीड़ित इतिहाससँ अलग नहि

(B) व्याकरण केवल खेल अछि

(C) व्याकरण भोजन अछि

(D) व्याकरण मौसम अछि

६९८. ‘राष्ट्रक हृदय धड़कब बिसरि गेल’ पंक्ति कोन संकट व्यक्त करैत अछि?

(A) बाजार-शासनमे राष्ट्रीय संवेदनाक क्षय

(B) खेलक जीत

(C) बर्षाक आगमन

(D) गीतक ताल

६९९. कवितामे उपनिवेशवाद ‘दरवाजा पर’ किएक अछि?

(A) ओ पुरान सत्ता नहि, वर्तमान प्रवेश करैत खतरा अछि

(B) ओ पूर्ण समाप्त अछि

(C) ओ केवल किताबमे अछि

(D) ओ बाल-खेल अछि

७००. एहि कविता-समूहक केन्द्रीय प्रश्न की अछि?

(A) भाषा, बाजार आ पहचानक स्वाधीनता

(B) मिठाईक मूल्य

(C) घोड़ा-दौड़

(D) नौका-विहार

खण्ड १९३ : विदेह-सदेह ३७ — गुजराती अनूदित पद्य: स्मृति, गाछ-बिरिछ आ सड़कक झटका

७०१. गुजराती पद्यांशमे ‘तोडलो’ शब्दक अर्थ की देल गेल अछि?

(A) घरक बाहरी देबालमे ठोकल लकड़ीक खुट्टी

(B) कविता-पुस्तक

(C) नदीक नाव

(D) ढोलकक ताल

७०२. ‘अठम’ शब्द ककर द्योतक अछि?

(A) चान्द्र पक्षक आठम दिन

(B) सालक पहिल दिन

(C) धानक माप

(D) घोड़ा-दौड़

७०३. ‘अगियारस’ शब्दक अर्थ की अछि?

(A) एकादशी

(B) पूर्णिमा

(C) अमावस्या

(D) दशहरा

७०४. ‘तरिला’ कोन वस्तु अछि?

(A) गाड़ी खींचय बला अतिरिक्त बड़दक गरदनि पर राखल लकड़ीक उपकरण

(B) माछक नाव

(C) स्कूलक बेंच

(D) साड़ीकोर

७०५. नागफेनी, आवळ, बबूड़ आ आकडिया सभ कोन वातावरण बनबैत अछि?

(A) काँटेदार, स्थानीय, ग्रामीण-प्राकृतिक परिदृश्य

(B) महानगरीय कार्यालय

(C) समुद्री बन्दरगाह

(D) राजदरबार

७०६. कीड़ीक 'महादेव मन्दिर' जायब कोन शैलीक संकेत अछि?

(A) बाल-जिज्ञासा आ लोक-कल्पनाक मिश्रण

(B) सरकारी आदेश

(C) युद्ध-घोषणा

(D) व्यापारिक हिसाब

७०७. लाल नागफेनी-फल तोड़बाक प्रसंगमे अचानक की बदलैत अछि?

(A) स्मृति-मय प्रकृति सँ आधुनिक पक्की सड़क पर झटका

(B) पूजा समाप्त होइत अछि

(C) नदी सूखैत अछि

(D) घोड़ा उड़ैत अछि

७०८. मेघक धक्का खाइत वापस पक्की सड़क पर आबयब कोन भाव दैत अछि?

(A) अतीत/प्रकृति सँ वर्तमान/यंत्र-जीवनमे फेंकल जेबाक अनुभव

(B) पूर्ण विश्राम

(C) मेला-आनन्द

(D) खेतक कटनी

७०९. 'आवल'क उपयोग शब्दावलीमे ककर लेल कहल गेल अछि?

(A) चाम पकेबा आ औषधीय उपयोग लेल

(B) कविता लिखबाक कलम

(C) सोनाक गहना

(D) नदीक नाव

७१०. गुजराती पद्यांशक मुख्य सौन्दर्य की अछि?

(A) स्थानीय शब्द, बाल-कल्पना आ आधुनिक विस्थापनक संगम

(B) केवल दरबारी प्रशंसा

(C) सैन्य-इतिहास

(D) सूखा गणित

खण्ड १९४ : विदेह-सदेह ३७ — अनूदित पद्य खण्ड: भाषा-सेतु, शब्दावली आ प्रतिरोधक संकलन

७११. अनूदित पद्य खण्डमे तेलुगु कविताक मुख्य स्वर कोन अछि?

(A) दलित अनुभव, श्रम, प्रतिरोध आ आत्मसम्मान

(B) केवल दरबारी विनोद

(C) साधारण मौसम-रिपोर्ट

(D) व्यापारिक विज्ञापन

७१२. पुरुषोत्तम के.क भूमिका एहि खण्डमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ओ तेलुगु रचनाकेँ अंग्रेजी सेतु द्वारा व्यापक पाठक धरि पहुँचबैत छथि

(B) ओ कथानकक खलनायक छथि

(C) ओ केवल मुद्रक छथि

(D) ओ नाटकक पात्र छथि

७१३. बोयी भीमन्ना सँ जे. सुभद्रा धरि खण्ड कोन विस्तार देखबैत अछि?

(A) इतिहासक प्रतिरोध सँ दलित स्त्री-श्रमक देहगत अनुभव धरि

(B) केवल राजवंश-सूची

(C) फूलक नाम-सूची

(D) खेतीक भाव-सूची

७१४. रामा रावक कवितासभ खण्डमे कोन नया आयाम जोड़ैत अछि?

(A) वैश्विक राजनीति, मीडिया, युद्ध, देह आ आधुनिक लक्ष्यबोध

(B) केवल गामक पगडंडी

(C) केवल पाकक विधि

(D) केवल पौराणिक सूची

७१५. तेलंगाना-कवितासभ अनुवादित पद्य खण्डमे कोन पहचान जोड़ैत अछि?

(A) क्षेत्रीय अस्मिता आ जन-संघर्षक सांस्कृतिक आवाज

(B) केवल निजी विलास

(C) नौकरशाही आदेश

(D) मौन साधना

७१६. शब्दावली-नोट सभक शैक्षिक महत्त्व की अछि?

(A) स्थानीय शब्दक अर्थ खोलि पाठककेँ सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझबैत अछि

(B) प्रश्नक पृष्ठ-संख्या बताबैत अछि

(C) केवल सजावट अछि

(D) उत्तर नष्ट करैत अछि

७१७. एहि खण्डमे अनुवादक मूल काम की अछि?

(A) भाषा बदलितो पीड़ा, प्रतिरोध आ स्थानीय स्वाद बचाएब

(B) सन्दर्भ हटाएब

(C) कविता केँ गद्य-सूची बनाब

(D) सार्थक शब्द मिटाएब

७१८. अनूदित पद्य खण्डक प्रश्नोत्तरीमे पृष्ठ-संख्या प्रश्न किएक टारल गेल अछि?

(A) किएक तँ असली सीख विषय, बिम्ब, स्वर आ सामाजिक अर्थमे अछि

(B) किएक तँ पृष्ठ नहि अछि

(C) किएक तँ अंक छोट अछि

(D) किएक तँ भाषा नहि अछि

७१९. एहि १८५–१९४ खण्डक सामूहिक पाठक-लाभ की अछि?

(A) अनुवादित कविताक सामाजिक, भाषिक आ सौन्दर्यात्मक परत बुझब

(B) सिर्फ नाम रटब

(C) केवल तिथि गिनब

(D) मात्र फाइल खोलब

७२०. विदेह-सदेह ३७ मे अनूदित पद्य खण्ड समावेशक संकेत की दैत अछि?

(A) भारतीय भाषासभक पीड़ित, क्षेत्रीय आ आधुनिक स्वर मैथिली पाठक धरि आनब

(B) केवल एक भाषा बन्द करब

(C) साहित्यिक संवाद रोकब

(D) स्रोत छिपेब

खण्ड १९५ : विदेह-सदेह ३७ — उड़िया कविता: इप्सिता सारंगी आ “बुद्ध”

७२१. उड़िया कविता खण्डमे इप्सिता सारंगी कैँ कोना चिन्हित कएल गेल अछि?

(A) सशक्त उड़िया कवयित्री, आलोचक आ अनुवादक

(B) केवल नाट्य-अभिनेत्री

(C) केवल लोकगायक

(D) केवल इतिहास-सम्पादक

७२२. इप्सिता सारंगीकैँ कोन पुरस्कारसभ भेटल कहल गेल अछि?

(A) राज्य युवा पुरस्कार आ उड़ीसा पुस्तक मेला पुरस्कार

(B) ज्ञानपीठ आ नोबेल

(C) केवल ग्राम-पुरस्कार

(D) केवल विद्यालयी प्रमाणपत्र

७२३. उड़िया कविताक अंग्रेजी अनुवादक रूपमे के कहल गेल छथि?

(A) हरेकृष्ण दास

(B) भिखारी ठाकुर

(C) रहमान राही

(D) पुरुषोत्तम के.

७२४. हरेकृष्ण दासक शोध-रुचि कोन कविक कविताक अनुवाद पर बताओल गेल अछि?

(A) बंशीधर सारंगीक कविता सभ

(B) विद्यापतिक पदावली

(C) भिखारी ठाकुरक बिरहा

(D) रहमान राहीक आलोचना

७२५. “बुद्ध” कवितामे वक्ता सिद्धार्थसँ मूलतः की माँगैत अछि?

(A) अनासक्ति आ दुःख-विलोपनक अनुभवक स्पष्ट गवाही

(B) राजकीय वंशावली

(C) युद्धक रणनीति

(D) नदीक नक्शा

७२६. “एक सङ्गे आठ रस्ता पर चलल जा सकैत अछि?” पंक्ति कोन धारणापर प्रश्न अछि?

(A) अष्टाङ्गिक मार्गक व्यावहारिकता

(B) बारहमासा गीत

(C) नाट्य-मंच

(D) धानक रोपनी

७२७. “दुःखक बोझ तर कोनो इच्छा जीवित नै रहैत” — एहि पंक्तिसँ की भाव उभरैत अछि?

(A) अत्यधिक दुःख इच्छा आ आध्यात्मिक दावाकैँ निष्प्रभ करैत अछि

(B) दुःख सदिखन उत्सव अछि

(C) इच्छा मात्र खेल अछि

(D) शरीरक कोनो अर्थ नहि

७२८. “शरीर माया अछि” बला विमर्शमे कविता कोन त्रयी जोड़ैत अछि?

(A) उमेर, मृत्यु आ रोग

(B) नदी, नाव आ घाट

(C) फूल, रंग आ गन्ध

(D) गाम, हाट आ मेला

७२९. “वास्तविकता सँ भागि कऽ सत्य ताकब” पर प्रश्न किएक अछि?

(A) कविता आध्यात्मिक पलायन आ जीवनक ठोस पीड़ाक टकराव देखबैत अछि

(B) कविता भूगोल पढ़बैत अछि

(C) कविता व्यंजन-विधि अछि

(D) कविता केवल हास्य अछि

७३०. “बुद्ध” कविताक मुख्य स्वर की अछि?

(A) श्रद्धा-सहित आलोचनात्मक प्रश्नाकुलता

(B) अन्ध-प्रशंसा मात्र

(C) निरर्थक गाली

(D) केवल बाल-गीत

खण्ड १९६ : विदेह-सदेह ३७ — उड़िया कविता: स्त्री-अस्तित्व आ निषिद्ध कोमलता

७३१. “स्त्री” कवितामे वक्ता अपन अस्तित्व कतय धरि पसारबाक बात कहैत अछि?

(A) क्षितिजक दू बिन्दु धरि

(B) केवल घरक देहरी धरि

(C) केवल बजार धरि

(D) केवल पुस्तकालय धरि

७३२. “मन, वचन आ कर्म”क उल्लेख स्त्री-कवितामे की सूचित करैत अछि?

(A) पूर्ण व्यक्तित्व आ आत्म-नियन्त्रणक आकांक्षा

(B) केवल पूजा-विधि

(C) केवल बाजारू बात

(D) केवल सैनिक आदेश

७३३. “ठोढ़ पर सदिखन मुस्कान” स्त्री-कवितामे कोन दबावक संकेत अछि?

(A) दुःख भीतर राखि बाहरी शिष्ट मुस्कान धारण करबाक सामाजिक दबाव

(B) निरन्तर आनन्दक प्रमाण

(C) केवल नृत्य-मुद्रा

(D) बालक्रीड़ा

७३४. “कुँजिझिया” सँ अनूदित अंशमे छोट फ्राकमे नाचैत लहरि सभ कोन दुनियाँ रचैत अछि?

(A) बाहरी चमक, खेल आ वर्जित सौन्दर्यक विडम्बना

(B) अदालतक फैसला

(C) कृषि-करार

(D) मंदिर-अभिलेख

७३५. “सोनहुल माछ खेलाइत मुस्काइत” बिम्बक सामने वक्ता किएक उदास अछि?

(A) किएक तँ ओकर लेल मुस्की, सपना आ कोमलता वर्जित अछि

(B) किएक तँ ओ माछ खाएत अछि

(C) किएक तँ ओ नाव चला रहल अछि

(D) किएक तँ ओ परीक्षा दैत अछि

७३६. “एतय वर्जित अछि सेहो सपना, विलासिता, सौन्दर्य आ कोमलता” — एहि सँ कोन सामाजिक स्थिति खुलैत अछि?

(A) वंचित जीवनमे भावनात्मक सुख तक रोकल गेल अछि

(B) सपना सभ अनिवार्य अछि

(C) सौन्दर्य सहज उपलब्ध अछि

(D) विलासिता कानून अछि

७३७. “अर्धचन्द्र जादू-छड़ी” बिम्ब कोन सत्ता-संबंध दिखबैत अछि?

(A) दूर बैसल नियंत्रक समय आ जीवन चूसि सकैत अछि

(B) खेतीक औजार

(C) साधारण खिलौना

(D) भोजनक चम्मच

७३८. “हमरा पात्र बना लिअ” पंक्ति कोन खतरा देखबैत अछि?

(A) स्त्री/वक्ता कैँ दोसरेक प्रदर्शनक वस्तु बना देबाक खतरा

(B) लेखकक स्वतंत्रता

(C) खेतीक माप

(D) आकाश-यात्रा

७३९. उड़िया स्त्री-कविताक केन्द्रीय तनाव की अछि?

(A) विस्तारक चाहना आ सामाजिक वर्जनाक टकराव

(B) केवल ऋतु-वर्णन

(C) केवल पुरस्कार-सूची

(D) केवल रेलयात्रा

७४०. “बुद्ध” आ “स्त्री/कुँजिझिया” कैँ एकसाथ पढ़िते कोन साझा प्रश्न उभरैत अछि?

(A) जीवनक दुःख, देह, इच्छा आ मुक्ति कतेक वास्तविक अछि

(B) केवल छापाखाना

(C) केवल पृष्ठ-क्रम

(D) केवल फोटो-सज्जा

खण्ड १९७ : विदेह-सदेह ३७ — भोजपुरी कविता: भिखारी ठाकुर आ वृद्धाश्रमक पक्षमे

७४१. भोजपुरी कविता खण्डमे मूल कवि के छथि?

(A) भिखारी ठाकुर

(B) रहमान राही

(C) इप्सिता सारंगी

(D) बोयी भीमन्ना

७४२. भिखारी ठाकुरक जन्म-क्षेत्रक सम्बन्ध कोन जिलासँ बताओल गेल अछि?

(A) छपरा जिला

(B) कटक जिला

(C) वारंगल जिला

(D) श्रीनगर जिला

७४३. भिखारी ठाकुरक आरम्भिक रचना सभक स्वरूप कोना बताओल गेल अछि?

(A) प्रारम्भमे मौखिक, बादमे कैथी लिपिमे हस्तलिखित रचना सेहो प्राप्त

(B) सदैव केवल मुद्रित अंग्रेजीमे

(C) केवल शिलालेखमे

(D) केवल चित्रकला रूपमे

७४४. “वृद्धाश्रमक पक्षमे” बिरहा १मे वक्ता समाजसँ की आग्रह करैत अछि?

(A) बूढ़ा-बूढ़ीक दुख बुझि वृद्धाश्रम बनबाउ

(B) नाचघर तोड़ू

(C) नदी रोकू

(D) विद्यालय बन्द करू

७४५. “उपरेसँ चिक्कन अछि चामक ओहरन” पंक्ति कोन ढोंग पर चोट करैत अछि?

(A) बाहरी सजावट भीतरक कठोरता छिपा नहि सकैत

(B) सच्चा करुणा

(C) मौसमक ठंड

(D) धानक उत्पादन

७४६. “तीन दिनक सेखीमे” पंक्ति कोन मानवीय भूल देखबैत अछि?

(A) अल्पकालिक युवावस्था वा अभिमानमे वृद्धक अपमान

(B) दीर्घ साधना

(C) सदैव नम्रता

(D) अध्ययनक धैर्य

७४७. बिरहा १मे “बाबू-भइया एकमत” होयबाक आग्रह की सूचित करैत अछि?

(A) वृद्ध-देखभाल सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी अछि

(B) ई केवल एक व्यक्तिक खेल अछि

(C) ई व्यापारिक गोपनीयता अछि

(D) ई युद्धनीति अछि

७४८. महाबीरक नाम सुमिरबाक उल्लेख कोन भाव जोड़ैत अछि?

(A) धार्मिक-सांस्कृतिक प्रेरणा द्वारा लोकसेवा

(B) केवल युद्धक आदेश

(C) केवल ज्योतिषीय गणना

(D) केवल बाजारक प्रचार

७४९. “नै तँ हएत अकाज” पंक्ति कोन चेतावनी दैत अछि?

(A) वृद्ध-अपमान टारल नहि गेल तऽ सामाजिक अनर्थ होएत

(B) केवल मौसम बदलत

(C) फूल झरत

(D) गीत रुकत

७५०. भिखारी ठाकुरक बिरहाक शैली एहि खण्डमे कोना अछि?

(A) लोक-लय, विनय, चेतावनी आ सामाजिक सुधारक मिश्रण

(B) केवल दरबारी छन्द

(C) केवल निजी प्रेमपत्र

(D) केवल विज्ञान-रिपोर्ट

खण्ड १९८ : विदेह-सदेह ३७ — भोजपुरी बिरहा २: बूढ़क अपमान आ संतानक कसौटी

७५१. बिरहा २मे कवि के-कैँ अपन बात सुनबाक लेल कहैत छथि?

(A) हिन्दू-मुसलमान सभकैँ

(B) केवल राजा कैँ

(C) केवल विद्यार्थी कैँ

(D) केवल व्यापारी कैँ

७५२. “नेनपनेसँ जकरा तूँ कहैत एलेँहैँ माय” पंक्ति कोन नैतिक स्मृति जगबैत अछि?

(A) माय-बापक बचपन सँ कएल पालनक ऋण

(B) शत्रुक डर

(C) बाजारक मोल

(D) नदीक गहिराइ

७५३. “तकराले किए भऽ गेल छैँ तूँ कसाइ” पंक्ति कोन आरोप लगबैत अछि?

(A) पालनहारक प्रति निर्दयता

(B) अत्यधिक करुणा

(C) ज्ञानक सम्मान

(D) कला-कौशल

७५४. “बड़का हाकिम लग... हिसाब-किताब” कोन व्यापक भाव दैत अछि?

(A) नैतिक जवाबदेहीक अन्तिम परीक्षा

(B) केवल कर-कागज

(C) स्कूल परीक्षा

(D) खेतीक नापजोख

७५५. “नह जखन झारतौ” पंक्ति ककर असहाय अवस्था देखबैत अछि?

(A) बूढ़ शरीरक सेवा-निर्भरता

(B) बालकक खेल

(C) घोड़ा-दौड़

(D) मेला-उत्सव

७५६. “आँखिसँ नोर खसतौ” कोन भावक परिणति अछि?

(A) अपराध-बोध आ देर भऽ गेल पछतावा

(B) अकारण हँसी

(C) व्यापारिक लाभ

(D) यात्राक उत्साह

७५७. बिरहा २मे “अखने” शब्दक नैतिक महत्त्व की अछि?

(A) विलम्ब नहि, तुरन्त वृद्धाश्रम बनबाक आग्रह

(B) सदैव टारि देबाक सलाह

(C) सिर्फ भविष्यवाणी

(D) पुरान कथा मात्र

७५८. बिरहा १ आ २ मिलि बूढ़-विमर्शकेँ कोन आधार दैत अछि?

(A) करुणा, उत्तरदायित्व आ सामुदायिक व्यवस्था

(B) केवल मनोरंजन

(C) केवल मिथक

(D) केवल परीक्षा-सूची

७५९. भिखारी ठाकुरक लोकभाषा एहि विषयमे किएक प्रभावी अछि?

(A) किएक तँ ओ सीधे लोक-हृदय आ पारिवारिक अपराध-बोध पर चोट करैत अछि

(B) किएक तँ ओ अस्पष्ट अछि

(C) किएक तँ ओ विदेशी प्रशासनिक भाषा अछि

(D) किएक तँ ओ मौन अछि

७६०. “बूढ़क अपमान” एहि खण्डक मुख्य सामाजिक समस्या किएक अछि?

(A) ओ परिवारक कृतघ्नता आ समाजक असंवेदनशीलता दुनू उजागर करैत अछि

(B) ओ केवल वस्त्रक समस्या अछि

(C) ओ नदीक समस्या अछि

(D) ओ छन्दक समस्या मात्र अछि

खण्ड १९९ : विदेह-सदेह ३७ — कश्मीरी खण्ड: रहमान राही आ ज्ञानपीठ समारोह

७६१. कश्मीरी कविता खण्डक मूल कवि के छथि?

(A) रहमान राही
(B) भिखारी ठाकुर
(C) इप्सिता सारंगी
(D) जे. सुभद्रा

७६२. रहमान राहीक कविताक कश्मीरीसँ अंग्रेजी अनुवादक के बताओल गेल छथि?

(A) एस.एल. सन्धु
(B) हरेकृष्ण दास
(C) पुरुषोत्तम के.
(D) गजेन्द्र ठाकुर मात्र

७६३. ४०म ज्ञानपीठ पुरस्कार समारोह कतय आयोजित बताओल गेल अछि?

(A) संसदक लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियममे
(B) कटकक नियाली महाविद्यालयमे
(C) छपराक कुतुबपुरमे
(D) वारंगल विश्वविद्यालयमे

७६४. रहमान राही कैँ सम्मानित करबाक लेल समारोहमे कोन प्रधानमंत्री उपस्थित छलाह?

(A) डॉ. मनमोहन सिंह
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) लालबहादुर शास्त्री
(D) राजा भोज

७६५. समारोहमे रहमान राही कैँ की-की देल गेल?

(A) शॉल, सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति, प्रशस्ति-पत्र आ पाँच लाख टाकाक ड्राफ्ट
(B) केवल फूलक माला
(C) केवल पुस्तक
(D) केवल ढोलक

७६६. सरस्वतीक कांस्य अनुकृति ककर कालक प्रतिमासँ सम्बद्ध कहल गेल अछि?

(A) १०३५ ई.क राजा भोजक सरस्वती प्रतिमा
(B) अशोकक सिंहस्तम्भ
(C) पालकालीन गणेश
(D) कर्णाट वंशक मुहर

७६७. मूल सरस्वती प्रतिमा कतय कहल गेल अछि?

(A) लंदनक ब्रिटिश म्यूजियममे
(B) कटक संग्रहालयमे
(C) छपरा विद्यालयमे
(D) वारंगल पुस्तकालयमे

७६८. रहमान राही अपन उद्गारमे ककर पदपर आसीन मनमोहन सिंहसँ पुरस्कार पाबि प्रसन्नता व्यक्त केलथि?

(A) महान जवाहरलाल नेहरूक पदपर
(B) राजा भोजक पदपर
(C) भिखारी ठाकुरक पदपर
(D) रवीन्द्र कालियाक पदपर

७६९. राही कश्मीरी भाषाक मान्यता संबंधी कोन बात कहलथि?

(A) राज्य सरकार मान्यता नहि देलक, मुदा केन्द्र सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त भाषा अछि

(B) कश्मीरी पूर्णतः लुप्त अछि

(C) कश्मीरी केवल विदेशी भाषा अछि

(D) कश्मीरी पर कोनो चर्चा नहि भेल

७७०. समारोह-वर्णन कश्मीरी कविता-प्रस्तुति सँ पहिने किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ओ कविता कैँ भारतीय साहित्यिक मान्यता, भाषा-राजनीति आ सांस्कृतिक प्रसंग दैत अछि

(B) ओ केवल भोजन-सूची अछि

(C) ओ पृष्ठ-सूची अछि

(D) ओ विज्ञापन मात्र अछि

खण्ड २०० : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही: जीवन, कृति आ भाषा-सम्मान

७७१. रहमान राहीक जन्म-तिथि कोन देल गेल अछि?

(A) ६ मई १९२५

(B) १ जनवरी १९७५

(C) १४ अप्रैल १८८७

(D) २ अक्टूबर १९७४

७७२. राहीक पहिल कविता-संग्रहकैँ कोन सम्मान भेटल कहल गेल अछि?

(A) साहित्य अकादमी पुरस्कार

(B) उड़ीसा पुस्तक मेला पुरस्कार

(C) राज्य युवा पुरस्कार

(D) ग्राम सम्मान

७७३. भारत सरकारसँ राही कैँ कोन सम्मान भेटल बताओल गेल अछि?

(A) पद्म श्री

(B) भारत रत्न

(C) पद्म विभूषण मात्र

(D) कृषि रत्न

७७४. मानव संसाधन विकास मन्त्रालयक कोन फेलोशिप राहीसँ जुड़ल कहल गेल अछि?

(A) एमिरेट्स फेलोशिप

(B) जूनियर रिसर्च फेलोशिप

(C) स्पोर्ट्स फेलोशिप

(D) कृषि फेलोशिप

७७५. राहीक कविता-संग्रहमे कोन-कोन नाम देल गेल अछि?

(A) सनवुन्य साज, सुबहुक सोदा, कलाम-ए-राही

(B) वृद्धाश्रमक पक्षमे, बुद्ध, कुँजिझिया

(C) सदा लेल मित्र, जुम्मा, अभिशप्त

(D) कन्यादान, खट्टर कका, गंगा ब्रिज

७७६. राहीक गद्य-लेखनक कोन क्षेत्र उल्लेखित अछि?

(A) आलोचना आ निबन्ध

(B) वैद्यक-शास्त्र

(C) व्यापारिक लेखा

(D) कृषि-पंचांग

७७७. ज्ञानपीठ समारोहक शुरुआतसँ पहिने कोन रचना गेबाक अनुरोध भेल?

(A) निराला रचित सरस्वती वन्दना

(B) भिखारी ठाकुरक बिरहा

(C) राहीक छाह सभ

(D) इप्सिता सारंगीक बुद्ध

७७८. समारोहक धन्यवाद ज्ञापन के केलथि?

(A) रवीन्द्र कालिया

(B) सीताकान्त महापात्र

(C) अशोक वाजपेयी

(D) टी.एन. चतुर्वेदी

७७९. ४०म सालक महत्व पर लेखक कोन टिप्पणी करैत छथि?

(A) ५०म वर्षगाँठ धरि बहुत गोटे जीवित नहि रहि सकैत छथि, से कारण ४०म वर्ष सेहो महत्त्वपूर्ण

(B) ४०म वर्ष महत्वहीन अछि

(C) केवल तिथि सजावट अछि

(D) समारोह रद्द भेल

७८०. राहीक प्रतिनिधि कविता ककरा देल गेल कहल गेल अछि?

(A) प्रधानमंत्रीकेँ

(B) केवल दर्शकदीर्घाकेँ

(C) स्कूलक बच्चासभकेँ

(D) मुद्रककेँ

खण्ड २०१ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: नियति, अमरता आ स्वप्नक टूटन

७८१. “छाह सभ” कविताक आरम्भमे वक्ता कोन आग्रह करैत अछि?

(A) नियतिसँ वाद आ अमरताक आशा छोड़ि दिअ

(B) नव राजमहल बनाउ

(C) युद्ध शुरू करू

(D) केवल भोज करू

७८२. “यदि जुटा ली किछु क्षण, तँ भेर भऽ जाउ तइमे” कोन जीवन-दृष्टि दैत अछि?

(A) क्षणक सीमितता स्वीकारि ओकरा भीतर भरि उठबाक

(B) अनन्त समयक दम्भ

(C) सर्वथा निष्क्रियता

(D) केवल नींद

७८३. बस्तीक पथ “घनगर बोनमे धँसि गेल” — ई बिम्ब की देखबैत अछि?

(A) सभ्य मार्गक लोप आ अस्तित्वगत भटकाव

(B) नव सड़कक उद्घाटन

(C) बाजारक विकास

(D) खेलक मैदान

७८४. आस्थाक कवच शंकासभ द्वारा भेद्य होयब कोन संकट अछि?

(A) विश्वासक सुरक्षा टूटि संशयक प्रवेश

(B) विश्वासक विजय

(C) मौसमक सुख

(D) कला पुरस्कार

७८५. “आँखि खुजिते हमर स्वप्नकेँ लागल आँखि” पंक्ति की सूचित करैत अछि?

(A) जागरणे स्वप्नक नष्ट होयब

(B) स्वप्नक पूर्ण साकार होयब

(C) नींदक गहिराइ

(D) चित्रकला पाठ

७८६. “बासन्ती युवा छाती” सुनसान भऽ जेबाक अर्थ की अछि?

(A) यौवन आ जीवन-ऊर्जा अचानक उजाड़मे बदलि गेल

(B) युवा उत्सव शुरू भेल

(C) फूल फुलल

(D) कक्षा भरल

७८७. उजाड़मे “असगर एकटा कौआ” कोन वातावरण बनबैत अछि?

(A) एकान्त, क्षय आ अशुभ रिक्तता

(B) पूर्ण उत्सव

(C) कृषि-समृद्धि

(D) संगीत-मंडली

७८८. “चान-तरेगन गढ़बाक” पुरान इच्छा आ “नामकरण”क वर्तमान चाहना बीच की अन्तर अछि?

(A) ब्रह्माण्डीय सृजनक स्वप्न सँ न्यूनतम पहचानक संघर्ष धरि पतन

(B) दुनू समान विलासिता

(C) दुनू केवल खेल

(D) दुनू भोजन विधि

७८९. “विश्वास घाटीक मौलायल हरियरी सन” उपमा की कहैत अछि?

(A) विश्वास मुरझायल परिदृश्य जकाँ निर्जीव भऽ गेल

(B) विश्वास हरियर ताजा अछि

(C) विश्वास सोनाक मुकुट अछि

(D) विश्वास जलप्रपात अछि

७९०. “छाह सभ”क एहि आरम्भिक भागक भावभूमि की अछि?

(A) आस्था-भंग, स्वप्न-क्षय आ अस्तित्वगत उदासी

(B) बाल-आनन्द

(C) राजकीय विजय

(D) मेला-वर्णन

खण्ड २०२ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: देवता, दानव आ राजनीतिक व्यंग्य

७९१. “सभटा देवता हमर अपन छाह छथि” पंक्ति कोन आत्मबोध दैत अछि?

(A) बाहरी देवत्व भीतरक छाया बनि गेल अछि

(B) देवता पूर्ण बाहरी सत्ता छथि

(C) छाया अप्रासंगिक अछि

(D) कविता पूजा-विधि मात्र अछि

७९२. “सभटा दानव हमर अहं केर कनिया-पुतड़ा” सँ की भाव निकलैत अछि?

(A) दानवत्व अहंकारक बाल-खेलना जकाँ भीतर सँ बनैत अछि

(B) दानव केवल जंगलमे अछि

(C) अहंकार सदिखन शुभ अछि

(D) कनिया-पुतड़ा युद्ध-शस्त्र अछि

७९३. सभा भवन “बानरक खौँ-खौँ” सँ भरल बुझाइत अछि — ई कोन व्यंग्य अछि?

(A) सार्वजनिक/राजनीतिक विमर्शक अव्यवस्थित कोलाहल

(B) शान्त साधना

(C) मौन पुस्तकालय

(D) गम्भीर संगीत

७९४. “सन्तक पहिरनक लेल ताकू बोने-बोन” पंक्ति कोन विडम्बना देखबैत अछि?

(A) पवित्रता सभ्य सभा नहि, जंगलमे खोजबाक स्थिति

(B) सन्त सभ सभामे भरल छथि

(C) जंगल निरर्थक अछि

(D) पहिरनक कोनो अर्थ नहि

७९५. “केहन अछि नाओक खेबनाइ, कतय तँ अछि किनार!” — ई कोन प्रश्न अछि?

(A) दिशाहीन यात्रा आ मुक्ति-किनारक अनिश्चितता

(B) सफल व्यापार

(C) नदी-पर्यटन

(D) नौका-दौड़

७९६. “देशांस भोथलेलक नाओकेँ अन्हारमे” पंक्ति कोन राष्ट्रीय बिम्ब बनबैत अछि?

(A) घायल/अक्षम देश-नाव अन्धकारमे भटकैत अछि

(B) सुरक्षित जहाज

(C) उत्सवी पालकी

(D) खेतीक हल

७९७. “हे रौ नटुआ, नाच निर्वस्त्र चारू कात ओकर” मे नटुआ ककर प्रतीक बनैत अछि?

(A) ढोंग उघारि देखाबय बला सार्वजनिक कलाकार/व्यंग्य-वक्ता

(B) मौन दर्शक

(C) केवल किसान

(D) केवल नाविक

७९८. “राही तँ आगि-खायबला बताह अछि” पंक्ति कविक आत्मछवि की बनबैत अछि?

(A) जोखिम लेबय बला, आगि निगलनिहार पागल कवि

(B) पूर्ण सुरक्षित अधिकारी

(C) शान्त व्यापारी

(D) मौन पुरोहित

७९९. “छाह सभ”मे देवता-दानवक उलटबाँसी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ओ नैतिक सत्ता केँ बाहरी मिथक नहि, भीतरक मनो-सामाजिक छाया बनबैत अछि

(B) ओ केवल पुराण दोहरबैत अछि

(C) ओ बालगीत अछि

(D) ओ शब्दकोश सूची अछि

८००. एहि भागक मुख्य स्वभाव की अछि?

(A) आत्मालोचना, राजनीतिक व्यंग्य आ अन्धकारमे दिशा-खोज

(B) साधारण प्रेमगीत

(C) खरीद-बिक्री सूची

(D) मौसम रिपोर्ट

खण्ड २०३ : विदेह-सदेह ३७ — समारोहक बादक समय-संकेत आ भारतीय आधुनिकता

८०१. ज्ञानपीठ समारोह कतेक समयमे समाप्त भेल कहल गेल अछि?

(A) लगभग एक घण्टामे

(B) तीन दिनमे

(C) एक मासमे

(D) पूरा वर्षमे

८०२. समारोहसँ घुरैत लेखक कैँ एफ.एम. पर कोन खेल-समाचार भेटल?

(A) सचिन तेन्दुलकर अपन टेस्ट जीवनक ४०म शतक पूरा केलन्हि

(B) भारत फुटबॉल विश्वकप जीतल

(C) ओलम्पिक स्थगित भेल

(D) कुश्ती प्रतियोगिता रद्द भेल

८०३. उसी एफ.एम. समाचारमे भीमसेन जोशीसँ सम्बन्धित की कहल गेल?

(A) हिनका भारत रत्न पुरस्कार देल गेल

(B) हिनका पद्म श्री देल गेल

(C) हिनका ज्ञानपीठ भेटल

(D) हिनका नोबेल भेटल

८०४. चन्द्रयान-१क संबंधमे कोन समाचार लेखक सुनैत छथि?

(A) ओ चन्द्रमाक १०० किलोमीटरक वृत्ताकार कक्षामे स्थापित भेल

(B) ओ समुद्रमे डूबल

(C) ओ मंगलसँ घुरल

(D) ओ रद्द भेल

८०५. समारोहक बाद समाचार-त्रयी—सचिन, भीमसेन, चन्द्रयान—कथनमे की जोड़ैत अछि?

(A) साहित्यक संग खेल, संगीत आ विज्ञानक समकालीन भारतीय क्षण

(B) केवल मौसमक हाल

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पृष्ठ-सूची

८०६. रहमान राहीक सम्मान आ भीमसेन जोशीक समाचार एकसाथ आबि कोन सांस्कृतिक संकेत दैत अछि?

(A) भारतीय भाषिक-सांगीतिक परम्पराक बहुभाषी सम्मान

(B) एकभाषी संकुचन

(C) कला-विरोध

(D) केवल खेल-समाचार

८०७. सचिनक ४०म शतक आ ४०म ज्ञानपीठ वर्षक साथ पढ़ला पर कोन रूपक बनैत अछि?

(A) संख्या ४० द्वारा साहित्य आ खेलक संयोगी क्षण

(B) संख्या १००क भूगोल

(C) मेला-सूची

(D) कृषि-दर

८०८. चन्द्रयान-१क समाचार कविता-संस्कृति प्रसंगमे कोन आधुनिक आयाम जोड़ैत अछि?

(A) भारतीय वैज्ञानिक आकांक्षा आ सांस्कृतिक समयक संगम

(B) साहित्यक अन्त

(C) भाषाक निषेध

(D) पुरस्कारक रद्दीकरण

८०९. समारोह-वर्णनक अन्तमे एफ.एम. समाचारक प्रयोग शैलीगत रूपेँ की करैत अछि?

(A) व्यक्तिगत अनुभवकेँ समकालीन राष्ट्रीय क्षणमे विस्तारित करैत अछि

(B) मूल पाठ काटि दैत अछि

(C) केवल विज्ञापन बनबैत अछि

(D) पाठककेँ पृष्ठ बतबैत अछि

८१०. एहि खण्डक मुख्य पाठक-बोध की अछि?

(A) साहित्यिक घटना खाली मंचपर नहि, अपन समयक सांस्कृतिक-सामाजिक धड़कनमे घटैत अछि

(B) साहित्य समयसँ अलग अछि

(C) समारोह अर्थहीन अछि

(D) समाचार कविता नहि जोड़ि सकैत

खण्ड २०४ : विदेह-सदेह ३७ — अनुवाद-समापन: उड़िया, भोजपुरी, कश्मीरी स्वरक तुलनात्मक पाठ

८११. उड़िया, भोजपुरी आ कश्मीरी खण्डकेँ एकसाथ पढ़िते कोन साझा विशेषता देखाइत अछि?

(A) भिन्न भारतीय भाषासँ मैथिलीमे सामाजिक-दार्शनिक अनुभवक सेतु

(B) केवल एके बोलीक पुनरावृत्ति

(C) सिर्फ पृष्ठ-सूची

(D) केवल विज्ञापन

८१२. उड़िया "बुद्ध" आ कश्मीरी "छाह सभ" दुनूमे कोन साझा दार्शनिक प्रश्न अछि?

(A) दुःख, सत्य, नियति आ मुक्ति पर अस्थिर विश्वास

(B) खेलक नियम

(C) बाजारक भाव

(D) नदीक नाविक

८१३. भोजपुरी बिरहा आ उड़िया स्त्री-कविता बीच कोन सामाजिक सूत्र भेटैत अछि?

(A) वंचित देह आ उपेक्षित जीवनक पक्षमे लोक-स्वर

(B) राजदरबारक विलास

(C) समुद्री व्यापार

(D) अभिजात मौन

८१४. भिखारी ठाकुरक लोकबोली आ राहीक आधुनिक बिम्बमे मुख्य भिन्नता की?

(A) पहिल लोक-सुधारक पुकार, दोसर अस्तित्ववादी-व्यंग्यात्मक जटिलता

(B) दुनू केवल गणित अछि

(C) दुनू मौन अछि

(D) दुनू पृष्ठसूची अछि

८१५. इप्सिता सारंगीक कवितामे "शरीर" आ भिखारी ठाकुरक बिरहामे "बूढ़ शरीर" कोन बोध जोड़ैत अछि?

(A) देहकेँ सामाजिक-नैतिक विचारक केन्द्र बनबैत अछि

(B) देह अप्रासंगिक अछि

(C) देह केवल अलंकार अछि

(D) देह हास्य अछि

८१६. राहीक भाषा-मान्यता टिप्पणी आ अनुवाद-संकलनक काम बीच की सम्बन्ध अछि?

(A) भारतीय भाषाक मान, पहुँच आ परस्पर संवादक आवश्यकता

(B) भाषा-बन्दी

(C) अनुवाद-विरोध

(D) मौन-सम्मति

८१७. एहि समापन-समूहमे अनुवादक भूमिका कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) मूल भाषाक भाव, स्थानीयता आ विचार मैथिली पाठक धरि पहुँचाबय लेल अत्यन्त महत्त्वपूर्ण

(B) अनुवादक अप्रासंगिक

(C) अनुवादक केवल मुद्रक

(D) अनुवादक पात्र-विरोधी

८१८. ई प्रश्नोत्तरी पृष्ठ-संख्या प्रश्नसँ दूर किएक रहैत अछि?

(A) किएक तँ असल अध्ययन विचार, बिम्ब, प्रसंग आ सामाजिक अर्थ बुझब अछि

(B) किएक तँ प्रश्न नहि चाही

(C) किएक तँ पाठ नहि अछि

(D) किएक तँ भाषा नहि अछि

८१९. १९५–२०४ खण्डक सामूहिक अध्ययन-लाभ की अछि?

(A) उड़िया दार्शनिकता, भोजपुरी लोक-सुधार आ कश्मीरी आधुनिक व्यंग्यक तुलनात्मक समझ

(B) केवल तिथि रटब

(C) केवल नाम गिनब

(D) केवल रंग चुनब

८२०. विदेह-सदेह ३७क अन्तिम बहुभाषिक प्रसार कोन आदर्श मजबूत करैत अछि?

(A) मैथिलीकेँ भारतीय भाषासभक संवाद-मंच बनायब

(B) मैथिलीकेँ अलग-थलग राखब

(C) स्रोत छिपायब

(D) लोक-स्वर हटायब

खण्ड २२५ : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही ज्ञानपीठ समारोहक परिप्रेक्ष्य

८२१. रहमान राहीक ज्ञानपीठ समारोहक वर्णनमे लेखक सभसँ पहिने कोन बात रेखांकित करैत छथि?

(A) समारोहक गरिमा आ समयानुशासन

(B) केवल भोजन-व्यवस्था

(C) रेल-यात्राक कठिनाई

(D) मुद्रण-त्रुटिक सूची

८२२. रहमान राहीकेँ सम्मानित करबाक प्रसंगमे सीताकान्त महापात्रक उद्गारक मुख्य अर्थ की छल?

(A) राहीकेँ सम्मानित करि ज्ञानपीठ स्वयं सम्मानित भेल

(B) राही पुरस्कार स्वीकार नहि केलनि

(C) समारोह केवल राजनैतिक छल

(D) कविता पाठ रोकि देल गेल

८२३. समारोहमे सरस्वती-वन्दना आ शास्त्रीय गायनक भूमिका की बुझाइत अछि?

(A) साहित्यिक सम्मानकेँ सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आरम्भ देब

(B) सभागार खाली करब

(C) पुरस्कार स्थगित करब

(D) कविता हटायब

८२४. प्रधानमंत्री द्वारा देल गेल सम्मानमे शॉल, प्रशस्ति-पत्र आ कांस्य-प्रतिमा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई साहित्यिक मान्यता आ राष्ट्रीय प्रतिष्ठाक प्रतीक बनैत अछि

(B) ई केवल बाजारू वस्तु अछि

(C) ई नाटकक पोशाक अछि

(D) ई खेल पुरस्कारक नियम अछि

८२५. ज्ञानपीठ समारोहक वर्णनमे मंचपर उपस्थित साहित्यिक व्यक्तित्व सभक उल्लेख कोन काम करैत अछि?

(A) कार्यक्रमक संस्थागत आ साहित्यिक प्रमाणिकता देखबैत अछि

(B) कथा-पात्रक भ्रम बनबैत अछि

(C) लोकगीतक ताल बतबैत अछि

(D) केवल वस्त्र-विवरण दैत अछि

८२६. राही द्वारा नेहरू आ मनमोहन सिंहक पद-संबंधक उल्लेखक भाव की छल?

(A) राष्ट्रीय निरन्तरता आ सम्मान पाबयक विशेष प्रसन्नता

(B) पुरस्कार अस्वीकारक घोषणा

(C) कश्मीरी भाषा छोड़बाक आग्रह

(D) कविता बंद करबाक संकेत

८२७. समारोहक अन्तमे रवीन्द्र कालियाक धन्यवाद ज्ञापन की संकेत करैत अछि?

(A) कार्यक्रमक औपचारिक पूर्णता

(B) विवादक शुरुआत

(C) कविता-निषेध

(D) सभा-स्थगन

८२८. राहीक प्रतिनिधि कविताक हिन्दी अनुवाद प्रधानमंत्रीकेँ देल गेल—एहि तथ्यक अर्थ की अछि?

(A) कश्मीरी कविता भारतीय भाषिक संवादमे प्रवेश करैत अछि

(B) कविता गुप्त राखल गेल

(C) अनुवाद अस्वीकार भेल

(D) कविता केवल मौखिक रहल

८२९. ४०म ज्ञानपीठ समारोहक उल्लेखमे “५०म वर्षगाँठ”क प्रतीक्षा पर टिप्पणी कोन भाव दैत अछि?

(A) समय, आयु आ साहित्यिक स्मृतिक नश्वरता

(B) केवल गणितीय अभ्यास

(C) प्रकाशकक विज्ञापन

(D) मंच-सज्जाक नियम

८३०. एहि समारोह-वर्णनक साहित्यिक प्रयोजन की अछि?

(A) कश्मीरी कविता आ राष्ट्रीय सम्मानक सांस्कृतिक क्षणकेँ मैथिली पाठक लग अनबाक

(B) केवल टिकट-प्रणाली समझाबय

(C) केवल पुरस्कार-राशि गिनाबय

(D) पाठककेँ पृष्ठ खोजबय कहब

खण्ड २२६ : विदेह-सदेह ३७ — अब्दुल रहमान राही: जीवन, कृति आ भाषा-स्थिति

८३१. रहमान राहीक परिचयमे हुनकर जन्म-तिथि देबाक अर्थ की अछि?

(A) कविक ऐतिहासिक स्थान आ पीढ़ीगत संदर्भ स्पष्ट करब

(B) कविताक मात्रागणना करब

(C) नाटकक दृश्य बदलब

(D) शब्दकोश बनायब

८३२. राहीक पहिल कविता-संग्रहकेँ साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटबाक उल्लेख कोन बात बतबैत अछि?

(A) हुनकर आरम्भिक काव्यक मान्यता व्यापक छल

(B) कविता अप्रकाशित रहल

(C) हुनकर साहित्य अस्वीकार भेल

(D) ओ केवल आलोचक छलाह

८३३. पद्मश्री आ एमिरेट्स फेलोशिपक उल्लेख राहीक व्यक्तित्वमे कोन स्तर जोड़ैत अछि?

(A) राष्ट्रीय सम्मान आ शोध-सांस्कृतिक प्रतिष्ठा

(B) केवल निजी विवाद

(C) कथा-पात्रक विनोद

(D) लोकनृत्यक अभ्यास

८३४. "सनवुन्य साज", "सुबहुक सोदा", "कलाम-ए-राही" नामक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) राहीक रचनात्मक विस्तार आ काव्य-संसारक संकेत देबाक लेल

(B) केवल प्रकाशन-मूल्य बताबय लेल

(C) चित्रकला सूची लेल

(D) यात्रा-खर्च लेल

८३५. राहीक आलोचना आ निबन्ध-पोथीक उल्लेखसँ की बुझाइत अछि?

(A) ओ केवल कवि नहि, विचारशील गद्यकार सेहो छलाह

(B) ओ साहित्यसँ बाहर छलाह

(C) ओ नाटककार मात्र छलाह

(D) ओ भाषाविज्ञान-विरोधी छलाह

८३६. राहीक उद्गारमे कश्मीरी भाषाकेँ राज्यस्तरपर मान्यता नहि भेटबाक बात की संकेत करैत अछि?

(A) भाषा-राजनीति आ सांस्कृतिक अधिकारक पीड़ा

(B) भाषाक पूर्ण विजय

(C) कविता निरर्थकता

(D) पुरस्कारक विरोध

८३७. कश्मीरीकेँ केन्द्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषा कहल गेल—एहि बातक महत्त्व की अछि?

(A) भाषाक संवैधानिक/राष्ट्रीय स्वीकृति रेखांकित करैत अछि

(B) कश्मीरीकेँ लोकभाषा मानबासँ रोकैत अछि

(C) कविता हटबैत अछि

(D) सभागार बन्द करैत अछि

८३८. मैथिली पाठमे राहीक परिचय देबाक व्यापक अर्थ की अछि?

(A) एक भारतीय भाषा-साहित्य दोसर भारतीय भाषा-साहित्यसँ संवाद करैत अछि

(B) भाषासभ अलग-थलग रहैत अछि

(C) अनुवादक भूमिका खत्म होइत अछि

(D) कविता केवल मूलभाषामे बंद होइत अछि

८३९. राहीक जीवन-विवरण आ कविता साथ-साथ राखलासँ पाठककेँ की लाभ होइत अछि?

(A) कविताक पृष्ठभूमि आ कविक सांस्कृतिक संघर्ष दुनू बुझाइत अछि

(B) केवल नाम कंठस्थ होइत अछि

(C) विषय गौण भऽ जाइत अछि

(D) अर्थ अस्पष्ट रहैत अछि

८४०. राहीक परिचयक सार्थकता कोन बातमे अछि?

(A) कश्मीरी आधुनिकता, पुरस्कार-मान्यता आ भाषा-अस्मिता केँ एकसाथ देखाबयमे

(B) केवल व्यक्तिनाम-सूची

(C) केवल समारोहक सजावट

(D) केवल गीतक ताल

खण्ड २२७ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: नियति, अमरता आ क्षणबोध

८४१. “अपन नियतिसँ वाद आ अमरताक आशा आब छोड़ि दिअ” पंक्ति कविता कैं कोन दार्शनिक दिशा दैत अछि?

(A) मानव-अहं आ अमरता-लालसाक त्याग

(B) केवल विजय-घोषणा

(C) प्रेम-पत्रक आरम्भ

(D) प्रकृति-वर्णन मात्र

८४२. “यदि जुटा ली किछु क्षण, तँ भेर भऽ जाउ तइमे” कथनक आशय की अछि?

(A) सीमित जीवन-क्षणमे पूर्णता खोजू

(B) किछु क्षण व्यर्थ अछि

(C) जीवन अनन्त अछि

(D) क्षणक कोनो मूल्य नहि

८४३. कवितामे अमरता छोड़बाक आग्रह निराशा मात्र किएक नहि अछि?

(A) ओ सीमित समयमे सजग जीवनक प्रस्ताव रखैत अछि

(B) ओ मृत्युक उत्सव मात्र अछि

(C) ओ काव्य-विरोधी अछि

(D) ओ भाषा-त्यागक संकेत अछि

८४४. “नियतिसँ वाद”क बिम्ब मनुष्यक कोन प्रवृत्ति पर चोट करैत अछि?

(A) भाग्य पर नियंत्रण चाहबाक अहंकारी प्रवृत्ति

(B) दया-भाव

(C) सामूहिक श्रम

(D) संगीत-प्रेम

८४५. “अमरताक आशा” छूटिते कविता कोन मूल्य आगाँ अनैत अछि?

(A) क्षणबोध आ आत्म-सचेतता

(B) धन-संग्रह

(C) राज्य-विस्तार

(D) मंच-सज्जा

८४६. एहि आरम्भिक भावभूमिमे कवि पाठकसँ कोन मानसिक तैयारी मांगैत छथि?

(A) नश्वरता, संशय आ आत्म-परीक्षण स्वीकारबाक

(B) केवल उत्सव करबाक

(C) किसी पृष्ठक खोज करबाक

(D) शब्दकोश मात्र देखबाक

८४७. “छाह सभ” शीर्षक आ अमरता-त्यागक सम्बन्ध कोना अछि?

(A) देवता, दानव, अहं आ स्मृति सभ अंततः छाया बनि जाइत अछि

(B) शीर्षक केवल मौसमक सूचना अछि

(C) छाया अमरता सिद्ध करैत अछि

(D) छाया केवल चित्रकला अछि

८४८. कविताक आरम्भक स्वर कोना कहल जा सकैत अछि?

(A) विचारोत्तेजक, विरक्त आ आत्मालोचक

(B) हास्यप्रधान मात्र

(C) युद्धोन्मादी

(D) बालगीत-समान

८४९. “भेर भऽ जाउ”क भाव मैथिली अनुवादमे की असर पैदा करैत अछि?

(A) क्षणमे पूर्ण डूबि जाएबाक जीवन-उत्सुकता

(B) क्षणक उपेक्षा

(C) भागबाक संकेत

(D) निर्जीव आदेश

८५०. एहि खण्डक मुख्य काव्य-बोध की अछि?

(A) जीवनक क्षणभंगुरता स्वीकारि सजग अनुभवमे अर्थ खोजब

(B) केवल पुरस्कार-वर्णन

(C) केवल जीवनी-सूची

(D) केवल भाषा-नीति

खण्ड २२८ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: पथ, बोन, आस्था आ शंका

८५१. “बस्तीक जइ पथपर चलैत रहलौं, ओ धँसि गेल घनगर बोनमे” बिम्ब की सूचित करैत अछि?

(A) परिचित सामाजिक मार्गक खोइ जाएब

(B) सुखद नगर-योजना

(C) कृषि-विस्तार

(D) यात्रा-विज्ञापन

८५२. आस्थाक कवच “शंकासभ द्वारा” भेद्य होयब कोन अनुभूति रचैत अछि?

(A) विश्वासक रक्षा-कवच टूटबाक अनुभूति

(B) विश्वासक निर्विवाद विजय

(C) शंका समाप्ति

(D) कवच बनाबयक तकनीक

८५३. घनगर बोनक बिम्ब कवितामे कोन मनोदशा बनबैत अछि?

(A) दिशाहीनता आ अस्तित्वगत अन्हार

(B) हल्का मनोरंजन

(C) साफ सड़क

(D) उत्सवी मेला

८५४. “आँखि खुजिते हमर स्वप्नकेँ लागल आँखि”क आशय की अछि?

(A) जागरणक क्षणमे स्वप्न स्वयं घायल/चेतित भऽ उठैत अछि

(B) आँखि बन्द करबाक सलाह

(C) सपना पूर्ण सुरक्षित अछि

(D) स्वप्नक कोनो अर्थ नहि

८५५. “बासन्ती युवा छाती”क सुनसान भऽ जाएब कोन परिवर्तनक बिम्ब अछि?

(A) यौवन आ आशाक क्षय

(B) यौवनक उत्सव

(C) फूलक खेती

(D) वसन्तक व्यापार

८५६. कवितामे शंका आ आस्था एकसाथ आबि किएक टकराव रचैत अछि?

(A) विश्वासक पुरान संरचना आधुनिक संशय सँ टूटैत अछि

(B) दुनू एके अर्थक शब्द अछि

(C) दुनू अनुपस्थित अछि

(D) दुनू हास्यपात्र अछि

८५७. पथक धँसि जाएब आ कवचक भेद्य होयब दुनू मिलि कोन अवस्था बनबैत अछि?

(A) असुरक्षा आ दिशा-ह्रास

(B) स्थिर सुरक्षा

(C) भौतिक समृद्धि

(D) खेलक विजय

८५८. एहि बिम्बसमूहमे कविताक मूल संकट कोन अछि?

(A) मनुष्यक भीतरक भरोसा आ बाहरी मार्ग दुनू टूटि रहल अछि

(B) केवल मौसम खराब अछि

(C) नगरमे यातायात बढ़ल अछि

(D) उत्सवक तयारी अछि

८५९. "घनगर बोन" कैँ केवल प्रकृति-वर्णन मानब किएक अधूरा होएत?

(A) क्योंकि ई मानसिक अन्हार आ सामाजिक दिशा-भ्रमक प्रतीक अछि

(B) क्योंकि कविता प्रकृति नहि छुएत

(C) क्योंकि बोन शब्द निषिद्ध अछि

(D) क्योंकि ई शब्द विदेशी अछि

८६०. एहि खण्डक प्रश्न-केंद्र की अछि?

(A) विश्वास टूटबाक बाद मनुष्यक दिशाहीन यात्रा

(B) सरल जीवनी

(C) पुरस्कार-राशि

(D) कविताक पंक्ति-संख्या

खण्ड २२९ : विदेह-सदेह ३७ — "छाह सभ": उजाड़, कौआ आ नामकरणक विडम्बना

८६१. "लावण्यमयी मेला" देखाइत अछि मुदा हाथमे "एकाध विचार" मात्र आओत—एहि विरोधाभासक अर्थ की अछि?

(A) बाहरी सौन्दर्यक बीच भीतरी रिक्तता

(B) सभक हाथमे धन अछि

(C) मेला पूर्ण आध्यात्मिक समाधान अछि

(D) विचार अप्रासंगिक अछि

८६२. "असगर एकटा कौआ उजाड़मे" बिम्ब की बनबैत अछि?

(A) निराश, उजाड़ आ अकेलापनक तीख छवि

(B) समृद्ध खेतीक चित्र

(C) विवाह-गीतक संकेत

(D) राजकीय विजय

८६३. चान-तरेगन गढ़बाक इच्छा कोन मानवीय अभिलाषा सूचित करैत अछि?

(A) सृष्टि, सौन्दर्य आ ब्रह्माण्डपर सृजनात्मक स्वामित्वक चाह

(B) केवल खगोल-परीक्षा

(C) धान रोपबाक इच्छा

(D) मेला लगायब

८६४. "आब माथ भुका रहल छी, अपन कोनो नामकरण तँ करी" कथनक विडम्बना की अछि?

(A) विराट सृजनक बदला आत्म-पहिचानक छोट, अस्थिर संघर्ष बचल अछि

(B) कवि नाम पहिले सँ निश्चित अछि

(C) सृजन-विस्तार बढ़ि गेल

(D) नामक कोनो मूल्य नहि

८६५. कौआक अकेलापन आ नामकरणक व्यग्रता बीच कोन सम्बन्ध अछि?

(A) उजाड़ संसारमे व्यक्ति अपन अस्तित्वक नाम खोजैत अछि

(B) दुनू असंबद्ध हास्य-चित्र अछि

(C) कौआ नामकरण करैत अछि

(D) उजाड़मे कोनो आत्मचिन्ता नहि

८६६. लावण्यमयी मेला आ उजाड़ कौआक एकसाथ उपस्थिति कविताक कोन गुण देखबैत अछि?

(A) विरोधी बिम्बसँ जीवनक विसंगति रचना

(B) एकरूपता मात्र

(C) केवल ग्रामीण वर्णन

(D) गीतक तालिका

८६७. "एकाध विचार" हाथमे आओत—ई पंक्ति बौद्धिक स्तरपर की संकेत करैत अछि?

(A) बहुत दृश्य-उत्तेजना बीच सार्थक विचारक दुर्लभता

(B) विचारक असीम संग्रह

(C) पुस्तकालयक सूची

(D) कविताक अंत

८६८. कवितामे नामकरणक आग्रह अस्तित्वगत किएक अछि?

(A) नाम व्यक्ति केँ अर्थ आ पहचान देबाक अंतिम चेष्टा बनैत अछि

(B) नाम केवल पुरस्कारक भाग अछि

(C) नाम अनावश्यक अछि

(D) नाम पृष्ठ-सूचक अछि

८६९. "चान-तरेगन" सँ "अपन नाम" धरि यात्रा की कहल जा सकैत अछि?

(A) विराट स्वप्नसँ संकुचित आत्म-संकटक यात्रा

(B) छोटसँ विराट यात्रा

(C) केवल मौसम-वर्णन

(D) भाषा-सूची

८७०. एहि खण्डक मूल भाव-सूत्र की अछि?

(A) बाहरी आकर्षणक बीच भीतरी उजाड़ आ पहचानक बेचैनी

(B) केवल उत्सव

(C) केवल जीवनी

(D) केवल ऐतिहासिक तारीख

खण्ड २३० : विदेह-सदेह ३७ — "छाह सभ": विश्वास, चैतन्य, देवता आ दानव

८७१. "सभटा विश्वास घाटीक मौलायल हरियरी सन" बिम्ब कोन स्थिति सूचित करैत अछि?

(A) विश्वासक मुरझा जाएब आ जीवन-रसक घटब

(B) विश्वासक नितांत हरियर विजय

(C) घाटीक पर्यटन-वर्णन

(D) खेतीक उत्पादकता

८७२. "सभटा चैतन्य खिसियायल साँप सन" कहबासँ मनक कोन रूप उभरैत अछि?

(A) क्रुद्ध, अस्थिर आ विषाक्त सजगता

(B) शांत समाधि

(C) बालसुलभ खेल

(D) निर्जीव पत्थर

८७३. “सभटा देवता हमर अपन छाह छथि” पंक्ति कोन दार्शनिक बात कहैत अछि?

(A) पूज्य आदर्श सेहो आत्म-प्रक्षेपण भऽ सकैत अछि

(B) देवता पूर्णतः बाहरी वस्तु छथि

(C) छाया असत्य नहि होइत

(D) कवि देवता सूची बनबैत छथि

८७४. “दानव हमर अहं केर कनिया-पुतड़ा”क आशय की अछि?

(A) दानवी छवि सेहो अहंकारक बनाओल खेलौना अछि

(B) दानव स्वतंत्र भूगोल अछि

(C) अहं पूर्ण पवित्र अछि

(D) कनिया-पुतड़ा पुरस्कार अछि

८७५. देवता आ दानव दुनूकेँ आत्म-संबंधी बनाओलासँ कविता कोन दृष्टि दैत अछि?

(A) बाहरी नैतिक द्वैतक भीतरी मनोवैज्ञानिक पुनर्पाठ

(B) धार्मिक प्रश्न समाप्त

(C) कथा बालगीत बनल

(D) कवि मौन भेल

८७६. विश्वासक मुरझायल हरियरी आ चैतन्यक खिसियायल साँप मिलि कोन संकट देखबैत अछि?

(A) आध्यात्मिक थकान आ मानसिक विषमता

(B) पूर्ण शांति

(C) समृद्ध बगीचा

(D) कृषि-महोत्सव

८७७. “छाह” शब्दक पुनरावृत्ति शीर्षकसँ कोना जुड़ैत अछि?

(A) सभ उच्च-मूल्य प्रतीक अंततः मनुष्यक छाया ठहरैत अछि

(B) छाया केवल प्रकाश-विज्ञान अछि

(C) शीर्षक अलग विषय अछि

(D) छाया अनुपस्थित अछि

८७८. कवितामे अहंकारक आलोचना कोन पंक्तिमे तीव्र अछि?

(A) दानवकेँ अहं केर कनिया-पुतड़ा कहबामे

(B) कौआक वर्णनमे मात्र

(C) समारोह-वर्णनमे

(D) जन्म-तिथिमे

८७९. चैतन्यक साँप-बिम्ब पाठकमे कोन अनुभूति जगबैत अछि?

(A) सजगता सेहो भयावह आ आक्रामक भऽ सकैत अछि

(B) सजगता सदैव कोमल अछि

(C) साँप केवल सजावट

(D) भय अनुपस्थित अछि

८८०. एहि खण्डक मूल काव्य-सूत्र की अछि?

(A) बाहरी देव-दानव वास्तवमे मनुष्यक भीतरक छाया आ अहंकारक खेल छथि

(B) केवल धार्मिक कथा

(C) केवल जीव-जंतु वर्णन

(D) केवल समारोह-रिपोर्ट

खण्ड २३१ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: समाज, संत, नाओ आ अन्हार

८८१. “सभा भवन भरल बुझू बानरक खौँ-खौँ सँ” पंक्ति समाजक कोन आलोचना करैत अछि?

(A) सार्वजनिक विमर्शक शोरगुल आ अविवेक

(B) संतुलित विद्वत संवाद

(C) पूर्ण मौन साधना

(D) संगीतक रियाज

८८२. “सन्तक पहिरनक लेल ताकू बोने-बोन” कथनक अर्थ की अछि?

(A) संतत्वक बाहरी पोशाक खोजबा पर व्यंग्य

(B) संत सहज उपलब्ध छथि

(C) बोनमे केवल वस्त्र पसारल अछि

(D) समाज पूर्ण पवित्र अछि

८८३. “केहन अछि नाओक खेबनाइ, कतय तँ अछि किनार!” पंक्ति कोन संकट व्यक्त करैत अछि?

(A) दिशाहीन यात्रा आ उद्धारक अनिश्चितता

(B) सुरक्षित बंदरगाह

(C) सफल व्यापार

(D) उत्सवक नाव-यात्रा

८८४. “देशांस भोथलेलक नाओकेँ अन्हारमे” वाक्यांश कोन बिम्ब रचैत अछि?

(A) राष्ट्र/प्रदेशक दिशाहीन आ क्षतिग्रस्त यात्रा

(B) पूर्ण प्रकाशमान विकास

(C) खेलक विजय

(D) चित्रकला पाठ

८८५. सभा भवन, संतक पहिरन आ नाओ—तीनू बिम्ब मिलि कोन सामाजिक परिदृश्य बनबैत अछि?

(A) शोर, ढोंग आ दिशाहीनता

(B) शांति, सत्य आ किनार

(C) केवल प्रकृति-वर्णन

(D) केवल निजी प्रेम

८८६. कवितामे “किनार” शब्दक प्रतीकात्मक अर्थ की अछि?

(A) सुरक्षा, समाधान आ लक्ष्य

(B) केवल नदीक तट

(C) मंचक पर्दा

(D) पुरस्कारक कागज

८८७. बानर-शोरक बिम्ब कविताक भाषा केँ कोना बनबैत अछि?

(A) तीख, व्यंग्यात्मक आ दृश्यात्मक

(B) निरपेक्ष शुष्क

(C) केवल आँकड़ामूलक

(D) मौन-प्रधान

८८८. संतक पहिरनक खोज धार्मिकता पर कोन प्रश्न उठबैत अछि?

(A) क्या समाजमे असल संतत्व बचल अछि वा केवल वेश बचल?

(B) कतेक वस्त्र महँग अछि

(C) कौन रंग श्रेष्ठ

(D) कपड़ा-गहना मुख्य अछि

८८९. अन्हारमे नाओ चलबाक बिम्ब सामूहिक नियतिकेँ कोना देखबैत अछि?

(A) समुदाय अज्ञात दिशा आ संकटमे बहि रहल अछि

(B) समुदाय पूर्ण सुरक्षित अछि

(C) अन्हार अनुपस्थित अछि

(D) नाओ स्थिर अछि

८९०. एहि खण्डक मुख्य सामाजिक आलोचना की अछि?

(A) समाज शोर, छद्म-संतत्व आ दिशाहीन नेतृत्वक बीच फँसल अछि

(B) समाज पूर्ण संतुलित अछि

(C) कविता केवल प्रकृति गीत अछि

(D) समारोहक सफलता मात्र विषय अछि

खण्ड २३२ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: नटुआ, नग्न नाच आ आगि-खायबला राही

८९१. “हे रौ नटुआ, नाच निर्वस्त्र चारू कात ओकर” पंक्ति कोन प्रकारक नाटकीयता रचैत अछि?

(A) कटु, विद्रोही आ उघाड़ू सार्वजनिक प्रदर्शन

(B) शिष्ट दरबारी नृत्य

(C) बाल-क्रीड़ा

(D) शांत ध्यान

८९२. निर्वस्त्र नाचक बिम्ब कोन अर्थमे पढ़ल जा सकैत अछि?

(A) छल-कपट आ सभ्यताक आवरण उतारबाक काव्यिक हिंमत

(B) नृत्य-पोशाकक सूची

(C) विनोद मात्र

(D) समारोहक नियम

८९३. “राही तँ आगि-खायबला बताह अछि” आत्म-छविमे कोन गुण अछि?

(A) कवि स्वयंकेँ जोखिम उठाबय बला उन्मत्त सत्यकर्मी रूपमे देखैत छथि

(B) कवि शांत लिपिक छथि

(C) कवि मंच छोड़ि गेलाह

(D) कवि कविता अस्वीकार करैत छथि

८९४. नटुआक संबोधन कविता केँ कोन दिशा दैत अछि?

(A) पाठक/समाजकेँ सीधे झकझोरनिहार नाटकीय संवाद

(B) मौन आत्मकथा

(C) केवल रिपोर्ट

(D) गणितीय विश्लेषण

८९५. आगि-खायबला छवि कविताक पूर्व संकटसभसँ कोना जुड़ैत अछि?

(A) विश्वास-क्षय आ सामाजिक शोरक बीच कवि आगिक जोखिम उठबैत अछि

(B) संकट समाप्त भऽ गेल

(C) आगि केवल खाना पकबैत अछि

(D) कवि निरपेक्ष दर्शक अछि

८९६. “बताह” शब्दक प्रयोग कविक विद्रोहकेँ कोना रंग दैत अछि?

(A) सामान्य विवेक सँ परे सत्य-बोलबाक उन्माद

(B) अज्ञानक प्रशंसा

(C) भयक स्वीकार

(D) समारोहक नियम

८९७. कविताक अन्तिम स्वर की कहल जा सकैत अछि?

(A) आत्मदाह, व्यंग्य आ अनावरणक विद्रोही स्वर

(B) सरल आशीर्वाद

(C) पूर्ण समाधान

(D) मधुर लोरी

८९८. नटुआ आ राहीक सम्बन्ध कोना समझल जा सकैत अछि?

(A) नटुआ समाजक अभिनय करे, राही आगिक सत्य खायबला कवि छथि

(B) दुनू इतिहासकार छथि

(C) दुनू पुरस्कार-प्रदाता छथि

(D) दुनू मौन दर्शक छथि

८९९. निर्वस्त्र नाच आ आगि-खायब—दुनू बिम्ब मिलि कोन प्रभाव रचैत अछि?

(A) कविताक तीव्र, असुविधाजनक सत्योन्मुख समाप्ति

(B) मंद मनोरंजन

(C) कोमल प्रकृति-चित्र

(D) सरकारी घोषणा

९००. एहि अन्तिम खण्डक मूल अर्थ की अछि?

(A) कवि सामाजिक अन्हारक सामने मुखौटा उतारि आगि-समान सत्यक सामना करैत छथि

(B) कवि केवल समारोहक विवरण दैत छथि

(C) कविता पृष्ठ-सूची बनि जाइत अछि

(D) नटुआक पोशाक मुख्य विषय अछि

खण्ड २३३ : विदेह-सदेह ३७ — अनुवाद-प्रक्रिया: कश्मीरीसँ अंग्रेजी, अंग्रेजीसँ मैथिली

९०१. “कश्मीरीसँ अंग्रेजी आ अंग्रेजीसँ मैथिली” अनुवाद-शृंखला कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

(A) कविता बहुभाषिक सेतु मार्फत मैथिली पाठक धरि पहुँचल

(B) कविता अनुवादित नहि भेल

(C) कविता केवल संस्कृतमे छल

(D) कविता मौखिक रहि गेल

९०२. भारतीय ज्ञानपीठ आ अनुवाद-साभारक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) मूल/मध्य स्रोतक सम्मान आ पाठ-प्रमाणिकता लेल

(B) विज्ञापन लेल मात्र

(C) भोजन सूची लेल

(D) गीतक ताल लेल

९०३. कश्मीरी कविताकेँ मैथिलीमे पढ़बाक सांस्कृतिक अर्थ की अछि?

(A) भारतीय भाषासभक अनुभव परस्पर साझा होइत अछि

(B) भाषासभक दूरी बढ़ैत अछि

(C) कविता समाप्त होइत अछि

(D) अनुवाद असम्भव सिद्ध होइत अछि

९०४. मध्य-भाषा अंग्रेजी होयबासँ अनुवादमे कोन सजगता चाही?

(A) अर्थ, बिम्ब आ स्वरक दोहर मध्यस्थता बुझब

(B) मूलक आवश्यकता नहि

(C) बिम्ब हटायब जरूरी

(D) कविता गद्य बनायब अनिवार्य

९०५. मैथिली अनुवादमे “छाह”, “अन्हार”, “नटुआ” जेकाँ शब्द किएक प्रभावी छथि?

(A) ओ स्थानीय भाषिक ऊर्जा सँ मूल संवेदना पुनर्सृजित करैत छथि

(B) ओ अर्थहीन शब्द छथि

(C) ओ केवल पृष्ठ-सूचक छथि

(D) ओ नाम-सूची मात्र छथि

९०६. अनुवादकक नाम देबाक पाठकीय लाभ की अछि?

(A) पाठककेँ पाठक यात्रा आ जिम्मेदारीक बोध होइत अछि

(B) नाम छिपि जाइत अछि

(C) कविता अज्ञात रहैत अछि

(D) प्रसंग टूटैत अछि

९०७. एहि अनुवाद-प्रसंगमे मैथिली पाठक कोन व्यापक साहित्यिक समुदायमे प्रवेश करैत अछि?

(A) भारतीय बहुभाषिक आधुनिक कविता समुदायमे

(B) केवल स्थानीय सूचना-सूचीमे

(C) केवल सरकारी प्रपत्रमे

(D) केवल मौखिक कथा मंडलीमे

९०८. “साभार” शब्दक नैतिक महत्व की अछि?

(A) स्रोत-सम्मान आ बौद्धिक ईमानदारी

(B) कविता चुरेबाक स्वीकृति

(C) अनाम प्रकाशन

(D) पुरस्कार-गणना

९०९. अनुवादित कविता पढ़ैत समय पाठक कैँ की ध्यान राखबाक चाही?

(A) ई मूल संवेदना, मध्य अनुवाद आ मैथिली पुनर्रचना तीनू स्तरक पाठ अछि

(B) ई केवल मूल कश्मीरी ध्वनि अछि

(C) ई अर्थहीन सूची अछि

(D) ई पृष्ठ-अभ्यास अछि

९१०. एहि खण्डक मुख्य शिक्षा की अछि?

(A) अनुवाद भारतीय भाषासभ बीच जीवित साहित्यिक संवाद बनबैत अछि

(B) अनुवाद साहित्यक अंत अछि

(C) अनुवादक अनावश्यक अछि

(D) भाषिक सेतु असम्भव अछि

खण्ड २३४ : विदेह-सदेह ३७ — समारोहक बादक समाचार आ समयक बहुस्तरीयता

९११. समारोहसँ घुरैत समाचारमे सचिनक ४०म टेस्ट शतकक उल्लेख कोन प्रभाव रचैत अछि?

(A) साहित्यिक क्षणक संग समकालीन खेल-इतिहास जोड़ैत अछि

(B) कविता समाप्त करैत अछि

(C) पुरस्कार रद्द करैत अछि

(D) भाषा-प्रश्न हटबैत अछि

९१२. भीमसेन जोशीकेँ भारत रत्न भेटबाक समाचार समारोह-वर्णनमे कोन सांस्कृतिक परत जोड़ैत अछि?

(A) संगीत-संस्कृति आ राष्ट्रीय सम्मानक समानांतर परत

(B) केवल खेल-सूचना

(C) राजनीतिक नारा

(D) यात्रा-खर्च

९१३. चन्द्रयान-१क चन्द्रक कक्षामे प्रवेशक समाचार कोन आयाम जोड़ैत अछि?

(A) विज्ञान आ राष्ट्रीय उपलब्धिक आयाम

(B) कविता-विरोध

(C) समारोहक असफलता

(D) भाषा-निषेध

९१४. एक घण्टामे समारोह समाप्त भेलाक उल्लेख किएक स्मरणीय अछि?

(A) संक्षिप्तता बीच ऐतिहासिक गरिमा बनल रहल

(B) कार्यक्रम असंगठित रहल

(C) कविता पढ़ल नहि गेल

(D) सभा रद्द भेल

९१५. एफ.एम. समाचारक उल्लेख पाठमे कोन आधुनिकता लैत अछि?

(A) समय-साक्षी लेखक सार्वजनिक मीडिया मार्फत राष्ट्रक धड़कन सुनैत छथि

(B) केवल पुरातन मौखिकता

(C) मीडिया-विरोध

(D) समाचारक अनुपस्थिति

९१६. सचिन, भीमसेन जोशी आ चन्द्रयान-१ एकसाथ उल्लेखित होयब कोन संकेत अछि?

(A) एके दिन भारतक खेल, कला आ विज्ञानक उपलब्धिसभ समकालीन बनैत छथि

(B) तीनू कश्मीरी कवि छथि

(C) तीनू मंचपर उपस्थित छलाह

(D) तीनू पुरस्कार चयनकर्ता छलाह

९१७. समारोह-वर्णनक अन्तमे समाचार-संयोजन साहित्यिक रूपसँ की करैत अछि?

(A) व्यक्तिगत उपस्थिति केँ राष्ट्रीय समय-स्मृति मे बदलैत अछि

(B) वर्णन तोड़ि दैत अछि

(C) कविता निषिद्ध करैत अछि

(D) अनुवाद मिटा दैत अछि

९१८. चन्द्रयान-१क “१०० किलोमीटरक वृत्ताकार कक्षा” जेकाँ विवरणक प्रभाव की अछि?

(A) वैज्ञानिक उपलब्धिक ठोसपन आ समय-साक्ष्य

(B) कविताक छन्द-गणना

(C) भोजनक मात्रा

(D) मंचक लम्बाई

९१९. समारोहक बादक समाचारसभ पाठककेँ की अनुभव करबैत अछि?

(A) एक दिनमे साहित्य, संगीत, खेल आ विज्ञानक संगम

(B) केवल एक विधाक बंद संसार

(C) अलगाव

(D) समयहीनता

९२०. एहि अन्तिम प्रसंगक मुख्य अर्थ की अछि?

(A) राहीक ज्ञानपीठ क्षण भारतीय सार्वजनिक जीवनक व्यापक ऐतिहासिक दिनमे दर्ज अछि

(B) समारोह महत्वहीन छल

(C) कविता अनुवादित नहि भेल

(D) समाचार असम्बद्ध अछि

खण्ड २३५ : विदेह-सदेह ३७ — भिखारी ठाकुर: लोककलाकार आ मौखिक परम्परा

९२१. भिखारी ठाकुरक परिचयमे हुनका कोन रूपमे चिन्हल गेल अछि?

(A) भोजपुरी लोककलाकार रूपमे

(B) केवल दरबारी इतिहासकार रूपमे

(C) कश्मीरी गजलकार रूपमे

(D) तेलुगु उपन्यासकार रूपमे

९२२. भिखारी ठाकुरक रचना-परम्परा सम्बन्धी कोन बात स्रोतमे महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) प्रारम्भक रचना मौखिक छल, बादमे कैथी लिपिमे हस्तलिखित सामग्री भेटल

(B) सभ रचना आरम्भसँ मुद्रित अंग्रेजीमे छल

(C) हिनकर कोनो मौखिक सम्बन्ध नहि छल

(D) हिनकर रचना केवल चित्रकला छल

९२३. “वृद्धाश्रमक पक्षमे” बिरहा सभक मुख्य सामाजिक सरोकार की अछि?

(A) बूढ़ा-बूढ़ीक सम्मान आ संरक्षण

(B) बाल-खेलक नियम

(C) समुद्री व्यापार

(D) राजदरबारक युद्ध

९२४. बिरहा १ मे कवि “बाबू सभ” सँ कोन आग्रह करैत छथि?

(A) एकमत भऽ वृद्धाश्रम बनबय लेल

(B) घर उजाड़य लेल

(C) भाषा छोड़य लेल

(D) केवल नाच देखय लेल

९२५. “उपरेसँ चिक्कन अछि चामक ओहरन” पंक्ति कोन व्यंग्य उघारैत अछि?

(A) बाहरी चमक भीतरक नैतिक कठोरता ढाँपि रहल अछि

(B) कविता केवल वस्त्र-विज्ञापन अछि

(C) कथन मौसमक विवरण अछि

(D) ई शुद्ध वैज्ञानिक सूत्र अछि

९२६. बिरहा २ मे हिन्दू-मुसलमान दुनूक उल्लेखक अर्थ की अछि?

(A) वृद्ध-सम्मानक प्रश्न सम्पूर्ण समाजक प्रश्न अछि

(B) कविता केवल एक जातिक लेल अछि

(C) धर्मसभक बीच युद्धक आह्वान अछि

(D) कवि केवल पञ्जी लिखैत छथि

९२७. “नेनपनेसँ जकरा तूँ कहैत एलेँहेँ माय” पंक्ति कोन स्मृति जगबैत अछि?

(A) मातृ-पितृ ऋण आ बचपनक निर्भरता

(B) राजकीय कर-सूची

(C) विद्यालयक समय-सारिणी

(D) नदीक जलस्तर

९२८. बिरहा २ मे “कसाइ” संबोधन कोन नैतिक आरोप अछि?

(A) अपन पालनहारक प्रति निर्ममता

(B) कृषि-कौशल

(C) संगीत-अभ्यास

(D) यात्रा-वर्णन

९२९. भिखारी ठाकुरक बिरहा मे विनय आ चेतावनी साथ-साथ कोना चलैत अछि?

(A) कवि पएर पड़ि विनती करैत छथि, मुदा हिसाब-किताबक चेतावनी सेहो दैत छथि

(B) कवि केवल हँसी-मजाक करैत छथि

(C) कवि कोनो सामाजिक आग्रह नहि रखैत छथि

(D) कवि केवल प्रकृति चित्रित करैत छथि

९३०. एहि भोजपुरी खण्डक मैथिली अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की अछि?

(A) निकटवर्ती लोकभाषा साहित्यकेँ मैथिली पाठकसँ जोड़ब

(B) भोजपुरीकेँ मिटायब

(C) केवल पृष्ठ गिनब

(D) अनुवादक नाम छिपायब

खण्ड २३६ : विदेह-सदेह ३७ — बिरहा: वृद्धाश्रम, करुणा आ सामाजिक उत्तरदायित्व

९३१. "वृद्धाश्रमक पक्षमे" शीर्षकसँ कविताक कोण स्पष्ट होइत अछि?

(A) कवि वृद्धजन लेल संस्थागत सहारा चाहैत छथि

(B) कवि वृद्धाश्रमक विरोध करैत छथि

(C) कवि केवल बालगीत लिखैत छथि

(D) कवि समुद्री जहाजक चर्चा करैत छथि

९३२. बिरहा १ मे "तीन दिनक सेखी" कोन बात पर कटाक्ष अछि?

(A) अस्थायी यौवन/समृद्धिक घमंड पर

(B) सदैव टिकनिहार वैभव पर

(C) वैज्ञानिक प्रयोग पर

(D) नृत्यक तीन ताल पर

९३३. महाबीरक नाम सुमिरबाक आग्रहक भूमिका की अछि?

(A) सामुदायिक धर्म-स्मृतिसँ नैतिक काम शुरू करब

(B) कविता केँ युद्धगीत बनायब

(C) अर्थहीन शब्द भरब

(D) केवल पन्ना पूरा करब

९३४. "नै तँ हएत अकाज" पंक्ति कोन चेतना दैत अछि?

(A) वृद्ध-उपेक्षा समाजक विफलता बनि सकैत अछि

(B) वृद्धाश्रम अनावश्यक अछि

(C) बूढ़ा-बूढ़ी दुखी नहि छथि

(D) समाजक कोनो दायित्व नहि

९३५. बिरहा २ मे "बड़का हाकिम लग हिसाब-किताब" कोन प्रतीक अछि?

(A) नैतिक न्याय आ जवाबदेही

(B) बैंक परीक्षा

(C) रेल आरक्षण

(D) चित्रकला गुरु

९३६. "आँखिसँ नोर खसतौ" पंक्ति सामाजिक प्रश्नकेँ कोना तीव्र करैत अछि?

(A) बुढ़ापा आ असहायता केँ व्यक्तिगत पीड़ामे बदलैत अछि

(B) कविता केँ हास्य-गीत बनबैत अछि

(C) कवि मौसम बतबैत छथि

(D) रचना केवल यात्रा-वृत्तान्त अछि

९३७. बिरहा मे “सभ बाबूक पएर पड़ै छी” कथन कविक स्वर केहन बनबैत अछि?

(A) नम्र लोक-याचकक स्वर

(B) अहंकारी विजेताक स्वर

(C) निरपेक्ष वैज्ञानिकक स्वर

(D) गुप्तचरक स्वर

९३८. दू बिरहा मिलि परिवारक कोन संकट देखबैत अछि?

(A) पालनहार माता-पिताक उपेक्षा आ असम्मान

(B) नवजात शिशुक खेल

(C) नदी-परिवहनक नीति

(D) विदेशी निवेशक सूची

९३९. बिरहा-विधा एहि विषय लेल उपयुक्त किएक अछि?

(A) लोकधुन, पुनरुक्ति आ सीधा संबोधनसँ संदेश जनसमाज धरि पहुँचैत अछि

(B) एहि विधामे भाषा निषिद्ध अछि

(C) एहि विधा केवल दरबार लेल अछि

(D) एहि विधा गद्य-व्याकरण मात्र अछि

९४०. एहि खण्डक गहिर प्रश्न बाहरी अंक-सूचना नहि, कोन बात पर केन्द्रित अछि?

(A) लोककविताक सामाजिक नीतिशास्त्र पर

(B) कविता कोन बाहरी ठाम देल अछि

(C) लाइन नम्बर कतेक अछि

(D) फाइलक आकार कतेक अछि

खण्ड २३७ : विदेह-सदेह ३७ — कश्मीरी खण्ड: ज्ञानपीठ समारोहक सांस्कृतिक परिदृश्य

९४१. रहमान राहीक कविता खण्डसँ पहिले समारोह-वर्णन देबाक अर्थ की अछि?

(A) कविता कैँ भारतीय साहित्यिक मान्यता आ सार्वजनिक प्रसंगसँ जोड़ब

(B) कविता छिपायब

(C) केवल खेल-समाचार लिखब

(D) कश्मीरी भाषा नकारब

९४२. ४०म ज्ञानपीठ पुरस्कार समारोहक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) राहीक सम्मानक ऐतिहासिक क्षण आ संस्थागत गरिमा देखाबय लेल

(B) केवल भोजन-सूची लेल

(C) भोजपुरी बिरहा हटाबय लेल

(D) केवल भोजन-सूची लेल

९४३. प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित होयबासँ वर्णनमे कोन अर्थ जुड़ैत अछि?

(A) कश्मीरी कविक भारतीय राष्ट्रीय सम्मान पुष्ट होइत अछि

(B) कवि गुमनाम रहि जाइत छथि

(C) भाषा अस्वीकृत होइत अछि

(D) समारोह निजी बैठक बनैत अछि

९४४. सीताकान्त महापात्रक कथनक सार की छल?

(A) राहीकेँ सम्मानित कऽ ज्ञानपीठ अपने सम्मानित भेल

(B) राही असाहित्यिक छथि

(C) कश्मीरी भाषा अमान्य अछि

(D) कविता पढ़ल नहि जाए

९४५. सरस्वती वन्दनाक प्रसंग समारोहमे कोन सांस्कृतिक आवरण बनबैत अछि?

(A) साहित्यिक-सांस्कृतिक अनुष्ठानक वातावरण

(B) केवल तकनीकी जाँच

(C) राजनीतिक भाषण मात्र

(D) खेल-कूदक उद्घोषणा

९४६. राही द्वारा नेहरू आ मनमोहन सिंहक पद-संदर्भ किएक आएल?

(A) राष्ट्रीय नेतृत्वक निरंतरता आ सम्मानक विशेषता बताबय लेल

(B) कविता कैँ खेल बनायब

(C) समारोह समाप्त करब

(D) भाषा-प्रश्न हटायब

९४७. कश्मीरक राज्य सरकारक भाषा-मान्यता विषयक टिप्पणी कोन तनाव देखबैत अछि?

(A) भाषाक क्षेत्रीय उपेक्षा आ केन्द्रीय मान्यताक विरोधाभास

(B) कश्मीरी भाषाक पूर्ण अभाव

(C) कविताक निषेध

(D) ज्ञानपीठक अस्वीकार

९४८. सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति देबाक प्रसंग की सूचित करैत अछि?

(A) ज्ञान, परम्परा आ पुरस्कार-चिह्नक प्रतीकात्मकता

(B) केवल धातु-बाजार

(C) केवल मूर्ति-व्यापार

(D) केवल भौगोलिक नाप

९४९. समारोह-वर्णनक पाठकीय उपयोगिता की अछि?

(A) कविता पढ़य सँ पहिले कवि, संस्था आ ऐतिहासिक प्रसंग बुझबाक आधार देब

(B) पाठककैँ भ्रमित करब

(C) मुख्य कविता हटायब

(D) केवल नाम-सूची रटब

९५०. एहि खण्डमे साहित्यिक सम्मानक वर्णन कोन व्यापक प्रश्न खोलैत अछि?

(A) भाषा, राष्ट्र, संस्था आ कवि-प्रतिष्ठाक सम्बन्ध

(B) केवल रेल-समय

(C) कृषि-उत्पादन

(D) सिनेमा टिकट

खण्ड २३८ : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही: जीवन, कृति आ कश्मीरी भाषाक प्रश्न

९५१. रहमान राहीक जन्म-तिथि स्रोतमे कोना देल गेल अछि?

(A) ६ मई १९२५

(B) १८८७

(C) १९७१

(D) १०३५

९५२. राहीक पहिल कविता-संग्रहक सम्बन्धमे कोन तथ्य देल गेल?

(A) ओकरा साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल

(B) ओ अप्रकाशित रहल

(C) ओ बिरहा संग्रह छल

(D) ओ कैथी पाण्डुलिपि छल

९५३. भारत सरकारसँ राहीकेँ भेटल सम्मानमे कोन नाम अछि?

(A) पद्म श्री

(B) भारतरत्न समारोहमे प्रस्तुति

(C) केवल खेल-पदक

(D) नोबेल रसायन

९५४. मानव संसाधन विकास मंत्रालयसँ राहीकेँ कोन प्रकारक मान्यता भेटल?

(A) एमिरेट्स फेलोशिप

(B) कृषि अनुदान

(C) रेल पास

(D) नाट्य पोशाक

९५५. राहीक प्रमुख कविता-संग्रहमे कोन नाम स्रोतमे अछि?

(A) सनवुन्य साज

(B) वृद्धाश्रमक पक्षमे

(C) कन्यादान

(D) सझिया रोपनि

९५६. राहीक "कहवट" कोन विधासँ जुड़ल बताओल गेल?

(A) आलोचना आ निबन्धक पोथी

(B) बालगीत-संग्रह

(C) भोजपुरी बिरहा

(D) तेलुगु उपन्यास

९५७. कश्मीरी भाषाक मान्यताक प्रसंग राहीक वक्तव्यकेँ कोना राजनीतिक बनबैत अछि?

(A) ओ भाषा-अधिकार आ राज्यीय उपेक्षा पर संकेत करैत अछि

(B) ओ केवल मौसम बतबैत अछि

(C) ओ कविता समाप्त करैत अछि

(D) ओ लोकगीत नकारैत अछि

९५८. ज्ञानपीठ द्वारा राहीक प्रतिनिधि कविताक हिन्दी अनुवाद प्रधानमंत्रीकेँ देबाक अर्थ की अछि?

(A) कश्मीरी कविताक अन्तरभाषिक प्रसार

(B) भाषा-गोपन

(C) कविता-नाश

(D) समारोहक असफलता

९५९. राहीक जीवनी-सूचना कविता "छाह सभ" पढ़बामे कोन सहायता करैत अछि?

(A) कविक प्रतिष्ठा, भाषा-संघर्ष आ रचनात्मक पृष्ठभूमि बुझबैत अछि

(B) कविता सँ सम्बन्ध तोड़ैत अछि

(C) केवल जन्मतिथि रटबैत अछि

(D) कोनो पाठकीय सहायता नहि

९६०. एहि जीवनी खण्डक मुख्य सीख की अछि?

(A) रचनाकारक साहित्यिक मान्यता आ भाषिक राजनीति आपसमे जुड़ल अछि

(B) कवि केवल निजी व्यक्ति छथि

(C) भाषा-प्रश्न अप्रासंगिक अछि

(D) सम्मानक कोनो अर्थ नहि

खण्ड २३९ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: अमरता-विरोध आ क्षणक स्वीकृति

९६१. “अपन नियतिसँ वाद आ अमरताक आशा आब छोड़ि दिअ” पंक्ति कोन दार्शनिक मोड़ दैत अछि?

(A) नियति-विवाद आ अमरता-लालसा छोड़बाक आग्रह

(B) अमरता निश्चित अछि

(C) नियति पर विजय सरल अछि

(D) कविता केवल उत्सवगीत अछि

९६२. “यदि जुटा ली किछु क्षण, तँ भेर भऽ जाउ तइमे” सँ कोन भाव निकलैत अछि?

(A) सीमित क्षणमे पूर्णता खोजबाक भाव

(B) अनंत आयुक अधिकार

(C) समयक पूर्ण निषेध

(D) घड़ीक यांत्रिक मरम्मत

९६३. कविताक शुरुआती स्वर उत्सवी नहि किएक कहल जा सकैत अछि?

(A) क्योंकि ओ नियति, अमरता आ क्षणभंगुरता पर कठोर आत्मबोध करबैत अछि

(B) क्योंकि ओ विवाहगीत अछि

(C) क्योंकि ओ बालकथा अछि

(D) क्योंकि ओ कृषिपाठ अछि

९६४. अमरता छोड़बाक आग्रह कविमे कोन आधुनिक चेतना देखबैत अछि?

(A) मानवीय अस्थायित्वक सचेत स्वीकार

(B) दैवी अमरत्वक दावा

(C) इतिहासक अन्त

(D) कला-विरोध

९६५. “भेर भऽ जाउ” कथन क्षणकेँ कोना रूपान्तरित करैत अछि?

(A) छोट समयकेँ गहन जीवन-अनुभवमे बदलैत अछि

(B) क्षणकेँ निरर्थक कहैत अछि

(C) भेरकेँ खालीपन बनबैत अछि

(D) समयक हिसाब मिटबैत अछि

९६६. एहि आरम्भक विरोधाभास की अछि?

(A) अमरता छोड़ू, मुदा क्षणमे भेर होऊ

(B) अमरता चाहू, क्षण छोड़ू

(C) केवल नामकरण करू

(D) केवल नृत्य देखू

९६७. “नियति” शब्द कवितामे कोन सीमा-संकेत दैत अछि?

(A) मनुष्यक नियन्त्रणसँ बाहरक अवस्था

(B) केवल सरकारी नियम

(C) नाटकक पात्र

(D) नदीक नाम

९६८. कविता पाठकसँ की त्याग माँगैत अछि?

(A) अमरता आ पूर्ण नियन्त्रणक भ्रम

(B) साहित्य-पठन

(C) भाषा-प्रेम

(D) विचार-शक्ति

९६९. एहि खण्डक प्रश्नक केन्द्र बाहरी अंक-सूचना नहि, कोन बात अछि?

(A) कविताक दार्शनिक अर्थ-संरचना

(B) कविता कोन बाहरी स्थान पर छपल

(C) कतेक लाइन अछि

(D) समारोहक कुर्सी कतेक छल

९७०. "छाह सभ"क आरम्भ पाठककेँ कोन मनःस्थिति मे लऽ जाइत अछि?

(A) अस्थायित्व, आत्मपरीक्षण आ उदास सजगता

(B) उल्लासमय नृत्य

(C) बाल-हँसी

(D) विज्ञापन-पाठ

खण्ड २४० : विदेह-सदेह ३७ — "छाह सभ": पथ, बोन आ आस्थाक भंग

९७१. "बस्तीक जइ पथपर चलैत रहलौं, ओ धँसि गेल घनगर बोनमे" कोन रूपक बनैत अछि?

(A) परिचित सामाजिक/आध्यात्मिक मार्गक लोप

(B) सड़क निर्माणक प्रतिवेदन

(C) वन-विज्ञानक सूची

(D) बालक खेलक मैदान

९७२. आस्थाक कवच शंकासभ द्वारा भेद्य होयब कोन संकटक संकेत अछि?

(A) विश्वासक रक्षा-तंत्र टूटब

(B) विश्वास अटूट रहब

(C) शंका पूर्णतः अनुपस्थित

(D) कवच केवल धातु-वस्तु

९७३. "घनगर बोन" कवितामे मात्र प्राकृतिक दृश्य नहि, किएक?

(A) ओ अज्ञात, अवरोध आ भ्रमक मानसिक परिदृश्य सेहो अछि

(B) ओ केवल पर्यटन स्थल अछि

(C) ओ कृषि-भूमि मात्र अछि

(D) ओ मंच-सज्जा मात्र अछि

९७४. आस्था आ शंकाक द्वन्द्व कविताकेँ कोना आधुनिक बनबैत अछि?

(A) निश्चित विश्वासक जगह संशय आ विखंडन लैत अछि

(B) सभ प्रश्न समाप्त करैत अछि

(C) मध्यकालीन दरबार बनबैत अछि

(D) केवल लोकगीत बनबैत अछि

९७५. "पथ" प्रतीकक मूल अर्थ की बुझल जा सकैत अछि?

(A) जीवन-दिशा वा विश्वासक मार्ग

(B) कविताक पृष्ठ नम्बर

(C) गीतक ताल

(D) लेखकक घरक पता

९७६. कवितामे "बस्ती" आ "बोन"क विरोध किएक तीव्र अछि?

(A) एक परिचय/समुदाय, दोसर अराजक अज्ञातक संकेत दैत अछि

(B) दुनू पूर्णतः समान अछि

(C) दुनू केवल खाद्य-पदार्थ अछि

(D) दुनू गणितीय चिह्न अछि

९७७. शंकासभ बहुवचनमे आबि की प्रभाव बनबैत अछि?

(A) एक नहि, अनेक दिशासँ विश्वास पर आक्रमण

(B) शंका अनुपस्थित अछि

(C) केवल एक छोट प्रश्न अछि

(D) कवितामे निश्चितता अछि

९७८. आस्थाक कवच भेद्य होयबासँ कविताक वक्ता कोन अवस्थामे अछि?

(A) भीतरसँ असुरक्षित आ संशयग्रस्त

(B) पूर्ण विजयी

(C) निश्चिन्त बालक

(D) निर्विवाद उपदेशक

९७९. एहि छविसभक समष्टि कोन भावदशा बनबैत अछि?

(A) दिशाहीनता, संशय आ विश्वास-विघटन

(B) संपूर्ण उल्लास

(C) विवाह-उत्सव

(D) कृषि-समृद्धि

९८०. ई खण्ड राहीक कविताकेँ कोन स्तर पर पढ़य कहैत अछि?

(A) प्रतीकात्मक आ मनोवैज्ञानिक स्तर पर

(B) केवल शब्दार्थ-सूची रूपमे

(C) केवल पृष्ठ-सूचक रूपमे

(D) केवल जीवन-वृत्त रूपमे

खण्ड २४१ : विदेह-सदेह ३७ — "छाह सभ": स्वप्न, यौवन आ उजाड़

९८१. "आँखि खुजिते हमर स्वप्नकेँ लागल आँखि" कोन विडम्बना रचैत अछि?

(A) जागरणक क्षणमे स्वप्न स्वयं जागि/चोटिल भऽ जाइत अछि

(B) स्वप्न पूर्ण सुरक्षित अछि

(C) आँखि बन्द रहैत अछि

(D) कविता केवल निद्रा-विज्ञान अछि

९८२. "बासन्ती युवा छाती"क "सुनसान" भऽ जाएब कोन हानि देखबैत अछि?

(A) यौवन, उर्वरता आ जीवन-उत्साहक क्षय

(B) यौवनक उत्सव

(C) वसन्तक विजय

(D) शहरक बाजार

९८३. लावण्यमयी मेला आ हाथमे मात्र एकाध विचार—एहि विरोधाभासक अर्थ की अछि?

(A) बाहरी आकर्षण बहुत, भीतर उपलब्ध अर्थ अल्प

(B) मेलामे कोनो आकर्षण नहि

(C) विचारक अतिरेक

(D) कविता वस्तु-सूची अछि

९८४. "असगर एकटा कौआ उजाड़मे" छवि कोन भाव बनबैत अछि?

(A) अकेलापन, अशुभता आ रिक्तता

(B) समृद्ध भोज

(C) बाल-उत्सव

(D) विजयी सेना

९८५. कवितामे “मेला” आ “उजाड़” एकसाथ आएब कोन अनुभव दैत अछि?

(A) सामने सौन्दर्य, भीतर वीरानगी

(B) पूर्ण सामंजस्य

(C) केवल व्यापार

(D) नदी-वर्णन

९८६. स्वप्नक आँखि लागबासँ वक्ताक चेतना कोना बदलैत अछि?

(A) स्वप्न निजी आश्रय नहि रहि संवेदनशील/घायल सत्ता बनैत अछि

(B) स्वप्न मेटल नहि जा सकैत

(C) स्वप्न केवल हास्य अछि

(D) स्वप्नक अर्थ नहि

९८७. “बासन्ती” शब्दक प्रतीकात्मक अर्थ की अछि?

(A) नवता, यौवन आ हरियाली

(B) अन्हार

(C) बुढ़ापा

(D) रेगिस्तान

९८८. कौआक छवि भारतीय लोक-बोधमे सामान्यतः कोन संकेत लऽ अबैत अछि?

(A) सूना, अशुभ वा कर्कश उपस्थितिक संकेत

(B) पूर्ण मधुरता

(C) राजसी वैभव

(D) नवविवाहक प्रतीक

९८९. एहि अंशमे सौन्दर्य आ विघटनक सम्बन्ध कोना अछि?

(A) लावण्यक पृष्ठभूमि पर विघटन आ रिक्तता अधिक तीव्र होइत अछि

(B) सौन्दर्य विघटनकेँ मिटा दैत अछि

(C) विघटन अनुपस्थित अछि

(D) सौन्दर्य केवल सजावट अछि

९९०. एहि खण्डक मूल मनःस्थिति की अछि?

(A) भंग स्वप्न, क्षीण यौवन आ भीतरी उजाड़

(B) सरल आनंद

(C) विद्यालयी अनुशासन

(D) व्यापारिक सफलता

खण्ड २४२ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: नामकरण, विश्वास आ चैतन्य

९९१. “कखनो हमर इच्छा रहय चान-तरेगन गढ़बाक” कोन आकांक्षा देखबैत अछि?

(A) ब्रह्माण्डीय रचना वा विराट सृजनक इच्छा

(B) छोट घरेलू हिसाब

(C) कृषि-बीज सूची

(D) मंचक पर्दा

९९२. “आब माथ भुका रहल छी, अपन कोनो नामकरण तँ करी” मे आकांक्षा कोना सिकुड़ैत अछि?

(A) विराट सृजनसँ निज पहिचानक संकट धरि

(B) पहिचान पूर्ण स्थापित अछि

(C) सृजन अधिक विराट भेल

(D) कविता खेलगीत बनल

९९३. “सभटा विश्वास घाटीक मौलायल हरियरी सन” कोन बिम्ब अछि?

(A) विश्वासक मुरझायल, जीवनहीन अवस्था

(B) विश्वासक अनंत विजय

(C) हरियरीक पूर्ण प्रस्फुटन

(D) कृषि-प्रदर्शनी

९९४. “सभटा चैतन्य खिसियायल साँप सन” सँ चेतना कोना चित्रित अछि?

(A) क्रुद्ध, संकुचित आ विषधर बेचैनी रूपमे

(B) शांत सरोवर रूपमे

(C) बालक हँसी रूपमे

(D) पूर्ण निद्रा रूपमे

९९५. चान-तरेगन गढ़बाक चाह आ नामकरणक चाहमे मुख्य विरोध की अछि?

(A) बाह्य विराट सृष्टि बनाम आत्म-पहिचानक न्यूनतम मांग

(B) दुनू एके अर्थ

(C) दुनू भोजन-सूची

(D) दुनू नदी-मानचित्र

९९६. विश्वासक हरियरी “घाटी”मे किएक राखल गेल होयत?

(A) घाटी कश्मीरी भू-दृश्य आ सामूहिक जीवनक स्मृति जगबैत अछि

(B) घाटी केवल गणितीय रेखा अछि

(C) घाटी असंबद्ध शब्द अछि

(D) घाटी समुद्र अछि

९९७. मौलायल हरियरीक छवि कोन हानि देखबैत अछि?

(A) जीवन-स्रोतक सूखलापन

(B) नव अंकुरण

(C) समृद्ध वर्षा

(D) पूर्ण उत्सव

९९८. चैतन्यक साँप-समान खिसियायल रूप पाठकमे कोन प्रभाव दैत अछि?

(A) आंतरिक भय आ अस्थिरता

(B) आराम आ शांति

(C) हास्य

(D) बाल-लीला

९९९. नामकरणक संकट कविताक वक्ताकेँ कोन प्रश्नमे धकेलैत अछि?

(A) “हम के छी?” वा आत्म-पहिचानक प्रश्नमे

(B) “कतेक पन्ना?” मे

(C) “कतेक कुर्सी?” मे

(D) “कतेक टिकट?” मे

१०००. एहि खण्डमे रचनात्मक अभिलाषा आ आत्म-संकट कोना सम्बद्ध अछि?

(A) विराट रचना-स्वप्न टूटि आत्म-पहिचानक संकट बनि गेल अछि

(B) रचना-संकट अनुपस्थित अछि

(C) आत्म-संकट हास्य अछि

(D) कविता केवल जीवनी अछि

खण्ड २४३ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ”: देवता, दानव आ सामाजिक व्यंग्य

१००१. “सभटा देवता हमर अपन छाह छथि” पंक्ति कोन आत्मालोचन करैत अछि?

(A) पूज्य प्रतीकसभ अपनहि प्रक्षेपित छाया भऽ सकैत अछि

(B) देवता पूर्ण बाहरी सत्ता मात्र छथि

(C) छाहक कोनो अर्थ नहि

(D) कविता धर्मसूची अछि

१००२. “सभटा दानव हमर अहं केर कनिया-पुतड़ा सन” कोन बात कहैत अछि?

(A) दानव सेहो अहंकारक बनाओल खेलौना/प्रक्षेप होय सकैत अछि

(B) दानवक कोनो सम्बन्ध अहंसँ नहि

(C) कनिया-पुतड़ा युद्ध-अस्त्र अछि

(D) कविता केवल बालखेल अछि

१००३. देवता आ दानव दुनूकेँ अपना सँ जोड़बाक अर्थ की अछि?

(A) नैतिक द्वन्द्वक स्रोत मनुष्यक भीतर अछि

(B) सभ दोष बाहरी लोकक अछि

(C) मनुष्य निर्दोष अछि

(D) कविता धार्मिक उपदेश मात्र अछि

१००४. “सभा भवन भरल बुझू बानरक खौँ-खौँ सँ” कोन सामाजिक व्यंग्य अछि?

(A) सार्वजनिक मंचक शोर, अनुकरण आ अर्थहीनता पर कटाक्ष

(B) सभा पूर्ण मौन अछि

(C) बानर वैज्ञानिक प्रयोग अछि

(D) भवन जंगल नहि बनि सकैत

१००५. “सन्तक पहिरनक लेल ताकू बोने-बोन” पंक्ति कोन विडम्बना देखबैत अछि?

(A) सच्चा संत समाजक केन्द्रमे नहि, जंगलमे खोजय पड़ैत अछि

(B) सभ सन्त मंचपर उपलब्ध छथि

(C) सन्तक जरूरत नहि

(D) कविता कपड़ा-बाजार अछि

१००६. देवता-दानव-सभा-संत क्रम कवितामे कोन आलोचना बनबैत अछि?

(A) धर्म, अहंकार, सार्वजनिक जीवन आ नैतिकता सभक विघटनक आलोचना

(B) केवल पूजा-विधि

(C) केवल जीव-जंतु सूची

(D) केवल नाटकक वेशभूषा

१००७. “छाह” शब्द देवताक संग जुड़ि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) आस्था केँ ठोस सत्य नहि, मनुष्यक छाया-जगत बना दैत अछि

(B) देवता अधिक भौतिक बनैत छथि

(C) छाह सूर्यक विज्ञान मात्र अछि

(D) कविता शीर्षकसँ अलग भऽ जाइत अछि

१००८. अहं केर “कनिया-पुतड़ा” उपमा दानवकेँ कोना छोट करैत अछि?

(A) भयानक दानवकेँ अहंकारक खिलौना बना दैत अछि

(B) दानव विराट देवता बनैत अछि

(C) अहंकार समाप्त होइत अछि

(D) उपमा असंबद्ध अछि

१००९. बानरक खौँ-खौँ सभ्यता पर कोन आरोप लगबैत अछि?

(A) मानवीय संस्था पशु-शोरमे बदलि गेल अछि

(B) सभ्यता पूर्ण सन्तुलित अछि

(C) सभा मे संगीत मात्र अछि

(D) कोनो व्यंग्य नहि

१०१०. एहि खण्डक समेकित अर्थ की अछि?

(A) राही आत्म, समाज, धर्म आ नैतिक मंच सभक छाया-पक्ष खोलैत छथि

(B) कवि केवल सम्मान-वर्णन करैत छथि

(C) कवि पृष्ठ गिनैत छथि

(D) कवि भाषा-शब्दकोश बनबैत छथि

खण्ड २४४ : विदेह-सदेह ३७ — "छाह सभ": नाओ, अन्हार, नटुआ आ आगि

१०११. "केहन अछि नाओक खेबनाइ, कतय तँ अछि किनार!" पंक्ति कोन अस्तित्वगत प्रश्न अछि?

(A) जीवन-यात्राक दिशा आ लक्ष्यक अनिश्चितता

(B) नदी-पर्यटनक विज्ञापन

(C) नाविकक मजदूरी

(D) मछलीपालनक नियम

१०१२. "देशांस भोथलेलक नाओकेँ अन्हारमे" कोन सामूहिक संकट देखबैत अछि?

(A) समाज/देशक नाओ अन्हारमे दिशाहीन आ कुंद भऽ गेल अछि

(B) नाओ उज्ज्वल किनार पर अछि

(C) देश पूर्ण सुरक्षित अछि

(D) अन्हार अनुपस्थित अछि

१०१३. "हे रौ नटुआ, नाच निर्वस्त्र चारू कात ओकर" कोन व्यंग्यात्मक आह्वान अछि?

(A) सत्यक नग्न प्रदर्शन वा पाखण्ड-उघारब

(B) शाब्दिक नृत्य-प्रतियोगिता मात्र

(C) विवाह-गीत

(D) बाल-नाटिका

१०१४. "राही तँ आगि-खायबला बताह अछि" कविक आत्म-छवि कोना बनबैत अछि?

(A) विनाशक ताप खा सकयवला पागल/अतिशय संवेदनशील कवि

(B) शांत प्रशासक

(C) व्यापारी

(D) निष्क्रिय दर्शक

१०१५. नाओ आ किनारक रूपक कविता मे किएक निर्णायक अछि?

(A) पूर्वक संशय आ उजाड़क बाद यात्रा-उद्धारक प्रश्न उठबैत अछि

(B) कविता नौका-निर्माण पुस्तिका अछि

(C) ई केवल जल-खेल अछि

(D) ई असंबद्ध सजावट अछि

१०१६. अन्हारमे नाओक छवि "छाह सभ" शीर्षकसँ कोना जुड़ैत अछि?

(A) छाया, अंधकार आ अस्पष्टता एके अस्तित्वगत वातावरण बनबैत अछि

(B) शीर्षकसँ सम्बन्ध नहि

(C) छाह केवल प्रकाश अछि

(D) नाओ केवल खिलौना अछि

१०१७. नटुआक संबोधन कविताक अन्तमे नाटकीयता किएक बढ़बैत अछि?

(A) कवि सीधे एक पात्र/प्रदर्शककेँ पुकारि दृश्यात्मक अन्त रचैत छथि

(B) कविता मौन भऽ जाइत अछि

(C) कोनो क्रिया नहि रहैत

(D) पाठ सपाट बनैत अछि

१०१८. निर्वस्त्र नाचक संकेत कोन नैतिक मांग रखैत अछि?

(A) आवरण, पाखण्ड आ झूठ हटय

(B) अधिक वस्त्र पहिरय

(C) सत्य छिपाय

(D) प्रश्न बंद करय

१०१९. आगि-खायबला राहीक छवि पाठकमे कोन प्रभाव छोड़ैत अछि?

(A) कवि पीड़ा, क्रोध आ सत्यकेँ भीतर ग्रहण करैत अछि

(B) कवि सुरक्षित दूरी पर अछि

(C) कवि असंवेदनशील अछि

(D) कवि केवल सूत्र पढ़ैत अछि

१०२०. “छाह सभ”क अन्तिम भागक सार की अछि?

(A) दिशाहीन सामूहिक यात्रा, नग्न सत्यक प्रदर्शन आ कविक अग्निमय पागलपन

(B) सरल समाधान

(C) पूर्ण शांति

(D) केवल पुरस्कार-वर्णन

खण्ड २४५ : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही ज्ञानपीठ समारोह: प्रसंग

१०२१. रहमान राहीक ४०म ज्ञानपीठ पुरस्कार समारोह कतय आयोजित भेल छल?

(A) संसदक लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियममे

(B) गामक पाठशालामे

(C) साहित्य अकादेमीक पुस्तकालयमे

(D) कोनो रंगमंचीय मेळामे

१०२२. समारोहमे प्रधानमंत्रीक समयपालनक उल्लेख किएक अर्थपूर्ण अछि?

(A) सम्मान समारोहक औपचारिक गरिमा आ अनुशासन देखबैत अछि

(B) समारोहक असफलता देखबैत अछि

(C) कविताक छन्द बुझबैत अछि

(D) भोजपुरी बिरहाक स्रोत बतबैत अछि

१०२३. स्टेजपर रहमान राहीक संग कोन उच्च राजनीतिक व्यक्तित्व उपस्थित छलाह?

(A) डॉ. मनमोहन सिंह

(B) भिखारी ठाकुर

(C) सचिन तेन्दुलकर

(D) भीमसेन जोशी

१०२४. समारोह-वर्णन कविता सँ पहिने ककर भूमिका बनबैत अछि?

(A) राहीक साहित्यिक प्रतिष्ठा आ सम्मानक सार्वजनिक पृष्ठभूमि

(B) एक खेल-समाचारक पूर्ण विवरण

(C) कोनो ग्रामीण लोककथा

(D) केवल प्रकाशन-सूचना

१०२५. ज्ञानपीठ समारोहक वर्णनमे दर्शक-वर्गक उल्लेख कोन बात देखबैत अछि?

(A) साहित्यिक-सांस्कृतिक समुदायक सहभागिता

(B) समारोहमे कोनो लोक नहि छल

(C) केवल छात्रक उपस्थिति

(D) केवल राजनीतिक सभा

१०२६. राहीक सम्मानकेँ सीताकान्त महापात्र कोना अर्थ देलनि?

(A) राहीकेँ सम्मानित कऽ ज्ञानपीठ अपने सम्मानित भेल

(B) राहीक कविता महत्वहीन अछि

(C) समारोह निरर्थक छल

(D) भाषा-सम्मानक कोनो सम्बन्ध नहि

१०२७. समारोहक आरम्भमे सरस्वती वन्दनाक प्रयोग कोन सांस्कृतिक संकेत दैत अछि?

(A) साहित्यिक अनुष्ठानक ज्ञान-परम्परा सँ जुड़ाव

(B) क्रीड़ा-प्रतियोगिताक संकेत

(C) व्यापारिक उद्घाटनक संकेत

(D) नाव-यात्राक संकेत

१०२८. स्व. साहू शान्ति प्रसाद जैन आ रमा जैनक फोटो पाछाँ लगल रहबाक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ज्ञानपीठ पुरस्कारक स्थापना-स्मृति उपस्थित करैत अछि

(B) मंच-सज्जाक रंग बतबैत अछि

(C) कविताक विकल्प-सूची बनबैत अछि

(D) बिरहाक ताल बतबैत अछि

१०२९. ४०म वर्षक महत्त्वपर टिप्पणी कोन मानवीय बोध जोड़ैत अछि?

(A) समय, आयु आ सांस्कृतिक स्मृतिक नश्वरता

(B) केवल भवनक आकार

(C) भोजन-सूचीक विवरण

(D) केवल यात्रा-भाड़ा

१०३०. समारोहक पूरा वृत्तान्त “छाह सभ” पढ़बाक पहिने पाठककेँ की दैत अछि?

(A) कवि, भाषा, पुरस्कार आ सार्वजनिक स्वीकृतिक संदर्भ

(B) प्रश्नक पृष्ठ-सूची

(C) व्याकरणक तालिका

(D) केवल हास्य-स्थित

खण्ड २४६ : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही: सम्मानक वस्तु आ प्रतीक

१०३१. प्रधानमंत्री द्वारा राहीकेँ की-की देल गेल?

(A) शॉल, सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति, प्रशस्ति पत्र आ पाँच लाख टाकाक ड्राफ्ट

(B) केवल माला

(C) केवल किताब

(D) केवल टिकट

१०३२. राजा भोजक सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति कोन अर्थ राखैत अछि?

(A) ज्ञान, परम्परा आ भारतीय साहित्यिक स्मृतिक प्रतीक

(B) सैनिक विजयक प्रतीक

(C) बाजारू विज्ञापन

(D) नाटकक मुखौटा

१०३३. मूल सरस्वती प्रतिमा लंदनक ब्रिटिश म्यूजियममे रहबाक उल्लेख कोन ऐतिहासिक संवेदना जगबैत अछि?

(A) भारतीय सांस्कृतिक धरोहरक वैश्विक/उपनिवेशीय प्रसंग

(B) केवल पर्यटन सूचना

(C) कविताक छन्द गणना

(D) क्रीड़ा इतिहास

१०३४. ज्ञानपीठ द्वारा प्रभामण्डल जोड़बाक संकेत कोन भाव बढ़बैत अछि?

(A) प्रतिमाक पूज्य आ आलोकमय साहित्यिक रूप

(B) प्रतिमाक हास्यात्मक रूप

(C) प्रतिमाक असंबद्धता

(D) भाषाक नकार

१०३५. राहीक उद्गारमे नेहरू आ मनमोहन सिंहक उल्लेख कोन बात खोलैत अछि?

(A) राष्ट्रीय नेतृत्वक परम्परा संग पुरस्कार ग्रहणक भावनात्मक सम्बन्ध

(B) कविताक असफलता

(C) समारोहक निजी विवाद

(D) लोकगीतक ताल

१०३६. राही द्वारा कश्मीरक राज्य सरकार आ केन्द्र सरकारक भाषा-मान्यताक तुलना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) कश्मीरी भाषाक संस्थागत मान्यता-संघर्ष देखबैत अछि

(B) भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि

(C) केवल यात्रा-वर्णन अछि

(D) पुरस्कारक राशि घटबैत अछि

१०३७. राहीक प्रतिनिधि कविताक अनुवाद प्रधानमंत्रीकेँ देल जेनाइ कोन संकेत अछि?

(A) कविताक सार्वजनिक-राष्ट्रीय प्रस्तुति

(B) कविता छिपाओल गेल

(C) अनुवाद निषिद्ध भेल

(D) समारोह बिना पाठक रहल

१०३८. सम्मानक वस्तुसभमे शॉलक भूमिका की अछि?

(A) आदर आ सांस्कृतिक सत्कारक चिह्न

(B) युद्धक चिह्न

(C) व्यापारिक बिल

(D) शिक्षण-सूची

१०३९. प्रशस्ति पत्रक भूमिका की अछि?

(A) रचनात्मक योगदानक औपचारिक मान्यता

(B) केवल सजावट

(C) कविताक शीर्षक बदलनाइ

(D) कोनो मौखिक अफवाह

१०४०. पाँच लाख टाकाक ड्राफ्टक उल्लेख समारोहक कोन पक्ष देखबैत अछि?

(A) सम्मानक सांकेतिक आ आर्थिक दुनू रूप

(B) कविता-विरोध

(C) भाषा-निरस्तीकरण

(D) ग्राम्य खेल

खण्ड २४७ : विदेह-सदेह ३७ — रहमान राही: जीवन, कृति आ भाषा

१०४१. अब्दुल रहमान राहीक जन्मक तिथि कोन देल गेल अछि?

(A) ६ मई १९२५

(B) १ जनवरी १९००

(C) १५ अगस्त १९४७

(D) २ अक्टूबर १८६९

१०४२. राहीक पहिल कविता संग्रहकेँ कोन सम्मान भेटल छल?

(A) साहित्य अकादमी पुरस्कार

(B) नोबेल पुरस्कार

(C) ऑस्कर

(D) दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

१०४३. भारत सरकारसँ राहीकेँ कोन नागरिक सम्मान भेटल?

(A) पद्म श्री

(B) भारत रत्न

(C) पद्म विभूषण

(D) कीर्ति चक्र

१०४४. मानव संसाधन विकास मंत्रालयसँ राहीकेँ कोन फेलोशिप भेटल?

(A) एमिरेट्स फेलोशिप

(B) खेल फेलोशिप

(C) कृषि फेलोशिप

(D) युवा उद्यम फेलोशिप

१०४५. राहीक प्रमुख कविता-संग्रहमे कोन नाम आवैत अछि?

(A) सनवुन्य साज, सुबहुक सोदा, कलाम-ए-राही

(B) कन्यादान मात्र

(C) वृद्धाश्रमक पक्षमे मात्र

(D) अवाक् मात्र

१०४६. राहीक आलोचना आ निबन्धक कृति-सूची कोन बात सूचित करैत अछि?

(A) ओ केवल कवि नहि, आलोचक-निबन्धकार सेहो छथि

(B) ओ केवल गायक छथि

(C) ओ केवल नाटककार छथि

(D) ओ साहित्यसँ असंबद्ध छथि

१०४७. राहीक भाषा-संघर्षक मूल बिन्दु की छल?

(A) कश्मीरीक मान्यता आ प्रतिष्ठा

(B) केवल हिन्दी व्याकरण

(C) भोजपुरी नाच

(D) मैथिली पञ्जी

१०४८. “छाह सभ”क अनुवाद-मार्ग कोन अछि?

(A) कश्मीरीसँ अंग्रेजी, अंग्रेजीसँ मैथिली

(B) तेलुगुसँ तमिल

(C) भोजपुरीसँ उड़िया

(D) फारसीसँ संस्कृत

१०४९. एस.एल. सन्धुक भूमिका कोन रूपमे देखायल अछि?

(A) कश्मीरीसँ अंग्रेजी अनुवादक

(B) मंच-संचालक

(C) प्रधानमंत्री

(D) भोजपुरी कवि

१०५०. राहीक जीवन-परिचय कविता सँ पहिने देबाक लाभ की अछि?

(A) पाठक कविताकेँ कविक रचनात्मक संघर्ष आ प्रतिष्ठासँ जोड़ि पढ़ैत अछि

(B) पाठक पृष्ठ गिनैत अछि

(C) कविता हटि जाइत अछि

(D) केवल विकल्प बढ़ैत अछि

खण्ड २४८ : विदेह-सदेह ३७ — “छाह सभ” प्रस्तावना आ अनुवाद-संवाद

१०५१. “छाह सभ” कश्मीरीसँ मैथिली धरि पहुँचबाक प्रक्रियामे की केंद्रीय अछि?

(A) भाषा-पार अनुवाद आ साहित्यिक सेतु

(B) पृष्ठ-संख्या गणना

(C) केवल मंच-सज्जा

(D) कोनो बाजार विज्ञापन

१०५२. भारतीय ज्ञानपीठक साभार उल्लेख कोन नैतिकता देखबैत अछि?

(A) स्रोत-स्वीकार आ साहित्यिक श्रेय

(B) स्रोत-गोपन

(C) कविताक नकार

(D) पुरस्कार-विरोध

१०५३. कश्मीरी कविताकेँ मैथिलीमे राखब विदेह-सदेहक कोन व्यापक परियोजनासँ मेल खाइत अछि?

(A) भारतीय भाषासभक परस्पर संवाद

(B) केवल स्थानीय समाचार

(C) केवल विज्ञापन

(D) संगीत-सूची

१०५४. “उपस्थित लोककेँ देल गेल कविता” वाक्यांश की बतबैत अछि?

(A) कविता समारोहक सहभागीक पाठ-अनुभव बनल

(B) कविता अप्रकाशित राखल गेल

(C) कविता निषिद्ध छल

(D) कविता केवल मौखिक अफवाह

१०५५. कविताक अनुवाद प्रधानमंत्रीकेँ देबाक प्रसंग कोन मूल्य खोलैत अछि?

(A) भारतीय भाषायी साहित्यक राष्ट्रीय स्तरपर मान्यता

(B) कविता निजी डायरी मात्र

(C) अनुवादक अस्वीकृति

(D) भाषाक मौनता

१०५६. राहीक कश्मीरी पहचान आ मैथिली अनुवाद संग-संग आओनाइ कोन संदेश दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय भाषा सभ आपसमे संवाद कऽ राष्ट्रीय साहित्य बनबैत अछि

(B) भाषा सभ अलग-अलग बंद रहय

(C) अनुवाद असंभव अछि

(D) केवल एक भाषा मान्य अछि

१०५७. “छाह सभ” शीर्षकक मैथिली रूप पाठककेँ कोन संकेत दैत अछि?

(A) छाया, आत्म-संशय आ अस्तित्वगत अन्हारक संसार

(B) केवल मौसम समाचार

(C) कृषि-विज्ञान

(D) व्यापारिक नाम

१०५८. अनुवादक माध्यम अंग्रेजी रहबाक बावजूद मैथिली पाठमे की प्रमुख अछि?

(A) भाव-संरचना आ प्रतीकक पुनर्सृजन

(B) शब्दशः यांत्रिक नकल

(C) मंच-व्यवस्था

(D) पुरस्कार-सूची

१०५९. विदेह-सदेहमे एहि अनुवादक उपस्थिति कोन पाठकीय लाभ दैत अछि?

(A) मैथिली पाठक कश्मीरी आधुनिक काव्य-संवेदना सँ परिचित होइत छथि

(B) पाठक केवल तिथि याद करैत छथि

(C) पाठकक भाषा सीमित होइत अछि

(D) कविता गायब भऽ जाइत अछि

१०६०. प्रस्तावना आ कविता एक संग पढ़बासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) सम्मान, भाषा-संघर्ष आ कविताक आत्म-छाया एके प्रसंगमे जुड़ैत अछि

(B) दुनू पूर्ण असंबद्ध अछि

(C) केवल पुरस्कार-राशि शेष रहैत अछि

(D) कविता केवल हास्य बनैत अछि

खण्ड २४९ : विदेह-सदेह ३७ — समारोहक अन्तिम समाचार आ समय-बोध

१०६१. समारोहसँ घुरैत समय एफ.एम. समाचारमे ककर ४०म टेस्ट शतकक सूचना भेटल?

(A) सचिन तेन्दुलकर

(B) रहमान राही

(C) भिखारी ठाकुर

(D) सीताकान्त महापात्र

१०६२. भीमसेन जोशीक समाचार की छल?

(A) हिनका भारत रत्न पुरस्कार देल गेल

(B) हिनका ज्ञानपीठ देल गेल

(C) हिनका पद्म श्री नहि भेटल

(D) हिनका समारोहमे मंचसँ हटाओल गेल

१०६३. चन्द्रयान-१ सम्बन्धी समाचार की छल?

(A) ओ चन्द्रमाक १०० किलोमीटरक वृत्ताकार कक्षामे स्थापित भेल

(B) ओ समुद्रमे उतरल

(C) ओ सूर्यपर गेल

(D) ओ रद्द भऽ गेल

१०६४. समारोहक बाद तीन अलग-अलग समाचारक उल्लेख कोन प्रभाव बनबैत अछि?

(A) साहित्य, खेल, संगीत आ विज्ञानक एके दिनक सांस्कृतिक समय-बोध

(B) केवल कविता समाप्ति

(C) भोजन-सूची

(D) नदी-यात्रा

१०६५. ज्ञानपीठ समारोह आ सचिनक शतकक संग-साथ उल्लेख किएक रोचक अछि?

(A) एके समयमे साहित्य आ खेल दुनू राष्ट्रीय स्मृतिमे प्रवेश करैत अछि

(B) साहित्यक अपमान होइत अछि

(C) खेलक कोनो महत्त्व नहि

(D) दुनू असंभव घटना अछि

१०६६. भीमसेन जोशीक भारत रत्न समाचार साहित्यिक समारोहक अन्तमे की जोड़ैत अछि?

(A) भारतीय कलासंस्कृतिक व्यापक सम्मान-बोध

(B) कविताक विरोध

(C) भाषा-भेदक अंत

(D) केवल राजनीति

१०६७. चन्द्रयान-१ समाचारक प्रयोग पाठमे कोन आधुनिक आयाम जोड़ैत अछि?

(A) वैज्ञानिक उपलब्धि आ राष्ट्रीय उत्साह

(B) केवल पौराणिक कथा

(C) गामक मेलाक विवरण

(D) कोनो असंबद्ध डर

१०६८. “दू वर्ष धरि रहत” सूचना चन्द्रयानक बारेमे कोन प्रत्याशा बनबैत अछि?

(A) दीर्घ वैज्ञानिक अवलोकनक आशा

(B) तुरन्त नष्ट होयबाक भय

(C) कविताक बन्द

(D) समारोहक पुनरारम्भ

१०६९. एफ.एम. पर समाचार सुनबाक प्रसंग वृत्तान्तक शैलीमे की जोड़ैत अछि?

(A) व्यक्तिगत यात्रा आ राष्ट्रीय समाचारक तात्कालिकता

(B) प्राचीन आख्यान

(C) केवल कल्पना

(D) मौन निष्कर्ष

१०७०. समारोहक अन्तिम समाचार-संयोजनक सार की अछि?

(A) एके समयमे कविता, खेल, संगीत आ विज्ञानक भारत उपस्थित अछि

(B) केवल एकाकी कविता

(C) केवल बाजार

(D) केवल मंच-विवाद

खण्ड २५० : विदेह-सदेह ३७ — भिखारी ठाकुर: परिचय आ लोकधारा

१०७१. भिखारी ठाकुरक जन्म-वर्ष आ मृत्यु-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) १८८७-१९७१

(B) १९२५-२००८

(C) १९७१-२०२०

(D) १८००-१८८७

१०७२. भिखारी ठाकुरक जन्मस्थान कोन जिलासँ जुड़ल बताओल अछि?

(A) छपरा जिला

(B) कश्मीर

(C) दरभंगा

(D) तेलंगाना

१०७३. भिखारी ठाकुरक प्रारम्भिक रचना सभक प्रकृति की छल?

(A) मौखिक परम्परामे प्रचलित

(B) केवल मुद्रित अंग्रेजी ग्रन्थ

(C) केवल शिलालेख

(D) केवल राजकीय आदेश

१०७४. बादमे भिखारी ठाकुरक हस्तलिखित भोजपुरी रचना कोन लिपिमे भेटल?

(A) कैथी लिपिमे

(B) रोमन लिपिमे मात्र

(C) तिरहुता मात्र

(D) उर्दू मात्र

१०७५. विदेह-सदेह ३७ मे भिखारी ठाकुरक रचना कोन भाषासँ मैथिलीमे अनूदित अछि?

(A) भोजपुरीसँ

(B) कश्मीरीसँ

(C) तेलुगुसँ

(D) कन्नड़सँ

१०७६. भिखारी ठाकुरक रचना-खण्डक शीर्षक कोन सामाजिक विषयक पक्षमे अछि?

(A) वृद्धाश्रमक पक्षमे

(B) युद्धक पक्षमे

(C) मेला-बाजारक पक्षमे

(D) नदी-नौकाक पक्षमे

१०७७. “लोकलाकार” शब्द भिखारी ठाकुरक कोन पहचान बनबैत अछि?

(A) लोकजीवन, रंगमंच, गीत आ जनभाषाक कलाकार

(B) केवल दरबारी कवि

(C) केवल वैज्ञानिक

(D) केवल प्रशासक

१०७८. भोजपुरीसँ मैथिली अनुवादक परियोजना कोन भाषायी सम्बन्ध देखबैत अछि?

(A) निकटवर्ती जनभाषासभक सांस्कृतिक संवाद

(B) भाषासभक शत्रुता

(C) अनुवादक अस्वीकृति

(D) मौनता

१०७९. भिखारी ठाकुरक मौखिक रचना आ कैथी हस्तलिखित रूपक संग-साथ उल्लेख कोन इतिहास खोलैत अछि?

(A) लोकवाचनसँ लिखित संरक्षण धरि यात्रा

(B) केवल छपाई-दोष

(C) कविताक अभाव

(D) अनुवादक निषेध

१०८०. भिखारी ठाकुरक खण्ड विदेह-सदेह ३७क बहुभाषिक स्वरूपमे की जोड़ैत अछि?

(A) भोजपुरी लोक-कविताक सामाजिक चेतना

(B) केवल कश्मीरी आधुनिकता

(C) केवल तेलुगु कथा

(D) कोनो साहित्यिक मूल्य नहि

खण्ड २५१ : विदेह-सदेह ३७ — बिरहा १: वृद्धाश्रमक सामाजिक आग्रह

१०८१. बिरहा १ मे वक्ता अपन परिचय कोना दैत अछि?

(A) कुतुबपुर गाम आ भिखारी ठाकुर नामसँ

(B) कश्मीरक कवि रूपमे

(C) प्रधानमंत्री रूपमे

(D) चन्द्रयान वैज्ञानिक रूपमे

१०८२. “सभ गोटेकेँ करै छी प्रणाम” पंक्ति कोन लोक-शैली देखबैत अछि?

(A) विनम्र संबोधन आ जनसम्बोधन

(B) आक्रामक आदेश

(C) मौनता

(D) दरबारी दूरी

१०८३. “उपरेसँ चिक्कन अछि चामक ओहरन” मे कोन आलोचना अछि?

(A) बाहरी चमक भीतरक असंवेदनशीलता छिपबैत अछि

(B) चामक ओहरन ही नैतिकता अछि

(C) बूढ़ सभ खुश छथि

(D) समाजमे कोनो विरोध नहि

१०८४. “तीन दिनक सेखी” कोन मानवीय कमजोरी पर प्रहार करैत अछि?

(A) क्षणिक अहंकार आ दिखावा

(B) दीर्घ साधना

(C) करुणा

(D) सन्तोष

१०८५. बिरहा १ मे बूढ़ा-बूढ़ीक दुखक प्रति समाजक कोन दोष देखाओल अछि?

(A) लाजक अभाव आ उपेक्षा

(B) अधिक सेवा

(C) पूर्ण न्याय

(D) अत्यधिक सम्मान

१०८६. “बाबू-भइया एकमत” पंक्ति कोन सामूहिक अपील करैत अछि?

(A) समाज मिलि वृद्धाश्रम बनाबय

(B) सभ अलग-अलग लड़य

(C) कोनो कार्य नहि हो

(D) केवल गीत गाओल जाय

१०८७. महाबीरक नाम स्मरणक प्रयोग की करैत अछि?

(A) धार्मिक-सांस्कृतिक आस्था सँ सामाजिक काजकेँ बल दैत अछि

(B) काज रोकैत अछि

(C) कविता हटबैत अछि

(D) भाषा बदलैत अछि

१०८८. “वृद्धाश्रम बनबाउ नै तँ हएत अकाज” पंक्ति कोन चेतावनी अछि?

(A) बुजुर्ग-संरक्षण बिना समाजक अनर्थ

(B) वृद्धाश्रम अनावश्यक अछि

(C) बूढ़ सभक अपमान ठीक अछि

(D) काज पूरा अछि

१०८९. बिरहा १ मे वक्ताक पएर पड़बाक मुद्रा कोन भाव रखैत अछि?

(A) विनती, करुणा आ सामाजिक दबाव

(B) घमण्ड

(C) व्यंग्य-मुक्त खेल

(D) केवल नृत्य

१०९०. बिरहा १ क सार की अछि?

(A) बुजुर्गक दुखक विरुद्ध लोक-अपील आ वृद्धाश्रम निर्माणक मांग

(B) केवल प्रेमगीत

(C) केवल युद्धगीत

(D) केवल पुरस्कार-स्तुति

खण्ड २५२ : विदेह-सदेह ३७ — बिरहा २: बूढ़क अपमान आ नैतिक हिसाब

१०९१. बिरहा २ क आरम्भमे किनका संबोधित कएल गेल अछि?

(A) हिन्दू-मुसलमान सभकेँ

(B) केवल कवि-मित्रकेँ

(C) केवल प्रधानमंत्रीकेँ

(D) केवल नाविककेँ

१०९२. बिरहा २ मे मुख्य चेतावनी की अछि?

(A) बूढ़क अपमान नहि हो

(B) कविता नहि पढ़ू

(C) भाषा छोड़ू

(D) समारोह तोड़ू

१०९३. “नेनपनेसँ जकरा तूँ कहैत एलेँहेँ माय” पंक्ति कोन स्मृति जगबैत अछि?

(A) बाल्यकालक मातृ-ऋण आ पालन-पोषण

(B) केवल बाजारक खरीद

(C) युद्ध-स्मृति

(D) कक्षीय विज्ञान

१०९४. “तकराले किए भऽ गेल छेँ तूँ कसाइ” मे कोन तीख आरोप अछि?

(A) पालनहारप्रति क्रूरता कसाइपन बनि गेल

(B) संतान दयालु अछि

(C) माय-बाप अप्रासंगिक छथि

(D) समाज पूर्ण न्यायी अछि

१०९५. “बड़का हाकिम लग” हिसाब-किताबक प्रसंग कोन नैतिक अदालत बनबैत अछि?

(A) जीवनक कर्मक उत्तरदायित्व

(B) केवल सरकारी फार्म

(C) कविताक पंजीकरण

(D) रेल टिकट

१०९६. “की केलेँ तूँ कमाइ” प्रश्नक अर्थ की अछि?

(A) जीवनमे करुणा आ कर्तव्यक असली कमाइ पूछल जा रहल अछि

(B) केवल धनराशि पूछल अछि

(C) केवल व्यापार

(D) केवल परीक्षा अंक

१०९७. “आँखिसँ नोर खसतौ” पंक्ति कोन भविष्य-दुखक संकेत अछि?

(A) उपेक्षा केलाक बाद पछतावा आ असहायता

(B) पूर्ण उत्सव

(C) हँसी-मजाक

(D) गीतक ताल मात्र

१०९८. बिरहा २ मे वृद्धाश्रमक मांग कोना दोहराओल अछि?

(A) तुरन्त वृद्धाश्रम बनबाबय आग्रह रूपमे

(B) वृद्धाश्रम तोड़बाक आग्रह रूपमे

(C) घर छोड़बाक आदेश रूपमे

(D) कोनो मांग नहि

१०९९. बिरहा २ मे धर्म-समुदाय पार अपीलक महत्त्व की अछि?

(A) बुजुर्गक सम्मान सर्वमानवीय कर्तव्य अछि

(B) ई केवल एक जातिक प्रश्न अछि

(C) ई केवल भाषा-विवाद अछि

(D) ई केवल पुरस्कारक विषय अछि

११००. बिरहा २ क सार की अछि?

(A) मातृ-पितृ ऋण, बूढ़क सम्मान आ नैतिक उत्तरदायित्वक लोक-चेतावनी

(B) केवल नाचक निमंत्रण

(C) केवल नदी-वर्णन

(D) केवल ज्ञानपीठ समाचार

खण्ड २५३ : विदेह-सदेह ३७ — भोजपुरीसँ मैथिली अनुवाद: स्वर, समाज आ सेतु

११०१. भोजपुरी बिरहा मैथिलीमे आनबासँ कोन साहित्यिक लाभ होइत अछि?

(A) लोकभाषिक सामाजिक चेतना मैथिली पाठक धरि पहुँचैत अछि

(B) रचना नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) भाषा-सम्बन्ध टूटैत अछि

(D) सामाजिक प्रश्न हटि जाइत अछि

११०२. बिरहाक शैली सामाजिक संदेशक लेल किएक उपयुक्त अछि?

(A) गीतात्मक पुनरावृत्ति सँ अपील जनमानस धरि पहुँचैत अछि

(B) ओ केवल मौन गद्य अछि

(C) ओ अर्थहीन तालिका अछि

(D) ओ पृष्ठ-सूची अछि

११०३. वृद्धाश्रम विषय लोककाव्यमे आओनाइ कोन परिवर्तन देखबैत अछि?

(A) परम्परागत गीत आधुनिक सामाजिक संस्थाक मांग उठा रहल अछि

(B) लोकगीत केवल ऋतु-वर्णन करैत अछि

(C) समाजमे बुजुर्ग नहि छथि

(D) वृद्धाश्रमक प्रश्न असाहित्यिक अछि

११०४. भिखारी ठाकुरक लोकस्वरमे “बाबू-भइया” संबोधन की करैत अछि?

(A) सामाजिक निकटता आ सीधा संवाद बनबैत अछि

(B) श्रोता सँ दूरी बनबैत अछि

(C) कवितासँ राजकीय आदेश बनबैत अछि

(D) कविता मौन करैत अछि

११०५. बिरहा मे विनती आ चेतावनी दुनू किएक अछि?

(A) करुणा जगाबय आ उत्तरदायित्वक डर दूनू चाही

(B) केवल हास्य चाही

(C) केवल सजावट चाही

(D) कोनो भाव नहि

११०६. मौखिक परम्परासँ लिखित मैथिली अनुवाद धरि यात्रा कोन संरक्षण करैत अछि?

(A) लोकस्मृति कैँ नव पाठक-वर्ग लेल बचबैत अछि

(B) लोकस्मृति मिटबैत अछि

(C) भाषा बदलब रोकैत अछि

(D) कविता गुप्त करैत अछि

११०७. बिरहामे बूढ़-बूढ़ीक प्रश्न पारिवारिक सीमासँ बाहर किएक जाइत अछि?

(A) कवि समाजक सामूहिक संस्थागत समाधान मांगैत छथि

(B) ई केवल घरक निजी बात अछि

(C) ई केवल खेल अछि

(D) ई केवल समारोह अछि

११०८. भोजपुरी-मूल आ मैथिली-अनुवादक साथ-साथ उल्लेख कोन पारदर्शिता दैत अछि?

(A) मूलभाषा आ अनुवादक श्रेय स्पष्ट रहैत अछि

(B) स्रोत छिपैत अछि

(C) कविता अनाम बनैत अछि

(D) समाजक प्रश्न हटैत अछि

११०९. विदेह-सदेह ३७ मे भोजपुरी, कश्मीरी, उड़िया आदि संग मैथिली अनुवादक श्रृंखला कोन रूप बनबैत अछि?

(A) भारतीय भाषासभक बहुध्वनिक मंच

(B) एकभाषी बंद संग्रह

(C) केवल स्थानीय विज्ञापन

(D) केवल परीक्षा सूची

१११०. एहि खण्डक सार की अछि?

(A) अनुवाद लोकस्वर, सामाजिक न्याय आ भाषायी सेतु तीनूकैँ जोड़ैत अछि

(B) अनुवाद केवल शब्द-खेल अछि

(C) लोककाव्य निरर्थक अछि

(D) भाषा-संवाद असंभव अछि

खण्ड २५४ : विदेह-सदेह ३७ — अन्तिम बहुभाषिक संयोजन: करुणा, छाया आ राष्ट्रीय क्षितिज

१११११. भिखारी ठाकुरक बिरहा आ रहमान राहीक “छाह सभ” एके संकलनमे आओनाइ कोन व्यापकता देखबैत अछि?

(A) लोककरुणा सँ आधुनिक अस्तित्व-संकट धरि भारतीय भाषिक विस्तार

(B) केवल एक विधाक दोहराव

(C) साहित्यक अभाव

(D) पृष्ठ-सूची मात्र

१११२. वृद्धाश्रमक लोक-आग्रह आ “छाह सभ”क आत्म-संशय मे कोन साझा तत्त्व अछि?

(A) मनुष्यक असुरक्षा आ नैतिक संकट

(B) पूर्ण उत्सव

(C) केवल हास्य

(D) केवल भाषा-व्याकरण

१११३. समारोहक राष्ट्रीय गरिमा आ कविताक अन्हारक तनाव कोन पाठकीय अनुभव बनबैत अछि?

(A) बाहरी सम्मानक रोशनी भीतरक छाया सँ टकराइत अछि

(B) दुनू एकदम समान सपाट अछि

(C) कविता समाप्त होइत अछि

(D) सम्मान निरर्थक सिद्ध होइत अछि

१११४. भोजपुरी लोककवि आ कश्मीरी आधुनिक कवि संग पढ़बासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) भाषा भिन्न हो मुदा सामाजिक-मानवीय प्रश्न साझा रहैत अछि

(B) भाषा भिन्न तें संवाद असंभव

(C) कविता केवल एक क्षेत्रक अछि

(D) लोककाव्य आधुनिकतासँ असंबद्ध अछि

१११५. विदेह-सदेह ३७क अन्तिम अंशमे अनुवादक भूमिका की बनैत अछि?

(A) भारतीय भाषासभक अनुभव मैथिली पाठकक साझा धरोहर बनबैत अछि

(B) मूल रचनाकेँ मिटा दैत अछि

(C) पाठककेँ दूर करैत अछि

(D) कोनो साहित्यिक काज नहि

१११६. बुजुर्गक उपेक्षा, अहंकारक दानव, आ अन्हारमे नाओ — ई तीन प्रतीक मिलि कोन संसार रचैत अछि?

(A) नैतिक रूपेँ संकटग्रस्त समाज

(B) पूर्ण सुखी समाज

(C) केवल बालकथा

(D) केवल क्रीड़ा-वर्णन

१११७. ज्ञानपीठ, भारत रत्न, चन्द्रयान आ टेस्ट शतकक उल्लेख एक संग किएक स्मरणीय अछि?

(A) साहित्य, संगीत, विज्ञान आ खेलक समकालीन राष्ट्रीय क्षण

(B) केवल कविता-विरोध

(C) समारोहक अवमूल्यन

(D) अनुवादक नाश

१११८. विदेह-सदेह ३७क बहुभाषिक समापन मैथिली पाठकसँ कोन मांग करैत अछि?

(A) दोसर भाषाक दुख, सौन्दर्य आ विचारकेँ अपन पाठ-क्षेत्रमे स्वीकार करू

(B) केवल अपन भाषा बंद राखू

(C) अनुवादसँ बचू

(D) लोककविता हटाउ

१११९. “करुणा” आ “छाया” एहि अन्तिम खण्डक दू धुरी कोना बनैत अछि?

(A) बिरहामे करुणा, राहीक कवितामे छाया; दुनू मनुष्यक भीतरी हाल बतबैत अछि

(B) दूनू अनुपस्थित अछि

(C) केवल हास्य अछि

(D) केवल तथ्य-सूची अछि

११२०. एहि नयाँ १० खण्डक समेकित अध्ययनक निष्कर्ष की अछि?

(A) विदेह-सदेह ३७क अन्तिम भाग भाषा-पार साहित्य, लोकनैतिकता, आधुनिक संकट आ राष्ट्रीय स्मृति जोड़ैत अछि

(B) एहि भागमे कोनो साहित्यिक सामग्री नहि

(C) केवल पृष्ठ-क्रम अछि

(D) केवल विज्ञापन अछि

खण्ड 4978 : विदेह-सदेह 37 — पेहिंति अशोक कुमार — सदा लेल मित्र (जिगरी)

११२१. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११२२. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११२३. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११२४. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११२५. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११२६. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११२७. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११२८. 'सदा लेल मित्र (जिगरी)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११२९. ‘सदा लेल मित्र (जिगरी)’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११३०. ‘सदा लेल मित्र (जिगरी)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4979 : विदेह-सदेह 37 — कोलकलुरी इनोच — कौआ (काकी)

११३१. ‘कौआ (काकी)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११३२. ‘कौआ (काकी)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११३३. ‘कौआ (काकी)’कैँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११३४. ‘कौआ (काकी)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११३५. ‘कौआ (काकी)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११३६. ‘कौआ (काकी)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११३७. ‘कौआ (काकी)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११३८. ‘कौआ (काकी)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११३९. ‘कौआ (काकी)’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११४०. ‘कौआ (काकी)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4980 : विदेह-सदेह 37 — विनोदिनी — कारी मसि (ब्लैक इंक)

११४१. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११४२. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११४३. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’कैँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११४४. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११४५. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११४६. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११४७. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११४८. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११४९. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११५०. ‘कारी मसि (ब्लैक इंक)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4981 : विदेह-सदेह 37 — आदिव बापिराजू — ध्वस्त मन्दिर

११५१. ‘ध्वस्त मन्दिर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११५२. ‘ध्वस्त मन्दिर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११५३. ‘ध्वस्त मन्दिर’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११५४. ‘ध्वस्त मन्दिर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११५५. ‘ध्वस्त मन्दिर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११५६. ‘ध्वस्त मन्दिर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११५७. ‘ध्वस्त मन्दिर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११५८. ‘ध्वस्त मन्दिर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११५९. ‘ध्वस्त मन्दिर’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११६०. ‘ध्वस्त मन्दिर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4982 : विदेह-सदेह 37 — वेकट सुब्बेया वी — अनुवादक कला (अंश)

११६१. ‘अनुवादक कला (अंश)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११६२. ‘अनुवादक कला (अंश)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११६३. ‘अनुवादक कला (अंश)’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११६४. ‘अनुवादक कला (अंश)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११६५. ‘अनुवादक कला (अंश)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११६६. ‘अनुवादक कला (अंश)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११६७. ‘अनुवादक कला (अंश)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११६८. ‘अनुवादक कला (अंश)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११६९. ‘अनुवादक कला (अंश)’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११७०. ‘अनुवादक कला (अंश)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4983 : विदेह-सदेह 37 — करुणा टी. — क्रूरता

११७१. ‘क्रूरता’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११७२. ‘क्रूरता’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११७३. ‘क्रूरता’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११७४. ‘क्रूरता’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११७५. ‘क्रूरता’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११७६. ‘क्रूरता’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११७७. ‘क्रूरता’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११७८. ‘क्रूरता’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११७९. ‘क्रूरता’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११८०. ‘क्रूरता’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4984 : विदेह-सदेह 37 — एन. गोपी — नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)

११८१. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११८२. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११८३. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११८४. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११८५. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११८६. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११८७. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११८८. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११८९. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११९०. ‘नानीलु: द लिटिल वन्स (सिद्धान्त)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4985 : विदेह-सदेह 37 — खदीर बाबू — हमर चित्रकला गुरु

११९१. ‘हमर चित्रकला गुरु’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

११९२. ‘हमर चित्रकला गुरु’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

११९३. ‘हमर चित्रकला गुरु’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

११९४. ‘हमर चित्रकला गुरु’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११९५. ‘हमर चित्रकला गुरु’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

११९६. ‘हमर चित्रकला गुरु’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

११९७. ‘हमर चित्रकला गुरु’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

११९८. ‘हमर चित्रकला गुरु’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११९९. ‘हमर चित्रकला गुरु’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२००. ‘हमर चित्रकला गुरु’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4986 : विदेह-सदेह 37 — वेम्पल्ले शरीफ — जुम्मा

१२०१. ‘जुम्मा’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२०२. ‘जुम्मा’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२०३. ‘जुम्मा’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२०४. ‘जुम्मा’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२०५. ‘जुम्मा’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२०६. ‘जुम्मा’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२०७. ‘जुम्मा’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२०८. ‘जुम्मा’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२०९. ‘जुम्मा’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२१०. ‘जुम्मा’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4987 : विदेह-सदेह 37 — रामा राव वी.वी.बी. — अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)

१२११. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२१२. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२१३. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’कैं पद्य/गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२१४. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२१५. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२१६. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२१७. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२१८. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२१९. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’मे पद्य/गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्य/गद्यक रूप 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२२०. ‘अभिशप्त (उपन्यास/पद्य)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4988 : विदेह-सदेह 37 — सरोजिनी साहू — दुःख अप्रमिता

१२२१. ‘दुःख अप्रमिता’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२२२. ‘दुःख अप्रमिता’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२२३. ‘दुःख अप्रमिता’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२२४. ‘दुःख अप्रमिता’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२२५. ‘दुःख अप्रमिता’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२२६. ‘दुःख अप्रमिता’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२२७. ‘दुःख अप्रमिता’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२२८. ‘दुःख अप्रमिता’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२२९. ‘दुःख अप्रमिता’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२३०. ‘दुःख अप्रमिता’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4989 : विदेह-सदेह 37 — सुन्दरम (टी.पी. लुहार) — माताक कोरामे

१२३१. ‘माताक कोरामे’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२३२. ‘माताक कोरामे’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२३३. ‘माताक कोरामे’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२३४. ‘माताक कोरामे’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२३५. ‘माताक कोरामे’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२३६. ‘माताक कोरामे’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२३७. ‘माताक कोरामे’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२३८. ‘माताक कोरामे’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२३९. ‘माताक कोरामे’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२४०. ‘माताक कोरामे’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4990 : विदेह-सदेह 37 — सुन्दरम — माजा वेलोक निधन

१२४१. ‘माजा वेलोक निधन’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२४२. ‘माजा वेलोक निधन’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२४३. ‘माजा वेलोक निधन’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२४४. ‘माजा वेलोक निधन’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२४५. ‘माजा वेलोक निधन’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२४६. ‘माजा वेलोक निधन’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२४७. ‘माजा वेलोक निधन’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२४८. ‘माजा वेलोक निधन’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२४९. ‘माजा वेलोक निधन’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२५०. ‘माजा वेलोक निधन’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4991 : विदेह-सदेह 37 — दलपत चौहान — डर

१२५१. ‘डर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२५२. ‘डर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२५३. ‘डर’कैँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२५४. ‘डर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२५५. ‘डर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२५६. ‘डर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२५७. ‘डर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२५८. ‘डर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२५९. ‘डर’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२६०. ‘डर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4992 : विदेह-सदेह 37 — नजीर मंसूरी — समुद्री बाज

१२६१. ‘समुद्री बाज’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२६२. ‘समुद्री बाज’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२६३. ‘समुद्री बाज’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२६४. ‘समुद्री बाज’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२६५. ‘समुद्री बाज’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२६६. ‘समुद्री बाज’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२६७. ‘समुद्री बाज’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२६८. ‘समुद्री बाज’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२६९. ‘समुद्री बाज’मे गद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२७०. ‘समुद्री बाज’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4993 : विदेह-सदेह 37 — अशोक हेगडे — अन्हार

१२७१. ‘अन्हार’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२७२. ‘अन्हार’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२७३. ‘अन्हार’कैं गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२७४. ‘अन्हार’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२७५. ‘अन्हार’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२७६. ‘अन्हार’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२७७. ‘अन्हार’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२७८. ‘अन्हार’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२७९. ‘अन्हार’मे गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) गद्यक रूप मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२८०. ‘अन्हार’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4994 : विदेह-सदेह 37 — बोयी भीमन्ना — जरैत खोपड़ी

१२८१. ‘जरैत खोपड़ी’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२८२. ‘जरैत खोपड़ी’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२८३. ‘जरैत खोपड़ी’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२८४. ‘जरैत खोपड़ी’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२८५. ‘जरैत खोपड़ी’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२८६. ‘जरैत खोपड़ी’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२८७. ‘जरैत खोपड़ी’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२८८. ‘जरैत खोपड़ी’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२८९. ‘जरैत खोपड़ी’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२९०. ‘जरैत खोपड़ी’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4995 : विदेह-सदेह 37 — बोयी भीमन्ना — हमर पैतृक अधिकार

१२९१. ‘हमर पैतृक अधिकार’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२९२. ‘हमर पैतृक अधिकार’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२९३. ‘हमर पैतृक अधिकार’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२९४. ‘हमर पैतृक अधिकार’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२९५. ‘हमर पैतृक अधिकार’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२९६. ‘हमर पैतृक अधिकार’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२९७. ‘हमर पैतृक अधिकार’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२९८. ‘हमर पैतृक अधिकार’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२९९. ‘हमर पैतृक अधिकार’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३००. ‘हमर पैतृक अधिकार’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4996 : विदेह-सदेह 37 — जे. सुभद्रा — लोढ़ब

१३०१. ‘लोढ़ब’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३०२. ‘लोढ़ब’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३०३. ‘लोढ़ब’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३०४. ‘लोढ़ब’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३०५. ‘लोढ़ब’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३०६. ‘लोढ़ब’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३०७. ‘लोढ़ब’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३०८. ‘लोढ़ब’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३०९. ‘लोढ़ब’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३१०. ‘लोढ़ब’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4997 : विदेह-सदेह 37 — जे. सुभद्रा — लाण्डा

१३११. ‘लाण्डा’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३१२. ‘लाण्डा’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३१३. ‘लाण्डा’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३१४. ‘लाण्डा’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३१५. ‘लाण्डा’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३१६. ‘लाण्डा’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३१७. ‘लाण्डा’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३१८. ‘लाण्डा’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३१९. ‘लाण्डा’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३२०. ‘लाण्डा’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4998 : विदेह-सदेह 37 — जे. सुभद्रा — साडीक कोर

१३२१. ‘साडीक कोर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३२२. ‘साडीक कोर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३२३. ‘साडीक कोर’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३२४. ‘साडीक कोर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३२५. ‘साडीक कोर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३२६. ‘साडीक कोर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३२७. ‘साडीक कोर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३२८. ‘साडीक कोर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३२९. ‘साडीक कोर’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३३०. ‘साडीक कोर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4999 : विदेह-सदेह 37 — जे. सुभद्रा — अव्वा

१३३१. ‘अव्वा’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३३२. ‘अव्वा’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३३३. ‘अव्वा’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३३४. ‘अव्वा’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३३५. ‘अव्वा’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३३६. ‘अव्वा’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३३७. ‘अव्वा’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३३८. ‘अव्वा’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३३९. ‘अव्वा’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३४०. ‘अव्वा’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5000 : विदेह-सदेह 37 — चल्लपल्लि स्वरूपरानी — मान्केनापुव्वु

१३४१. ‘मान्केनापुव्वु’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३४२. ‘मान्केनापुव्वु’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३४३. ‘मान्केनापुव्वु’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३४४. ‘मान्केनापुव्वु’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३४५. ‘मान्केनापुव्वु’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३४६. ‘मान्केनापुव्वु’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३४७. ‘मान्केनापुव्वु’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३४८. ‘मान्केनापुव्वु’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३४९. ‘मान्केनापुव्वु’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३५०. ‘मान्केनापुव्वु’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5001 : विदेह-सदेह 37 — चल्लपल्लि स्वरूपरानी — माटि-भेल हाथ

१३५१. ‘माटि-भेल हाथ’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३५२. ‘माटि-भेल हाथ’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३५३. ‘माटि-भेल हाथ’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३५४. ‘माटि-भेल हाथ’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३५५. ‘माटि-भेल हाथ’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३५६. ‘माटि-भेल हाथ’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३५७. ‘माटि-भेल हाथ’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३५८. ‘माटि-भेल हाथ’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३५९. ‘माटि-भेल हाथ’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३६०. ‘माटि-भेल हाथ’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5002 : विदेह-सदेह 37 — दरिशे शिशिरनिर्मला — हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं

१३६१. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३६२. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३६३. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३६४. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३६५. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३६६. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३६७. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३६८. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३६९. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३७०. ‘हमही छी जे सभ किछु हारि देलौं’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5003 : विदेह-सदेह 37 — दरिशे शिशिरनिर्मला — हम रजस्वला कपड़ा

१३७१. ‘हम रजस्वला कपड़ा’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३७२. ‘हम रजस्वला कपड़ा’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३७३. ‘हम रजस्वला कपड़ा’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३७४. ‘हम रजस्वला कपड़ा’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३७५. ‘हम रजस्वला कपड़ा’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३७६. ‘हम रजस्वला कपड़ा’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३७७. ‘हम रजस्वला कपड़ा’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३७८. ‘हम रजस्वला कपड़ा’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३७९. ‘हम रजस्वला कपड़ा’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३८०. ‘हम रजस्वला कपड़ा’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5004 : विदेह-सदेह 37 — दरिशे शिशिरनिर्मला — एक दलित स्त्री

१३८१. ‘एक दलित स्त्री’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३८२. ‘एक दलित स्त्री’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३८३. ‘एक दलित स्त्री’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३८४. ‘एक दलित स्त्री’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३८५. ‘एक दलित स्त्री’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३८६. ‘एक दलित स्त्री’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३८७. ‘एक दलित स्त्री’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३८८. ‘एक दलित स्त्री’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३८९. ‘एक दलित स्त्री’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३९०. ‘एक दलित स्त्री’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5005 : विदेह-सदेह 37 — एम. गौरी — मेहदी लागल हाथ

१३९१. ‘मेहदी लागल हाथ’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१३९२. ‘मेहदी लागल हाथ’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१३९३. ‘मेहदी लागल हाथ’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३९४. ‘मेहदी लागल हाथ’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३९५. ‘मेहदी लागल हाथ’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३९६. ‘मेहदी लागल हाथ’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३९७. ‘मेहदी लागल हाथ’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३९८. ‘मेहदी लागल हाथ’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३९९. ‘मेहदी लागल हाथ’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४००. ‘मेहदी लागल हाथ’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5006 : विदेह-सदेह 37 — महूरी विजयश्री — अलिसम्माक खाप

१४०१. ‘अलिसम्माक खाप’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४०२. ‘अलिसम्माक खाप’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४०३. ‘अलिसम्माक खाप’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४०४. ‘अलिसम्माक खाप’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४०५. ‘अलिसम्माक खाप’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४०६. ‘अलिसम्माक खाप’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४०७. ‘अलिसम्माक खाप’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४०८. ‘अलिसम्माक खाप’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४०९. ‘अलिसम्माक खाप’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४१०. ‘अलिसम्माक खाप’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5007 : विदेह-सदेह 37 — के. शिवा रेड्डी — बरखा पर कविता (तीन)

१४११. ‘बरखा पर कविता (तीन)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४१२. ‘बरखा पर कविता (तीन)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४१३. ‘बरखा पर कविता (तीन)’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४१४. ‘बरखा पर कविता (तीन)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४१५. ‘बरखा पर कविता (तीन)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४१६. ‘बरखा पर कविता (तीन)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४१७. ‘बरखा पर कविता (तीन)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४१८. ‘बरखा पर कविता (तीन)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४१९. ‘बरखा पर कविता (तीन)’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४२०. ‘बरखा पर कविता (तीन)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5008 : विदेह-सदेह 37 — अन्नवरम देवेन्द्र — हृदयक गीत

१४२१. ‘हृदयक गीत’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४२२. ‘हृदयक गीत’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४२३. ‘हृदयक गीत’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४२४. ‘हृदयक गीत’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४२५. ‘हृदयक गीत’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४२६. ‘हृदयक गीत’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४२७. ‘हृदयक गीत’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४२८. ‘हृदयक गीत’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४२९. ‘हृदयक गीत’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४३०. ‘हृदयक गीत’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5009 : विदेह-सदेह 37 — नरसिंह मेहता — अन्हर-डबहारि उठल

१४३१. ‘अन्हर-डबहारि उठल’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४३२. ‘अन्हर-डबहारि उठल’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४३३. ‘अन्हर-डबहारि उठल’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४३४. ‘अन्हर-डबहारि उठल’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४३५. ‘अन्हर-डबहारि उठल’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४३६. ‘अन्हर-डबहारि उठल’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४३७. ‘अन्हर-डबहारि उठल’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४३८. ‘अन्हर-डबहारि उठल’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४३९. ‘अन्हर-डबहारि उठल’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४४०. ‘अन्हर-डबहारि उठल’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5010 : विदेह-सदेह 37 — हेमांग देसाई — स्थिरता

१४४१. ‘स्थिरता’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४४२. ‘स्थिरता’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४४३. ‘स्थिरता’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४४४. ‘स्थिरता’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४४५. ‘स्थिरता’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४४६. ‘स्थिरता’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४४७. ‘स्थिरता’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४४८. ‘स्थिरता’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४४९. ‘स्थिरता’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४५०. ‘स्थिरता’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5011 : विदेह-सदेह 37 — हेमांग देसाई — हनुमान आ श्वान

१४५१. ‘हनुमान आ श्वान’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४५२. ‘हनुमान आ श्वान’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४५३. ‘हनुमान आ श्वान’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४५४. ‘हनुमान आ श्वान’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४५५. ‘हनुमान आ श्वान’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४५६. ‘हनुमान आ श्वान’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४५७. ‘हनुमान आ श्वान’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४५८. ‘हनुमान आ श्वान’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४५९. ‘हनुमान आ श्वान’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४६०. ‘हनुमान आ श्वान’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5012 : विदेह-सदेह 37 — राजेन्द्र पटेल — शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै

१४६१. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४६२. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४६३. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४६४. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४६५. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४६६. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४६७. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४६८. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४६९. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४७०. ‘शीर्षकहीन, अन्त जालक सपना, गर्दा, सेहो सत्य नै’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5013 : विदेह-सदेह 37 — पीयूष ठक्कर — साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज

१४७१. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४७२. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४७३. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४७४. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४७५. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४७६. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४७७. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४७८. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४७९. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४८०. ‘साँझ, एकटा पुरान घर, अंधकारक तीनटा दस्तावेज’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5014 : विदेह-सदेह 37 — पन्ना त्रिवेदी — राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति

१४८१. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४८२. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४८३. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४८४. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४८५. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४८६. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४८७. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४८८. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४८९. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४९०. ‘राजस्व, गरीबी-रोटी, अनुपस्थिति’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5015 : विदेह-सदेह 37 — बाबू सुथार — घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)

१४९१. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१४९२. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१४९३. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१४९४. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४९५. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१४९६. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१४९७. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१४९८. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४९९. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५००. ‘घर-सँ-दूरीक पीडा (3 भाग)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5016 : विदेह-सदेह 37 — अनीश गारंगे — पोस्टर

१५०१. ‘पोस्टर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५०२. ‘पोस्टर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५०३. ‘पोस्टर’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५०४. ‘पोस्टर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५०५. ‘पोस्टर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५०६. ‘पोस्टर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५०७. ‘पोस्टर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५०८. ‘पोस्टर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५०९. ‘पोस्टर’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५१०. ‘पोस्टर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5017 : विदेह-सदेह 37 — राजेन्द्र वडेल — सम्भोग

१५११. ‘सम्भोग’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५१२. ‘सम्भोग’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५१३. ‘सम्भोग’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५१४. ‘सम्भोग’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५१५. ‘सम्भोग’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५१६. ‘सम्भोग’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५१७. ‘सम्भोग’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५१८. ‘सम्भोग’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५१९. ‘सम्भोग’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५२०. ‘सम्भोग’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5018 : विदेह-सदेह 37 — उमेश सोलंकी — लोक, जमि जाय

१५२१. ‘लोक, जमि जाय’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५२२. ‘लोक, जमि जाय’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५२३. ‘लोक, जमि जाय’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५२४. ‘लोक, जमि जाय’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५२५. ‘लोक, जमि जाय’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५२६. ‘लोक, जमि जाय’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५२७. ‘लोक, जमि जाय’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५२८. ‘लोक, जमि जाय’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५२९. ‘लोक, जमि जाय’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५३०. ‘लोक, जमि जाय’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5019 : विदेह-सदेह 37 — उमेश सोलंकी — खरडाक डाँट सभ

१५३१. ‘खरडाक डाँट सभ’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५३२. ‘खरडाक डाँट सभ’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५३३. ‘खरडाक डाँट सभ’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५३४. ‘खरडाक डाँट सभ’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५३५. ‘खरडाक डाँट सभ’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५३६. ‘खरडाक डाँट सभ’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५३७. ‘खरडाक डाँट सभ’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५३८. ‘खरडाक डाँट सभ’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५३९. ‘खरडाक डाँट सभ’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५४०. ‘खरडाक डाँट सभ’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5020 : विदेह-सदेह 37 — गुलाम मोहम्मद शेख — नग्र (1-6)

१५४१. ‘नग्र (1-6)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५४२. ‘नग्र (1-6)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५४३. ‘नग्र (1-6)’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५४४. ‘नग्र (1-6)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५४५. ‘नग्र (1-6)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५४६. ‘नग्र (1-6)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५४७. ‘नग्र (1-6)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५४८. ‘नग्र (1-6)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५४९. ‘नग्र (1-6)’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५५०. ‘नग्र (1-6)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5021 : विदेह-सदेह 37 — अजय सरवैया — अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)

१५५१. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५५२. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५५३. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५५४. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५५५. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५५६. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५५७. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५५८. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५५९. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५६०. ‘अहाँक वेदना हमर प्रवेश-द्वार (शृंखला)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5022 : विदेह-सदेह 37 — गनी दहीवाला — केकर सुन्दर नजरि

१५६१. ‘केकर सुन्दर नजरि’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५६२. ‘केकर सुन्दर नजरि’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५६३. ‘केकर सुन्दर नजरि’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५६४. ‘केकर सुन्दर नजरि’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५६५. ‘केकर सुन्दर नजरि’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५६६. ‘केकर सुन्दर नजरि’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५६७. ‘केकर सुन्दर नजरि’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५६८. ‘केकर सुन्दर नजरि’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५६९. ‘केकर सुन्दर नजरि’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५७०. ‘केकर सुन्दर नजरि’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5023 : विदेह-सदेह 37 — बासुदेव सुनानी — फूसस

१५७१. ‘फूसस’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५७२. ‘फूसस’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५७३. ‘फूसस’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५७४. ‘फूसस’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५७५. ‘फूसस’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५७६. ‘फूसस’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५७७. ‘फूसस’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५७८. ‘फूसस’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५७९. ‘फूसस’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५८०. ‘फूसस’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5024 : विदेह-सदेह 37 — बासुदेव सुनानी — अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि

१५८१. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५८२. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५८३. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५८४. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५८५. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५८६. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५८७. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५८८. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५८९. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५९०. ‘अनुमति, अखनो बहुत किछु होएब बाकी अछि’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5025 : विदेह-सदेह 37 — बासुदेव सुनानी — पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि

१५९१. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१५९२. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१५९३. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१५९४. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५९५. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१५९६. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१५९७. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१५९८. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५९९. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६००. ‘पता, सद्दै, सदानन्द समुद्र देखि’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5026 : विदेह-सदेह 37 — भरत माँझी — हमर घुरलाक बाद

१६०१. ‘हमर घुरलाक बाद’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६०२. ‘हमर घुरलाक बाद’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६०३. ‘हमर घुरलाक बाद’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६०४. ‘हमर घुरलाक बाद’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६०५. ‘हमर घुरलाक बाद’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६०६. ‘हमर घुरलाक बाद’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६०७. ‘हमर घुरलाक बाद’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६०८. ‘हमर घुरलाक बाद’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६०९. ‘हमर घुरलाक बाद’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६१०. ‘हमर घुरलाक बाद’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5027 : विदेह-सदेह 37 — इप्सिता सारंगी — गप/ हिलकोर

१६११. ‘गप/ हिलकोर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६१२. ‘गप/ हिलकोर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६१३. ‘गप/ हिलकोर’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६१४. ‘गप/ हिलकोर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६१५. ‘गप/ हिलकोर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६१६. ‘गप/ हिलकोर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६१७. ‘गप/ हिलकोर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६१८. ‘गप/ हिलकोर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६१९. ‘गप/ हिलकोर’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६२०. ‘गप/ हिलकोर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5028 : विदेह-सदेह 37 — इप्सिता सारंगी — हिलकोर

१६२१. ‘हिलकोर’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६२२. ‘हिलकोर’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६२३. ‘हिलकोर’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६२४. ‘हिलकोर’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६२५. ‘हिलकोर’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६२६. ‘हिलकोर’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६२७. ‘हिलकोर’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६२८. ‘हिलकोर’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६२९. ‘हिलकोर’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६३०. ‘हिलकोर’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5029 : विदेह-सदेह 37 — इप्सिता सारंगी — बुति

१६३१. ‘बुति’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६३२. ‘बुति’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६३३. ‘बुति’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६३४. ‘बुति’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६३५. ‘बुति’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६३६. ‘बुति’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६३७. ‘बुति’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६३८. ‘बुति’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६३९. ‘बुति’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६४०. ‘बुति’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकेँ 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5030 : विदेह-सदेह 37 — इप्सिता सारंगी — बमिया

१६४१. ‘बमिया’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६४२. ‘बमिया’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६४३. ‘बमिया’केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६४४. ‘बमिया’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६४५. ‘बमिया’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६४६. ‘बमिया’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६४७. ‘बमिया’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६४८. ‘बमिया’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६४९. ‘बमिया’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६५०. ‘बमिया’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5031 : विदेह-सदेह 37 — भिखारी ठाकुर — निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)

१६५१. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६५२. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६५३. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६५४. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६५५. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६५६. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६५७. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६५८. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६५९. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६६०. ‘निरहुआ 1 (वृद्धाश्रम)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5032 : विदेह-सदेह 37 — भिखारी ठाकुर — निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)

१६६१. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६६२. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६६३. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६६४. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६६५. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६६६. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६६७. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६६८. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६६९. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६७०. ‘निरहुआ 2 (वृद्धाश्रम)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5033 : विदेह-सदेह 37 — रहमान राही — छाह सभ

१६७१. ‘छाह सभ’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१६७२. ‘छाह सभ’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१६७३. ‘छाह सभ’कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१६७४. ‘छाह सभ’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६७५. ‘छाह सभ’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१६७६. ‘छाह सभ’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१६७७. ‘छाह सभ’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१६७८. ‘छाह सभ’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६७९. ‘छाह सभ’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६८०. ‘छाह सभ’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकेँ युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) टूटल चाउर वा सूजी आ दालिसँ बनल मसालेदार व्यञ्जन — उप्पिडी भोजन-संस्कृतिक शब्द अछि; ई सामान्यत: व्रत-दिनक मसालेदार पकवानक रूपमे बुझाओल गेल।

२. (A) डाँरक चारू कात लपेटल जाए वला पुरुष-वस्त्र — लुङ्गी देह पर लपेटल जाए वला वस्त्र अछि, जे ग्रामीण पुरुष-पोशाकक संदर्भमे अबैत अछि।

३. (A) फकीर वा साधु — पक्कीर फकीर/साधु शब्दक स्थानीय-अपभ्रंश रूप अछि, जे इमामक समुदाय-संदर्भ सँ जुड़ैत अछि।

४. (A) सुस्त भालु/लैबिएट भालु, दक्षिण एशियामे भेटय वला — भालुक जाति ‘सुस्त भालु’ रूपमे चिन्हाओल गेल अछि, जकरा नाचैत भालु परम्परामे प्रयोग कएल जाइत छल।

५. (A) पातर शरीर, हाँसूक आकारक नह आ झबरा कोट — शब्दावली भालुक शारीरिक विशेषता बतबैत अछि, जे ओकर लोक-प्रदर्शनक इतिहाससँ जुड़ल अछि।

६. (A) जायफल — जाजी जायफल अछि, जकर पारम्परिक औषधीय उपयोगक उल्लेख बीबम्माक उपचार-संदर्भमे भेल।

७. (A) स्नायु आ पाचन तन्त्र सम्बन्धी विकार — शब्दावली जायफल आ तेलक प्रयोग नस/पाचन-संबंधित उपचारसँ जोड़ैत अछि।

८. (A) यमक भाय आ ज्योतिषमे अनिष्ट संकेत — शनि केँ मृत्युदेव यमक भाय आ ग्रह-अनिष्टक संकेतक रूपमे लोक-मान्यता सहित व्याख्यायित कएल गेल।

९. (A) मूर्ख आ सुस्त व्यक्तिसँ — गुड़-पिटल पाथरक कम-ध्वनि/चिपकन छविसँ सुस्ती आ मूर्खताक व्यङ्ग्य बनाओल गेल अछि।

१०. (A) काँटबला झाँखुड़ जकरा भालु रोइयाँ फँसबाक डर सँ डराइत अछि — कठेरा वनक काँटदार झाँखुड़ अछि; भालुक झबरा रोइयाँ ओहिमे फँसि सकैत अछि।

११. (A) महुआक फूल, जकरासँ ताड़ी बनैत अछि आ जे भालु सभकेँ प्रिय होइत अछि — इप्पा महुआ फूलक स्थानीय सन्दर्भ अछि; ताड़ी आ भालुक भोजन-दुनू प्रसंगसँ जुड़ल अछि।

१२. (A) भालु अलग-अलग स्थितिमे बहुत तरहक ध्वनि निकालैत अछि — भालुक आवाजक विस्तृत सीमा—डर, क्रोध, पीड़ा, बच्चा-संबंध आदि—कथा मे शादुलक प्रतिक्रियाकेँ बुझबैत अछि।

१३. (A) सरकारी योजना जकर माध्यमे लोक अपन समस्या निर्वाचित प्रतिनिधि सोझाँ राखि सकैत छल — पल्लेबाटा प्रशासन-जनसंपर्क योजना अछि; उपन्यासक जमीन-पट्टा प्रसंग एहि पृष्ठभूमिसँ जुड़ैत अछि।

१४. (A) तेलंगाना क्षेत्रक पारम्परिक ओजन-मापक — ई शब्द स्थानीय मापक-व्यवस्था देखबैत अछि; बालि/धान/अनाजक प्रसंगक सांस्कृतिक धरातल बनैत अछि।

१५. (A) भूमिक वर्ग-माप — गुंटा जमीनक माप अछि, जे पट्टा आ भूमिहीनताक बहस बुझबाक लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

१६. (A) दूर लऽ जाएल गेलो पर ओ पहिने देखल स्थान दिस लौटबाक असाधारण क्षमता राखि सकैत अछि — ई सूचना शादुलक जंगलसँ घर लौटि अएबाक प्रसंगकेँ जैविक-सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

१७. (A) भालु-बानर नचाबय, ताबीज-मन्त्र बेचब, घुमन्तु प्रदर्शन आ आन छोटे व्यवसाय — कलन्दर जीवन बहुआयामी घुमन्तु जीविका छल—प्रदर्शन, ताबीज, व्यापार, पशुपालन, मौसमी मजदूरी आदि।

१८. (A) कटनी-कुटनीक समय खेत-मजूरी वा भालु नचा कऽ पुरस्कार पाबय लेल गामक बाहरे बसैत छलाह — परिशिष्ट घुमन्तु जीवनकेँ कृषि-मौसमसँ जोड़ैत अछि; अस्थायी तम्बू आ मौसमी कमाइ सामान्य छल।

१९. (A) ओबीसी/एसटी आदि मे असंगत सूचीकरणसँ जमीन, रोजगार आ भोजनक अधिकारसँ वञ्चना — पहिचानक अस्पष्टता सामाजिक-आर्थिक अधिकारकेँ कमजोर करैत अछि आ समुदायकेँ सीमान्त पर धकेलैत अछि।

२०. (A) पुनर्वासक किछु बाट खुलल, मुदा भेदभाव, अधिकार-वञ्चना आ सांस्कृतिक विलुप्तिक खतरा बनल रहल — नव व्यवसाय आ शिक्षाक प्रयास भेलो पर समुदायक असुरक्षा, पहचानक संकट आ भेदभाव समाप्त नहि भेल।

२१. (A) के. पुरुषोत्तम — एहि खण्डमे कोलकलुरी इनोच आ विनोदिनी केर कथा सभक तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवादक रूपमे के. पुरुषोत्तमक नाम देल गेल अछि।

२२. (A) काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल — परिचयमे कहल गेल अछि जे के. पुरुषोत्तम काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगलमे अंग्रेजी साहित्य पढ़बैत छथि।

२३. (A) तेलुगु साहित्यक अंग्रेजी अनुवाद — हुनकर परिचय तेलुगु साहित्यकेँ अंग्रेजीमे अनुवाद करबाक विशेष रुचि पर जोर दैत अछि।

२४. (A) 'कक्क' आ 'मल्लेमोग्गल गोदुदु' — परिचयमे 'कक्क' आ 'मल्लेमोग्गल गोदुदु' केर अनुवादक उल्लेख अछि।

२५. (A) गुंटूर जिला — कोलकलुरी इनोचक जन्म गुंटूर जिलामे भेल कहल गेल अछि।

२६. (A) कविता, कथा, उपन्यास, नाटक आ आलोचना धरि विस्तृत — परिचय हुनका बहुआयामी सर्जक रूपमे देखबैत अछि—कविता संग्रह, कथा संग्रह, उपन्यास, नाटक आ आलोचना।

२७. (A) पाँच पीएचडी आ आठ एम.फिल. काज भऽ चुकल — परिचयमे स्पष्ट अछि जे हुनकर लेखन पर पाँच गोटे पीएचडी आ आठ गोटे एम.फिल. उपाधि प्राप्त भेल अछि।

२८. (A) राज्य आ केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार — परिचयमे साहित्य अकादमी स्तरक सम्मान आ राज्य सरकारक सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कारक उल्लेख अछि।

२९. (A) पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद — हुनका पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबादक कुलपति रूपमे सेवा देबाक बात लिखल अछि।

३०. (A) काकी, अर्थात् कौआ — कथा शीर्षकक संग कोष्ठकमे मूल तेलुगु 'काकी' माने कौआ कहि स्पष्ट कएल गेल अछि।

३१. (A) बुढ़िया, बेटी आ नाती — कथा एकचारीमे अव्वा, हुनकर बेटी आ नातीक उपस्थिति सँ शुरू होइत अछि।

३२. (A) जेना कियो डाँटि रहल हो अथवा शोक-आक्रोश प्रकट करि रहल हो — कौआ सभक तेज काँव-काँव डाँटि रहल स्वर जकाँ आउर शोकाकुल आरोपक माहौल बनबैत अछि।

३३. (A) ओकर कुटुम कानि रहल अछि — अव्वा नातीक जिज्ञासापर कहैत छथि जे कौआ सभक कुटुम कानि रहल अछि।

३४. (A) कौआ सभ लड़य लेल आयल अछि — अव्वा बुझैत छथि जे कौआ सभ आक्रामक अछि, तें नातीकेँ बाहर जाएबासँ रोकैत छथि।

३५. (A) दू-चारि कौआ माथ पर जोर सँ ठोक मारैत अछि — बाहर निकलिते कौआ अव्वाक माथ पर हमला करैत अछि आ चाम उधेरि देबाक स्थिति बनैत अछि।

३६. (A) मूड़ी, गोड़, नह आ पाँखि — कथा बतबैत अछि जे कौआक मूड़ी, गोड़, नह आ पाँखि तोड़ि-मचोड़ि एक ठाम बान्हल छल।

३७. (A) बण्डोडुक — अव्वा तुरत्ते निष्कर्ष निकालैत छथि जे ई निश्चय बण्डोडुक काज हएत।

३८. (A) घर, गाछ, देवाल आ बिजलीक तार पर — कौआ सभ घर, गाछ, देवाल आ तार सभ पर बैसि लाश पर पहरा देबाक भाव बनबैत अछि।

३९. (A) भविष्यक अशुभ समय आ अपशकुनसँ — अव्वा कोलाहलसँ कम, अपशकुन आ आगाँक संकटसँ बेसी डराइत छथि।

४०. (A) मादिग सभ हटाबय चाहैत अछि मुदा कौआ फेर वापस आबि जाइत अछि — पड़ोसी आ टोलक लोक कौआ भगाबय चाहैत अछि, मुदा झुण्ड बढ़ैत जाएत अछि आ वापस आबि जाइत अछि।

४१. (A) मादिगक एगारह उप-जातिमे सँ दशम उप-जाति — कथामे बण्डोडुकेँ मादिग जातिक एगारह उप-जातिमे सँ दशम उप-जातिसँ सम्बन्धित कहल गेल अछि।

४२. (A) मात्र मादिग सभसँ रातिमे भीख मांगि — ओ रातिमे खाली हाथ आबि 'अम्मा, भोजन दिअ' कहि मादिग घरसँ भोजन मागैत अछि।

४३. (A) अपन तरहत्थीमे कटोरा जकाँ आकार बना कऽ — बण्डोडु कोनो पात्र नहि लबैत; ओकरा ओकर तरहत्थीमे बनेल कटोरा-आकारमे भोजन देबय पड़ैत।

४४. (A) कौआ सभकेँ उकसा दैत — कथाक भय ई अछि जे बण्डोडु चुप रहैत अछि मुदा कौआ सभकेँ प्रतिशोधक प्रतीक बना दैत अछि।

४५. (A) गोली/मार्बल आ आंगुरक जोर सँ निशाना लगबैत अछि — ओ गोलीकेँ तर्जनीक आगाँ राखि आंगुर पाछू घीचि निशाना मारैत, आ कौआ नीचाँ खसि पड़ैत।

४६. (A) घरमे भोजन वा गिड देबाक सामर्थ्य नहि छल, चूल्हि नै जरल छल — परिवार निर्धनता आ खाली बर्तनक कारण भोजन नहि दऽ सकैत छल; ई जानबूझि अपमान नहि छल।

४७. (A) भोजन नहि देबाक अपराधक सार्वजनिक चिह्न — पाँखि-पुड़िया घर पर आरोप आ सामाजिक दण्डक दृश्यमान निशान बनैत अछि।

४८. (A) अपमान, गन्दगी आ अशुभ दण्डक अनुभूति — कौआ-मांसक सड़ल गन्ध दण्डकेँ शरीरगत, असह्य आ अपमानजनक बना दैत अछि।

४९. (A) मुक्ति आ श्राप दुनू, सामाजिक बहिष्कारक चिह्न — कौआ नहि बैसत आ बण्डोडु नहि मागत—ई राहत जकाँ दिखैत अछि, मुदा वस्तुतः अपमानजनक बहिष्कार अछि।

५०. (A) निर्धनता, जाति-आधारित निर्भरता आ अपशकुनक दण्ड — कथा कौआक प्रसंगक माध्यमे दलित समाजक भीतरक पदानुक्रम, भूख, भय आ बहिष्कार देखबैत अछि।

५१. (A) एकटा दलित ईसाईक रूपमे अपन अनुभव लिखब — विनोदिनी मानैत छथि जे दलित ईसाई अनुभव लिखला पर हुनका लेखक होयबाक अनुभूति होइत अछि।

५२. (A) फूलक खिलल फुलवारी आ बच्चा सभक कोलाहलसँ भरल — तहखाना बच्चा सभक खेल, हँसी आ गति सँ फूलल फुलवारी सन जीवंत देखाओल गेल अछि।

५३. (A) पानि पीबाक लेल — ओ खेलैत-खेलैत आयल आ विनयपूर्वक पानि माँगल; कथावाचक ओकर स्नेहिल आग्रहसँ प्रभावित भेल।

५४. (A) बाथरूम प्रयोग करबाक लेल — ओ कनी आंगुर आँखि लग राखि शौचक संकेत दैत बाथरूमक अनुमति माँगलक।

५५. (A) नाम श्रिया, चौथा 'बी', गाँधी नगर, २०२ फ्लैट — ओ अपन नाम, कक्षा, रहबाक ठाम आ छुट्टीमे एतय आबयक बात तेज-धार गप्पक शैलीमे कहैत अछि।

५६. (A) श्रिया कहैत अछि जे घर पहुँचला पर ओकर माय पहिने हॉर्लिक्स दैत छथि — श्रिया अपन नियमित दिनचर्या बतबैत अछि; कथावाचक स्नेहपूर्वक ओकरा लेल हॉर्लिक्स तैयार करैत छथि।

५७. (A) ओ चुपचाप बैसल रहनाय पसिन्न नहि करैत आ मायक मदति करैत रहैत अछि — श्रिया सक्रिय, गप्पी आ सहायता-प्रिय बच्ची अछि; ओ किछु-ने-किछु करबाक माँग करैत अछि।

५८. (A) जानवरक पीड़ा प्रति गहिर करुणा — ओ ऑटो रुकवाकऽ घायल छौआकेँ क्लिनिक लऽ गेल, जे ओकर संवेदनशीलता देखबैत अछि।

५९. (A) पसिन्न बात नील मसिमे, नापसिन्न बात कारी मसिमे — कथाक शीर्षकक बीज एतय अछि—श्रिया प्रिय अनुभव नील मसि आ अप्रिय अनुभव कारी मसिमे लिखैत अछि।

६०. (A) तुरन्त स्नेह, खेल, भोजन, गप्प आ चुम्बनक आत्मीयता — आरम्भमे बच्चीक निष्कपटता कथावाचकक हृदय खोलि दैत अछि; दुनू बीच घरेलू अपनत्व बनैत अछि।

६१. (A) कथावाचकक थारीमे चिकन देखब — कथावाचक चिकन खाइत छथि, तखन श्रिया चकित भऽ पूछय लगैत अछि जे ओ ब्राह्मण छथि कि नहि।

६२. (A) ब्राह्मण, चौधरी, रेड्डी, फेर 'के छी?' — बच्चीक प्रश्न जाति-सीढ़ीमे चलैत अछि; उत्तर नहि भेटला पर ओ अन्ततः 'तखन अहाँ के छी?' पुछैत अछि।

६३. (A) 'हम एकटा दलित छी' आ बादमे ईसाई — कथावाचक सरलता सँ अपन दलित आ ईसाई पहिचान कहैत छथि।

६४. (A) घर-परिवारसँ सीखनिहार जातिगत भाषा आ दूरी — बच्चीक भाषा ओकर निजी अनुभव नहि, समाज-परिवारसँ आयल जातिगत वर्गीकरण देखबैत अछि।

६५. (A) श्रिया जाति-प्रश्नकेँ 'हरिजन' शब्द धरि लऽ जाइत अछि — छठम कक्षाक काँट स्मृति वर्तमान अपमानसँ जुड़ि हृदयमे दोबारा पैघ भऽ गड़ैत अछि।

६६. (A) मुँहक रंग निपत्ता, घृणा आ दूरी — आरम्भिक मुस्कान आ अपनत्व अनचोक्के धूसरता, घृणा आ पाछू हटबाक भावमे बदलि जाइत अछि।

६७. (A) बाल-स्नेहकेँ जाति-सवालसँ ऊपर राखय चाहैत छथि — ओ चाहैत छथि जे दिनभरक आत्मीयता जातिगत नामसँ टूटय नहि, मुदा बच्ची सामाजिक पूर्वाग्रह लऽ कऽ खसि पड़ैत अछि।

६८. (A) दादी पुकारि रहल छथि कहि बहाना बना कऽ — ओ स्पष्ट दूरी बना रहल अछि; 'दादी पुकारि रहली' बहाना बनि जातिगत घृणासँ निकलबाक बाट होइत अछि।

६९. (A) निष्कपट सौन्दर्यक विकृत, पीड़ादायक अनुभवमे बदलि जाएब — शुरुआती तितली-जैसन बच्चा-दुनिया जाति-घृणाक चोटसँ रेंगत कैटरपिलरक पीड़ामय बिम्ब बनि जाइत अछि।

७०. (A) पूर्वाग्रहक कारण प्रिय अनुभव अप्रिय कारी लिखोटमे बदलि सकैत अछि — श्रिया जे नापसिन्न बात कारी मसिमे लिखैत अछि, कथा ओहि बाल-डायरी नियमकेँ जाति-चोटक प्रतीक बनबैत अछि।

७१. (A) आदिवि बापिराजू — कथा 'पाडु देवालयम' आदिवि बापिराजूक मूल तेलुगु कृति रूपमे देल गेल अछि।

७२. (A) स्वतन्त्रता सेनानी, पत्रकार, कवि, उपन्यासकार आ कलाकार — परिचयमे हुनका स्वतन्त्रता सेनानीसँ लऽ कऽ कला आ साहित्यक कइ क्षेत्रमे सक्रिय कहल गेल अछि।

७३. (A) बिना गीत, बिना विशेष पुकार, चुपचाप केबाड़ पर ठाढ़ रहि — बाबा मौन प्रतीक्षा करैत; कहल गेल तँ चलि जाइत, नहि तऽ चुपचाप ठाढ़ रहैत छलाह।

७४. (A) फाटल-चीटल मुदा साफ कपड़ा, उज्जर दाढ़ी — फाटल कपड़ा सेहो साफ रहैत; दाढ़ी मकइक रेशा जकाँ उज्जर कहल गेल।

७५. (A) थैला सँ जड़ी-बूटी निकालि लुगदी बना घाव पर पट्टी बान्हैत — बाबाक करुणा जानवरक उपचारमे देखाइत अछि; चरवाहा सभ हुनका लग अबैत छल।

७६. (A) ओ अन्न कतय सँ अनैत छथि, ई कियो नहि बुझैत — लोक नहि बुझैत जे एतेक चाउर हुनका लग कतय सँ अबैत अछि, एहि सँ रहस्य गहिर होइत अछि।

७७. (A) पुरान ध्वस्त मन्दिर — गामक दक्षिणी जंगलमे पुरान ध्वस्त मन्दिरक चर्चा छल; दुनू मित्र ओतय जाइत छथि।

७८. (A) पाथरक खाम्ह, शिलालेख, नक्काशीदार पाथर आ फुटल ईंटा — मूर्तिकेँ नव मन्दिरमे लऽ जाओल गेल छल, मुदा खाम्ह, शिलालेख आ नक्काशीदार पाथर बचल छल।

७९. (A) खँडहरक वस्तु सभकेँ छुअबासँ — पट्टिका सरकारी आदेश देलक जे ओहि पुरातात्त्विक वस्तु सभकेँ कियो नहि छूअत।

८०. (A) रहस्यमय सुन्दरता आ अजीब अनुभवक भूमिका — चाँदनी खँडहरकेँ सुन्दर आ रहस्यमय बनबैत अछि, जकर बाद घण्टी आ मन्त्रक अनुभव शुरू होइत अछि।

८१. (A) घण्टीक तीक्ष्ण झनकार — खँडहर जंगलमे घण्टीक स्पष्ट झनकार सुनि दुनू मित्र अचरज आ भय अनुभव करैत छथि।

८२. (A) झनकार भितुरका मन्दिरसँ निकलि रहल अछि — पहिने ओ बड़दक घण्टी बुझलनि, मुदा फेर सुनला पर भितुरका मन्दिरक स्रोत बुझाइत अछि।

८३. (A) भूत-प्रेत शब्दकोशमे नहि, डरबाक जरूरत नहि — ओ आधुनिक शिक्षा आ तर्कक सहारा लऽ भय पर नियंत्रण कऽ मन्दिरमे लौटैत छथि।

८४. (A) विशाल दीप छाह खिरबैत, प्रेत-आगि जकाँ शंका जगबैत — जरैत दीप दृश्यकेँ अलौकिक बनबैत अछि आ मित्र सभक संशय बढ़बैत अछि।

८५. (A) गाममे भिक्षा मांगय बला वएह बाबा — सब दिन भिक्षा मांगय बला मौन बाबा मूर्तिहीन चबूतरा पर संस्कृत मन्त्रसँ पूजा करैत भेटैत छथि।

८६. (A) स्पष्ट, शुद्ध, निर्बाध आ बिना भूल — कथावाचकक अचरज एहि बातमे अछि जे भिक्षुक-जैसन बाबा अत्यन्त शुद्ध मन्त्रपाठ करैत छथि।

८७. (A) एहि मन्दिरक पीढ़ी-दर-पीढ़ी पुजारीक कर्तव्य — बाबा कहैत छथि जे हुनकर पूर्वज पीढ़ी-दर-पीढ़ी मन्दिरमे पूजा-पाठ आ प्रसाद चढ़बैत रहलाह।

८८. (A) किछु कहय चाहलनि मुदा स्पष्ट नहि कहि सकलाह — बाबूजीक अधूरा अंतिम शब्द बादमे बाबाक मन्दिर-कर्तव्यक जागरणसँ जुड़ैत अछि।

८९. (A) असमझ रोग सँ ग्रसित भऽ जाइत छलाह — मन्दिर-कर्तव्य बिसरल रहला पर उत्सवक समय अज्ञात रोग हुनका सतबैत छल, जकर अर्थ बादमे खुलैत अछि।

९०. (A) 'हमर पुत्र! हम कतेक दिन बिना पूजाक रहब?' — दीप, घण्टी, सोनाक मूर्ति आ आवाजक दर्शन बाबाकेँ सम्पत्ति त्यागि पूजा-जीवनमे लौटा दैत अछि।

९१. (A) लेखन एक तरुआरि पर अभ्यास, अनुवाद दू तरुआरि पर अभ्यास — निबन्ध अनुवादक कठिनता रेखांकित करैत अछि—दू भाषा-संस्कृतिक संग साधना करब पड़ैत अछि।

९२. (A) भाषा संग संस्कृति, जीवन-शैली आ अभिव्यक्ति-स्रोत बुझबाक जरूरत अछि — लेखकक मत अछि जे भाषा समुदाय संस्कृति आ अभिव्यक्ति पद्धतिक माध्यम अछि; केवल शब्द-ज्ञान पर्याप्त नहि।

९३. (A) अपन मातृभाषामे — लेखक कहैत छथि जे बहुत लोक मानैत छथि अनुवाद मातृभाषामे करबाक चाही, यद्यपि ई नियम बिना अपवादक नहि।

९४. (A) भौगोलिक, सांस्कृतिक आ जीवन-रुचि शब्द-विकासकेँ आकार दैत अछि — बरफ लेल एस्किमो शब्द आ रणभूमि-संबंधी मराठी शब्दावली देखबैत अछि जे अनुभव शब्द बनबैत अछि।

९५. (A) कृषि-प्रधान चिन्ता — लेखक तेलुगु शब्दावलीमे कृषि-प्रधान जीवनक छाप देखैत छथि।

९६. (A) शब्दावली आ अभिव्यक्तिक स्रोत जानब — दू भाषाक शब्द-स्रोत, शैली आ संस्कृति बुझनाइ अनुवादकक आधारभूत योग्यता कहल गेल अछि।

९७. (A) मुख्य विषयमे गहीर रुचि आ सहानुभूति — जाहि विषयमे रुचि वा सहानुभूति नहि, ओकर अनुवाद यान्त्रिक आ निर्जीव होयबाक खतरा अछि।

९८. (A) स्वर लेखक, विषय आ पाठक-संबंधक भाव व्यक्त करैत अछि — हास्य, व्यंग्य, तामस, प्रतिशोध आदि शैलीक स्वरमे बसैत अछि; अनुवादककेँ ओकरा पकड़ब जरूरी।

९९. (A) विस्तृत अंग्रेजी शब्दावलीकेँ सीमित सक्रिय तेलुगु शब्द-संसाधनमे फिट करब — नव शब्द, नव शब्द-रचना आ लक्षित पाठकक स्तर तय करब वैज्ञानिक पाठमे जटिल बनैत अछि।

१००. (A) कठोर परिश्रम अनुवादक अस्तित्वक केन्द्र-बिन्दु अछि — लेखक स्पष्ट कहैत छथि जे गहीर श्रम बिना नीक अनुवादक बनब असम्भव अछि।

१०१. (A) अनुवादसँ — लेखक कहैत छथि जे तेलुगु साहित्यक उत्पत्ति अनुवादसँ भेल आ कएक दशक धरि अनुवाद मुख्य रहल।

१०२. (A) प्रेमचन्द, ठाकुर, शरत्, गोर्की आ राहुल — विश्व आ भारतीय साहित्यक लेखक तेलुगु पाठक लग अनुवादक माध्यमे पहुँचलाह।

१०३. (A) मात्र अनुवादित कथा सभ लेल समर्पित भारतीय साहित्यिक पत्रिका रूपमे — लेखक सन्देह व्यक्त करैत छथि जे 'विपुला' मात्र अनुवादित कथा पर केन्द्रित विशिष्ट पत्रिका अछि।

१०४. (A) कविक रूपमे, बादमे कथा आ उपन्यास दिस — ओ कहैत छथि जे आरम्भ कवितासँ कएलनि, बादमे कथा, उपन्यास आ अनुवाद दिस गेलाह।

१०५. (A) ई.एच. कारक 'व्हाट इज हिस्ट्री?' — ओ HBT लेल ई.एच. कारक इतिहास-विषयक पुस्तक सुझौलनि; अनुवादक नहि भेटलाक बाद स्वयं अनुवाद कएलनि।

१०६. (A) स्रोत पाठक विद्वान श्रोता आ तेलुगु साधारण पाठकक समझ-स्तरक अन्तर — कैम्ब्रिजक इतिहास-विद्वान लेल लिखल पाठ तेलुगु साधारण पाठक लेल अतिरिक्त व्याख्या माँगैत छल।

१०७. (A) साधारण पाठक एहन किताब नहि पढ़त, ई आशंका छल — प्रकाशक मानैत छल जे टीका-टिप्पणी साधारण पाठककेँ दूर कऽ सकैत अछि।

१०८. (A) इतिहासक छात्र आ साधारण पाठकसँ कठिन वाक्य चिन्हाबि पाठमे/एण्डनोट्समे व्याख्या जोड़लनि — ओ लक्षित पाठकक कठिनाई जाँचि व्याख्या पाठमे आ एण्डनोट्समे समाविष्ट कएलनि।

१०९. (A) मूल पाठक हास्य-व्यंग्य स्वर नहि पकड़ि पाबब — अनुवाद तथ्यात्मक आ तटस्थ भऽ गेल छल; मूलक हास्य-व्यंग्य स्वर नहि आयल, तें दोबारा लिखल गेल।

११०. (A) विषयक संग हृदयक एकाकारता आ इतिहास-पर्यावरण पृष्ठभूमि हुनका अनुकूल छल — लेखक मानैत छथि जे सब अनुवादक सब विषयक नहि; योग्य विषय-संवेदना वला अनुवादक जरूरी अछि।

१११. (A) क्रोरत्वम — कथा 'क्रूरता' मूल तेलुगु 'क्रोरत्वम' सँ अनूदित कहल गेल अछि।

११२. (A) चोरा-नुक्की — सैदम्मा देबाल दिस मुँह कऽ सखी सभक नुकाएबाक प्रतीक्षा करैत चोरा-नुक्की खेल शुरू करैत छथि।

११३. (A) घरक काजमे मदति करबाक लेल कियो आन नहि छल — कथा बतबैत अछि जे घरक काज लेल मदति चाही, तें सैदम्मा स्कूल नहि जा पबैत छलीह।

११४. (A) दोसर सभसँ दू बर्ख पैघ — सुगुना, सैदम्मा आ मंगाताई समवयस्क छथि; विजया हुनका सभसँ दू बर्ख पैघ अछि।

११५. (A) सरकारी लगायल गाछ सभक दिस — गोपनीयता आ घरवालाक डरक कारण ओ सभ सरकारी गाछ सभक दिस जाय चाहैत छथि।

११६. (A) मोट डारि पर भूत लटकल रहबाक बात सुनने अछि — भूतक लोकविश्वास बालिका सभक डरकेँ आकार दैत अछि।

११७. (A) सुग्गर सभ धकेल देत — सुगुना भूतक बदला सुग्गर सभक डर कहैत, स्थल बदलबाक तर्क रखैत अछि।

११८. (A) शौच होयबाक लोक-उपाय रूपमे — मंगाताई कहैत अछि जे माथ पर खपरी राखि लेला शौच भऽ जायत; बाल-लोकविश्वासक दृश्य बनैत अछि।

११९. (A) बालिकाक देह, हँसी आ स्वतन्त्रता पर पाबन्दी — कथा बच्चा सभक खेलमे स्त्री-विरोधी अनुशासनक हिंसक बीज देखबैत अछि।

१२०. (A) एहि भय सँ जे हँसलापर माय सभ पीटतीह, आ पानि पीला सँ हँसी रुकि जायत — ओ सभ पिटाइक डर आ लड़कीक हँसी पर पाबन्दीक दबावमे गन्दा पानि जेना विष पी रहल हो, पी लैत छथि।

१२१. (A) जयलक्ष्मी पोपुरी — ई खण्ड एन. गोपीक 'नानीलु' केँ जयलक्ष्मी पोपुरीक अंग्रेजी अनुवादक माध्यमे मैथिलीमे आनल गेल बतबैत अछि।

१२२. (A) कविक विचार व्यक्त करबाक ताजा आ जीवन्त छोट-कविता शैली — प्रस्तावना 'नानीलु' केँ छोट कविताक एहन शैली मानैत अछि जे कवि आ पाठक दुनूकेँ नव उत्साह दैत अछि।

१२३. (A) गोपीक अनुकरणमे कम सँ कम डेढ़ सय प्रकाशित संग्रह भऽ गेल — विवेचन बतबैत अछि जे गोपीक 'नानीलु' सँ प्रेरित भऽ कऽ अनेक संग्रह प्रकाशित भेल, जाहिसँ एकर प्रभाव प्रमाणित होइत अछि।

१२४. (A) छोट बच्चा सभ लेल स्नेहसूचक अभिव्यक्ति — शीर्षकक संक्षिप्तता, नेनपन आ खुलापन पर बल दैत ओकरा 'द लिटिल वन्स' रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि।

१२५. (A) कविता सभक बहुवचन सूचित करब — गोपीक व्याख्यामे 'ना' आ 'नी' हमर-अहाँक अर्थ दैत अछि, आ 'लु' बहुवचनक संकेत करैत अछि।

१२६. (A) शैली प्रकाशनक बाद शीघ्र व्यापक मान्यता पाबि गेल — दशकीय उत्सवक चर्चा एहि बातक प्रमाण अछि जे शैली साहित्यिक जगतमे स्थिर आ लोकप्रिय बनि गेल।

१२७. (A) संक्षिप्ततामे गहिर विचारक संकेन्द्रण — सूक्ति-जकाँ 'नानीलु' छोट आकारमे तीक्ष्ण अनुभव आ विचारकेँ धारण करैत अछि।

१२८. (A) गम्भीर विचारक मूल तत्त्वकेँ सुलभ आ सघन बनबैत अछि — विवेचन मानैत अछि जे एही नेनपनक आवरणमे गम्भीर विचार पाठक लग सहज ढंगें पहुँचैत अछि।

१२९. (A) अभूतपूर्व उत्साह आ मान्यता सहित — प्रस्तावना कहैत अछि जे प्रकाशनक समय सँ एकरा अभूतपूर्व स्वीकार्यता भेटल।

१३०. (A) दुनूक बीच अद्वितीय उत्साह जगाबयवाला रूप — ई शैली कवि आ पाठक दुनूक सक्रिय काव्य-संवेदनाकेँ जोड़ैत अछि।

१३१. (A) चारि पंक्ति बला चतुष्पदी — विवेचनक अनुसार 'नानीलु' अपन संक्षिप्तता आ संरचना दूनू दृष्टिसँ चौपाई रूपमे उभरैत अछि।

१३२. (A) बीस सँ पचीस अक्षर — गोपी कहैत छथि जे हुनकर मोनमे 'नानीलु' बीस-पचीस अक्षरक नामईमे ढलल अछि।

१३३. (A) भाषा-रचना आ ध्वनि-संरचना भिन्न भेला सँ — अनुवादमे अक्षर-समानता असम्भव मानल गेल, कारण स्रोत आ लक्ष्य भाषाक संरचना अलग अछि।

१३४. (A) ओ अनावश्यक संक्षिप्तता नहि, बल्कि कसावदार विचार-रचना चाहैत छथि — गोपीक जोर ई अछि जे आकार छोट हो, मुदा विचार ढील वा अत्यधिक कटल नहि हो।

१३५. (A) हमर आ अहाँक — गोपी 'ना' केँ 'हमर' आ 'नी' केँ 'अहाँक' अर्थ सँ जोड़ि 'नानीलु' केँ सामूहिक काव्य-अनुभव बनबैत छथि।

१३६. (A) अर्थ अपूर्ण रहैत अछि — गोपीक अनुसार पहिल भाग दोसर भाग पढ़लाक बादे स्पष्ट होइत अछि; आधामे रुकल अर्थ अधूरा रहैत अछि।

१३७. (A) एक पूर्ण विचार-कविता — दू पंक्ति-दल भिन्न वाक्य जकाँ देखाइतो, विचारमे मिलि कऽ एक सम्पूर्ण कविता बनबैत अछि।

१३८. (A) पहिल भागक समर्थन, विस्तार वा अर्थ-प्रकाश — विवेचन कहैत अछि जे दोसर इकाई पहिल इकाईकेँ समर्थन करैत वा ओकर रूपक-संकेत खोलैत अछि।

१३९. (A) पहिल संकेतकेँ तीक्ष्ण आ तमसायल ढंगें खोलब — बहुत बेर दोसर पंक्तिये रूपक वा मानवीकरणक माध्यमे पहिल विचारक संकेत खोलैत अछि।

१४०. (A) छोट आकारमे सेहो पूर्ण काव्य-तनाव आ अर्थ सम्भव अछि — 'नानीलु' सिद्ध करैत अछि जे कसावदार सीमामे सेहो विचार, रूपक आ भावक पूर्णता सम्भव अछि।

१४१. (A) शास्त्रीय परम्परा आ आधुनिक संक्षिप्तता-बोधक संयोजन — विवेचन 'नानीलु' केँ मुक्तक परम्परा, वेमनाक साहित्यिक विरासत आ आधुनिक पाठकक संक्षिप्त कविता-रुचिक संग जोड़ैत अछि।

१४२. (A) ओ उपदेशात्मक परम्परा सँ हटैत अछि — 'नानीलु' सूक्ति-परम्परा सँ जुड़ल रहितो सीधा उपदेश नहि दैत; ओ अनुभवक खुलल संकेत दैत अछि।

१४३. (A) सघन संक्षिप्तताक ऊर्जा देखाबय लेल — गोपी गाथासप्तशतीक प्राकृत कवि सभमे छोट रूपक ऊर्जाकेँ देखैत छथि।

१४४. (A) प्राचीन सूक्ति वा मुक्तक सभक तेलुगु अनुवाद लेल — रल्लपल्लि प्राचीन सूक्ति-मुक्तकक सघनता, सूक्ष्मता आ भावकेँ तेलुगुमे स्थानान्तरित करबाक लेल छोट रूप चुनलनि।

१४५. (A) ई २०-२५ अक्षरक स्वतंत्र गति आ अलग संरचना रखैत अछि — गोपी हाइकुक स्थिर छवि-भाव सँ अलग 'नानीलु' मे गति आ प्रयोगक स्वतन्त्रता देखैत छथि।

१४६. (A) ओकरा स्नैपशॉट वा स्थिर फोटोग्राफ जकाँ गति-विहीन बुझलनि — गोपीक अनुभवमे हाइकुक सत्रह-अक्षर संरचना किछु बेर स्थिर फोटो जकाँ भासैत छल।

१४७. (A) छोट कविता लेल नियत आ परिवर्तनशील छन्दक बीच उपलब्ध स्थान — ई संदर्भ बतबैत अछि जे गोपी छन्दक कठोरता आ लचीलापनक बीच छोट कविता लेल नव स्थान खोजैत छथि।

१४८. (A) निअम आ शर्त विचारकेँ सीमितो करैत अछि आ मुक्तो करैत अछि — गोपीक निर्धारित सीमा विचारकेँ दबबैत नहि; ओहि सीमा भीतर कविता काव्य-तनाव पबैत अछि।

१४९. (A) एक धारणा सम्भव अछि, कहियो-कहियो वैह एकमात्र धारणा अछि, से स्वीकारब — पाठककेँ छोट कवितामे चमकल दृष्टिकोणक वैधता पहिचानबाक आग्रह अछि।

१५०. (A) सीमित रूप आ मुक्त विचारक बीचक अन्तरमे — कविता अपन आकार-नियमन आ विचार-स्वतन्त्रता बीच उत्पन्न तनावसँ प्रभावी बनैत अछि।

१५१. (A) बहुरूपदर्शक — विवेचन 'नानीलु' केँ जीवनक अनेक क्षण-छवि सभक बहुरूपदर्शक कहि ओकर वैविध्य देखबैत अछि।

१५२. (A) ओ अपनामे पूर्ण अछि आ जीवनक स्थिति पर प्रतिक्रिया अछि — छोट आकारमे प्रत्येक कविता कोनो विचार, घटना वा स्थिति पर स्वतंत्र प्रतिक्रिया बनैत अछि।

१५३. (A) लगपासक जीवनक गहीर निरीक्षक रूपमे — 'नानीलु' छोट-छोट जीवन-दृश्यसँ सत्य पकड़ैत अछि, जाहिसँ गोपीक पर्यवेक्षण स्पष्ट होइत अछि।

१५४. (A) क्षणमे चमकैत काव्य-सत्य — नानीलु क्षणिक बोधकेँ छोट उज्ज्वल बिन्दु जकाँ पकड़ैत अछि।

१५५. (A) जीवन-छवि, संक्षिप्तता आ सार्वभौमिक स्पर्श — एकर काव्य-संवेदना भाषा-सीमा पार करब योग्य अछि, तें अनुवादक सभक बीच लोकप्रिय भेल।

१५६. (A) गहीर जड़ि जमेलक आ बहुत लोककेँ कवि बना देलक — प्रारूपक सहजता आ नवता लोककेँ लिखबा लेल प्रेरित कएलक।

१५७. (A) क्षेत्रीय संस्कृति, राजनीति, आक्रोश, वर्ग, जाति आ स्त्री-स्थिति — आन कवि सभ एहि रूपक प्रयोग सँ बोली, क्षेत्र, जाति-वर्ग, वर्चस्व-विरोध आ स्त्रीक स्थिति पर विचार कएलनि।

१५८. (A) ई शैली सामाजिक-राजनीतिक चेतना सेहो वहन करैत अछि — संक्षिप्त रूप होइतो 'नानीलु' सामुदायिक आ राजनीतिक अनुभवक अभिव्यक्ति बनि सकैत अछि।

१५९. (A) 'नानीलु' क पिता-निर्माता रूपमे — देवेन्द्रक पंक्ति गोपीक रचनात्मक पितृत्वकेँ हँसैत-खेलैत मान्यता दैत अछि।

१६०. (A) प्रारूपक विकास देखि स्रष्टा गोपीक चकित गर्व — ई उदाहरण 'नानीलु' क बढ़ैत फलन-फूलन आ गोपीक आश्चर्य-गौरवकेँ सूचित करैत अछि।

१६१. (A) धरती फेर सँ आकार देबाक तैयारी करैत अछि — टूटनक बादो धरती पुनर्निर्माणक सम्भावना धारण करैत अछि—ई नानी विनाशमे सृजन देखैत अछि।

१६२. (A) चलब नीक अछि, मुदा कखनो-कखनो थम्हब बेसी सार्थक अछि — लोलक चलैत देखाइतो एक जगह रहैत अछि; कविता गति आ ठहरावक अर्थ पर विचार करैत अछि।

१६३. (A) बरखा नोर पोंछैत अछि कि सूर्य घामकेँ भाप बनबैत अछि? — प्राकृतिक तत्त्वक मानवीकरण सँ नानी नोर, घाम आ करुणाक सीमा पर प्रश्न करैत अछि।

१६४. (A) तालाब सभक विनाश आ मकबरा-जकाँ निर्माण — तालाबक ठाम बंगला उगि गेल, से जलस्थलक मृत्युक तीक्ष्ण पर्यावरणीय व्यंग्य अछि।

१६५. (A) ओ कलम धारण करय बला हाथ अछि — लेखनक हाथ जड़ मृत्युक बीचो सर्जनात्मक अमरता पबैत अछि—एहि संकेतक नानी अछि।

१६६. (A) पात गाछक दुःख नहि बुझैत, गाछ पातक सरसराहटि नहि बुझैत — ई नानी सह-अस्तित्वमे सेहो अनुभवक दूरी आ अनसुना रहि जाएबाक पीड़ा देखबैत अछि।

१६७. (A) शब्द भेटलासँ विचार अपने-आप नहि निकलैत — शब्द-सामग्री पर्याप्त नहि; सृजन लेल भीतरी विचार-कण चाही।

१६८. (A) सौन्दर्य वा सृजन-बिना माध्यम अधूरा अछि — जतय कमल नहि, ओ पोखरि खाली भासैत अछि; तहिना कविता बिना कागज अधूरा अछि।

१६९. (A) पीड़ा अपन अलग स्वर रखैत अछि आ स्वस्थ भेला पर स्वर बदलैत अछि — नानी चोटकेँ भाषा देइत अछि; दुखक स्वर समय आ उपचारक संग बदलैत अछि।

१७०. (A) जतेक ऊँच उठैत अछि, ओही ठाम वापस खसि पड़ैत अछि — उत्थान आ पुनः-पतनक चक्र समुद्रक लहरमे मानवीय विडम्बना जकाँ देखायल अछि।

१७१. (A) व्यक्ति दुःखसँ भरल छथि — छोट ध्वनि मनक दुख खोलि दैत अछि; ई नानी सूक्ष्म संकेत सँ भाव पढ़ैत अछि।

१७२. (A) सृष्टिमे दुनू स्रष्टा होइतो स्वामित्व एकतरफा मानल जाइत अछि — ई पंक्ति सृजनमे साझेदारी आ स्वामित्वक असमान दावाक व्यंग्यपूर्ण संकेत अछि।

१७३. (A) जीवनक झटका सँ जुड़ल अस्तित्वगत ताल — जीवनक लय सामाजिक पीड़ा आ संघर्षक धक्का सँ बनैत अछि।

१७४. (A) जीवनमे डुबकी लगला पर सौन्दर्य आ पीड़ा दुनू भेटैत अछि — मोती आ नोर एक संग भेटब जीवनक मिश्रित उपलब्धि आ वेदना व्यक्त करैत अछि।

१७५. (A) सुतला कऽ बाद मात्र — ई नानी श्रमशील व्यक्तिक अतिशय दायित्व-बोध देखबैत अछि—ओ सूर्यकेँ जगाबय लेल सेहो जागैत अछि।

१७६. (A) समयक हाथ नहि अछि — समयकेँ मानवीकृत कऽ कविता कहैत अछि जे हाथ नहि रहने ओ नोर पोंछि नहि सकैत।

१७७. (A) समयक आँखि नहि अछि — एकहि नानीमे समय असमर्थ साक्षी बनैत अछि—ओ नोर न पोंछैत, न स्वयं रोइत।

१७८. (A) विचारकेँ शब्दमे बाँधब कठिन अछि — विचार शब्दक कपड़ा पहिरला पर फाटि सकैत अछि—अर्थात अभिव्यक्ति सदिखन अपूर्ण रहि सकैत अछि।

१७९. (A) अक्षर सभ जीवित ध्वनि बनि उठल — पन्नाक गुनगुनाहटि पाठकक अनुभवमे अक्षरक जीवंतता देखबैत अछि।

१८०. (A) अत्यधिक विलाप मृत्युक विजय-बोध बढ़ा सकैत अछि — नानी दुःखक बीच आत्मबल राखबाक संकेत दैत अछि, जे मृत्युक दंभ कम करय।

१८१. (A) खदीर बाबू — ई कथा मोहम्मद खदीर बाबूक मूल तेलुगु रचना रूपमे देल गेल अछि।

१८२. (A) नेल्लोर जिलाक कावलीमे — परिचयमे हुनकर जन्म १९७२ मे नेल्लोर जिलाक कावलीमे भेल कहल गेल अछि।

१८३. (A) फीचर पत्रकार — लेखक-परिचय बतबैत अछि जे ओ दस बर्ख धरि 'आन्ध्र ज्योति' मे फीचर पत्रकार रहलाह।

१८४. (A) 'साक्षी' अखबारक समाचार सम्पादक — परिचयमे हुनका 'साक्षी' तेलुगु अखबारक समाचार सम्पादक कहल गेल अछि।

१८५. (A) दरगामिट्टा कथालु — परिचयमे 'दरगामिट्टा कथालु', 'पोलेरम्मा बण्डा कथालु' आ 'पप्पुजान कथालु' क उल्लेख अछि।

१८६. (A) 'जमीन' — हुनका १९९९ मे अपन कथा 'जमीन' लेल 'कथा अवार्ड' भेटल कहल गेल अछि।

१८७. (A) गुरु प्रति अत्यन्त श्रद्धा आ जीवन-ऋणक भाव — आरम्भमे कथावाचक अपन चित्रकला गुरुकेँ साधारण शिक्षक नहि, जीवन-निर्माता रूपमे रखैत अछि।

१८८. (A) एबेनेजर आ डेविड — कथा दसम् कक्षाक ईसाई वरिष्ठ छात्र एबेनेजर आ डेविडसँ आरम्भिक शरारती मार्गदर्शन जोड़ैत अछि।

१८९. (A) नाम-ठेकाना — ओ गाछक नीचाँ झिझकैत नव छात्र लग आबि ओकर नाम-ठेकाना पूछैत छल।

१९०. (A) ओ सलाहो दैत छल आ शरारती परम्परा सेहो थोपैत छल — वरिष्ठ सभ नवान छात्रकेँ अपनाइतो छल, मुदा उपनाम आ उपहासक परम्परा देबाक दुष्टता सेहो राखैत छल।

१९१. (A) नीक पढ़बैत छथि मुदा नोट्स नहि दैत छथि — वरिष्ठ छात्र नव छात्रकेँ बतबैत अछि जे पिच्चैया मास्टर पढ़बैत नीक छथि, मुदा नोट्स नहि दैत।

१९२. (A) ढेर नोट्स दैत छथि मुदा एक शब्दो नहि पढ़बैत — मधुसूदनराव मास्टर नोट्स खूब दैत छथि मुदा पढ़बैत नहि—ई हास्यपूर्ण विरोधाभास वरिष्ठ छात्रक 'सलाह' मे अछि।

१९३. (A) 'दान वीर सूर कर्ण'—छत्तीस रील, शानदार, मुदा शोर पर कठोर पिटाइ — नरसैया मास्टरक पाठ नाटकीय आ लम्बा चित्रित अछि, संगहि कठोर अनुशासनक भय जोड़ल गेल।

१९४. (A) दुनू कोमल—पाठ फुसफुसाहट सन आ पिटाइ सेहो नरम — वरिष्ठ छात्र अन्नपूर्णा टीचरकेँ नरम शिक्षण आ नरम दण्डक रूपमे हास्यपूर्ण ढंगें रखैत अछि।

१९५. (A) मास्टर सभक उपनाम — ओ कथित रहस्यक रूपमे 'अनन्त गाथा', 'पनामा ब्लेड', 'दाँत नोचल जायत' आ 'दिव्य निद्रा' देलक, जे शिक्षक-उपनाम छल।

१९६. (A) एक मास्टरक बार-बार दोहराओल 'अनन्त गाथा' वाक्यांश सँ — ओ मास्टर पाठमे बारम्बार 'अनन्त गाथा' कहैत छलाह, तें ओहि शब्दे उपनाम बनि गेल।

१९७. (A) मास्टर धमकीमे पनामा ब्लेडक नाम बार-बार लैत छलाह — धमकीक भाषा—'पनामा ब्लेड आनि देब'—एतेक दोहरायल जे ओही उपनाम बनि गेल।

१९८. (A) सज्जन मास्टरक कोलाहल पर बेंतसँ दाँत नोचि देबाक चेतावनी — सज्जन मास्टर सेहो अनुशासन लेल 'दाँत नोचि देब' जकाँ मानक चेतावनी दैत छलाह।

१९९. (A) भोजनक बाद पाँच मिनट ओंघी लैत मास्टरक — ई मास्टर कक्षा मे आँखि बन्द करैत 'ई दिव्य निद्रा अछि' कहि तेसर नेत्रसँ देखबाक दावा करैत छलाह।

२००. (A) गुरु सभकेँ हुनकर शब्द सँ स्थायी नाम देब आ कनिष्ठकेँ देब उचित अछि कि नहि — कथा हास्यक भीतर गुरु-असम्मान आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत उपहासक नैतिकता पर प्रश्न करैत अछि।

२०१. (A) जी. नागेश्वरराव — कथामे ओना असली नाम जी. नागेश्वरराव कहल गेल, मुदा सभ हुनका 'चित्रकला मास्टर' कहैत छल।

२०२. (A) ओहि कक्षामे ऊब, गृहकार्यक पीड़ा आ बेंत-पिटाइ नहि छल — चित्रकला कक्षा भयमुक्त आ सृजनात्मक अवकाश छल, जाहिसँ कथावाचक उत्सुक रहैत छल।

२०३. (A) कमल फूल, माटिक घैल, जोड़ा हंस, मोमबत्ती, लालटेन, काँच आम — मास्टर सरल जीवन-संबंधी चित्र बोर्ड पर बनबैत छलाह, जे बच्चा सभ कॉपीमे उतारय चाहैत छल।

२०४. (A) चारि इरेजर, छह पेन्सिल आ तीन शीट कागज कारी करब — चित्र उतारबाक कठिनाईकेँ ओ अत्युक्तिपूर्ण हास्य सँ देखबैत अछि—इरेजर, पेन्सिल आ कागज सब खर्च भऽ जाइत।

२०५. (A) किछु नहि कहैत छलाह — मास्टर बच्चा सभक असफल आकृति पर दण्ड नहि दैत; एहि दया सँ कक्षा सुरक्षित बनैत अछि।

२०६. (A) कुर्सी छोड़ि मेज पर पएर लटकबैत बैसि गप करब शुरू करैत — ओ चित्रकला सँ जीवनकथा दिस सहज रूपेँ मुड़ैत छलाह—मेज पर बैसि गप्प शुरू करब हुनकर शैली छल।

२०७. (A) मजदूर पिता बेटाक पढ़ाइ लेल कठोर परिश्रम करैत छथि — बारह रुपैया कमबैत भट्ठा-मजदूर पिता अपन बेटाक भविष्य लेल श्रम करैत छथि—ई मास्टरक प्रेरक उदाहरण अछि।

२०८. (A) अदरक चाह बेचि पिता बेटाक कर्मठ भविष्य चाहैत छथि — मास्टर गरीब पिता सभक श्रमकेँ बच्चा सभक पढ़ाइ सँ जोड़ैत छथि।

२०९. (A) बहुत मेहनत सँ पढ़बाक चाही — ओ प्रश्न-उत्तरक शैलीमे बच्चा सभक भीतर श्रम आ दसम् पास करबाक इच्छा जगबैत छलाह।

२१०. (A) गरीब पिता-माताक श्रमक मान राखि शिक्षा लेल मेहनत करब — कथाक मास्टर चित्रकला पढ़बैत-पढ़बैत सामाजिक उत्तरदायित्व आ परिश्रमक पाठ पढ़बैत छथि।

२११. (A) जवाहर भारती कॉलेज — ओ स्कूलक पाछू स्थित जवाहर भारती कॉलेजक उदाहरण दैत विद्यार्थी सभक भविष्यक कल्पना जगबैत छलाह।

२१२. (A) दसम् पास कऽ इण्टरमे दाखिला लेब — ओ आकर्षक भविष्यक चित्र बना कऽ कहैत छलाह—दसम् पास करू, इण्टरमे जाउ।

२१३. (A) किशोर छात्रक कल्पना केँ पढ़ाइ लेल प्रेरक भाषा बनब — मास्टर किशोर मनक आकर्षणकेँ पढ़ाइ आ भविष्यक लक्ष्य सँ जोड़ि मजाकिया प्रेरणा बनबैत छथि।

२१४. (A) जाहि सँ ओ सभ दसम् पास कऽ सकय — ओ विषयक औपचारिक महत्त्व कम रहितो छात्र सभक परीक्षा-जीवन बचाबय लेल लगन सँ प्रेरित करैत छलाह।

२१५. (A) औपचारिक प्रणाली ओकर योगदानकेँ कम देखैत छल — अङ्क नहि रहने लोक नहि बुझैत छल जे मास्टर की पढ़बैत छथि, मुदा कथावाचक हुनकर गहिर योगदान बुझैत अछि।

२१६. (A) दसम् परीक्षाक उत्तीर्ण प्रतिशतमे चित्रकला मास्टरक बराबर भूमिका — दसम् पास प्रतिशतक चार्टमे कथावाचक चित्रकला मास्टरक अदृश्य योगदान देखैत अछि।

२१७. (A) ओ छात्र सभमे पढ़बाक इच्छा आ आत्मविश्वास जगबैत छलाह — मास्टरक मूल योगदान परीक्षाक अङ्क नहि, बल्कि बच्चा सभक जीवन-लक्ष्य आ परिश्रमक चेतना जगाब छल।

२१८. (A) श्रद्धासँ क्षमायाचना करैत 'ओ हमर भगवान नहि छथि?' कहय पड़ैत अछि — वरिष्ठ छात्र सेहो मास्टरक नैतिक ऊँचाईक सामने गाल थपथपा श्रद्धापूर्वक क्षमा माँगय योग्य अनुभव करैत छथि।

२१९. (A) कथा सिद्ध करैत अछि जे गुरु छात्रक जीवन-दिशा बदलि सकैत छथि — आरम्भिक श्रद्धा कथाक घटनाक्रम सँ प्रमाणित होइत अछि—चित्रकला गुरु जीवन-गुरु बनि जाइत छथि।

२२०. (A) 'पोलेरम्मा बण्डा कथालु' — टिप्पणी बतबैत अछि जे मूल कथा 'पोलेरम्मा बण्डा कथालु' सँ लेल गेल अछि।

२२१. (A) भय सँ भरल मायक निर्दोष मुँह — कथा मायक भयभीत चेहरा सँ शुरू होइत अछि; ई चेहरा कथावाचकक स्मृति आ वर्तमान दुनूक केन्द्र बनैत अछि।

२२२. (A) मक्का मस्जिदक भीतर बम विस्फोट — मक्का मस्जिद विस्फोटक समाचार मायकेँ डरा दैत अछि आ कथावाचकक धार्मिक स्मृतिसँ टकरा जाइत अछि।

२२३. (A) बेटा मस्जिद गेल छल की नहि — मायकेँ डर अछि जे बेटा ओहि दिन मस्जिद गेल हएत; एहि प्रश्नमे विस्फोटक तुरन्त प्रभाव व्यक्त अछि।

२२४. (A) कारण पहिने वैह माय ओकरा शुक्रवारक नमाज लेल अनिवार्य रूपेँ भेजैत छलीह — धार्मिक आग्रहसँ भरल माय अचानक सुरक्षा-भयक कारण बेटाकेँ मस्जिद सँ दूर चाहैत छथि; एहि परिवर्तन सँ कथावाचक भीतर सँ टूटैत अछि।

२२५. (A) हाहाकार, टीवीक व्याकुल स्वर, पाथरबाजी, दहशत आ रक्तपातक रूपमे — आरम्भिक दृश्य सामूहिक हिंसा आ आतंकक वातावरण बनबैत अछि, जाहि पर मायक भय टिकैत अछि।

२२६. (A) बाल्यकालक शुक्रवार आ मस्जिद-स्मृति दिस — मायक भय सुनिते कथावाचक बाल्यकालक नमाज, माय आ शुक्रवारक धार्मिक जीवन मोन करैत अछि।

२२७. (A) बेटा मस्जिद नहि गेल छल — पहिने माय मस्जिद न जाएब अपराध मानैत छलीह; विस्फोटक बाद ओहि अनुपस्थितिमे बेटाक सुरक्षा देखैत छथि।

२२८. (A) मातृत्वक भय आ स्नेहक संकुलता — फोनक ओहि पुकारमे माय बेटाक जीवन लेल आतुर छथि; धार्मिक आग्रहक स्थान पर मातृत्वक काँपैत स्वर अछि।

२२९. (A) शुक्रवारक नमाज, स्मृति, आ हिंसा-पश्चात् बदलैत आस्था — 'जुम्मा' शुक्रवारक धार्मिक केन्द्रक संग-साथ भय, मातृत्व आ स्मृतिक गहिर परिवर्तनकेँ बाँधैत अछि।

२३०. (A) कवि-कथाकार आ साक्षी टीवीक मुख्य उप-सम्पादक — प्रारम्भिक परिचयमे वेम्पल्ले शरीफकेँ आन्ध्र प्रदेश मूलक लेखक आ साक्षी टीवीसँ जुड़ल मुख्य उप-सम्पादक कहल गेल अछि।

२३१. (A) ओ भक्तिपूर्वक प्रेम करैत छलीह आ ओकरा छोड़ि नै सकैत छलीह — कथा कहैत अछि जे माय किछुओ छोड़ि सकैत छलीह, मुदा शुक्रवारक नमाज नहि; ओहि आग्रहसँ घरक नियम बनैत छल।

२३२. (A) काजक बहाना बनबैत छलाह — बाबूजी भोरसँ नमाजक बात करितो समय अबिते बहाना बनबैत छलाह; मायक डाँटसँ बचब कठिन छल।

२३३. (A) ओ कहैत जे एखने माटिक ढेरी पर लगही कऽ आयल छी — बच्चा-स्वभावक आलस्य आ टालमटोल कथा मे हल्का हास्य जोड़ैत अछि।

२३४. (A) बेटाकेँ नमाज लेल अनुशासनमे राखबाक दृढ़ता — माय धार्मिक अनुशासनकेँ घरक व्यवहारमे कठोरता सँ लागू करैत छलीह।

२३५. (A) आन बच्चा सभसँ घुलि-मिलि वरदान माँगैत छल — कथा मे बच्चा मस्जिद पहुँचि खेल-घुलनशील वातावरणमे अपन घर-परिवार लेल वरदान माँगैत देखाइत अछि।

२३६. (A) अल्लाह पर विश्वास रखि मोन केन्द्रित राखब — माय नमाजकेँ श्रद्धा, विश्वास आ मनोनिवेशक साधना मानैत छलीह, केवल माँगबाक क्रिया नहि।

२३७. (A) बम फुटियो जाए, मोन अल्लाह पर केन्द्रित राखू कहि — एहि वाक्यक विडम्बना बादक वास्तविक विस्फोटसँ गहिर दुखद अर्थ ग्रहण करैत अछि।

२३८. (A) माय शिक्षकसँ बात कऽ कऽ मस्जिद-व्यवस्था करौने छलीह — माय नमाजक लेल स्कूल व्यवस्थाकेँ सेहो बदलबैत छलीह, जाहिसँ बच्चा असगर घर घुरि सकैत छल।

२३९. (A) ईर्ष्या — स्कूलक बच्चा सभ ओकरा भाग्यशाली बुझैत छल, कारण ओ शुक्रवारक दिन जल्दी घर पहुँचि जाइत छल।

२४०. (A) गरम स्नान, सुरमा, टोपी, उज्जर कुर्ता-पाजामा सँ पावन चमक — माय बच्चाकेँ धार्मिक दिन लेल स्नान, सुरमा, टोपी आ उज्जर वस्त्रसँ तैयार करैत छलीह; ई बाल्यकालक पावनता अछि।

२४१. (A) दरगाहक चित्र सोझाँ दीप, अगरबत्ती आ स्त्री सभक आवा-जाही — कथा शुक्रवारक घरेलू धार्मिक वातावरणकेँ दीप, सुगन्ध, स्त्री-व्यस्तता आ श्रद्धासँ भरल रूपमे देखबैत अछि।

२४२. (A) हजरतकेँ गली-गली सँ घर लऽ आनब — बाबूजी विधि पूरा नहि बुझैत छलाह, तैँ माय हुनका हजरतकेँ घर अनबाक जिम्मा दैत छलीह।

२४३. (A) धार्मिक विधि प्रति मायक सजगता आ बाबूजीक अनभिज्ञता — माय धार्मिक ज्ञानक अभाव पर बाबूजीसँ खीझैत छथि; एहि सँ घरक धार्मिक सत्ता हुनका हाथमे देखाइत अछि।

२४४. (A) भगवानकेँ चढ़ाओल वस्तुमे लोभ नहि, बाँटब आवश्यक — बच्चाक निराशा पर माय बाँटबाक नैतिकता सिखबैत छलीह; ई धार्मिकता आ उदारता दुनू अछि।

२४५. (A) बाल्यकालमे माय बच्चाकेँ सम्हारैत छलीह, आब पैघ बेटा मायकेँ सड़क पार करबैत अछि — एहि उलटफेरमे समयक दूरी, मातृत्वक स्मृति आ बेटाक पैघ भऽ जेबाक मार्मिकता अछि।

२४६. (A) ओ बेटा पर खर्चक बोझ नहि बनय चाहैत छलीह — मायक विरोधक भीतर ममता आ संकोच अछि; बेटाक आर्थिक स्थितिक प्रति हुनकर संवेदनशीलता झलकैत अछि।

२४७. (A) बेटा बतौलक जे निजाम नवाब सभ द्वारा बनायल बड़का मस्जिद अछि — मक्का मस्जिदक ऐतिहासिक-धार्मिक महत्त्व सुनि माय भीतर सँ खिंचल गेलीह।

२४८. (A) महिला सभ सामान्यतः मस्जिदमे प्रवेश नहि करैत छथि आ ओ बुरका बिना छलीह — समुदायिक आ धार्मिक मर्यादाक दबावक कारण माय बुरका बिना अपनाकेँ असहज अनुभव करैत छलीह।

२४९. (A) शान्त, मनमोहक धार्मिक परिसरक दृश्य बनबैत अछि — माय मुग्ध भऽ परबा आ परिसर देखैत छथि; बादक विस्फोटक स्मृति एहि शान्त दृश्यकेँ टूटल बनबैत अछि।

२५०. (A) श्रद्धा आ पवित्रता — देवारकेँ आँखिसँ लगब मायक धार्मिक आदर आ गहिर विश्वासक द्योतक अछि।

२५१. (A) अगिला हप्ता एतय नमाज पढ़य आयब — मस्जिदक पवित्रता आ मायक आग्रहसँ कथावाचक एतय नमाज पढ़बाक संकल्प करैत अछि।

२५२. (A) पुरान, पवित्र मस्जिदमे नमाजक आध्यात्मिक महत्त्व — माय पवित्र स्थल सभकेँ भाग्य आ पुण्यसँ जोड़ैत छथि।

२५३. (A) ओ वादा कात कऽ देलक आ मस्जिद जायब बिसरि गेल — कथा मनुष्यक टालमटोल आ स्मृति-विस्मृति देखबैत अछि; वचन देलाक बादो ओ पालन नहि करैत।

२५४. (A) ओ शुक्र सँ डराइत अछि — धार्मिक शुभदिन रक्तपातक स्मृतिसँ भयावह बनि जाइत अछि।

२५५. (A) शोनित सँ लथपथ बच्चा आ मरल परबा — बच्चा आ परबाक मृत्यु शान्त धार्मिक परिसरक विनाशक अत्यन्त मार्मिक संकेत अछि।

२५६. (A) गाम घुरि आउ आ ओहि मस्जिद लग नहि जाउ — पहिने नमाज लेल दबाव देनिहार माय आब बेटाक जीवनक सुरक्षा लेल ओहि ठामसँ दूर रहबाक आग्रह करैत छथि।

२५७. (A) आस्था आ मातृत्वक बीच कथावाचकक भीतरी द्वन्द्व — कथावाचक अनुभव करैत अछि जे मातृ-स्नेह भयक क्षणमे धार्मिक आग्रहकेँ पछाड़ि दैत अछि।

२५८. (A) कारण ओ आस्था, भय आ मायक बदलल आग्रहक बीच अपराध-बोध अनुभव करैत अछि — ओ धार्मिक संवेदनाक भीतर मायक भय, अपन वादा आ विस्फोटक रक्तपात सभकेँ जोड़ि अपराध-बोधमे डूबल अछि।

२५९. (A) मक्का मस्जिद विस्फोटक बाद बदलय लेल विवश माय सभ लेल — समर्पण स्पष्ट करैत अछि जे कथा भयक कारण बदलल मातृत्वक पीड़ा केँ सम्बोधित अछि।

२६०. (A) हिंसा पवित्र स्मृति आ आस्था दुनूकेँ घायल करैत अछि — कथा देखबैत अछि जे आतंक पवित्र स्थल, बाल्यकालक विश्वास आ मायक धार्मिक आग्रह सभकेँ बदलि दैत अछि।

२६१. (A) आँखिमे लगाबय बला काजर — सुरमा बच्चाक शुक्रवारक सजावटसँ जुड़ल अछि; शब्दावली एकरा आँखिक काजर कहैत अछि।

२६२. (A) सन्त सभक मकबरा पर बनल श्रद्धास्थल — दरगाहक चित्र पर दीप, अगरबत्ती आ नारिकेलक अनुष्ठान घरेलू श्रद्धा जगबैत अछि।

२६३. (A) खुदा आ पैगम्बर मुहम्मद पर विश्वास व्यक्त करय बला वचन — कलमा इस्लामी आस्था-सूत्रक रूपमे व्याख्यायित अछि।

२६४. (A) दफनाबय सँ पहिने मृतककेँ कराओल जाय बला अन्तिम स्नान — ग़ुस्ल मृत्यु-संस्कारसँ जुड़ल स्नान अछि, जकरा माय बाबूजीक धार्मिक अज्ञान प्रसंगमे छेड़ैत छथि।

२६५. (A) पवित्र आ श्रद्धेय व्यक्ति — हजरत धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न करय लेल घर अनाओल श्रद्धेय व्यक्तित्व अछि।

२६६. (A) शान्त पवित्र परिसरक जीवित सौन्दर्य, जे बादमे हिंसा सँ टूटैत अछि — मस्जिदमे परबाक मनमोहक दृश्य बादक मृत परबा-स्मरणसँ विडम्बित होइत अछि।

२६७. (A) चढ़ाओल वस्तु बाँटब आ लोभ त्यागब — मायक शिक्षा धार्मिक भोगकेँ साझेदारी आ उदारता सँ जोड़ैत अछि।

२६८. (A) ऐतिहासिक शहर, पर्यटन-आकर्षण आ पवित्र स्थल बीच बेटा-मायक संवाद — बेटा शहरी स्मारक देखबय चाहैत अछि, माय पवित्र मस्जिद दिस खिंचल छथि; एहि संवादमे दुनूक दृष्टि खुलैत अछि।

२६९. (A) वर्तमान फोन-भय सँ अतीत स्मृति आ फेर वर्तमान शोक दिस लौटब — कथा फोन कॉल सँ शुरू होइत अछि, बाल्यकाल आ हैदराबादक स्मृति खोलैत अछि, आ विस्फोटक शोकमे लौटि अबैत अछि।

२७०. (A) ओ धार्मिक आस्थाकेँ छोड़ि नहि देलनि; भयभीत मातृत्व बेटाक जीवन बचय चाहैत अछि — कथा मायक बदलल वाक्यकेँ आस्थाहीनता नहि, बल्कि विस्फोटक बाद काँपैत मातृ-सुरक्षा-बोध बनबैत अछि।

२७१. (A) चक्रवात, भारी बरखा, अन्हार आ खराब स्ट्रीट लाइटक बीच — आरम्भक मौसम बाहरी अराजकता बनबैत अछि, जे कथाक भीतरक संकटसँ मेल खाइत अछि।

२७२. (A) केबाड़ भीतर सँ बन्द नहि छल आ शर्मा फर्श पर सुतल छल — तूफानी राति, खुलल केबाड़ आ फर्श पर बालसखा शर्मा कथाक रहस्य आरम्भ करैत अछि।

२७३. (A) बचपनसँ संग गाबैत-खेलैत आ कॉलेजमे कोठली साझा करैत पैघ भेल मित्र — कथा मित्रताकेँ दीर्घ, आत्मीय आ साझा जीवनानुभवक आधार पर स्थापित करैत अछि।

२७४. (A) ओ बीमार, भूखल, बेरोजगार आ बदहाल अछि, मुदा आँखि चमकदार अछि — खोंखी, दाढ़ी, फाटल कमीज आ गरीबीक संग ओकरा भीतरक तेजस्विता विरोधाभास बनबैत अछि।

२७५. (A) ओ आदर्शकेँ शब्द नहि, कर्ममे उतारैत छल आ ओहिमे फँसि जाइत छल — शर्मा कथामे आदर्शवादी, कर्मशील आ एहि कारण संकटग्रस्त व्यक्ति बनि उभरैत अछि।

२७६. (A) भीजल केश सुखाउ, नहि तँ सर्दी लागि जायत — स्वयं संकटमे रहितो शर्मा मित्रक स्वास्थ्यक चिन्ता करैत अछि; एहि सँ ओकर स्नेह प्रकट अछि।

२७७. (A) ओ सातम मासमे अछि आ भाइ सभ प्रसव लेल घर लऽ गेल छथि — पत्नीक गर्भावस्था आ दूरी शर्माक पारिवारिक असुरक्षा कैं बढ़बैत अछि।

२७८. (A) कारण शर्मा आदर्शवादी संघर्षक कारण बेरोजगारीमे पड़ैत रहल अछि — मित्रता एतेक घनिष्ठ अछि जे कथावाचक घुमौने बिना मूल संकट पर चोट करैत अछि।

२७९. (A) ओ ओकरा अन्धविश्वास कहि रोकय चाहैत अछि — कथावाचक तर्कशीलता आ भावुक मित्रताक बीच अछि; ओ अन्धविश्वासक विरोध करैत अछि।

२८०. (A) मित्रक बीमारी, बेरोजगारी, तूफान आ अनिष्टक संकेत एक संग जुटैत अछि — चक्रवातक राति व्यक्तिगत आ सामाजिक अभिशापकैं प्रतीकात्मक रूपैं उद्घाटित करैत अछि।

२८१. (A) शर्माक घर खोजि ओकरा भेटय गेल — हैदराबाद स्मृति शर्माक पारिवारिक स्थिति, गरीबी आ संघर्षक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

२८२. (A) भैया आबि गेलाह, महालक्ष्मी — एहि पुकारमे मित्रताक पारिवारिक आत्मीयता अछि; कथावाचक घरक सदस्य जकाँ स्वागत पबैत अछि।

२८३. (A) मात्र एक कोठली आ छोट मटियातेल स्टोव — एक कोठलीक घर आ दवाई बनाबय लेल छोट स्टोव गरीबीक स्पष्ट चित्र बनबैत अछि।

२८४. (A) उभरैत डॉक्टरकैं चिड़िया जकाँ नहि खेबाक चाही — ओ स्नेहपूर्वक बेसी खुआय चाहैत छथि; गरीबीक बीचो अतिथि-सत्कारक ऊष्मा अछि।

२८५. (A) मजदूर सभकैं न्यूनतम मजदूरी आ न्याय दिलायब — ओ शोषण, कम मजदूरी आ प्रबन्धकीय धोखाधड़ीक विरुद्ध लड़बाक बात करैत अछि।

२८६. (A) कारण संघर्षमे पत्नी आ ओकर भविष्य सेहो जोखिममे अछि — मित्र ओकर आदर्शक सम्मान करैत अछि, मुदा पारिवारिक आ आर्थिक जोखिम देखि चिन्तित अछि।

२८७. (A) कहानी सभक चित्रण कऽ कऽ कमा लैत अछि — दरमाहाक अलावे चित्रणक आय शर्माक रचनात्मक श्रम आ संघर्षशील जीवन दुनू देखबैत अछि।

२८८. (A) मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि बिना डॉक्टर बनबो कठिन आ खर्चीला अछि — कथा चिकित्सा-शिक्षा, सामाजिक पृष्ठभूमि आ प्रतिष्ठा-प्रदर्शनक दबावक यथार्थ देखबैत अछि।

२८९. (A) गरीब आदर्शवादी संघर्षक व्यावहारिक खतरा — ओ बुझैत अछि जे आर्थिक सुरक्षा बिना आदर्शवाद कखन आत्म-विनाशक होमय लगैत अछि।

२९०. (A) ओ गरीब भीड़कैं धनिकक हाथक असहाय मोहरा मानैत अछि — कथावाचक जानैत अछि जे संख्या-सहयोग सत्ता आ धनक हिंसा सोझाँ कमजोर पड़ि सकैत अछि।

२९१. (A) ओकरा अस्पताल लऽ जा कऽ मुख्य डॉक्टरकैं देखाएब — मित्र चिकित्सकीय सहायता कैं तुरन्त आवश्यक बुझैत अछि।

२९२. (A) बालागंगाधर शर्मा, पुरुष, २४ बर्ख — कथा स्पष्ट नाम आ अवस्था दैत अछि, जाहिसँ अस्पताल-प्रसंग ठोस बनैत अछि।

२९३. (A) ओकरा भर्ती करू आ ध्यान सँ फलो-अप करू — भर्ती आदेश शर्माक बीमारीक गंभीरताकैं मान्यता दैत अछि।

२९४. (A) प्रबन्धन-संघर्षक बीच ओकरा काला जादू आ अभिशाप देबाक झूठ आरोपमे घेरल गेल — नौकरीक संकट अन्धविश्वास, राजनीति आ प्रबन्धनक मिलीभगतसँ पैदा भेल अछि।

२९५. (A) विरोधी यूनियनक काज हएत — ओ प्रारम्भमे राजनीतिक-यूनियन संघर्षक संकेत देखैत अछि।

२९६. (A) ठाम छोड़ू, नहि तँ लोक मारि देत — यादगिरीक चेतावनी सामूहिक अन्धविश्वास आ हिंसक भीड़क दबाव बतबैत अछि।

२९७. (A) ओ काला जादूसँ ओकर मृत्यु करौलक — कथाक शीर्षक 'अभिशप्त' एहि झूठ अन्धविश्वासी आरोपसँ जकड़ायल अछि।

२९८. (A) तीन मासक वेतन आ असंतोषजनक सेवाक बर्खास्तगी आदेश दऽ कऽ — काला जादूक उल्लेख आदेशमे नहि, मुदा 'असंतोषजनक सेवा'क औपचारिक भाषा सँ ओकरा हटाओल जाइत अछि।

२९९. (A) दूनूक मिलीभगत ओकरा अलग-थलग करलक — ओ अनुभव करैत अछि जे सत्ता-तंत्र आ विभाजन ओकर सामाजिक आधार तोड़ि देलक।

३००. (A) शर्माक, जे अपनाकैं जन-हितैषी मानितो दुश्मन मानल जाइत अछि — शर्मा व्यथित अछि जे जिनका लेल लड़ल, वैह लोक अन्धविश्वासमे ओकरा शत्रु देखि रहल अछि।

३०१. (A) खोंखी घटि जाइत अछि आ नीक दवाई-भोजनसँ ओ बदलि जाइत अछि — सही देखभाल भेटिते ओकर शरीर सुधरैत अछि; एहि सँ अभाव आ उपचारक अन्तर स्पष्ट होइत अछि।

३०२. (A) ओ ओकर समृद्धि, नौकरी आ भविष्यक सपना देखैत रहैत अछि — शर्मा अपन संकटक बीचो मित्र लेल स्वप्न देखैत अछि; ओकर आत्मीयता अटूट अछि।

३०३. (A) गरीबक सेवा कहबाक बदला खाड़ी देश जाउ आ धनी बनू — पीड़ा आ पराजय ओकर पहिले वाला आदर्शवादकैं खिसका दैत अछि।

३०४. (A) पीड़ित सभक लग — रोहिणीक सावधानी कथावाचककेँ निष्ठुर बुझाइत अछि, कारण शर्मा ओकर बालसखा अछि।

३०५. (A) ओ दाँत पीसैत अछि आ आहत होइत अछि — मित्रक पीड़ा प्रति रोहिणीक दूरी कथावाचकक नैतिक भावनाकेँ चोट पहुँचबैत अछि।

३०६. (A) टीबी अस्पताल सँ हटला बाद शर्माक सुरक्षा आ निगरानी कमजोर पड़ैत अछि — कथावाचकक प्रत्यक्ष उपस्थिति कम भेला पर शर्माक संकट फेर बढ़ि जाइत अछि।

३०७. (A) तीन बदमाश ताजा हवा लेबा लेल निकलला पर ओकरा पीटि देलक — बाहर टहलनाइ सेहो ओकरा लेल असुरक्षित बनि गेल; अन्धविश्वास हिंसा बनि गेल।

३०८. (A) बानामती बापनय्या—काला जादू करय बला खतरनाक ओझा — झूठा ओझा-छवि ओकर सामाजिक व्यक्तित्वकेँ नष्ट करैत अछि।

३०९. (A) पहिल बेर सन्तुलन खोने भयभीत निराशा — एहि पुकारमे आदर्शवादी मित्रक टूटन आ जीवन-भयक चरम स्थिति अछि।

३१०. (A) लोक ओकरा मानसिक रोगी जकाँ बुझि डरैत छथि — अस्पतालक शिक्षित परिवेश सेहो भय आ दूरीसँ मुक्त नहि; शर्माक एकाकीपन बढ़ैत अछि।

३११. (A) अहाँक मित्र हमर प्रेम पर ग्रहण लगा देलक — रोहिणी शर्माक संकटकेँ अपन प्रेमक बाधा बुझैत अछि; एहि सँ कथावाचक आहत आ क्रुद्ध होइत अछि।

३१२. (A) ओ मेडिकल छात्रा भऽ कऽ एहन बकवास मानैत छथि, से अस्वीकार्य अछि — कथावाचक शिक्षित समाजक अन्धविश्वास वा भावनात्मक स्वार्थ पर तामस करैत अछि।

३१३. (A) ने शर्माक विषयमे हलुक बात, ने प्रेमकेँ ओकर विरोधमे राखब — दसक पुरान मित्रता कथावाचक लेल केवल भावुकता नहि, नैतिक दायित्व अछि।

३१४. (A) हमरा परवाह नै अछि — एहि उत्तरमे कथावाचक मित्रताक पक्षमे प्रेम-संबन्धक दबाव अस्वीकार करैत अछि।

३१५. (A) बच्चीक जन्म आ माय-बच्चा दुनू नीक होयब — नवजीवनक समाचार आ मित्रक मृत्युक समीपता कथाकेँ अत्यन्त करुण बनबैत अछि।

३१६. (A) ओ झूठा अभिशाप-भय सँ टूटि गेल हएत — काला जादूक आरोपसँ आतंकित शर्मा दोसर मृत्युकेँ अपन ऊपर लादल मिथकसँ जोड़ि सहि नहि सकल हएत।

३१७. (A) अन्धविश्वास, सामाजिक भय आ संस्थागत असहायता जे निर्दोषकेँ मारि दैत अछि — कथा काला जादूकेँ वास्तविक मन्त्र नहि, बल्कि समाजक हिंसक अज्ञान आ भयक विनाशकारी शक्ति बनबैत अछि।

३१८. (A) दिखाबय लेल जे दूरक शत्रु नहि, बल्कि भीतरक भय शर्मकेँ मारि गेल — ओ पूछैत अछि—एतेक दूर धरि के पीछा करत? असल पीछा अन्धविश्वास आ सामाजिक कलंकक छल।

३१९. (A) मित्रता आ नैतिक निर्णयक दरार प्रेम-संबन्धकेँ समाप्त कऽ दैत अछि — शर्मा प्रसंग रोहिणी आ कथावाचक बीच मूल्यगत फाँक खोलि दैत अछि।

३२०. (A) एक आदर्शवादी गरीब मित्र समाजक अन्धविश्वास, सत्ता-संरचना आ असहाय मित्रताक बीच मरि जाइत अछि — कथा व्यक्तिगत मित्रता सँ आगे बढ़ि सामाजिक हिंसा, अन्धविश्वास आ वर्गीय असुरक्षाक त्रासदी बनि जाइत अछि।

३२१. (A) भीमा भोइक भजन सँ — कथाक शीर्षक सन्त-कवि भीमा भोइक करुणा-केन्द्रित भजनसँ जुड़ल अछि।

३२२. (D) अस्तित्वक अथाह दुःख आ ओकर सहनशीलता दिस — 'अप्रमिता' दुःखक मापातीत विस्तार बतबैत अछि, जे कथाक बच्ची आ स्त्री-दुनूक पीड़ा मे फैलल अछि।

३२३. (C) स्त्री-जीवनकेँ पुरुषक दुनिया सँ अलग सम्पूर्ण इकाईक रूपमे देखब — परिचयमे हुनकर नारीवाद स्त्री-देह, अनुभव आ जीवनक सम्पूर्णता पर आधारित कहल गेल अछि।

३२४. (B) उड़िया आ अंग्रेजी दुनूमे — परिचय हुनका द्विभाषी लेखिका कहैत अछि—ओ उड़िया आ अंग्रेजी दुनूमे सक्रिय छथि।

३२५. (A) उड़ियासँ अंग्रेजी अनुवाद, फेर अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद द्वारा — गोपा नायकक अंग्रेजी अनुवादक आधार पर मैथिली रूपान्तरण देल गेल अछि।

३२६. (D) किएक तँ ओ महँग, सुन्दर आ बच्चीक आत्मीय गर्वक वस्तु अछि — कलम बच्चीक छोट सुख, भरोसा आ सामाजिक असुरक्षाक केन्द्र बनि जाइत अछि।

३२७. (C) अपन दुःख सहि दोसरक उद्धारक कल्पना — भीमा भोइक पंक्तिक भाव आत्मबलिदान आ जगत-करुणा अछि, जे कथा-कठिनाईक सुर रचैत अछि।

३२८. (B) किशोरावस्था सँ रजोनिवृत्ति धरिक स्त्री-संवेदना — हुनकर लेखन स्त्री-देह आ जीवनक विभिन्न अवस्थाक अनुभवकेँ कथा-विषय बनबैत अछि।

३२९. (A) छोट घटना सेहो अथाह पीड़ा आ उपेक्षाक इतिहास खोलि दैत अछि — कलमक घटना मात्र बाल-काण्ड नहि; ओ बच्चीक सम्पूर्ण अपमानित जीवनक द्वार खोलैत अछि।

३३०. (D) व्यक्तिगत स्मृति आ सामाजिक स्त्री-पीड़ाक गहिर कथा लेल — भूमिका नारीवाद, दुःख, शरीर आ स्मृतिक संयुक्त धरातल बनबैत अछि।

३३१. (C) प्रेमलताकेँ देखबय जे एहन कलम सचमुच अछि — प्रेमलता विश्वास नहि करैत छलि, तेँ बच्ची अपन प्रिय कलम देखाबय चाहैत छलि।

३३२. (B) एक छोर पर छोट घड़ी छल आ लिखबा काल चमकत छल — कलमक चमक आ घड़ी ओकरा बच्चीक नजरिमे विलक्षण बनबैत अछि।

३३३. (A) विदेश सँ आयल काकी — मूल पाठमे कलम काकी विदेश सँ आनि उपहार देलनि।

३३४. (D) सोनाली कलमक बात जानि ओकरा मांगय लगलीह — प्रेमलता रहस्य सोनालीकेँ कहि देलक, आ संकट एतयसँ बढ़ल।

३३५. (C) एहि देरी सँ बच्ची पैदल घर जाय लगलीह आ नहरक रस्ता बनल — बस देरी भेलाक कारण सुरक्षित रस्ताक बदला जोखिमपूर्ण पैदल रस्ता चुनल गेल।

३३६. (B) शराबक दोकान, सुनसान रस्ता आ टूटल नहर-पुलक डर सँ — मायक चेतावनी सामाजिक असुरक्षा आ भूगोलिक खतरा दुनू पर आधारित छल।

३३७. (A) सोनालीक छीनाझपटी सँ — सोनाली कलम छीनलक आ ओ नहरमे जा खसल।

३३८. (D) कथावाचिका कादोमे उतरि ओकरा निकालबाक प्रयास करैत फँसि गेलीह — देखाइ पड़ैत वस्तु ओकर आशाकेँ जिंदा रखलक, मुदा वैह ओकरा कादोमे धँसौलक।

३३९. (C) डरि कऽ पाछू हटि मदति अनबाक आश्वासन दैत चलि जाइत अछि — सोनाली डूमबाक डर सँ बच्चीकेँ छोड़ि मदति अनबाक नाम पर ओतयसँ हटि जाइत अछि।

३४०. (B) ओ अपन जीवनक निरन्तर धँसब, असहायता आ उपेक्षाक रूपक बनैत अछि — कादोमे धँसब बच्चीक पढ़ाइ, परिवार आ आत्म-मूल्यक संकटसँ जोड़ल गेल अछि।

३४१. (A) ज्योतिषी कननी बेटीक भविष्यवाणी कएने छल आ गर्भधारण अनचाहल छल — माय गर्भावस्थासँ बच्चीकेँ बोझ, पाप-भय आ भविष्यवाणीक सन्दर्भमे देखैत छथि।

३४२. (D) गर्भक पानि समय सँ पहिने टूटल आ माय-बच्चा दुनूक जान जोखिममे पड़ल — डॉक्टरक कथन अनुसार कनी देरी भेला पर दुनू बचब कठिन छल।

३४३. (C) घरमे चोरी भेल आ भगवान लेल राखल पन्द्रह टाका चलि गेल — चोरीक घटना बच्चीक जन्मकेँ अशुभ ठहरएबाक पारिवारिक धारणा बनि गेल।

३४४. (B) कारी चीज बोकरब, संक्रमण, दस्त आ सलाइन — जन्मक तुरन्त बादो ओकर शरीर रोग आ उपचारक बीच अटकल रहल।

३४५. (A) ओ अपनाकेँ आरम्भसँ अस्वीकारित/अलग बच्चा जकाँ मोन करैत अछि — दूध न पीबाक स्मृति ओकर 'अलग' हेबाक धारणा बढ़बैत अछि।

३४६. (D) बच्ची आत्मकथा बुझैत नहि, मुदा ओकर जीवन स्वयं उपेक्षित वस्तु सन देखाइत अछि — कूड़ादानक वाक्य बच्चीक आत्म-अस्वीकृति आ उपेक्षा सँ अनचाहे जुड़ि जाइत अछि।

३४७. (C) ओ टिकली जकाँ चंचल-प्रफुल्लित नहि, बल्कि सुस्त आ निद्रालु अछि — नाम आ स्वभावक विरोधाभास परिवारक ताना बनैत अछि।

३४८. (B) बेसी सुतबाक आदतिक कारण — निद्रा ओकर परिवारमे हास्य आ निन्दाक विषय बनि गेल।

३४९. (A) निद्रा पढ़ाइ आ बुद्धि-विकास रोकैत अछि, एहन मान्यता — माय बच्चीक पढ़ाइ-कमजोरीकेँ निद्रा सँ जोड़ैत छलीह।

३५०. (D) कारण ओकरा लगैत अछि जे पढ़ल गप टिकैत नहि आ भीतर सूखलपन अछि — दादाजीक पक्षाघात आ अपन विस्मृतिक बीच बच्ची सूखल दिमागक कल्पना करैत अछि।

३५१. (C) नौक पहाड़ा ने कहला पर गरदनि पकड़ि मारबाक धमकी — गणित-पढ़ाइ हिंसा आ भयक अनुभव बनि जाइत अछि।

३५२. (B) भनसाघर सँ दौड़ि उत्तर बताबय लगैत छलीह — माय स्वयं डेरायल होइतहुँ बच्चीक पक्षमे तुरन्त बोलय चाहैत छलीह।

३५३. (A) पढ़ाइ-कठिनाई पर मातृ-हताशा आ शारीरिक दण्ड — माय बच्चीकेँ उठा कऽ पटकैत छथि, जे शिक्षा-केंद्रित हिंसाक मार्मिक दृश्य अछि।

३५४. (D) डॉक्टरकेँ मरीजक इतिहास कहबाक तरहें कमजोरी, मिरगी आ पढ़ाइ-कठिनाई बतबैत — माय बच्चीक सीखबाक समस्या केँ रोग-कथाजकाँ समझाबैत छलीह।

३५५. (C) प्रयास कयला सँ शिक्षा सम्भव अछि — ओ कहैत छथि जे हुनका माता-पिता न पढ़ौने, तैयो ओ स्वयं पढ़ि किछु बनलीह।

३५६. (B) भाइ श्रेष्ठ स्कूल, भ्रमण आ प्रतियोगितासँ जुड़ल; बच्ची कमजोर स्कूलमे अटकल — कथा शिक्षा-अवसर आ आत्म-मूल्यक अन्तर उजागर करैत अछि।

३५७. (A) उत्तर कॉपीमे लिखि दैत आ याद नहि रहला पर सजा दैत — ओ पढ़बैत नहि, मात्र लिखि दैत; बादमे स्मृति-असफलता पर शारीरिक दण्ड करैत।

३५८. (D) आंगुर बीच पेंसिल दबेब, नोचनाइ, नाक-कानसँ शोनित निकलनाइ — शिक्षा-सहायता बच्चीक लेल यातना बनैत अछि।

३५९. (C) मुस्कुरा कऽ 'कृपया नै मारू' कहैत फेर पढ़बाक अनुमति दैत — मायक विवशता सामाजिक दबाव, शिक्षा-भय आ बच्चीक पीड़ा बीच फँसल अछि।

३६०. (B) बच्चीक प्रोन्नति पर प्रश्न उठा कऽ घरक देख-रेख नहि करबाक आरोप लगबैत — प्रधानाचार्यक अपमान पर माय मौन रहैत छथि; बच्ची ओकर धैर्य देखि द्रवित होइत अछि।

३६१. (A) सोनाली मदति अनलक कि नहि आ कियो देखत कि नहि — ओ बार-बार सोनाली आ सम्भावित उद्धारक कल्पना करैत अछि।

३६२. (D) ओ पुकारैत अछि मुदा काका सुनि नहि पबैत छथि — दृश्य बच्चीक निकट-उद्धारक असफलता आ असहायताकेँ बढ़बैत अछि।

३६३. (C) माय डाँटैत छथि, मुदा ओकर मृत्यु पर कनतीह — बच्ची मायक कठोर वाक्य आ भीतरी स्नेह बीच अन्तर करय चाहैत अछि।

३६४. (B) ओ सोचैत अछि जे डूबि नहि मरब, हमरा तऽ जरि कऽ मरबाक भविष्यवाणी अछि — बचबाक आशा विचित्र रूपेँ भयावह भविष्यवाणीपर टिकैत अछि।

३६५. (A) ओ डरैत छथि जे पढ़ाइमे कमजोर बेटीकेँ सासुरमे जरा देल जायत — आगि-भविष्यवाणी स्त्रीक विवाहोत्तर हिंसाक सामाजिक भय सँ जुड़ि जाइत अछि।

३६६. (D) राति सँ पहिने कियो जरूर आयत आ बचायत — ओ आशा छोड़ैत नहि; प्रत्येक अबाजकेँ सम्भावित उद्धार मानैत अछि।

३६७. (C) झूठ आशाक क्षण बनि बच्चीक एकाकीपन बढ़ा दैत अछि — चलबाक अबाज पहिने मनुखक आशा जगबैत अछि, मुदा गाय निकलि जाइत अछि।

३६८. (B) स्कूल, सखी सभक घर, रस्ता सभ पर — मायक खोजक कल्पना बच्चीक बचबाक आशाकेँ पोसैत अछि।

३६९. (A) ओ कादोमे नहि, आगिसँ मरबाक कथित भाग्य कारण बचि जायत — एहि विश्वासमे त्रासदी आ बाल-मनोविज्ञान दुनू अछि—भयावह भविष्यवाणी सेहो आशा बनि जाइत अछि।

३७०. (D) अंकीय असफलता बच्चाक सम्पूर्ण अस्तित्वकेँ दोष बना दैत अछि — कथा कमजोर सीखबाक क्षमता केँ दण्ड, अपमान आ आत्महीनता मे बदलैत देखबैत अछि।

३७१. (C) गुजराती मूलक कथा, अंग्रेजी बाटे मैथिलीमे — गुजराती खण्डमे सुन्दरमक कथा हेमांग देसाईक अंग्रेजी अनुवाद आधार पर मैथिलीमे देल गेल अछि।

३७२. (B) गाँधी युग आ गुजराती नव-कविताक आन्दोलन — सुन्दरम टी.पी. लुहारक उपनाम अछि; ओ गाँधी युगक प्रमुख साहित्यकार मानल गेल छथि।

३७३. (A) नदीक कात पर चट्टान-बसल गामक पातर गली सँ — प्रारम्भिक दृश्य शाबूक जन्मभूमि-गाम, नदी आ गलीक भूगोल रचैत अछि।

३७४. (D) अलविदा, सम्हरि कऽ जाउ, अपन ध्यान राखब कहि — विदाईक स्वर स्नेहपूर्ण अछि, मुदा वातावरणमे अनिष्टक छाया सेहो अछि।

३७५. (C) ससुर आ पति संग — ससुर आ पति ओकरा पैतृक घरसँ लऽ जयबा आएल छथि।

३७६. (B) गोड़ निर्जीव जकाँ, आगू डेग बढ़ेबाक शक्ति घटल — घर छोड़ब ओकर शरीरमे प्रतिरोध आ भयक रूपमे उतरैत अछि।

३७७. (A) सम्बन्धी-पड़ोसी आ बच्चाक सखीसभसँ विदाईक भावुकता — विदाईक सम्बन्ध-जाल ओकरा पुरुषसभसँ धीमा कऽ दैत अछि।

३७८. (D) बिलाइ शाबूक रस्ता काटि देलक — लोक बिलाइक रस्ता काटबकेँ अपशकुन मानि घबरा उठैत अछि।

३७९. (C) वापस बजाएब वा रुकाएब सम्भव नहि मानल जाइत अछि — समाज अपशकुन नोट करैत अछि, मुदा स्त्रीक यात्रा रोकबाक अधिकार/साहस नहि जुटबैत।

३८०. (B) अनिष्ट-भयक बीच सांत्वना आ असहाय धर्म-आश्रय — लोक भय दूर करबाक लेल देवीक नाम लैत अपन-अपन काजमे लागि जाइत अछि।

३८१. (A) ओ सभ चिलम पीबैत प्रतीक्षा करैत छथि — धुआँ आ चिलमक दृश्य बाप-बेटाक कठोर, उदासीन उपस्थिति बनबैत अछि।

३८२. (D) नाङट किनारक कादो दर्पण जकाँ चमकैत अछि — भाटा, कादो आ पदचिह्नक दृश्य यात्रा केँ अस्थिर आ प्रतीकात्मक बनबैत अछि।

३८३. (C) भयक हल्लुक थरथरी — सासुरक हरियर सीमा देखिते शाबू भीतर सँ कँपि उठैत छथि।

३८४. (B) रीति अनुसार घोघट खींचि लैत छथि — घोघट स्त्री-शिष्टाचार, भय आ नियंत्रणक संकेत अछि।

३८५. (A) बचपनमे पशु चराएब, बेर तोड़ि खाएब आ मुक्त घूमब — गामक भूगोल ओकर मुक्त बचपनकेँ जगबैत अछि, जे सासुर-यात्रासँ उलट अछि।

३८६. (D) घृणा आ बोझ जकाँ — विवाह-संकेतक सजावट ओकरा कैद आ बोझ जकाँ अनुभव होइत अछि।

३८७. (C) ओ सभ अनसुन करैत बिना रुकल चलैत रहैत छथि — पुरुषक उदासीनता शाबूक शारीरिक कठिनाई आ असुरक्षाकेँ बढ़बैत अछि।

३८८. (B) ओकरा लगैत अछि जे ओ सभ ओकर कादो खराब कऽ देलक — बचपनक प्रिय कादो पर पुरुषक हिंसक चलन ओकरा विध्वंस जकाँ लगैत अछि।

३८९. (A) आँजुरमे पानि भरि माथ पर धरि 'माय महिसागर' सँ प्रार्थना — महिसागर ओकरा लेल मातृ-शरण, स्मृति आ आध्यात्मिक सम्बल अछि।

३९०. (D) शीतल स्पर्श आ भय दुनू — पानि ओकरा सुख सेहो दैत अछि, मुदा मृत्यु/वियोगक विचार सेहो जगबैत अछि।

३९१. (C) बचपनक सखी, नवजात बच्चा आ अपन भावी बच्चा — नदीक पानि मातृत्वक कल्पना आ सखी-स्मृतिसँ भरि जाइत अछि।

३९२. (B) भावी बेटाक कल्पना, छातीमे दूधक उमड़नाइ आ कोमलता — गर्भस्थ जीवन ओकरा भयक बीचो आशा आ मातृत्वक तीव्रता दैत अछि।

३९३. (A) पानि नूनगर अछि — एतेक पानि रहितो पीबाक योग्य नहि—ई पियासक त्रासदी बढ़बैत अछि।

३९४. (D) मीठ पानिक अभाव जानलेवा बनि सकैत अछि — कछारी भूगोलमे पियास प्रकृतिक आ सामाजिक खतरा दुनू अछि।

३९५. (C) विदेशी, अज्ञात आ मातृभूमिसँ अलग — नदी पार करब पैतृक सुरक्षा छोड़ि अज्ञात हिंसक क्षेत्रमे प्रवेश जकाँ अछि।

३९६. (B) जन्मभूमि नदीक ओहि पार रहि गेल अछि — पार उतरिते ओकरा अपन घर पाछाँ छूटल सत्य तीखा लगैत अछि।

३९७. (A) कटही गाड़ी, बालुक खेलबाक इच्छा, मुदा उतरय नहि देल गेल — ओहि पहिल पारगमनमे सेहो शाबूक इच्छा दबाओल गेल छल।

३९८. (D) ओ सासुरक प्रताड़ना सँ बेटीकेँ बचाबय बला साहसी व्यक्ति छलाह — बाबूजी शाबूक सुरक्षाक प्रतीक छथि, जिनकर मृत्यु बाद ओ असुरक्षित भेलि।

३९९. (C) ओ निर्दयी, हिंसक आ पूर्व पुत्रवधू सम्बन्धी अफवाहसँ घेरल व्यक्ति बुझाइत छथि — ससुरक छवि भेड़िया/राक्षसक तरहें बनैत चलैत अछि।

४००. (B) बाबूजी पर निर्भर, डरपोक आ पितृ-आज्ञाक गुलाम — ओ अपन निर्णय नहि करैत; 'बाप-भक्त' रूपेँ शाबूक असुरक्षा बढ़बैत अछि।

४०१. (A) हमरा पानि पीबाक अछि — भयंकर पियास कथाक शारीरिक संकट आ हिंसक योजना दुनू उजागर करैत अछि।

४०२. (D) ओ कठोर, अनुदार पुरुष-उपस्थिति आ षड्यन्त्रक संकेत बनैत अछि — चिलमक धुआँ शुरूसँ अन्तधरि डरावन वातावरण बनबैत अछि।

४०३. (C) लगमे प्याऊ घर नहि होयबाक बात बड़बड़ाइत अछि — पति अपन पत्नीकेँ बचाबय योग्य निर्णायकता नहि देखबैत।

४०४. (B) पानि ओतय अछि कहि ओकरा भ्रामक दिशा मे लऽ जाय लगैत अछि — ससुर बच्चाक अबाज आ पियास दुनूक उपयोग छलक साधन बनबैत अछि।

४०५. (A) अबाज दोसर दिशासँ आबि रहल छल — शाबू मार्गक असंगति पकड़ैत छथि, मुदा पुरुषक दबावक बीच असहाय छथि।

४०६. (D) कहैत अछि जे अबाज एहि दिससँ आबि रहल अछि, प्याऊ सेहो एहि दिस अछि — ओ झूठा तर्क दैत शाबूकेँ सुनसान दिशामे आगू बढ़बैत अछि।

४०७. (C) षड्यन्त्रपूर्ण, चारू कात सुनसान जाँचय बला — ससुर पहिने वातावरणक निर्जनता सुनिश्चित करैत अछि, जे हिंसा पूर्व-नियोजित संकेत करैत अछि।

४०८. (B) शाबू पर हमला करबाक लेल — ओ बेटाक डर/हिचकिचाहट पर दबाव बना हिंसा करबय चाहैत अछि।

४०९. (A) दुनू हाथसँ गरदनि पकड़ैत अछि — पति पिताक आदेशक छाया मे पत्नी पर प्रत्यक्ष आक्रमण करैत अछि।

४१०. (D) ओ जोरक लात मारि पति केँ दूर खसा दैत छथि — गर्भवती शाबूक प्रतिरोध ओकर असहायता बीच शरीरक अन्तिम शक्ति देखबैत अछि।

४११. (C) ससुर — पति कमजोर पड़लाक बाद ससुर स्वयं भेड़िया-जकाँ हिंसा करैत अछि।

४१२. (B) व्यभिचारी जीवन जीबय चाहबाक — हत्याक न्यायोचित ठहराबय लेल ओ स्त्रीक चरित्र पर झूठा आरोप लगबैत अछि।

४१३. (A) हत्या पूरा करबाक लेल ओकरा सहयोगी बनाबय — ओ बेटाकेँ अपराधमे शामिल करैत अछि, जे पितृसत्तात्मक हिंसाक रूप अछि।

४१४. (D) महिसागरक पानिमे डुबकी लगैत जकाँ — मृत्यु क्षणमे सेहो महिसागर मातृ-जल आ शरणक प्रतीक बनि उपस्थित अछि।

४१५. (C) बाबूजी गिद्ध जकाँ चक्कर काटैत — बाबूजीक स्मृति अन्तिम सुरक्षा-आकांक्षा बनि अबैत अछि।

४१६. (B) हे बाबूजी! — हुनकर अन्तिम स्वर पितृ-रक्षक स्मृतिक दिशामे अछि, सासुरक हिंसा विरुद्ध।

४१७. (A) घूँघट ओढ़ने स्त्रीकेँ, एक रुपैया दऽ कऽ — ओ अपराध ढँकबाक लेल बाहरी स्त्रीकेँ पैसा दैत, बात दबाबय चाहैत अछि।

४१८. (D) शाबू गर्भवती भऽ गेल छलीह — अन्तिम टिप्पणी हत्या केँ आरो जघन्य बनबैत अछि—ओ गर्भस्थ जीवन सेहो नष्ट भेल।

४१९. (C) आत्मग्लानि, डर आ पितृ-आज्ञाक सामने बोली बन्द भऽ जेबाक स्थिति — मेघा अपराध देखैत अछि, मुदा पिताक सत्ता सोझाँ ओकर स्वर टूटि जाइत अछि।

४२०. (B) मातृ-शरण चाहैत गर्भवती स्त्री पितृसत्तात्मक हिंसामे मारल जाइत अछि — शाबू महिसागर-माताक कोरा चाहैत छथि, मुदा मनुष्य-समाजक हिंसा हुनका आ गर्भस्थ शिशुकेँ छीनि लैत अछि।

४२१. (A) तीन-चारि पीढ़ीक सन्तानसभसँ घेरायल बूढ़ कुलमुखिया — कथाक आरम्भ माजा वेलोकेँ विस्तृत वंश-परिवारक केन्द्र बनबैत अछि, जतय अनेक सन्तान-पौत्र सभ हुनका चारू कात अछि।

४२२. (D) नगरक देबाल बाहर मोटर डिपोक नीचाँ, ऊँच मीनार लग फुटपाथ पर — परिवारक अड्डा शहरी फुटपाथ, मोटर डिपो आ मीनारक नीचे बनल अछि; ई नगरक हाशियाक जीवन देखबैत अछि।

४२३. (C) हवनक सुगन्धित धुआँसँ उलट गन्दा नाली-जकाँ दुर्गन्धित धुआँ — धुआँक चित्रण औद्योगिक नगरक कठोरता आ फुटपाथी जीवनक असुविधा उघारैत अछि।

४२४. (B) डोनी लऽ कऽ भीख माँगैत आ भोजन जुटबैत छल — परिवारक जीविका डोनी लऽ गलीमे फिरि बाँचल-खुचल भोजन माँगबासँ चलैत अछि।

४२५. (A) घरक भीतर श्रेणी, भूख आ वृद्धसभ लेल अन्तिम हिस्सा — पहिने पुरुष आ बच्चा सभ खाइत अछि, अन्तमे बूढ़-बुजुर्ग लेल बचल चीज जाइत अछि; एहि सँ अभावक घरेलू अर्थनीति खुलैत अछि।

४२६. (D) बियाहक भोज आ नगर देखबाक तीव्र इच्छा सँ — ज’ड़क बावजूद बियाहक शानदार व्यञ्जन सुनि हुनकर स्वाद-स्मृति आ जीवन-लालसा जागि उठैत अछि।

४२७. (C) मोंछ खींचैत, कान्ह पर चढ़ैत, कोरामे खेलैत स्नेहसँ — बच्चा सभक निकटता बूढ़केँ परिवारक प्रेमिल केन्द्र बनबैत अछि, जखन पैघ लोक हुनका बेमार बूढ़ जकाँ देखैत अछि।

४२८. (B) पुरान स्वाद, लत आ आधुनिक चीजक प्रति उत्सुकता — फेकल सिगरेट उठबय लेल लड़काकेँ पठेनाइ बूढ़क भोग-इच्छा आ शहरक बदलल वस्तु-संसार दुनू देखबैत अछि।

४२९. (A) नव पीढ़ीक शहरी शब्द-संस्कार आ बूढ़क पुरान भाषा बीच अन्तर — माजा वेलो ‘बीड़ी’ कहैत छथि, लड़का ‘सिगरेट’ सुधारैत अछि; एहि छोट संवादमे पीढ़ीगत दूरी देखाइत अछि।

४३०. (D) शहरी गरीबी, वंश-समूह, भीख-आधारित जीवन आ स्मृति — कथा नगरक फुटपाथ, भीख, बच्चा, बूढ़ स्मृति आ रोजमर्रा भूखक पृष्ठभूमि पर चलैत अछि।

४३१. (C) जे लोक डकैती पर निकलल छल, ओकरा सभक खबर — बूढ़क सामान्य पारिवारिक प्रश्न तुरन्त अपराध-जगतक स्मृतिमे मुड़ि जाइत अछि।

४३२. (B) किएक तँ ओतय पुलिस घूमि रहल छल — बूढ़क पुरान डकैती-गप वर्तमान पुलिस-निगरानीक बीच खतरनाक बनि सकैत छल।

४३३. (A) तिरस्कारपूर्ण गर्व, जे ओ एहन दर्जन पुलिसकेँ जेबीमे राखि सकैत छलाह — ओ वृद्ध आ बेमार छथि, मुदा स्मृतिमे अपनाकेँ अबोध अपराधी नहि, बहादुर लुटेरा मानैत छथि।

४३४. (D) नगरमे भेल पुरान डकैतीक कथा — बच्चा सभ लेल डकैतीक कथा रोमान्चक लोक-गाथा जकाँ अछि, चाहे पैघ लोक लेल ओ पुरान भऽ गेल हो।

४३५. (C) दातमनि बेचब, भीख माँगब आ राति असगर भेटल लोककेँ लूटब — ओ अपन जीविका आ अपराध दुनूकेँ एकहि स्मृति-धारामे कहैत छथि।

४३६. (B) अड्डा-बचाव लेल अपन रहबाक ठाम पर सज्जन गाय जकाँ रहबाक नीति — ओ अपराधक पेशेवर नीति बतबैत छथि—अपन अड्डा सुरक्षित राखू, चोरी दोसरा फाटक पर करू।

४३७. (A) शहरक बदलैत भूगोल आ बूढ़क स्मृतिक टकराव — जतय आब मीनार अछि, ओतय बूढ़क स्मृतिमे गंदा खाधि छल; शहर बदलल, मुदा बूढ़क भीतर पुरान संसार जिआ रहल अछि।

४३८. (D) लूट संग हत्या करबाक कठोरता — माजा वेलो कहैत छथि जे चिचियेलापर ओ स्त्रीक गरदनि दबा खाधिमे फेकि देलनि।

४३९. (C) संगी अपन हिस्सा बेचैत पकड़ा गेल, यद्यपि ओ अपन हिस्सा पघिला देने छलाह — घटना अपराध-गौरवक साथ संगठित गिरोहक जोखिम सेहो देखबैत अछि।

४४०. (B) बच्चा रोमांचित होइत अछि, पैघ लोक पुलिस-सावधानी आ ऊब बीच अटकल अछि — कथा पीढ़ीगत ग्रहण-भेद देखबैत अछि—बच्चा लेल कथा चमत्कार, पैघ लेल खतरनाक पुरान सत्य।

४४१. (A) बालुक सड़क, सदिखन भूँकैत कुकुर, मुदा ओ सभ हुनका चिन्हैत छल — पुरान नगरीय दृश्य हुनकर स्मृति मे खतरनाक मुदा अपन-सा संसार अछि।

४४२. (D) घी-विहीन सादा भोजनमे स्वाद आ बल नहि — ओ पुरान पौष्टिकता आ स्वादक युगकेँ श्रेष्ठ मानैत, आधुनिक सादगीकेँ हँसी उड़बैत छथि।

४४३. (C) बहुत गहना देखाइत अछि मुदा अधिकांश नकली आ लूटने पर किछु हाथ नहि लगत — एहि कटाक्षमे अपराधी दृष्टि आ आधुनिक दिखावाक आलोचना एक साथ अछि।

४४४. (B) छोट अपराध सेहो हुनका लेल साहसिक किस्सा आ स्वाद-संस्मरण अछि — ओ हुक्का चोरि सात राति पीबाक, फेर बेचबाक झगड़ामे तोड़बाक कथा आनन्दसँ कहैत छथि।

४४५. (A) ओ विषय पुलिस आ अपराधक दृष्टि सँ खतरनाक अछि — नकली सिक्का गढ़बाक सम्भावित अपराधक चर्चा सार्वजनिक ठाम पर जोखिमपूर्ण अछि।

४४६. (D) अपराध-रोमांच कैँ रोजमर्रा पेटक जरूरत रोकि दैत अछि — बच्चा कथा सुनैत-सुनैत 'माय, हमरा भूख लागल' कहैत अछि; भूख कल्पना पर भारी पड़ैत अछि।

४४७. (C) रुपैया-जकाँ उज्जर, फेर सुतारफेनी-जकाँ — बच्चा मोंछकैँ रुपैया कहैत अछि; बूढ़ ओकरा खम्भातक सुतारफेनीसँ जोड़ि स्वाद-स्मृति खोलैत छथि।

४४८. (B) समयक पतन आ नव पीढ़ीक स्वाद-वंचना — ओ दुख करैत छथि जे बच्चा सभ ओ मिठाई देखल-खयल तक नहि, जे हुनकर युगक स्वाद-संसार छल।

४४९. (A) छी-छी कहि नाक सिकोड़ैत अछि — बूढ़क देहाती तुलना बच्चा सभकैँ अरुचिकर लगैत अछि, तखन ओ उज्जर-मीठ रूप समझबैत छथि।

४५०. (D) स्वाद, स्मृति, गरीबी आ पीढ़ीक बीच अनुभूति-अन्तर — मिठाईक चर्चा बूढ़क अतीत, बच्चाक अभाव आ शहरी गरीबीक बीच मार्मिक सम्बन्ध बनबैत अछि।

४५१. (C) मोंछ आ कान्ह थरथराय लगैत अछि — मिठाईक उत्साहक बीच बच्चा सभ हुनकर कम्पन देखैत अछि, जे बीमारीक संकेत अछि।

४५२. (B) ज'ड़ रहितो बाहर अयबाक कारण — पुत्रक डाँट व्यावहारिक चिन्ता अछि—बूढ़ बेमार छथि आ फुटपाथ पर ठंढमे बैसल छथि।

४५३. (A) ज'ड़ जाँचि हरियर कम्बल ओढ़ा दैत अछि — वाणोक स्नेह बूढ़क प्रति खास देखाइत अछि; ओ ताप बुझि आराम देबय चाहैत अछि।

४५४. (D) ओ अपन लग बच्चा सभकैँ बैसल देखबय चाहैत छथि — बूढ़क अन्तिम सुख बच्चा सभक नजदीकी आ कथा-सम्बन्धमे अछि।

४५५. (C) कारण वाणो कुशल जेबीकटा अछि आ पकड़ा जेबाक डर अछि — बूढ़ स्वयं अपराध-गौरव करैत छथि, मुदा प्रिय वाणो लेल जोखिम देखि चिन्तित भऽ उठैत छथि।

४५६. (B) ओ आइ ओकरा चोरी/जेब-काटाक जोखिम सँ बचाबय चाहैत छथि — ज'ड़ आ मृत्यु-सन्निकटता माजा वेलोक कठोर अपराधी गर्वकैँ क्षणिक दयामे बदलि दैत अछि।

४५७. (A) उत्तरफेनी — ओ सभ सुतारफेनीक नाम ठीक सँ नहि बुझि पाबैत, 'उत्तरफेनी' कहैत अछि—ई बाल-हास्य आ अभाव दुनू अछि।

४५८. (D) सुरक्षित, मुदा अपना डर पर क्रोधित — पुलिस चलि गेलापर राहत भेटैत अछि, पर ओ अपन भयकैँ बुढ़ापा आ नामर्दी मानि तामस करैत छथि।

४५९. (C) ओ स्नेह, भोजन आ अन्तिम सेवा ले' अबैत अछि — वाणोक बेटी खुड़ी दादा लग विशेष प्रेमसँ अबैत अछि आ आगे अन्तिम क्षणमे महत्त्वपूर्ण उपस्थिति बनैत अछि।

४६०. (B) बूढ़क मृत्यु-सन्निकट शरीर आ प्रिय चोर-भातिजक जोखिम एक साथ जुड़ैत अछि — माजा वेलो बेमार छथि, पर वाणो लौटत कि नहि—ई कथा अन्तिम भागक भावनात्मक केन्द्र बनैत अछि।

४६१. (A) आइसक्रीम — ठंढ राति मे आइसक्रीमक आगमन विसंगत मुदा स्नेहपूर्ण क्षण अछि।

४६२. (D) एकटा क्लब पर ठेंस खा गेलहुँ, ओतयसँ पुड़िया भरि आनलहुँ — खुड़ीक भाषा संकेत करैत अछि जे भोजन समाजक बचे-खुचे/उठाओल स्रोतसँ आयल अछि।

४६३. (C) मोन ठीक नहि आ ठंढ रातिक कारण — बूढ़क शरीर ज'ड़सँ काँपैत अछि, तें ठंढ चीज पहिने ओ स्वीकार नहि करैत।

४६४. (B) अपन जानक सप्पत दऽ कऽ एक चम्मच खाय कहैत अछि — खुड़ीक आग्रह मात्र भोजन नहि, आत्मीय सेवा अछि।

४६५. (A) हँसीसँ चिचियैत जे दादाक मोंछ अजीब लागि रहल अछि — भीजल उज्जर मोंछ हास्य उत्पन्न करैत अछि, मृत्यु नजदीक होइतहुँ दृश्य जीवंत अछि।

४६६. (D) नीचाँक धरती आरो ठंढा — शरीरक ताप आ ठंढ धरतीक अनुभव अन्तिम अशक्तता देखबैत अछि।

४६७. (C) गिलास-जार बेचय बला महिलासँ भेटल कपड़ा — ओ उपलब्ध साधन सँ दादाक आरामक व्यवस्था करैत अछि—गरीबी बीच स्नेह।

४६८. (B) सवा सौ बर्ख जीबू — खुड़ी माजा वेलो लेल खोडियार माताक कृपा सन अछि, तें ओकरा दीर्घायु आशीष देल गेल।

४६९. (A) कपड़ामे लपेटल बाँसक पथियामे जलेबी, हलवा, मैसूर, लड्डू/मिठाई आ सुतारफेनी — वाणो बूढ़क इच्छा पूरा करय लेल अनेक मिठाई जुटा लऽ अबैत अछि।

४७०. (D) ‘बहुत नीक, आरामदायक, उत्तम मृत्यु’ कहि — ओ भोजन, प्रियजन, खुड़ी-वाणो आ स्मृतिक बीच शान्ति सँ चलि बसैत छथि, परिवार एकरा उत्तम मृत्यु मानैत अछि।

४७१. (C) स्वाद/स्पर्श सँ जलेबी, हलवा, मैसूर, लड्डू, मागस/मोहनथाल आ सुतारफेनी चिन्हैत — अन्हारमे सेहो बूढ़क स्वाद-स्मृति जीवित अछि; भोजन ओकर अतीतक नक्शा बनैत अछि।

४७२. (B) ई सब कतयसँ उठौने छह आ सब ठीक छैक कि नहि — बूढ़ बुझैत छथि जे चीज सम्भवतः चोरी/जेब-काटासँ आयल अछि, तें सुरक्षा पुछैत छथि।

४७३. (A) माय खोडियार सब ठीक राखैत छथि — खोडियार माताक नाम अपराधी जीवनक जोखिम आ धार्मिक भरोसाक मिश्रित लोकविश्वास देखबैत अछि।

४७४. (D) खम्भात — खम्भातक सुतारफेनी हुनकर स्वाद, समुद्र-यात्रा आ पुरान डकैती स्मृति एक साथ जगबैत अछि।

४७५. (C) छोट नाओमे समुद्री यात्रा कऽ काठियावाड़ उतरि — माजा वेलो समुद्री ज्वार, नाओ आ सुतारफेनी संग अपराध-यात्रा याद करैत छथि।

४७६. (B) हम खा लेलहुँ, आब अहाँ सभ खाउ — अन्तिम भोजनक क्षणमे ओ बच्चा सभक हिस्सा आ आनन्दक चिन्ता करैत छथि।

४७७. (A) वाणो — शरीर डगमगाइतहि ओ प्रिय भातिजसँ सहारा चाहैत छथि।

४७८. (D) खुड़ीक बियाह नीक लोकसँ करा देब — अन्तिम आशीषमे खुड़ीक सुरक्षा आ भविष्यक चिन्ता उभरैत अछि।

४७९. (C) खोडियार माय — हुनकर लोक-धार्मिक आश्रय अन्तिम क्षणमे खोडियार माताक नाममे व्यक्त होइत अछि।

४८०. (B) अपराध, गरीबी, स्वाद, परिवार-स्नेह आ मृत्यु-शान्तिक जटिल संगम — कथा बूढ़ अपराधीकेँ न त पूर्ण नायक बनबैत, न केवल खल; ओ परिवार, भूख, स्मृति आ मृत्यु बीच जटिल मानवीय आकृति अछि।

४८१. (A) माथ पर पथियामे महींसक प’रुक लाश — कथा मरेला मानल गेल महींसक बच्चाक लाशसँ शुरू होइत अछि, जकरा काटबाक लेल आनल गेल।

४८२. (D) जीवीक — रणछोड़ काटनहारक भूमिका मे अछि; जीवी लाश धरि अनैत अछि, ओ चक्कू लऽ आबैत छथि।

४८३. (C) मांस/लाशक गन्ध आ लोभसँ — लाशक उपस्थिति पर कुकुर आ गिद्ध दुनू जमा होइत अछि; मृत्यु इहाँ जीविका आ भोजन दुनू अछि।

४८४. (B) मृत्यु, लोभ आ हिंसाक प्रतीक्षा — गाछ पर बैसल गिद्ध साथारीक रक्त-मांसक संसारक प्रतीक अछि।

४८५. (A) महींसक प’रु पन्द्रह दिनसँ बेसी जीवित नहि रहैत, लवजीक कनियाँक धैर्य अछि — मीना ग्रामीण ज्ञान आ कटु व्यंग्य दुनू मिलाकऽ बतबैत अछि जे नर बछड़ा बोझ मानल जाइत अछि।

४८६. (D) ओ अखनो जीवित छल — नाङरि काटैत रक्त आ कम्पनसँ स्पष्ट होइत अछि जे बच्चा पूर्णतः मुइल नहि छल।

४८७. (C) चक्कू छूटि जाइत, घाम सँ लथपथ, पापक भयमे स्तब्ध — घटना रणछोड़क भीतर नैतिक भय जगबैत अछि; ओकर पेशागत क्रूरता क्षणिक रूपेँ टूटैत अछि।

४८८. (B) जिऐत प्राणी भेजि पापक बोझ ओकर माथ पर लादि देबाक आरोपसँ — ओ मानैत अछि जे लवजीक घर लोक जान-बुझि जीवित बछड़ा काटबा लेल पठौलक।

४८९. (A) नाक, पेट आ आँखि जाँचि कहैत अछि जे शरीर गरम अछि मुदा प्राण नहि — भीखो व्यवहारिक ढंगसँ मृत्युक जाँच करैत, आँखि बन्द करैत अछि।

४९०. (D) भूख-जीविका आ जीवित प्राणीक हत्या-बोधक टकराव — रणछोड़क काम मांस काटब अछि, मुदा जीवित प’रु काटि देबाक अपराध-बोध ओकरा भीतर सँ हिला दैत अछि।

४९१. (C) लाठी, चिलम आ जरैत गोइठा — ओ लवजीक घर लड़बाक भावसँ निकलय चाहैत अछि, तें हथियार/आदत-सम्बन्धी वस्तु माँगैत अछि।

४९२. (B) एतेक जल्दी आ तामसक कारण — जीवी ओकर घबराहट पर प्रश्न करैत अछि, मुदा तथ्य बादमे खुलैत अछि।

४९३. (A) एकादशीक पुण्य दिन — भिक्षुकक आगमन रणछोड़क अपराध-बोधकेँ धार्मिक भाषा प्रदान करैत अछि।

४९४. (D) व्रत रखला सँ पाप सँ मुक्ति भेटि सकैत अछि — ‘जँ अखन धरि किछु नहि खैने छी’ वाक्य रणछोड़क लागि पापक शुद्धिक राह बनि जाइत अछि।

४९५. (C) मुट्ठी भरि बाजरा — गरीब घरक दान बाजराक मुट्ठी अछि, जे लोकधर्म आ अभाव दुनू देखबैत अछि।

४९६. (B) हाथ सँ अलग-अलग झोरा दबा कऽ, जाहिमे बाजरा राखब अछि — भिक्षुकक बहु-झोरा व्यवस्था दान-संग्रहक व्यवहारिकता देखबैत अछि।

४९७. (A) मनिमाक कहला पर साँस लैत प’रु पाँच किलो बाजराक लोभमे लऽ आयल, रणछोड़केँ नहि बतौलक — जीवी जानैत छलि जे प’रु पूर्ण मुइल नहि, मुदा लालच आ दबावमे तथ्य नुकायल गेल।

४९८. (D) जिऐत प्राणी काटि देबाक पापक दाग — ओकरे पेशाक ठाम साथारी अछि, मुदा जीवित प्राणीक रक्तसँ ओ नैतिक रूपेँ अपवित्र बुझाइत अछि।

४९९. (C) नर बछड़ा/अनुत्पादक पशुक प्रति व्यापक क्रूर आर्थिक व्यवहार — जीवी व्यक्तिगत दोषकेँ सामूहिक व्यवहारक भीतर रखि सामान्य बनाबय चाहैत अछि।

५००. (B) मांसक हिंसक यथार्थ बीच व्रत-पुण्यक धार्मिक आशा — रणछोड़ पापक भय सँ ग्रस्त अछि; भिक्षुकक व्रत-सूत्र ओकरा भोजन न खयबाक नैतिक बहाना दैत अछि।

५०१. (A) पवित्र अङ्गार कतयसँ आनब, ई सोचि तम्बाकू फेर राखि दैत अछि — चिलमक इच्छा अछि, मुदा 'पवित्र अङ्गार' आ पापक स्मृति ओकर हाथ रोकैत अछि।

५०२. (D) जिऐत प्राणी मारला पर भगवानकेँ सोनाक प्रतिमा भेंट करबाक — धार्मिक दायित्वक विचार ओकर गरीबी पर व्यंग्यात्मक बोझ बनि जाइत अछि।

५०३. (C) अपन निर्धनता बीच एहन भेंट असम्भव बुझि — ओ याद करैत अछि जे कनियाँ लेल नाकक काँटी बनबय मे बरखोंक श्रम लागल, तखन सोनाक प'रु असम्भव अछि।

५०४. (B) ओ अपन हिस्सा/बाजरा लेबा लेल अधीर भऽ आयल अछि — मनिमा ओकर नैतिक आक्रोश नहि बुझि, ओकरा लोभी माँसभागी मानि डाँटैत अछि।

५०५. (A) लवजीक उपस्थिति, थकान, भूख आ असमंजससँ बोलि अटकि जाइत अछि — रास्ताभरक तामस सोझा सामना मे ढहैत अछि; रणछोड़ केवल 'महींस... बच्चा...' कहि पबैत अछि।

५०६. (D) ई महींस पाँच हजारक अछि आ खूब दूध दैत अछि — लवजीक ध्यान आर्थिक मूल्य आ दूध पर अछि, बच्चाक मृत्यु पर नहि।

५०७. (C) ओ आरो चौंकि जाइत अछि जे एतयो प'रु मृत्युक सामान्यीकरण अछि — लवजी नर बछड़ाक मृत्यु सहज गप जकाँ कहैत अछि; रणछोड़क पापक बोधक सामने ई कठोर समाज-सत्य अछि।

५०८. (B) आधा पीबल सिगरेट — सिगरेटक कश रणछोड़केँ नीक नहि लगैत; पापक विचार आ भूख ओकर स्वाद बिगाड़ि देने अछि।

५०९. (A) साँझमे आउ, दुपहरिया बीति गेल — रणछोड़ लम्बे समय तक गाछक जड़ि पर बैठल रहि गेल, ओकर प्रतिशोध निरर्थक प्रतीक्षा बनि गेल।

५१०. (D) ओ देखैत अछि जे दोष केवल लवजी नहि, व्यापक सामाजिक क्रूरता अछि — जीवीक तर्क, लवजीक उदासीनता आ मनिमाक व्यवहार मिलि ओकरा व्यापक नैतिक सड़नक बोध करबैत अछि।

५११. (C) एक गिलास पानि — गाम-यात्रा, भूख आ तामसक बाद ओकर शारीरिक पियास तीव्र अछि।

५१२. (B) रणछोड़ कहैत अछि जे ओ किछु नहि कएलक, झगड़ा नहि भेल — जीवी रणछोड़क हिंसक तामससँ डेरायल छलि; ओकर असफल प्रतिशोध ओकरा राहत दैत अछि।

५१३. (A) रोटी आ महींसक बच्चाक माँसक तीमन — कथाक नैतिक संकट अन्ततः थारीमे परसल मांस रूपेँ सामने अबैत अछि।

५१४. (D) ई तरकारी ककर अछि? — ओ भूखमे बैसल अछि, मुदा पकवानक स्रोत पुछिते पुरान पापक स्मृति फूटि पड़ैत अछि।

५१५. (C) सचेत उसनाइत, खुर-पएर-बछड़ा आ रक्त-धारा बला दृश्य — भोजन अपराध-बोधक दृश्य-भ्रम बनि जाइत अछि; कटबार छवि फेर जीवित भऽ उठैत अछि।

५१६. (B) छटपटाइत, धड़ाम सँ खसैत, घर भरि रक्त पसरबैत — रणछोड़क मन मृत मांसकेँ निष्प्राण वस्तु नहि मानि सकैत; ओ पुनः जीवित पीड़ा देखैत अछि।

५१७. (A) जँ अखन धरि किछु नहि खैने छी तऽ व्रत रखला सँ पाप सँ मुक्ति भेटत — धार्मिक वाक्य ओकर भोजन-त्यागक सहारा बनैत अछि।

५१८. (D) भ्रम हटिते राहत — भोजनक दृश्य पापक प्रतीक बनि गेल छल; तसनून हटला पर मनक दबाव कनी कम होइत अछि।

५१९. (C) सिगरेटक बचल खण्ड — लवजीक घरक बचे सिगरेट ओकर सांसारिक कमजोरीक प्रतीक बनि लौटैत अछि।

५२०. (B) अपराध-बोध, धर्मक शरण आ मांस न खा सकबाक मनोवैज्ञानिक बचाव — ओ जरैत गोइठा चिलम लेल माँगैत, मांस टारैत व्रत घोषित करैत अछि; एहि मे पाप-बोध आ आत्म-छल दुनू अछि।

५२१. (A) घर सँ निकलबा सँ पहिने भागमभाग, दूधक झंझट आ अखबारक बेचैनीसँ — कथा आरम्भे शहरी मध्यवर्गीय थकान देखबैत अछि—दूध नहि भेटब, अखबार, बच्चा, नाश्ता आ मोबाइल-काज।

५२२. (D) भ्रष्टाचारी आ ओकर गुर्गा सभक समाचार — भोरक अखबार ओकरा भ्रष्टाचार आ तमसाक वातावरणमे ढकेलैत अछि।

५२३. (C) मीडिया-उपभोक्ता संस्कृति आ सतही उत्साह — भ्रष्टाचारक खबर लग नाम-सुझाव प्रतियोगिता अछि; ई समाचार-संस्कृतिक बेतुकापन देखबैत अछि।

५२४. (B) ब्लैकबेरी — घरक निजी समयमे सेहो दफ्तरक उपकरण घुसि गेल अछि।

५२५. (A) मायकेँ फोन कऽ छुट्टीमे गाम अयबाक उत्तर देब — पत्नी चाहैत छथि जे ओ अपन माय संग बात कऽ पारिवारिक निर्णय साफ करथि।

५२६. (D) ओ फोन-उत्तर देबाक जिम्मेदारी पत्नी पर ढकेलब चाहैत अछि — मनोहर अपन दबावक कारण सामान्य घरेलू गप सेहो झगड़ामे बदलि दैत अछि।

५२७. (C) घरक बोझ संग ओकर अपन पेशेवर दबाव सेहो अछि — कथा पति-पत्नी दुनूक कामक बोझ देखबैत अछि, मुदा संवाद टूटि गेल अछि।

५२८. (B) थाकल, चिड़चिड़ा आ जिम्मेदारी टारय बला — छोट-छोट घरेलू अवरोध ओकर असंतुलन बढ़बैत अछि।

५२९. (A) जी ओकियाय लगैत अछि — शहरक ध्वनि, प्रदूषण आ मानसिक दबाव ओकर देहमे वितृष्णा बना रहल अछि।

५३०. (D) बाहरी उजास होइतहुँ भीतर बेचैनी, झूठ आ तामसक अन्हार बनैत अछि — कथा अन्हारकेँ मनोहरक भीतरक नैतिक अन्धकार बनाकऽ धीरे-धीरे खोलैत अछि।

५३१. (C) गीत-अनुरोध, विज्ञापन आ 'चो च्वीट' सेलिब्रिटी गपक शोर — रेडियो शहरक सतही मनोरंजन-उद्योगक लगातार बकबक बनि जाइत अछि।

५३२. (B) ओकर जी ओकियायब बढ़ि जाइत अछि — ध्वनि-प्रदूषण मानसिक क्लान्तिक संग मिलि ओकरा असह्य लगैत अछि।

५३३. (A) ट्राफिक जाम, धुआँ, गर्दा आ सीटी बजबैत पुलिस — बेंगलोरक भीड़-धुआँ ओकर भीतरक चिढ़केँ आर पोसैत अछि।

५३४. (D) गाड़ीबला सभ ओकरा नजरिअन्दाज करैत अछि — कानूनक संकेत शहरक अव्यवस्थामे अप्रभावी देखाइत अछि।

५३५. (C) आधुनिक ट्राफिक बीच श्रमरत पुरान देहक संघर्ष — बस, कार, स्कूटरक बीच बड़दक धीमा श्रम विकासक विषमता देखबैत अछि।

५३६. (B) घर जल्दी पहुँचब — दिनक शुरूए सँ ओकर इच्छा अछि जे आजि जल्दी छूटि आराम पाबय।

५३७. (A) बेटाक स्कूलक अन्तिम फीस-नोटिस — चिट्ठी घरेलू जिम्मेदारीक ठोस प्रतीक अछि, जकरा ओ तीन दिन सँ टारि रहल छल।

५३८. (D) एक दिनमे फीस नहि जमा भेल तँ बच्चाक नाम काटल जाएत — नोटिस पापुक अपमानक बीज अछि, जे बादमे घरक संकट बनैत अछि।

५३९. (C) बैठक, परियोजना, योजना, इंटरव्यू, प्रशिक्षण आ ग्राहक-परामर्श — कार्यालयक कामक श्रृंखला निजी जिम्मेदारीकेँ ढाँपि दैत अछि।

५४०. (B) शहरक अव्यवस्था ओकर करुणा घटा कऽ चिढ़ आ हिंसक प्रतिक्रिया बढ़बैत अछि — भीड़-धुआँ-शोरक संचय अन्तिम दुर्घटना प्रसंगक निर्दयता लेल आधार बनबैत अछि।

५४१. (A) कार्यालयक असंख्य कामक दबावमे ओ ओझरा जाइत अछि — बैठक आ प्रस्तुति-तैयारी ओकर स्मृति पर कब्जा कऽ लैत अछि।

५४२. (D) नव ग्राहक लेल प्रस्तुति तैयार करबाक — प्रश्नक रूपमे कहल गेल आदेश ओकर घर-फेरबाक आशाकेँ तोड़ि दैत अछि।

५४३. (C) कार्यालयी सत्ता-संबंधमे इनकारक जगह नहि अछि — कथा कॉर्पोरेट शिष्ट भाषाक भीतर छिपल दबाव देखबैत अछि।

५४४. (B) राति दस बजे — घर जल्दी पहुँचबाक आशा कामक भारमे नष्ट भऽ जाइत अछि।

५४५. (A) ओ सोचैत अछि जे देर आ भूला गेल जिम्मेदारी पर पत्नी की कहतीह — अपराध-बोधक कारण ओ संवादसँ बचैत अछि।

५४६. (D) उत्तरदायित्वक सामना टारबाक लेल — फोन बन्द करब संवाद-विच्छेदक सीधा प्रतीक अछि।

५४७. (C) नव ढाबामे भोजन आ जैक डेनियल पीबाक लेल — सहकर्मी घरेलू संकटक बदला रात्रिक भोज-पेयक पलायन सुझबैत अछि।

५४८. (B) ग्राहक, सरकार, नेता आ सितारा पर कोसबाक बेतुका थकान — मेज पर सामाजिक-राजनीतिक गाली-गप्प शहरक हताशा निकालबाक तरीका बनैत अछि।

५४९. (A) नशामे गाड़ी सँ फुटपाथी लोककेँ कुचलबाक घटना पर तामस जतयबाक लेल — ई प्रसंग अन्तिम दुर्घटना-कांडक नैतिक प्रतिध्वनि बनैत अछि।

५५०. (D) घरक जिम्मेदारीसँ बचि थकान, शराब आ झूठक मार्ग पर धकेलैत अछि — देर, मदिरा आ पलायन घरक अगिला विस्फोट लेल जमीन बनबैत अछि।

५५१. (C) राति एक बजे — ओ अपेक्षित समयसँ बहुत देर सँ, नशाक बाद, घर लौटैत अछि।

५५२. (B) ओ खौंझाइत अछि आ गेट खोलबाक कहैत अछि — थाकल चौकीदार पर ओकर चिढ़ वर्गीय असंवेदनशीलता सेहो देखबैत अछि।

५५३. (A) ओ कॉल सेण्टरक काज लेल रातिमे निकसि रहल छलीह — रातिक शहरमे कॉल-सेण्टर श्रमक अलग समय-संरचना झलकैत अछि।

५५४. (D) कम्पनीमे सपोर्ट इंजीनियर पद लेल बायोडाटा देबाक अवसर — विभा पेशेवर अवसर खोजैत अछि, मुदा टाटा सुमोक हॉर्न संवाद काटि दैत अछि।

५५५. (C) केबाड़ धड़ामसँ खुजि जाइत अछि — मनोहर पत्नीकेँ जगयबासँ बचय चाहैत अछि, मुदा शोर सत्य छिपय नहि दैत।

५५६. (B) फोन नहि करब, घर-बच्चा नहि सम्हारब आ मित्रसभ संग पार्टी — पत्नीक रोष केवल देर नहि, लगातार गैरजिम्मेदारी पर अछि।

५५७. (A) मनोहरक रोजमर्रा भूल आ उपेक्षा सिद्ध करबाक लेल — ई सूची बतबैत अछि जे संकट एक दिनक नहि, जमा भेल उपेक्षा अछि।

५५८. (D) ओकरा कक्षासँ बाहर ठाढ़ कएल गेल आ स्कूल नहि अयबाक चिट्ठी देल गेल — बच्चाक सार्वजनिक अपमान पत्नीक पीड़ाक केन्द्र अछि।

५५९. (C) हम तऽ फीस जमा कएने छलहुँ — ओ गलती स्वीकार करबाक बदला तुरन्त झूठक सहारा लैत अछि।

५६०. (B) गलती स्वीकार नहि करब आ झूठ सँ ढँकब — कथा निजी झगड़ामे पितृसत्तात्मक अहंकारक आलोचना राखैत अछि।

५६१. (A) ५०० मिलीग्रामक एन्टीबायोटिक — पापुक बीमारी स्थिति कैं आरो संवेदनशील बनबैत अछि।

५६२. (D) बीमार पापु जागि सकैत अछि, ई चिन्तासँ — छोट आवाज सेहो पत्नीक थकान आ मातृ-चिन्ता उभारैत अछि।

५६३. (C) ओकर रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम अछि, टॉनिक दियौ — टॉनिकक बात मनोहरक भूलक एक आर उदाहरण बनैत अछि।

५६४. (B) डॉक्टरक सोझाँ टॉनिक देबाक बारेमे — ओ पति द्वारा न सम्हारल जिम्मेदारी ढाकबाक लेल झूठ बाजय विवश भेल छथि।

५६५. (A) ठंढा भऽ गेल — ठंढा भोजन प्रतीक्षा आ घरेलू दूरीक दृश्य-प्रतीक अछि।

५६६. (D) किछु प्लेट नीचाँ खसि जोर आवाज करैत अछि — ओ चुप रहबाक कोशिश करैत अछि, मुदा असावधानी फेर संघर्ष जगबैत अछि।

५६७. (C) घर-परिवारक जिम्मेदारी केवल स्त्री पर किएक — ई वाक्य वैवाहिक श्रम-विभाजनक असमानता पर चोट करैत अछि।

५६८. (B) संवाद फेर कटु बनि जाइत अछि — ओ प्रश्न करैत अछि, मुदा स्वरमे सहानुभूतिक बदला चिढ़ अछि।

५६९. (A) संबंधक थकान आ अलगावक इच्छा — दाम्पत्य संवाद एतय गंभीर टूटन धरि पहुँचि जाइत अछि।

५७०. (D) झूठ, थकान, असंवेदना आ दोष-टारब निजी जीवनकैं अँधियार करैत अछि — मनोहर बाहरक शोरसँ भागि घर अबैत अछि, मुदा भीतर आरो गहिर अन्हार भेटैत अछि।

५७१. (C) फीस जमा कएलहुँ आ प्रिन्सिपलकैं डाँटि देलहुँ — ओ फेर झूठ बोलैत अछि, एहि बेर वीरता जोड़ि अपन गलती ढाँकय चाहैत अछि।

५७२. (B) पापु सभकैं 'पोकेमान' लड़ाई जकाँ सुना रहल अछि — बच्चाक कल्पना पिता के झूठ आ हिंसा सभकैं सार्वजनिक बना दैत अछि।

५७३. (A) ओ घटना कैं खेल-जकाँ बुझि अपार्टमेंटमे कहि रहल अछि — बच्चाक भोला बखान मनोहरक झूठक परत उतारि दैत अछि।

५७४. (D) मामूली गप पर लोक मारि देल जाइत अछि — शहरी हिंसा घरक आर्थिक-सामाजिक असुरक्षा संग जुड़ि जाइत अछि।

५७५. (C) मनोहर पर निर्भर परिवारक जोखिम देखयबाक लेल — ओ पूछैत छथि—जँ किछु भेल, पापु आ हम की करब?

५७६. (B) केरा लऽ कऽ आउ — तीव्र झगड़ाक बादो घर चलय लेल रोजमर्रा आवश्यकताक मांग रहैत अछि।

५७७. (A) दू-तीन बजे राति धरि — देर फेर दोहराइत अछि; कामक बहाना घरक दूरी बढ़बैत अछि।

५७८. (D) गलतीसँ बचेबा लेल झूठ आ आक्रामकता दुनू बरतय बला — फीसक भूल सँ पैदा अपमान कैं ओ वीर लड़ाईक कथा बनायब चाहैत अछि।

५७९. (C) वयस्क हिंसा बच्चाक खेल-भाषामे हास्यास्पद आ खतरनाक दुनू बनैत अछि — बच्चा हिंसाकैं खेल बुझैत अछि, मुदा पाठक ओकर नकलयोग्य खतरा देखैत अछि।

५८०. (B) फीस नहि भरबाक गलती सँ शुरू झूठ आब सामाजिक छवि बचयबाक हथियार बनैत अछि — मनोहर असत्यक जालमे आरो फँसि रहल अछि।

५८१. (A) एकटा ऑटो-रिक्शा — देर-रातिक सड़क पर ऑटो ओकर चिढ़क केन्द्र बनैत अछि।

५८२. (D) धुआँक मेघ — धुआँ मनोहरक शहर-वितृष्णा कैं फेर जगबैत अछि।

५८३. (C) लगातार हॉर्न बजबैत अछि — ओकर अधैर्य दुर्घटनापूर्व तनाव बढ़बैत अछि।

५८४. (B) ऑटो-रिक्शामे ठेंस मारबाक — एहि क्षण ओकर भीतरक हिंसक आवेग साफ प्रकट होइत अछि।

५८५. (A) किछु टूटबाक आवाज, डगमगाहट, पलटना आ खाधिमे खसना — कथा दुर्घटनाकैं क्षणिक अराजकता, आवाज आ सुन्नतामे रचैत अछि।

५८६. (D) फ्लाईओवर लेल खोधल खाधिमे — अधूरा शहरी निर्माण मृत्यु-जाल जकाँ उपस्थित अछि।

५८७. (C) पहिने मिश्रित चीत्कार-टूटन, फेर सुन्नता — धक्का, आवाज आ चुप्पी मिलि भयावह राति बनबैत अछि।

५८८. (B) अबाजक स्रोत — ओ क्षणभर जिज्ञासा वा सम्भावित करुणा सँ ठहरैत अछि।

५८९. (A) मुँहक नस पीड़ा सँ खिंचल, मुँह सँ शोनित रिसैत — कथा घायल देहक भयावह निकटता पाठकक सामने राखैत अछि।

५९०. (D) ओकरा सहायता, उपेक्षा वा प्रतिशोधमे चुनय पड़ैत अछि — यही क्षण कथाक भीतर जमा चिढ़-झूठ-हिंसा कैं अंतिम रूप दैत अछि।

५९१. (C) मदति करू, एम्बुलेन्स बजाउ — ओ पीड़ा आ भयमे सीधा सहायता माँगैत अछि।

५९२. (B) घरमे एकटा छोट बेटी अछि — छोट बेटीक उल्लेख ओकर मानवीय, पारिवारिक पक्ष उघारैत अछि।

५९३. (A) सिगरेट — सहायता करबाक बदला ओ धूम्रपानक ओर बढ़ैत अछि।

५९४. (D) 'दुख भऽ रहल अछि बदमाश?' कहि उपहास-प्रतिशोधसँ — एहि वाक्यमे ओकर असली अन्हार खुलि जाइत अछि।

५९५. (C) सड़कक बीच रॉकेट-जकाँ गाड़ी चलयबाक आरोप लगाकऽ — ओ पीड़ितकेँ दोषी बनाकऽ अपन असंवेदनाकेँ जायज ठहरबैत अछि।

५९६. (B) पूर्ण करुणा-शून्यता आ नैतिक पतन — ई कथा-केंद्रक वाक्य अछि, जतय मनोहर मानवीय दायित्व छोड़ि दैत अछि।

५९७. (A) संकटग्रस्त अजनबीक प्रति नागरिक जिम्मेदारी — सार्वजनिक जीवनमे न्यूनतम सहायता सेहो ओकरा झंझट लगैत अछि।

५९८. (D) 'सॉरी सर' — घायल व्यक्ति मददगार सम्भावित आदमीसँ सेहो क्षमा माँगैत अछि; ई वर्गीय भय आ विवशता देखबैत अछि।

५९९. (C) ओ सहायता छोड़ि अपराधपूर्ण उदासीनता चुनैत अछि — कथा मनोहरकेँ जानि-बूझि नैतिक अन्धकारमे प्रवेश करबैत अछि।

६००. (B) सलमान-फुटपाथ चर्चा, सड़क-चिढ़ आ घरेलू असंवेदना आब वास्तविक अमानुषिकतामे बदलैत अछि — पहिने जे बात गप्पमे छल, दुर्घटना पर मनोहर अपन असली प्रतिक्रिया देखबैत अछि।

६०१. (A) क्षितिज धरि पसरल अन्हार — बाहरी राति मनोहरक भीतरक नैतिक अन्हारक प्रतिबिम्ब बनैत अछि।

६०२. (D) पीछे छूटल घायल जीवन आ मनोहरक आत्म-दर्शनक मौका — ओ पीछे देखैत अछि, मुदा लौटि मदद नहि करैत—प्रतिबिम्ब दोषक स्मृति बनैत अछि।

६०३. (C) मनोहरक भीतरक करुणाहीन नैतिक अंधकार — कथा दिनक झुंझलाहट सँ शुरू भऽ अन्तमे हृदयहीनता धरि पहुँचैत अछि।

६०४. (B) वर्गीय भय आ सत्ता-भाव सँ विकृत मानव सम्बन्ध — घायल लोक सेहो 'सर' कहैत अछि, जबकि कारबला मददक बदला तिरस्कार दैत अछि।

६०५. (A) काम-दबाव, उपभोग, ऋण, झूठ आ असंवेदनशीलता सँ बनल आत्मकेंद्रित जीवन — मनोहरक दिन आधुनिक महानगरीय जीवनक संकट सभकेँ जोड़ैत अछि।

६०६. (D) दुनू मनोहरसँ जिम्मेदारी आ संवेदना माँगैत अछि — घरमे पत्नी, सड़क पर ड्राइवर—दुनू सोझाँ ओ करुणा नहि देखबैत।

६०७. (C) ओ गलती स्वीकारबासँ भागि धीरे-धीरे नैतिक संवेदना खोबैत अछि — फीसक झूठ, फोन टारब, घरसँ बचब—सभ अन्तिम उदासीनता लेल तैयारी अछि।

६०८. (B) शहरी अव्यवस्था आ मानवीय असंवेदना सँ उपजल नैतिक परीक्षा — फ्लाईओवर खाधि, धुआँ, हॉर्न आ अधैर्य मिलि दुर्घटनाक परिवेश बनबैत अछि।

६०९. (A) सवाल जे सभ्यता आ सफलताक भीतर करुणा बचल अछि कि नहि — कथा पाठककेँ मनोहरक व्यवहार सँ असहज करैत, अपन शहरक नैतिकता पर सोचबैत अछि।

६१०. (D) घरेलू चिढ़ → दफ्तर-दबाव → झूठ → सड़क-हिंसा → करुणाहीन पलायन — ई क्रम देखबैत अछि जे साधारण असंतुलन कतेक दूर नैतिक पतन धरि जा सकैत अछि।

६११. (C) कन्नड़ — ई कथा कन्नड़ खण्डमे अछि आ मूल कन्नड़ कथा रूपमे उल्लिखित अछि।

६१२. (B) अशोक हेगड़े — कथा लेखक रूपमे अशोक हेगड़ेक नाम देल गेल अछि।

६१३. (A) कमलाकर भट्ट — शीर्षक-सूचनामे अंग्रेजी अनुवाद कमलाकर भट्ट द्वारा कहल गेल अछि।

६१४. (D) गजेन्द्र ठाकुर — कथा-सूचनामे मैथिली अनुवाद गजेन्द्र ठाकुर द्वारा देल गेल अछि।

६१५. (C) अहमदनगर कॉलेजक अंग्रेजी स्नातकोत्तर विभाग आ शोध केंद्रक प्रोफेसर आ विभागाध्यक्ष — परिचय हुनका अध्यापक, विभागाध्यक्ष आ अनुवादक रूपमे राखैत अछि।

६१६. (B) अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, मराठी आ कन्नड़ — परिचय हुनकर बहुभाषिक अनुवाद-कार्यकेँ रेखांकित करैत अछि।

६१७. (A) तकनीक — लेखक परिचयमे ओ तकनीक क्षेत्रमे काज करैत छथि।

६१८. (D) मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा आ ब्लॉकचेन — परिचय आधुनिक तकनीकी रुचि सभकेँ सूचीबद्ध करैत अछि।

६१९. (C) देशकाल — अन्त-टिप्पणीमे कथा २००७ मे कन्नड़ पत्रिका 'देशकाल'मे प्रकाशित कहल गेल अछि।

६२०. (B) विवेक शाणभाग — कथा-टिप्पणीमे पत्रिकाक सम्पादन विवेक शाणभाग द्वारा बताओल गेल अछि।

६२१. **(A) पुरुषोत्तम के.** — तेलुगु पद्य-भागमे पुरुषोत्तम के. कैं अंग्रेजी अनुवादक रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि।

६२२. **(A) वारंगलक काकतीय विश्वविद्यालय** — परिचयमे ओ वारंगल स्थित काकतीय विश्वविद्यालयक अंग्रेजी विभागसँ सम्बद्ध कहल गेल छथि।

६२३. **(A) तेलुगु कविता, दलित उपन्यास आ कथाक अंग्रेजी अनुवाद** — हुनकर परिचय अनुवादकेँ तेलुगु दलित साहित्यक व्यापक सेतु रूपमे रखैत अछि।

६२४. **(A) तेलुगु दलित साहित्यक अग्रदूत** — बोयी भीमन्ना जाति-वर्चस्वक विरुद्ध कविता लिखनिहार अग्रणी दलित साहित्यकार रूपमे चित्रित छथि।

६२५. **(A) गान्धीक राष्ट्रीय आन्दोलन** — परिचयमे हुनकर लेखन-आरम्भ गांधीवादी राष्ट्रीय आन्दोलनक प्रभावसँ जुड़ल अछि।

६२६. **(A) गुर्रम जाशुवा आ कुसुमान धर्मन्ना** — तेलुगु दलित साहित्यक आरम्भिक त्रयीमे भीमन्ना, जाशुवा आ धर्मन्ना केँ रखल गेल अछि।

६२७. **(A) धर्म, जाति आ पुनरुत्पन्न होइत बहिष्कारक दुष्चक्र** — कविता जलैत खोपड़ीक बिम्बसँ जातीय हिंसा आ धर्म-सम्मत दमनक लगातार लौटबाक बात उठबैत अछि।

६२८. **(A) इतिहासमे दबाओल वैदिक-सांस्कृतिक अधिकारक** — कविता बहिष्कृत दलित स्वत्वक स्मृति वापस खनबाक आ सार्वजनिक करबाक प्रतिरोधी मुद्रा बनबैत अछि।

६२९. **(A) दबाओल इतिहास उजागर करबाक प्रतिरोध** — कब्रिस्तान खनब पुरान दमनक नींव तक पहुँचि ओकर चोरी भेल अधिकारकेँ देखेबाक रूपक अछि।

६३०. **(A) जाति-वर्चस्वक आलोचना आ आत्मसम्मानक घोषणा** — एहि खण्डमे कविता जाति-भेद, श्रम, अपमान आ इतिहासक विरुद्ध स्वर उठबैत अछि।

६३१. **(A) दमनक पुनरावृत्ति आ अनवरत सामाजिक हिंसा** — बिम्ब ई कहैत अछि जे हिंसा एक बेरक घटना नहि, परम्परा बनल चक्र अछि।

६३२. **(A) दमनकारी व्यवस्था अपन शिकार फेर पैदा करैत रहैत अछि** — कविता सामाजिक संरचना पर आरोप लगबैत अछि जे अन्यायकेँ समाप्त नहि करैत, ओकरा दोहरबैत अछि।

६३३. **(A) व्यंग्यात्मक उद्घाटन** — कवि धर्मक नामेँ दमनकेँ रहस्य नहि, बेनकाब करबाक वस्तु बनबैत छथि।

६३४. **(A) आर्य/वैदिक श्रेष्ठताक दावा उलटि कऽ दलित अधिकार देखेबाक लेल** — कवि पुराणक भीतर छिपल जातीय जटिलता सँ वर्तमान अधिकार-वंचना पर प्रहार करैत छथि।

६३५. **(A) पहिने अधिकार स्वीकार कराबय, फेर दास्य-संस्कार अस्वीकार करबाक लेल** — ओ अधिकारक स्वामित्व घोषित करैत छथि, मुदा अपमानजनक परम्पराक बन्धन स्वीकार नहि करैत।

६३६. **(A) मानवीय गरिमा** — कविता अन्ततः सम्मानित जीवनक अधिकारपर केन्द्रित अछि।

६३७. **(A) स्थिर नहि; प्रश्न आ पुनर्पाठसँ बदलैत** — कवि इतिहासकेँ खनबाक, जाँचबाक आ जन-गरिमा सँ जोड़बाक आग्रह करैत छथि।

६३८. **(A) जाति-व्यवस्थामे मनुष्यकेँ बाहर धकेलबाक पीड़ा** — ओ समाजमे रहितो मान्यता सँ वंचित मनुष्यक असह्य स्थिति व्यक्त करैत अछि।

६३९. **(A) तिख, प्रश्नाकुल आ घोषणात्मक** — कविता बारम्बार प्रश्न, उद्घोष आ व्यंग्य द्वारा पाठककेँ झकझोरैत अछि।

६४०. **(A) ओ जाति-दमनक अनुभवकेँ प्रतिरोधी चेतना बनबैत अछि** — व्यक्तिगत पीड़ा सामूहिक इतिहास आ संघर्षमे बदलैत अछि, जे दलित साहित्यक केन्द्रीय स्वर अछि।

६४१. **(A) जमीन्दारक घरक आंगन, गोबर-पानि, बथान आ कूड़ा साफ करब** — कविता दलित स्त्री-श्रमक कठोर, अदृश्य आ अपमानित दिनचर्या सामने आनैत अछि।

६४२. **(A) भीख-जकाँ बासी भात आ अपमान** — कविता श्रम आ प्रतिफलक असमानता देखबैत अछि।

६४३. **(A) जानवरक छाल शोधबाक कुण्ड** — शब्दावली बतबैत अछि जे लाण्डामे छालकेँ केसियाक लेईसँ शोधल जाइत अछि।

६४४. **(A) घिन, कीड़ा, गन्ध आ बाध्य श्रम** — कविता चमड़ा-कामक पीड़ा आ जाति-नियत श्रमक क्रूरता व्यक्त करैत अछि।

६४५. **(A) भूख, श्रम, आँसू आ आश्रयक बहुउद्देशीय प्रतीक** — साड़ीक कोर पेट, घाम, दाना, ओछाउन आ नोर पोछबाक माय-जकाँ वस्तु बनैत अछि।

६४६. **(A) ओ ओछाउन बनि जाइत अछि** — श्रमसँ टूटल शरीर लेल साड़ीक कोर न्यूनतम विश्रामक साधन अछि।

६४७. **(A) सङ्घर्षक मूर्त रूप** — अव्वा श्रम, भूख, रोपनी, आगि आ परिवारक आधार बनि अबैत छथि।

६४८. **(A) ओकर श्रम आ पीड़ा निरंतर अछि** — कविता अव्वाक जीवनकेँ अंतहीन श्रमक राति रूपमे देखबैत अछि।

६४९. **(A) स्नेहक अभाव नहि, श्रमसँ कठोर बनल मातृत्व** — बालक हुनकर कोर-कथा नहि पाबि सकल, कारण अव्वाक हाथ सदिखन श्रममे लागल रहल।

६५०. **(A) घर, खेत, जाति आ शरीर पर एकसाथ पड़ैत बोझ** — कवितासभ दलित स्त्रीक श्रमकेँ जीवनक सभ क्षेत्रमे पसरल दमनक रूपमे देखबैत अछि।

६५१. **(A) स्वामिनी-आश्रित सम्बन्धक भीतरक जाति आ लिंग अन्याय पर** — कविता स्त्री-एकता के भीतर छिपल जातिगत दूरीकेँ चुनौती दैत अछि।

६५२. **(A) लिंगक साथ जाति-वर्गक प्रश्न जोड़बाक सीमा** — कविता कहैत अछि जे समस्या मात्र पुरुष/स्त्री नहि, सत्ता-संबंधक बहुस्तरीयता अछि।

६५३. **(A) शरीर, अपमान आ स्त्री-अनुभवक राजनीतिक घोषणा** — रजस्वला कपड़ा लज्जा नहि, बल्कि दमनक विरुद्ध भाषिक-शारीरिक प्रमाण बनैत अछि।

६५४. **(A) पुरुषवादी समर्पण-धारणाकेँ लिखनिहार सत्ता पर चोट करबाक लेल** — कविता लेखनक ओहि परम्परासँ भिड़ैत अछि जे स्त्रीकेँ अधीन बनबैत अछि।

६५५. **(A) जल, जाति आ स्त्री-देह पर नियंत्रण** — इनारक प्रसंग संसाधन आ सम्मान दुनू पर जातिगत रोक देखबैत अछि।

६५६. **(A) एकटा नव प्रश्न आ सङ्कट** — अलिसम्मा चुप पीड़ित नहि, समाजक सामने उठल असुविधाजनक प्रश्न बनैत छथि।

६५७. **(A) दुहरा दमनक बावजूद प्रतिरोधक जीवित स्वर देखेबाक लेल** — कविता स्त्रीत्व आ दलितत्वक संगम पर हिंसा आ साहस दुनू व्यक्त करैत अछि।

६५८. **(A) हिंसक दमनकारीकेँ असल मानवता सीखबाक स्राप** — कवि दमनकारीक अमानुषिकताकेँ उजागर करैत मानव बनबाकेँ दण्ड-जकाँ कहैत छथि।

६५९. **(A) ओ करुणाकेँ प्रतिरोध, प्रश्न आ शापमे बदलैत अछि** — वक्ता सभ दुःख कहैत छथि, मुदा ओकरा बदलि सामाजिक मुकदमा बनबैत छथि।

६६०. **(A) अनुभवक कठोरता सँ उपजल साक्ष्यात्मक कविता** — कवितासभ सजावटसँ बेसी प्रमाण, पीड़ा आ प्रतिरोधक भाषामे लिखल अछि।

६६१. **(A) कवि द्वारा स्वयं** — शीर्षक-सूचनामे अंग्रेजी अनुवाद कवि अपने कएने छथि।

६६२. **(A) कविता अपन सन्दर्भ, स्थान आ संरचना स्वयं रचि लैत अछि** — कवि सृजनकेँ स्वतः विकसित होइत संरचनात्मक जीव रूपमे देखैत छथि।

६६३. **(A) माध्यमीकृत, बाजारू आ त्वरित सूचना-युग** — कविता डिजिटल पहुँच, पैसा आ धार्मिक-सांस्कृतिक श्रवणक बाजारूकरण पर संकेत करैत अछि।

६६४. **(A) आर्थिक निर्भरता आ वैचारिक उदासीनता** — पंक्ति बतबैत अछि जे पैसा सार्वजनिक नैतिकता पर हावी भऽ सकैत अछि।

६६५. **(A) युद्ध, तानाशाही आ शिकारक मीडिया-दृश्य** — स्पाइडर-होल प्रसंग युद्धोत्तर विश्व-राजनीति आ तमाशा-बोधक आलोचना बनैत अछि।

६६६. **(A) राजनीतिक छल आ विनाशक व्यंग्यात्मक विश्लेषण** — कविता राज्य, घोषणा, विनाश आ जोकर-खलनायकक रूपकसँ सत्ता पर चोट करैत अछि।

६६७. **(A) विनाशक नाटक अखनो समाप्त नहि भेल** — कवि कहैत छथि जे सत्ता-तमाशाक मंच पर अगिला खलनायकक प्रवेश बाँकी अछि।

६६८. **(A) वर्गीय घृणा, देह-गन्ध आ सामाजिक दूरी** — कविता सीट, गन्ध, कपड़ा आ फुसफुसाहटसँ घृणाक दैनन्दिन रूप देखबैत अछि।

६६९. **(A) सभ्य भाषा पछाड़ि छिपल हिंसा खोलब** — व्यंग्य सत्ता, मीडिया, बाजार आ शिष्टाचारक आवरण फाड़ैत अछि।

६७०. **(A) दुनू एक-दोसरमे पसरैत; वैश्विक घटना देह-मन पर असर करैत** — कवि आधुनिक मनुष्यकेँ युद्ध, मीडिया, बाजार आ निजी असहजताक बीच रखैत छथि।

६७१. **(A) कामना सँ आगू बढ़ि एकत्व आ प्रेमक दार्शनिक रूप** — कविता देहक घनिष्ठताकेँ अद्वैत, प्रेम आ मुक्तिक अनुभवसँ जोड़ैत अछि।

६७२. **(A) पूर्ण एकत्व आ विभाजनहीनता** — कवि शारीरिक-मानसिक नजदीकीमे अंतिम एकत्वक सम्भावना देखैत छथि।

६७३. **(A) यंत्रीकृत, लक्ष्य-ग्रस्त आधुनिक जीवनक** — कविता कहैत अछि जे टार्गेट मनुष्यकेँ मशीन आ मूर्ख बना सकैत अछि।

६७४. **(A) ओ पाछू दौड़बैत अछि, मुदा संतोष नहि दैत** — आधुनिक आकांक्षा लगातार सरकैत लक्ष्य बनि जाइत अछि।

६७५. **(A) असम्भव वस्तुसँ बेसी विश्वास आ न्यायपूर्ण दुनिया चाहैत छथि** — कविता कल्पना करैत अछि एहन दुनिया जतय दावा, अभाव, भेदभाव आ कानूनक दबाव नहि हो।

६७६. **(A) संपत्ति-दावा आ अभावसँ मुक्त समाज** — कवि धन-केन्द्रित सम्बन्धक बदला सहज सहायता आ प्रचुरताक संसार सोचैत छथि।

६७७. **(A) आकर्षण, अपराध-बोध, देह आ पश्चातापसँ भरल** — कविता पुरान निकटताकेँ सुखद स्मरण नहि, नैतिक छटपटाहटसँ देखैत अछि।

६७८. **(A) शारीरिक सम्बन्ध आ भावनात्मक उत्तरदायित्वक दूरी** — कवि प्रेमक नाम पर उपयोग आ समर्पणक अन्तर पर विचार करैत छथि।

६७९. **(A) कवि प्रेमकेँ देब, समर्पण आ आत्म-परीक्षण मानैत छथि** — कविता प्रेमकेँ पवित्र फूल-जकाँ देबाक क्रिया मानैत अछि।

६८०. **(A) आकांक्षा आ देह दुनूक भीतर नैतिक प्रश्न खोजैत** — कवि लक्ष्य, स्मृति, प्रेम, देह आ विश्वास सभमे उत्तरदायित्वक प्रश्न उठबैत छथि।

६८१. **(A) माय, सपना, ध्वज आ संघर्षक धरती** — कविता प्रदेशकेँ भावनात्मक, राजनीतिक आ सांस्कृतिक मातृ-आधार बनबैत अछि।

६८२. **(A) हरियर, जीवंत आ कृषिसम्पन्न तेलंगानाक छवि** — प्राकृतिक बिम्ब सभ मातृभूमिक समृद्ध स्मृति बनैत अछि।

६८३. **(A) स्थानीय त्योहार आ स्त्री-सांस्कृतिक स्मृति** — बथुकम्मा तेलंगाना पहचानक लोक-उत्सवी स्वर अछि।

६८४. **(A) प्रदेशक लोक-खेल आ पर्व सभकेँ स्मृति-संसारमे राखय लेल** — कविता संस्कृति केँ जीवित अनुभव, खेल, गीत आ पर्वसँ रचैत अछि।

६८५. **(A) प्रतिरोध आ सामूहिक संघर्ष** — बन्द मुट्ठी आन्दोलनकारी संकल्पक रूपक अछि।

६८६. **(A) किसान-श्रमिक संघर्ष** — हाँसू खेत-श्रम आ जन-संघर्षक औजार अछि।

६८७. **(A) आन्दोलनक प्रतीक रूपमे मातृभूमि** — तेलंगाना स्वयं संघर्षक ध्वज बनि उठैत अछि।

६८८. **(A) सांस्कृतिक-आर्थिक ह्रासक पीड़ा व्यक्त करबाक लेल** — स्मृति आ वर्तमानक अन्तर कविता केँ संघर्षधर्मी बनबैत अछि।

६८९. **(A) ढोलकक ताल आ सामुदायिक आवाज जगेबैत अछि** — ध्वनि स्थानीय श्रवण-संस्कृति केँ पाठमे जीवित करैत अछि।

६९०. **(A) मातृभूमि-स्मृति सँ उपजल राजनीतिक स्वाभिमान** — कविता प्रेम, स्मृति, लोकसंस्कृति आ संघर्षकेँ एकसाथ राखैत अछि।

६९१. **(A) भूमण्डलीकरणक मुखौटा लगाओल आदेश** — कविता कहैत अछि जे औपनिवेशिक सत्ता बदलल रूपमे फेर उपस्थित अछि।

६९२. **(A) शासनक भाषा जनता-संस्कृतिसँ कटि गेल** — भाषिक अलगाव उपनिवेशी अनुभूतिक प्रमुख आधार बनैत अछि।

६९३. **(A) थोपल गेल सांस्कृतिक संरचनाक अस्वाभाविकता** — कवि अपन जीवन-संस्कृति पर बाहरी संरचना थोपल जाइत देखैत छथि।

६९४. **(A) सांस्कृतिक-आर्थिक अधीनता शरीरधरि पहुँचैत अछि** — कविता उपनिवेशकेँ केवल शासन नहि, देहगत असुविधा बनबैत अछि।

६९५. **(A) बहुराष्ट्रीय पूँजी द्वारा भारतीयता पर निशाना** — कवि उदारीकरण आ बहुराष्ट्रीय कंपनिसँ सांस्कृतिक-आर्थिक संकट देखैत छथि।

६९६. **(A) ओ स्थानीय आवाजकेँ हाशिये पर धकेलैत अछि** — भाषा सत्ता बनि जाइत अछि जखन लोकक वाणी ओकरा भीतर स्थान नहि पबैत।

६९७. **(A) भाषाक नियम सेहो पीड़ित इतिहाससँ अलग नहि** — कवि भाषा-विन्यासमे इतिहासक आँसू आ हिंसा देखैत छथि।

६९८. **(A) बाजार-शासनमे राष्ट्रीय संवेदनाक क्षय** — कविता आर्थिक नीति आ सांस्कृतिक विस्थापनकेँ राष्ट्रीय असंवेदना सँ जोड़ैत अछि।

६९९. **(A) ओ पुरान सत्ता नहि, वर्तमान प्रवेश करैत खतरा अछि** — कवि चेतावनी दैत छथि जे नव आर्थिक भाषा पुरान अधीनता पुनः ला सकैत अछि।

७००. **(A) भाषा, बाजार आ पहचानक स्वाधीनता** — कविता राजनीतिक स्वतन्त्रताक बादो भाषिक-सांस्कृतिक स्वराजक प्रश्न उठबैत अछि।

७०१. **(A) घरक बाहरी देबालमे ठोकल लकड़ीक खुट्टी** — शब्दावलीमे तोडलो केँ चिड़ै सभक बैसबाक लेल देबालक लकड़ीक खुट्टी कहल गेल अछि।

७०२. **(A) चान्द्र पक्षक आठम दिन** — शब्दावली चान्द्र-पक्ष आधारित लोक-समय केँ स्पष्ट करैत अछि।

७०३. **(A) एकादशी** — गुजराती शब्दावलीमे अगियारस केँ एकादशीसँ जोड़ा गेल अछि।

७०४. **(A) गाड़ी खींचय बला अतिरिक्त बड़दक गरदनि पर राखल लकड़ीक उपकरण** — शब्दावली कृषक-परिवहनक स्थानीय उपकरणक अर्थ दैत अछि।

७०५. **(A) काँटेदार, स्थानीय, ग्रामीण-प्राकृतिक परिदृश्य** — वनस्पति-सूची कविता केँ स्थानिक भू-दृश्यसँ बाँधैत अछि।

७०६. **(A) बाल-जिज्ञासा आ लोक-कल्पनाक मिश्रण** — कविता कीड़ीसँ संवाद करैत प्रकृति केँ जीवित लोक-कथात्मक संसार बनबैत अछि।

७०७. **(A) स्मृति-मय प्रकृति सँ आधुनिक पक्की सड़क पर झटका** — मोबाइल अक्षर आ पक्की सड़कक बिम्ब ग्रामीण स्मृति पर आधुनिकता क आघात देखबैत अछि।

७०८. **(A) अतीत/प्रकृति सँ वर्तमान/यंत्र-जीवनमे फेंकल जेबाक अनुभव** — कविता स्मृति आ आधुनिक विस्थापनक टकराव बनबैत अछि।

७०९. **(A) चाम पकेबा आ औषधीय उपयोग लेल** — आवलक छाल टैनिंग आ आयुर्वेदिक प्रयोगसँ जोड़ल गेल अछि।

७१०. **(A) स्थानीय शब्द, बाल-कल्पना आ आधुनिक विस्थापनक संगम** — कविता स्थानिक शब्दावलीसँ स्मृति बनबैत अछि आ अन्तमे आधुनिक झटका दैत अछि।

७११. **(A) दलित अनुभव, श्रम, प्रतिरोध आ आत्मसम्मान** — तेलुगु कविता-भाग जाति, श्रम, स्त्री-पीड़ा आ सामाजिक न्यायक प्रश्न उठबैत अछि।

७१२. **(A) ओ तेलुगु रचनाकेँ अंग्रेजी सेतु द्वारा व्यापक पाठक धरि पहुँचबैत छथि** — अनुवादकक परिचय खण्डक भाषिक पुलक आधार स्पष्ट करैत अछि।

७१३. **(A) इतिहासक प्रतिरोध सँ दलित स्त्री-श्रमक देहगत अनुभव धरि** — कविता-क्रम सामूहिक इतिहास, श्रम, चाम, साड़ी, अव्वा आ स्त्री-प्रतिरोधक विस्तृत पट खोलैत अछि।

७१४. **(A) वैश्विक राजनीति, मीडिया, युद्ध, देह आ आधुनिक लक्ष्यबोध** — रामा राव आधुनिक विश्वक विसंगति केँ कविता-संरचनामे आनैत छथि।

७१५. **(A) क्षेत्रीय अस्मिता आ जन-संघर्षक सांस्कृतिक आवाज** — तेलंगाना कविता प्रदेश, लोकगीत, पर्व, खेती आ आन्दोलनकेँ एक करैत अछि।

७१६. **(A) स्थानीय शब्दक अर्थ खोलि पाठककेँ सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझबैत अछि** — तोडलो, लाण्डा, आवळ आदि शब्द बिना नोट पाठक लेल अस्पष्ट रहि सकैत छल।

७१७. (A) भाषा बदलितो पीड़ा, प्रतिरोध आ स्थानीय स्वाद बचाएब — अनुवादकक जिम्मेदारी केवल अर्थ नहि, सांस्कृतिक ताप आ लय सेहो पहुँचाब अछि।

७१८. (A) किएक तँ असली सीख विषय, बिम्ब, स्वर आ सामाजिक अर्थमे अछि — सार्थक अध्ययन पृष्ठ-स्मृति नहि, पाठ-बोध आ विचारक पहचान पर आधारित अछि।

७१९. (A) अनुवादित कविताक सामाजिक, भाषिक आ सौन्दर्यात्मक परत बुझब — नव प्रश्नसभ पाठककेँ कविताक विषय, रूपक, शब्दावली आ विचारधारा सँ जोड़ैत अछि।

७२०. (A) भारतीय भाषासभक पीड़ित, क्षेत्रीय आ आधुनिक स्वर मैथिली पाठक धरि आनब — एहि संकलनमे तेलुगु, गुजराती आदि भाषिक अनुभव मैथिलीमे आबि व्यापक भारतीय संवाद रचैत अछि।

७२१. (A) सशक्त उड़िया कवयित्री, आलोचक आ अनुवादक — परिचयमे इप्सिता सारंगी केँ कविता, आलोचना आ अनुवाद—तीनू क्षेत्रसँ जोड़ि प्रस्तुत कएल गेल अछि।

७२२. (A) राज्य युवा पुरस्कार आ उड़ीसा पुस्तक मेला पुरस्कार — खण्डक परिचयमे हुनका राज्य युवा पुरस्कार आ उड़ीसा पुस्तक मेला पुरस्कारसँ सम्मानित कहल गेल अछि।

७२३. (A) हरेकृष्ण दास — उड़िया सँ अंग्रेजी अनुवादक हरेकृष्ण दास छथि, जिनका परिचय कटकक नियाली महाविद्यालयसँ जोड़ल अछि।

७२४. (A) बंशीधर सारंगीक कविता सभ — परिचय कहैत अछि जे ओ बंशीधर सारंगीक कविता सभक अनुवाद पर शोध कऽ रहल छथि।

७२५. (A) अनासक्ति आ दुःख-विलोपनक अनुभवक स्पष्ट गवाही — कविता सिद्धार्थ/भिक्षुसँ पूछैत अछि जे जीवनभरक अनासक्ति आ सुख-दुःखक हिसाब कहाँ अछि।

७२६. (A) अष्टाङ्गिक मार्गक व्यावहारिकता — वक्ता बुद्धक मार्गक दार्शनिक आदर्शकेँ जीवनक जटिल दुखसँ तौलैत अछि।

७२७. (A) अत्यधिक दुःख इच्छा आ आध्यात्मिक दावाकेँ निष्प्रभ करैत अछि — कविता कहैत अछि जे दुःख जखन असह्य हो, तखन इच्छा, मार्ग आ उपदेशक अर्थ बदलि जाइत अछि।

७२८. (A) उमेर, मृत्यु आ रोग — कविता शरीरकेँ माया कहैत ओकरा उमेर, मृत्यु आ रोगसँ अभिन्न देखैत अछि।

७२९. (A) कविता आध्यात्मिक पलायन आ जीवनक ठोस पीड़ाक टकराव देखबैत अछि — वक्ता पूछैत अछि जे वास्तविक दुःखसँ भागि सत्य ताकब मुक्ति देत कि धोखा बनत।

७३०. (A) श्रद्धा-सहित आलोचनात्मक प्रश्नाकुलता — कविता बुद्ध-विचारकेँ अस्वीकार नहि, बल्कि दुःख, शरीर आ अनासक्तिक कसौटी पर जाँचैत अछि।

७३१. (A) क्षितिजक दू बिन्दु धरि — वक्ता स्त्री-अस्तित्वकेँ सीमित जगहमे नहि, क्षितिजक विस्तारमे देखय चाहैत अछि।

७३२. (A) पूर्ण व्यक्तित्व आ आत्म-नियन्त्रणक आकांक्षा — वक्ता आँखि हटाकऽ नहि, बल्कि चेतना, भाषा आ कर्म तीनू स्तर पर अस्तित्वक दावा करैत अछि।

७३३. (A) दुःख भीतर राखि बाहरी शिष्ट मुस्कान धारण करबाक सामाजिक दबाव — स्त्रीक व्यक्तित्व पर आरोपित विनम्रता आ सहनशीलताक मुखौटा एहि बिम्बमे अछि।

७३४. (A) बाहरी चमक, खेल आ वर्जित सौन्दर्यक विडम्बना — छोट फ्राक, लहरि आ सोनहुल माछक बिम्ब सुन्दरता रचैत अछि, मुदा वक्ता ओकरा पाबि नहि सकैत।

७३५. (A) किएक तँ ओकर लेल मुस्की, सपना आ कोमलता वर्जित अछि — कविता सौन्दर्यक उपस्थिति आ स्त्री/मानवक वंचना केँ एकसाथ राखैत अछि।

७३६. (A) वंचित जीवनमे भावनात्मक सुख तक रोकल गेल अछि — वक्ता कहैत अछि जे केवल भौतिक वस्तु नहि, सपनो आ कोमलता वर्जित बना देल गेल अछि।

७३७. (A) दूर बैसल नियंत्रक समय आ जीवन चूसि सकैत अछि — वक्ता नियंत्रक पात्रकेँ कहैत अछि—हाथमे जादू-छड़ी घुमाबैत हमर समय चूसि लिअ जँ सकैत छी।

७३८. (A) स्त्री/वक्ता केँ दोसरेक प्रदर्शनक वस्तु बना देबाक खतरा — वक्ता बुझैत अछि जे ओ नाचैत लहरि सभक भीतर सजावटी पात्र बनाओल जा सकैत अछि।

७३९. (A) विस्तारक चाहना आ सामाजिक वर्जनाक टकराव — क्षितिज धरि पसारबाक इच्छा आ सपना-सौन्दर्यक निषेध—दुनू मिलि तनाव बनबैत अछि।

७४०. (A) जीवनक दुःख, देह, इच्छा आ मुक्ति कतेक वास्तविक अछि — दुनू काव्यांश आध्यात्मिक वा सौन्दर्यात्मक दावाक मुकाबिल वास्तविक देहगत वंचना राखैत अछि।

७४१. (A) भिखारी ठाकुर — भोजपुरी खण्डक मूल कवि भिखारी ठाकुर कहल गेल छथि, जिनकर बिरहा मैथिलीमे अनूदित अछि।

७४२. (A) छपरा जिला — परिचय भिखारी ठाकुर कैँ छपरा जिला, बिहारक लोककलाकार रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।

७४३. (A) प्रारम्भमे मौखिक, बादमे कैथी लिपिमे हस्तलिखित रचना सेहो प्राप्त — परिचय हुनकर लोक-मौखिक परम्परा आ कैथी हस्तलिखित रूप दुनूकेँ जोड़ैत अछि।

७४४. (A) बूढ़ा-बूढ़ीक दुख बुझि वृद्धाश्रम बनबाउ — बिरहामे बूढ़-बूढ़ीक अपमान आ दुख देखिक समाजसँ वृद्धाश्रम बनबबाक अर्ज अछि।

७४५. (A) बाहरी सजावट भीतरक कठोरता छिपा नहि सकैत — कविता कहैत अछि जे ऊपर सँ चिक्कन देखाएब बूढ़क दुखक अनदेखीकेँ ढाकि नहि सकैत।

७४६. (A) अल्पकालिक युवावस्था वा अभिमानमे वृद्धक अपमान — यौवन वा सामर्थ्यक सेखी टिकाऊ नहि; बूढ़क अपमान कालान्तरमे लौटि सकैत अछि।

७४७. (A) वृद्ध-देखभाल सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी अछि — कवि समाजक सभ गोटेकेँ एकमत भऽ वृद्धाश्रम बनबबाक लेल कहैत छथि।

७४८. (A) धार्मिक-सांस्कृतिक प्रेरणा द्वारा लोकसेवा — बिरहामे लोकधर्म आ सामाजिक करुणा एकसाथ आवैत अछि।

७४९. (A) वृद्ध-अपमान टारल नहि गेल तऽ सामाजिक अनर्थ होएत — कवि वृद्धाश्रमक जरूरतकेँ दया मात्र नहि, सामाजिक आवश्यकता कहैत छथि।

७५०. (A) लोक-लय, विनय, चेतावनी आ सामाजिक सुधारक मिश्रण — बिरहा नमस्कार, पुकार, लोकभाषा आ सुधारवादी आग्रहसँ बनल अछि।

७५१. (A) हिन्दू-मुसलमान सभकेँ — बिरहा २ सम्प्रदायसँ ऊपर उठि सभ समाजकेँ बूढ़क अपमान पर ध्यान देबय कहैत अछि।

७५२. (A) माय-बापक बचपन सँ कएल पालनक ऋण — संतान जे बचपनमे माय-बापक आश्रयमे रहल, से बुढ़ापमे कसाइ नहि बनय—ई स्मरण अछि।

७५३. (A) पालनहारक प्रति निर्दयता — कवि संतानेँ बूढ़ माय-बापक प्रति निर्दयी भऽ गेल कहि कठोर शब्दमे झकझोरैत छथि।

७५४. (A) नैतिक जवाबदेहीक अन्तिम परीक्षा — कवि संकेत करैत छथि जे कएल कर्मक हिसाब देबय पड़त, चाहे सांसारिक वा धार्मिक अर्थमे।

७५५. (A) बूढ़ शरीरक सेवा-निर्भरता — बुढ़ापमे साधारण शारीरिक सेवा सेहो जरूरी भऽ जाइत अछि; कविता ओकर उपेक्षा पर चोट करैत अछि।

७५६. (A) अपराध-बोध आ देर भऽ गेल पछतावा — जखन समय बीति जाएत तखन नोर खसत, मुदा किछु कहल-सुधारल नहि जाएत—ई चेतावनी अछि।

७५७. (A) विलम्ब नहि, तुरन्त वृद्धाश्रम बनबाक आग्रह — कवि समाजकेँ भावुकता नहि, तत्काल काज करबाक लेल प्रेरित करैत छथि।

७५८. (A) करुणा, उत्तरदायित्व आ सामुदायिक व्यवस्था — दुनू बिरहा व्यक्ति-संतान आ समाज दुनूकेँ वृद्ध-देखभालक जिम्मेदारी सौंपैत अछि।

७५९. (A) किएक तँ ओ सीधे लोक-हृदय आ पारिवारिक अपराध-बोध पर चोट करैत अछि — सरल लोक-पुकार कठोर नैतिक प्रश्नकेँ सहज ढंगें जनता धरि पहुँचबैत अछि।

७६०. (A) ओ परिवारक कृतघ्नता आ समाजक असंवेदनशीलता दुनू उजागर करैत अछि — बूढ़क अपमान सन्तान, समाज, धर्म आ व्यवस्था—सभक परीक्षा बनैत अछि।

७६१. (A) रहमान राही — कश्मीरी खण्डमे रहमान राहीक “छाह सभ” कविता प्रस्तुत अछि।

७६२. (A) एस.एल. सन्धु — कश्मीरीसँ अंग्रेजी अनुवाद एस.एल. सन्धु द्वारा, आ अंग्रेजीसँ मैथिली गजेन्द्र ठाकुर द्वारा कहल गेल अछि।

७६३. (A) संसदक लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियममे — वर्णनमे समारोहक स्थल संसद लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियम बताओल गेल अछि।

७६४. (A) डॉ. मनमोहन सिंह — वर्णनमे प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा सम्मान देबाक बात अछि।

७६५. (A) शॉल, सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति, प्रशस्ति-पत्र आ पाँच लाख टाकाक ड्राफ्ट — वर्णन पुरस्कार-विधानक चार मुख्य अंग स्पष्ट करैत अछि।

७६६. (A) १०३५ ई.क राजा भोजक सरस्वती प्रतिमा — वर्णनमे राजा भोजक सरस्वती प्रतिमा आ ज्ञानपीठ द्वारा प्रभामण्डल जोड़ल जेबाक उल्लेख अछि।

७६७. (A) लंदनक ब्रिटिश म्यूजियममे — वर्णन बतबैत अछि जे मूल प्रतिमा लंदनक ब्रिटिश म्यूजियममे अछि।

७६८. (A) महान जवाहरलाल नेहरूक पदपर — राही नेहरूक पदपर आसीन मनमोहन सिंहसँ पुरस्कार प्राप्त करबाक विशेष प्रसन्नता कहलथि।

७६९. (A) राज्य सरकार मान्यता नहि देलक, मुदा केन्द्र सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त भाषा अछि — हुनकर वक्तव्य भाषा-मान्यता आ कश्मीरी अस्मिताक मुद्दा उठबैत अछि।

७७०. (A) ओ कविता कैँ भारतीय साहित्यिक मान्यता, भाषा-राजनीति आ सांस्कृतिक प्रसंग दैत अछि — समारोहक विवरण राहीक कविता कैँ व्यक्तिगत पाठ नहि, भारतीय भाषा-सम्मानक प्रसंगमे रखैत अछि।

७७१. (A) ६ मई १९२५ — कश्मीरी खण्डमे अब्दुल रहमान राहीक जन्म ६ मई १९२५ लिखल अछि।

७७२. (A) साहित्य अकादमी पुरस्कार — परिचयमे हुनकर पहिल कविता-संग्रहकेँ साहित्य अकादमी पुरस्कार देल गेल कहल अछि।

७७३. (A) पद्म श्री — परिचय राहीकेँ पद्म श्री आ अन्य अकादमिक सम्मानसँ जोड़ैत अछि।

७७४. (A) एमिरेट्स फेलोशिप — राहीक परिचयमे मानव संसाधन विकास मन्त्रालयक एमिरेट्स फेलोशिपक उल्लेख अछि।

७७५. (A) सनवुन्य साज, सुबहुक सोदा, कलाम-ए-राही — परिचयमे राहीक प्रमुख काव्य-संग्रहक रूपमे एहि तीन नामक उल्लेख अछि।

७७६. (A) आलोचना आ निबन्ध — कविता-संग्रहक अतिरिक्त हुनकर आलोचना आ निबन्धक पोथीक उल्लेख अछि।

७७७. (A) निराला रचित सरस्वती वन्दना — वर्णनमे सरला माहेश्वरी अनीता जैनकेँ निराला रचित सरस्वती वन्दना गेबाक अनुरोध करैत छथि।

७७८. (A) रवीन्द्र कालिया — वर्णनक अनुसार अन्तमे रवीन्द्र कालिया धन्यवाद ज्ञापन केलथि।

७७९. (A) ५०म वर्षगाँठ धरि बहुत गोटे जीवित नहि रहि सकैत छथि, से कारण ४०म वर्ष सेहो महत्त्वपूर्ण — लेखक वृद्धावस्था आ साहित्यिक प्रतीक्षाक यथार्थसँ ४०म वर्षक महत्व जोड़ैत छथि।

७८०. (A) प्रधानमंत्रीकेँ — वर्णनमे ज्ञानपीठ द्वारा कएल हिन्दी अनुवाद राही द्वारा प्रधानमंत्रीकेँ देल गेल कहल अछि।

७८१. (A) नियतिसँ वाद आ अमरताक आशा छोड़ि दिअ — कविता आरम्भे नियति आ अमरता पर टिकले आशाकेँ त्यागबाक कठोर स्वर रखैत अछि।

७८२. (A) क्षणक सीमितता स्वीकारि ओकरा भीतर भरि उठबाक — कवि अल्प जीवन-क्षण केँ ही उपलब्ध सच्चाई मानि ओकरा भरबाक बात करैत छथि।

७८३. (A) सभ्य मार्गक लोप आ अस्तित्वगत भटकाव — परिचित पथ जंगलमे धँसि जाएब सुरक्षा आ दिशा दुनूक क्षयक बिम्ब अछि।

७८४. (A) विश्वासक सुरक्षा टूटि संशयक प्रवेश — कविता आस्था आ शंका बीचक आन्तरिक संघर्षकेँ कवच-भेदनक रूपमे कहैत अछि।

७८५. (A) जागरणे स्वप्नक नष्ट होयब — कविता कहैत अछि जे आँखि खुलिते स्वप्न स्वयं संकटमे पड़ि गेल।

७८६. (A) यौवन आ जीवन-ऊर्जा अचानक उजाड़मे बदलि गेल — बसन्त आ यौवनक आशा सुनसानमे बदलि अस्तित्वक क्षरण देखबैत अछि।

७८७. (A) एकान्त, क्षय आ अशुभ रिक्तता — उजाड़मे अकेला कौआ सभ्यता-पश्चात खालीपनक तिख बिम्ब अछि।

७८८. (A) ब्रह्माण्डीय सृजनक स्वप्न सँ न्यूनतम पहचानक संघर्ष धरि पतन — पहिने चान-तरेगन गढ़बाक इच्छा छल; आब अपन नाम राखबो कठिन प्रतीत होइत अछि।

७८९. (A) विश्वास मुरझायल परिदृश्य जकाँ निर्जीव भऽ गेल — घाटीक मौलायल हरियरी विश्वासक थकान आ क्षय देखबैत अछि।

७९०. (A) आस्था-भंग, स्वप्न-क्षय आ अस्तित्वगत उदासी — नियति, अमरता, धँसल पथ, टूटल स्वप्न आ उजाड़ मिलि गम्भीर उदासी रचैत अछि।

७९१. (A) बाहरी देवत्व भीतरक छाया बनि गेल अछि — कवि देवता केँ निरपेक्ष बाहर नहि, अपन छाहक रूपमे देखैत छथि।

७९२. (A) दानवत्व अहंकारक बाल-खेलना जकाँ भीतर सँ बनैत अछि — कविता दानवक स्रोत मनुष्यक अहंमे खोजैत अछि।

७९३. (A) सार्वजनिक/राजनीतिक विमर्शक अव्यवस्थित कोलाहल — सभा भवनक मानवीय संवाद बानर-शोरमे बदलि गेल—ई तीख राजनीतिक-सामाजिक व्यंग्य अछि।

७९४. (A) पवित्रता सभ्य सभा नहि, जंगलमे खोजबाक स्थिति — कवि संकेत करैत छथि जे सन्तत्वक वेश वा असल पवित्रता सभ्यता-संस्था मे दुर्लभ अछि।

७९५. (A) दिशाहीन यात्रा आ मुक्ति-किनारक अनिश्चितता — नाओ चलैत अछि मुदा किनार अस्पष्ट; जीवन-यात्राक उद्देश्य प्रश्न बनैत अछि।

७९६. (A) घायल/अक्षम देश-नाव अन्धकारमे भटकैत अछि — देशांशक भोथलाएल नाओ अन्धकारमे—ई राष्ट्र, भूभाग आ जनता-संकटक रूपक अछि।

७९७. (A) ढोंग उघारि देखाबय बला सार्वजनिक कलाकार/व्यंग्य-वक्ता — कवि नटुआ केँ निर्वस्त्र नाच द्वारा छिपल यथार्थ उजागर करबाक आह्वान करैत छथि।

७९८. (A) जोखिम लेबय बला, आगि निगलनिहार पागल कवि — कवि अपनाकेँ आगि-खायबला बताह कहि जोखिम, विद्रोह आ आत्मदाहक कवि-स्वर बनबैत छथि।

७९९. (A) ओ नैतिक सत्ता केँ बाहरी मिथक नहि, भीतरक मनो-सामाजिक छाया बनबैत अछि — कविता देवता आ दानव दुनूकेँ आत्म-छाया आ अहंकारक उत्पाद कहि आधुनिक आत्मालोचना करैत अछि।

८००. (A) आत्मालोचना, राजनीतिक व्यंग्य आ अन्धकारमे दिशा-खोज — सभा, नाओ, नटुआ, आगि—सभ बिम्ब मिलि अस्तित्व आ राजनीति पर तीख प्रश्न उठबैत अछि।

८०१. (A) लगभग एक घण्टामे — वर्णनमे समारोह एक घण्टामे खतम भेल लिखल अछि।

८०२. (A) सचिन तेन्दुलकर अपन टेस्ट जीवनक ४०म शतक पूरा केलन्हि — अन्तिम टिप्पणीमे सचिनक ४०म टेस्ट शतकक समाचार भेटबाक उल्लेख अछि।

८०३. (A) हिनका भारत रत्न पुरस्कार देल गेल — समारोहक बादक समाचारमे भीमसेन जोशीकेँ भारत रत्न पुरस्कार देल जेबाक बात अछि।

८०४. (A) ओ चन्द्रमाक १०० किलोमीटरक वृत्ताकार कक्षामे स्थापित भेल — अन्तिम समाचारमे चन्द्रयान-१ चन्द्रमाक १०० किलोमीटर वृत्ताकार कक्षामे स्थापित भेल कहल अछि।

८०५. (A) साहित्यक संग खेल, संगीत आ विज्ञानक समकालीन भारतीय क्षण — लेखक साहित्यिक समारोहकेँ ओहि दिनक व्यापक राष्ट्रीय उपलब्धिसँ जोड़ैत छथि।

८०६. (A) भारतीय भाषिक-सांगीतिक परम्पराक बहुभाषी सम्मान — कश्मीरी कविता आ हिन्दुस्तानी संगीत दुनूकेँ राष्ट्रीय सम्मानक प्रसंगमे देखल गेल अछि।

८०७. (A) संख्या ४० द्वारा साहित्य आ खेलक संयोगी क्षण — वर्णनमे ४०म ज्ञानपीठ वर्ष आ सचिनक ४०म शतक एके दिनक समाचार-लयमे आबैत अछि।

८०८. (A) भारतीय वैज्ञानिक आकांक्षा आ सांस्कृतिक समयक संगम — साहित्यिक सम्मानक दिन विज्ञानक चन्द्र-यात्रा स्मरण कएल गेल अछि।

८०९. (A) व्यक्तिगत अनुभवकेँ समकालीन राष्ट्रीय क्षणमे विस्तारित करैत अछि — लेखक मंचसँ घर-घुरबाक अनुभवकेँ देशक तात्कालिक घटनासँ जोड़ैत छथि।

८१०. (A) साहित्यिक घटना खाली मंचपर नहि, अपन समयक सांस्कृतिक-सामाजिक धड़कनमे घटैत अछि — राहीक सम्मान, खेल, संगीत आ अंतरिक्ष— सभ मिलि एक समकालीन भारतक चित्र बनबैत अछि।

८११. (A) भिन्न भारतीय भाषासँ मैथिलीमे सामाजिक-दार्शनिक अनुभवक सेतु — तीनू खण्ड अलग भाषा-संसार सँ आबि मैथिली पाठक लेल संवाद रचैत अछि।

८१२. (A) दुःख, सत्य, नियति आ मुक्ति पर अस्थिर विश्वास — दुनू कविता जीवनक दुःख आ सत्यक दावाकेँ कठोर प्रश्नक बीच राखैत अछि।

८१३. (A) वंचित देह आ उपेक्षित जीवनक पक्षमे लोक-स्वर — बिरहा बूढ़क दुख उठबैत अछि, उड़िया स्त्री-कविता सपना-सौन्दर्यक वर्जना; दुनू वंचनाक पक्षधर अछि।

८१४. (A) पहिल लोक-सुधारक पुकार, दोसर अस्तित्ववादी-व्यंग्यात्मक जटिलता — भिखारीक बिरहा सीधे समाजकेँ सम्बोधित करैत अछि, राहीक कविता छाया, देवता, दानव, नाओ आ अन्हारक बिम्ब बनबैत अछि।

८१५. (A) देहकेँ सामाजिक-नैतिक विचारक केन्द्र बनबैत अछि — उड़िया कविता शरीर, रोग, मृत्यु आ इच्छा पूछैत अछि; बिरहा बूढ़ शरीरक सेवा-निर्भरता देखबैत अछि।

८१६. (A) भारतीय भाषाक मान, पहुँच आ परस्पर संवादक आवश्यकता — कश्मीरी मान्यताक बात आ बहुभाषिक अनुवाद दुनू भाषा-अधिकारक प्रश्नकेँ बल दैत अछि।

८१७. (A) मूल भाषाक भाव, स्थानीयता आ विचार मैथिली पाठक धरि पहुँचाबय लेल अत्यन्त महत्त्वपूर्ण — हरेकृष्ण दास, एस.एल. सन्धु आ गजेन्द्र ठाकुरक उल्लेख सेतु-निर्माणक महत्त्व देखबैत अछि।

८१८. (A) किएक तँ असल अध्ययन विचार, बिम्ब, प्रसंग आ सामाजिक अर्थ बुझब अछि — गंभीर क्विज पाठ-बोध पर आधारित अछि, यांत्रिक पृष्ठ-स्मृति पर नहि।

८१९. (A) उड़िया दार्शनिकता, भोजपुरी लोक-सुधार आ कश्मीरी आधुनिक व्यंग्यक तुलनात्मक समझ — नव बैच पाठककेँ तीन भाषिक स्वरक अलग-अलग विधा आ चिन्ताक तुलना करबैत अछि।

८२०. (A) मैथिलीकेँ भारतीय भाषासभक संवाद-मंच बनायब — तेलुगु, गुजराती, उड़िया, भोजपुरी, कश्मीरी आदि स्वर मैथिलीमे आबि व्यापक साहित्यिक संवाद बनबैत अछि।

८२१. (A) समारोहक गरिमा आ समयानुशासन — वर्णनमे नियत समय, प्रधानमंत्रीक आगमन, मंचक व्यवस्था आ साहित्यिक गरिमाक संकेत प्रमुख अछि।

८२२. (A) राहीकेँ सम्मानित करि ज्ञानपीठ स्वयं सम्मानित भेल — उद्गार राहीक साहित्यिक महत्ता आ ज्ञानपीठक गौरव दुनूकेँ जोड़ैत अछि।

८२३. (A) साहित्यिक सम्मानकेँ सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आरम्भ देब — कार्यक्रमक आरम्भ वन्दना सँ भेल, जे साहित्यिक संस्कारक वातावरण बनबैत अछि।

८२४. (A) ई साहित्यिक मान्यता आ राष्ट्रीय प्रतिष्ठाक प्रतीक बनैत अछि — सम्मानक सामग्री कविक रचना-संसार केँ राष्ट्रीय स्तरपर स्वीकार करबाक प्रतीक अछि।

८२५. (A) कार्यक्रमक संस्थागत आ साहित्यिक प्रमाणिकता देखबैत अछि — रवीन्द्र कालिया, सीताकान्त महापात्र आदि नाम समारोहक साहित्यिक संरचना स्थापित करैत अछि।

८२६. (A) राष्ट्रीय निरन्तरता आ सम्मान पाबयक विशेष प्रसन्नता — राही ओहि पदक ऐतिहासिक प्रतिष्ठा सँ पुरस्कार ग्रहणक अनुभवकेँ जोड़ैत छथि।

८२७. (A) कार्यक्रमक औपचारिक पूर्णता — साहित्यिक समारोहमे स्वागत, सम्मान, उद्गार आ धन्यवादक क्रम पूरा होइत अछि।

८२८. (A) कश्मीरी कविता भारतीय भाषिक संवादमे प्रवेश करैत अछि — अनुवाद राष्ट्रव्यापी पाठक समुदाय धरि कविता पहुँचाबयक माध्यम बनैत अछि।

८२९. (A) समय, आयु आ साहित्यिक स्मृतिक नश्वरता — लेखक मानवीय जीवनक सीमितता आ समारोहक ऐतिहासिक क्षण दुनूकेँ जोड़ैत छथि।

८३०. (A) कश्मीरी कविता आ राष्ट्रीय सम्मानक सांस्कृतिक क्षणकेँ मैथिली पाठक लग अनबाक — वर्णन मैथिली पाठककेँ भारतीय भाषिक साहित्यक साझा मंचसँ जोड़ैत अछि।

८३१. (A) कविक ऐतिहासिक स्थान आ पीढ़ीगत संदर्भ स्पष्ट करब — जीवन-विवरण कविक साहित्यिक यात्रा केँ काल-संदर्भ प्रदान करैत अछि।

८३२. (A) हुनकर आरम्भिक काव्यक मान्यता व्यापक छल — पुरस्कारक तथ्य राहीक काव्य-प्रतिभाक आरम्भिक स्वीकृति देखबैत अछि।

८३३. (A) राष्ट्रीय सम्मान आ शोध-सांस्कृतिक प्रतिष्ठा — ई मान्यता कविक साहित्यिक, सांस्कृतिक आ अकादमिक प्रतिष्ठा बढबैत अछि।

८३४. (A) राहीक रचनात्मक विस्तार आ काव्य-संसारक संकेत देबाक लेल — कृति-सूची पाठककेँ कविक मूल लेखन-क्षेत्रक परिचय दैत अछि।

८३५. (A) ओ केवल कवि नहि, विचारशील गद्यकार सेहो छलाह — परिचय हुनका बहुआयामी साहित्यिक व्यक्तित्व रूपमे रखैत अछि।

८३६. (A) भाषा-राजनीति आ सांस्कृतिक अधिकारक पीड़ा — राही राष्ट्रीय मान्यता आ प्रादेशिक उपेक्षा बीचक तनाव चिन्हित करैत छथि।

८३७. (A) भाषाक संवैधानिक/राष्ट्रीय स्वीकृति रेखांकित करैत अछि — कवि अपन भाषाक अस्मिता आ अधिकारक प्रश्न राष्ट्रीय स्तरपर उठबैत छथि।

८३८. (A) एक भारतीय भाषा-साहित्य दोसर भारतीय भाषा-साहित्यसँ संवाद करैत अछि — मैथिली अनुवाद कश्मीरी कविक विचार मैथिली पाठक धरि पहुँचबैत अछि।

८३९. (A) कविताक पृष्ठभूमि आ कविक सांस्कृतिक संघर्ष दुनू बुझाइत अछि — परिचय कविता पढ़बाक सामाजिक आ ऐतिहासिक आधार बनबैत अछि।

८४०. (A) कश्मीरी आधुनिकता, पुरस्कार-मान्यता आ भाषा-अस्मिता केँ एकसाथ देखाबयमे — जीवन, कृति, सम्मान आ भाषा-प्रश्न मिलि राहीक समग्र छवि बनबैत अछि।

८४१. (A) मानव-अहं आ अमरता-लालसाक त्याग — कविता मनुष्यकेँ नियति सँ झगड़ा छोड़ि क्षणक सत्य स्वीकारबाक बात कहैत अछि।

८४२. (A) सीमित जीवन-क्षणमे पूर्णता खोजू — कविता क्षणभंगुर जीवनमे प्राप्त समयकेँ भरि जिबबाक सन्देश दैत अछि।

८४३. (A) ओ सीमित समयमे सजग जीवनक प्रस्ताव रखैत अछि — कवि नश्वरता स्वीकारि जीवनक तीव्र अनुभवक ओर मुड़ैत छथि।

८४४. (A) भाग्य पर नियंत्रण चाहबाक अहंकारी प्रवृत्ति — कविता मनुष्यक असम्भव नियंत्रण-कामना केँ प्रश्नांकित करैत अछि।

८४५. (A) क्षणबोध आ आत्म-सचेतता — अनश्वरता छोड़ि वर्तमानक सघन अनुभव महत्त्वपूर्ण बनैत अछि।

८४६. (A) नश्वरता, संशय आ आत्म-परीक्षण स्वीकारबाक — कविता सहज सांत्वना नहि, कठिन आत्मदर्शनक भूमिका बनबैत अछि।

८४७. (A) देवता, दानव, अहं आ स्मृति सभ अंततः छाया बनि जाइत अछि — शीर्षक जीवनक अस्थिर, प्रतिबिम्बित आ क्षणिक अस्तित्वक संकेत अछि।

८४८. (A) विचारोत्तेजक, विरक्त आ आत्मालोचक — आरम्भ पाठककेँ अस्तित्वक गहिर प्रश्नमे प्रवेश करबैत अछि।

८४९. (A) क्षणमे पूर्ण डूबि जाएबाक जीवन-उत्सुकता — भाषिक रूप जीवनक सीमित समयमे गाढ़ अनुभवक आग्रह रचैत अछि।

८५०. (A) जीवनक क्षणभंगुरता स्वीकारि सजग अनुभवमे अर्थ खोजब — कविता अस्तित्वक नश्वरता सँ सृजनात्मक जागरूकता निकालैत अछि।

८५१. (A) परिचित सामाजिक मार्गक खोइ जाएब — पहिने स्पष्ट बुझाइत पथ अन्हार बोनमे धँसि गेल—ई भ्रमभंगक बिम्ब अछि।

८५२. (A) विश्वासक रक्षा-कवच टूटबाक अनुभूति — कविता आस्था केँ सुरक्षित कवच मानैत अछि, मुदा संशय ओकरा छेदि दैत अछि।

८५३. (A) दिशाहीनता आ अस्तित्वगत अन्हार — बोन परिचित पथकेँ गुम कऽ देत, जे मनक उलझनक छवि अछि।

८५४. (A) जागरणक क्षणमे स्वप्न स्वयं घायल/चेतित भऽ उठैत अछि — पंक्ति जागरण, आघात आ स्वप्नभंगक सूक्ष्म अवस्था देखबैत अछि।

८५५. (A) यौवन आ आशाक क्षय — बासन्ती छवि उजासक प्रतीक छल; सुनसान होयब ओहि उजासक टूटन अछि।

८५६. (A) विश्वासक पुरान संरचना आधुनिक संशय सँ टूटैत अछि — कवि मनुष्यक भीतरी द्वंद्व—विश्वास बनाम प्रश्न—केँ दृश्य बनबैत छथि।

८५७. (A) असुरक्षा आ दिशा-ह्रास — सामाजिक मार्ग आ मानसिक सुरक्षा दुनू अस्थिर भऽ जाइत अछि।

८५८. (A) मनुष्यक भीतरक भरोसा आ बाहरी मार्ग दुनू टूटि रहल अछि — बाहरी पथ आ भीतरी आस्था—दुनू संकटग्रस्त अछि।

८५९. (A) क्योंकि ई मानसिक अन्हार आ सामाजिक दिशा-भ्रमक प्रतीक अछि — बिम्ब भौतिक जंगलसँ अधिक अस्तित्वक उलझन कहल जा सकैत अछि।

८६०. (A) विश्वास टूटबाक बाद मनुष्यक दिशाहीन यात्रा — कविताक मध्य भाग भरोसा, स्वप्न आ मार्गक नष्ट होयबाक त्रासदी खोलैत अछि।

८६१. (A) बाहरी सौन्दर्यक बीच भीतरी रिक्तता — कविता देखाबैत अछि जे दृश्य आकर्षण बहुत अछि, मुदा पकड़ मे विचारक अल्पता अछि।

८६२. (A) निराश, उजाड़ आ अकेलापनक तीख छवि — कौआ आ उजाड़ मिलि सभ्यता-पश्चात रिक्त परिदृश्य रचैत अछि।

८६३. (A) सृष्टि, सौन्दर्य आ ब्रह्माण्डपर सृजनात्मक स्वामित्वक चाह — कवि पहिने चान-तारा गढ़बाक चाह राखैत छलाह—ई विराट सृजन-कामना अछि।

८६४. (A) विराट सृजनक बदला आत्म-पहिचानक छोट, अस्थिर संघर्ष बचल अछि — चन्द्र-तारा गढ़बाक स्वप्न सँ आदमी अपन नाम धरि सीमित भऽ गेल।

८६५. (A) उजाड़ संसारमे व्यक्ति अपन अस्तित्वक नाम खोजैत अछि — अकेलापन मनुष्यकेँ आत्म-पहिचानक संकट धरि अनैत अछि।

८६६. (A) विरोधी बिम्बसँ जीवनक विसंगति रचना — कवि सौन्दर्य आ उजाड़ केँ संग-संग राखि आधुनिक मनक टूटन देखबैत छथि।

८६७. (A) बहुत दृश्य-उत्तेजना बीच सार्थक विचारक दुर्लभता — आधुनिक अनुभवक भीड़मे पकड़ योग्य विचार बहुत कम रहि जाइत अछि।

८६८. (A) नाम व्यक्ति केँ अर्थ आ पहचान देबाक अंतिम चेष्टा बनैत अछि — जब बाहरी सृष्टि हाथसँ छूटल, व्यक्ति अपन नाम धरि लौटैत अछि।

८६९. (A) विराट स्वप्नसँ संकुचित आत्म-संकटक यात्रा — कविता मनुष्यक आकांक्षा-संकुचनक करुण चित्रण करैत अछि।

८७०. (A) बाहरी आकर्षणक बीच भीतरी उजाड़ आ पहचानक बेचैनी — कवि व्यक्ति आ संसारक बीच गहिर असंगति खोलैत छथि।

८७१. (A) विश्वासक मुरझा जाएब आ जीवन-रसक घटब — मौलायल हरियरी भरोसाक क्षीण होयबक रूपक बनैत अछि।

८७२. (A) क्रुद्ध, अस्थिर आ विषाक्त सजगता — चैतन्य जीवनदायी नहि, खिसियायल साँप जेकाँ भयावह बनैत अछि।

८७३. (A) पूज्य आदर्श सेहो आत्म-प्रक्षेपण भऽ सकैत अछि — कविता देवता केँ मनुष्यक भीतरी छाया/प्रतिबिम्ब रूपमे देखैत अछि।

८७४. (A) दानवी छवि सेहो अहंकारक बनाओल खेलौना अछि — दानव मनुष्यक अहं सँ बनल आ संचालित छवि बनैत अछि।

८७५. (A) बाहरी नैतिक द्वैतक भीतरी मनोवैज्ञानिक पुनर्पाठ — कवि देवत्व आ दानवत्व दुनूकेँ मनुष्यक भीतरक छाया रूपमे पढ़ैत छथि।

८७६. (A) आध्यात्मिक थकान आ मानसिक विषमता — भरोसा क्षीण अछि आ चेतना विषाक्त; ई आधुनिक संकटक चित्र अछि।

८७७. (A) सभ उच्च-मूल्य प्रतीक अंततः मनुष्यक छाया ठहरैत अछि — शीर्षक देवता, दानव, अहं, विश्वास सभक आभासी स्वरूप खोलैत अछि।

८७८. (A) दानवकेँ अहं केर कनिया-पुतड़ा कहबामे — दानव अहंकारक खिलौना बनल—ई आत्म-महिमाक उपहास अछि।

८७९. (A) सजगता सेहो भयावह आ आक्रामक भऽ सकैत अछि — चेतना जहरीली आ खिसियायल बनि जाए तँ मुक्ति नहि, संकट बनैत अछि।

८८०. (A) बाहरी देव-दानव वास्तवमे मनुष्यक भीतरक छाया आ अहंकारक खेल छथि — कविता नैतिक प्रतीकसभ केँ आंतरिक मनोवैज्ञानिक रूपमे उलटि पढ़ैत अछि।

८८१. (A) सार्वजनिक विमर्शक शोरगुल आ अविवेक — सभा भवनक शोर बानरक आवाज जेकाँ चित्रित अछि—ई विडम्बना अछि।

८८२. (A) संतत्वक बाहरी पोशाक खोजबा पर व्यंग्य — कविता खाँटी संतत्वक अभाव आ बाहरी वेशभूषाक खोजपर कटाक्ष करैत अछि।

८८३. (A) दिशाहीन यात्रा आ उद्धारक अनिश्चितता — नाओ चलि रहल अछि मुदा किनार स्पष्ट नहि—ई अस्तित्वगत असुरक्षा अछि।

८८४. (A) राष्ट्र/प्रदेशक दिशाहीन आ क्षतिग्रस्त यात्रा — नाओ अन्हारमे अछि आ भोथर/क्षतिग्रस्त; सामूहिक संकटक बिम्ब अछि।

८८५. (A) शोर, ढोंग आ दिशाहीनता — तीनू छवि सार्वजनिक जीवनक विघटन देखबैत अछि।

८८६. (A) सुरक्षा, समाधान आ लक्ष्य — किनार नहि मिलब जीवन-यात्राक अस्थिरता सूचित करैत अछि।

८८७. (A) तीख, व्यंग्यात्मक आ दृश्यात्मक — कवि सभाक विवेकहीन कोलाहल केँ पशु-ध्वनिसँ तुलना करैत छथि।

८८८. (A) क्या समाजमे असल संतत्व बचल अछि वा केवल वेश बचल? — कविता आडम्बर बनाम आंतरिक साधुताक प्रश्न उठबैत अछि।

८८९. (A) समुदाय अज्ञात दिशा आ संकटमे बहि रहल अछि — नाओक अन्हार सामूहिक असुरक्षा आ नेतृत्व-संकटक संकेत अछि।

८९०. (A) समाज शोर, छद्म-संतत्व आ दिशाहीन नेतृत्वक बीच फँसल अछि — कविता सामाजिक संस्थासभक खोखलापन पर तीक्ष्ण टिप्पणी करैत अछि।

८९१. (A) कटु, विद्रोही आ उघाड़ू सार्वजनिक प्रदर्शन — कवि नटुआकेँ निर्वस्त्र नाचक आदेश दैत छथि—ई सामाजिक आवरण उघाड़बाक प्रतीक अछि।

८९२. (A) छल-कपट आ सभ्यताक आवरण उतारबाक काव्यिक हिंमत — नग्नता सत्यक कठोर अनावरण बनैत अछि, अश्लीलता मात्र नहि।

८९३. (A) कवि स्वयंकेँ जोखिम उठाबय बला उन्मत्त सत्यकर्मी रूपमे देखैत छथि — आगि खायब असम्भव साहस आ आत्म-विनाशक उत्कटता सूचित करैत अछि।

८९४. (A) पाठक/समाजकेँ सीधे झकझोरनिहार नाटकीय संवाद — अंतिम संबोधन कविता केँ तीव्र मंचीयता आ चुनौती दैत अछि।

८९५. (A) विश्वास-क्षय आ सामाजिक शोरक बीच कवि आगिक जोखिम उठबैत अछि — कवि संकट देखलाक बाद आगिसँ टकराबय बला छवि गढ़ैत छथि।

८९६. (A) सामान्य विवेक सँ परे सत्य-बोलबाक उन्माद — बताहपन सामाजिक मर्यादा तोड़ि कठोर सच कहबाक क्षमता बनैत अछि।

८९७. (A) आत्मदाह, व्यंग्य आ अनावरणक विद्रोही स्वर — अंतिम पंक्तिमे समाधान नहि, बल्कि ज्वलन्त प्रतिरोध अछि।

८९८. (A) नटुआ समाजक अभिनय करे, राही आगिक सत्य खायबला कवि छथि — नटुआ प्रदर्शनक प्रतीक, राही दाहक साक्षीक प्रतीक बनैत छथि।

८९९. (A) कविताक तीव्र, असुविधाजनक सत्योन्मुख समाप्ति — दुनू छवि आवरण-भंजन आ जोखिमक भाषा अछि।

९००. (A) कवि सामाजिक अन्हारक सामने मुखौटा उतारि आगि-समान सत्यक सामना करैत छथि — अन्तिम पंक्तिसभ कविता केँ विद्रोही आत्म-साक्ष्य मे बदलैत अछि।

९०१. (A) कविता बहुभाषिक सेतु मार्फत मैथिली पाठक धरि पहुँचल — स्रोत अनुवादक शृंखला देत अछि, जे भाषिक मध्यस्थताक महत्त्व देखबैत अछि।

९०२. (A) मूल/मध्य स्रोतक सम्मान आ पाठ-प्रमाणिकता लेल — अनुवादक नैतिकता मे स्रोत आ साभार स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०३. (A) भारतीय भाषासभक अनुभव परस्पर साझा होइत अछि — मैथिली अनुवाद कश्मीरी संवेदना केँ मिथिला पाठकक अनुभव-संसारमे लैत अछि।

९०४. (A) अर्थ, बिम्ब आ स्वरक दोहर मध्यस्थता बुझब — द्वि-स्तरीय अनुवादमे अर्थ-सरणि आ सांस्कृतिक बारीकी पर ध्यान चाही।

९०५. (A) ओ स्थानीय भाषिक ऊर्जा सँ मूल संवेदना पुनर्सृजित करैत छथि — अनुवाद शब्दशः नहि, संवेदनात्मक पुनर्रचना अछि।

९०६. (A) पाठककेँ पाठक यात्रा आ जिम्मेदारीक बोध होइत अछि — अनुवादक स्रोत-संस्कृति आ लक्ष्य-पाठक बीच पुल छथि।

९०७. (A) भारतीय बहुभाषिक आधुनिक कविता समुदायमे — कश्मीरी आधुनिकता मैथिली पाठकक साहित्यिक क्षितिज बढ़बैत अछि।

९०८. (A) स्रोत-सम्मान आ बौद्धिक ईमानदारी — साभार देब साहित्यिक श्रेय-व्यवस्था आ पारदर्शिता कायम रखैत अछि।

९०९. (A) ई मूल संवेदना, मध्य अनुवाद आ मैथिली पुनर्रचना तीनू स्तरक पाठ अछि — द्वि-स्तरीय अनुवाद जटिल पठन मांगैत अछि।

९१०. (A) अनुवाद भारतीय भाषासभ बीच जीवित साहित्यिक संवाद बनबैत अछि — कश्मीरी कविता मैथिलीमे आबि भाषा-संवादक उदाहरन बनैत अछि।

९११. (A) साहित्यिक क्षणक संग समकालीन खेल-इतिहास जोड़ैत अछि — लेखक एके दिनक अलग-अलग ऐतिहासिक समाचार जोड़ि समयक बहुस्तर बनबैत छथि।

९१२. (A) संगीत-संस्कृति आ राष्ट्रीय सम्मानक समानांतर परत — ज्ञानपीठ समारोहक दिन संगीत-सम्बन्धी महान सम्मानक सूचना सेहो भेटैत अछि।

९१३. (A) विज्ञान आ राष्ट्रीय उपलब्धिक आयाम — साहित्य, खेल, संगीत आ विज्ञान एके समय-फलकपर उपस्थित होइत अछि।

९१४. (A) संक्षिप्तता बीच ऐतिहासिक गरिमा बनल रहल — कार्यक्रम छोट होइतो घटनात्मक महत्व रखैत अछि।

९१५. (A) समय-साक्षी लेखक सार्वजनिक मीडिया मार्फत राष्ट्रक धड़कन सुनैत छथि — रेडियो समाचार साहित्यिक अनुभवकेँ तत्कालीन राष्ट्रीय परिदृश्यसँ जोड़ैत अछि।

९१६. (A) एके दिन भारतक खेल, कला आ विज्ञानक उपलब्धिसभ समकालीन बनैत छथि — लेखक समयक बहुविध उपलब्धि एकसाथ दर्ज करैत छथि।

९१७. (A) व्यक्तिगत उपस्थिति केँ राष्ट्रीय समय-स्मृति मे बदलैत अछि — लेखक निजी अनुभवकेँ इतिहासक व्यापक क्षणसँ जोड़ैत छथि।

९१८. (A) वैज्ञानिक उपलब्धिक ठोसपन आ समय-साक्ष्य — सटीक विवरण समकालीन समाचारक वास्तविकता स्थापित करैत अछि।

९१९. (A) एक दिनमे साहित्य, संगीत, खेल आ विज्ञानक संगम — वर्णन बहुविषयी राष्ट्रीय क्षण बनि जाइत अछि।

९२०. (A) राहीक ज्ञानपीठ क्षण भारतीय सार्वजनिक जीवनक व्यापक ऐतिहासिक दिनमे दर्ज अछि — लेखक राही-समारोह केँ समकालीन भारतक बहु-उपलब्धि दिवससँ जोड़ि यादगार बनबैत छथि।

९२१. (A) भोजपुरी लोककलाकार रूपमे — स्रोत भिखारी ठाकुरकेँ छपरा जिलाक लोककलाकार कहैत अछि, जिनकर रचना पहिने मौखिक परम्परामे चलल।

९२२. (A) प्रारम्भक रचना मौखिक छल, बादमे कैथी लिपिमे हस्तलिखित सामग्री भेटल — ई जानकारी लोकसाहित्यक जीवित मौखिकता आ बादक लिखित संरक्षण दुनूकेँ जोड़ैत अछि।

९२३. (A) बूढ़ा-बूढ़ीक सम्मान आ संरक्षण — दू बिरहा वृद्धजनक अपमान रोकबाक आग्रह करैत अछि आ समाजसँ वृद्धाश्रम बनबय कहैत अछि।

९२४. (A) एकमत भऽ वृद्धाश्रम बनबय लेल — बिरहामे समाजक प्रभावशाली लोकसभक पएर पड़ि विनती कएल गेल अछि जे वृद्धाश्रम बनाउ।

९२५. (A) बाहरी चमक भीतरक नैतिक कठोरता ढाँपि रहल अछि — पंक्ति बाहरी सभ्यता आ भीतरी करुणाहीनताक विरोधाभास देखबैत अछि।

९२६. (A) वृद्ध-सम्मानक प्रश्न सम्पूर्ण समाजक प्रश्न अछि — कवि धर्मभेदसँ ऊपर उठि सभकेँ बूढ़क अपमान रोकबाक लेल संबोधित करैत छथि।

९२७. (A) मातृ-पितृ ऋण आ बचपनक निर्भरता — कवि बच्चाक असहायता आ माय-पिताक सेवा याद दऽ वर्तमान उपेक्षा पर चोट करैत छथि।

९२८. (A) अपन पालनहारक प्रति निर्ममता — जकरा माय कहने छी, तकरा प्रति हिंस्र/निर्दय व्यवहारकेँ कवि कसाइपन कहैत छथि।

९२९. (A) कवि पएर पड़ि विनती करैत छथि, मुदा हिसाब-किताबक चेतावनी सेहो दैत छथि — रचना करुण निवेदन आ नैतिक जवाबदेही दुनूकेँ लोकधुनमे मिलबैत अछि।

९३०. (A) निकटवर्ती लोकभाषा साहित्यकेँ मैथिली पाठकसँ जोड़ब — भोजपुरी लोककविता मैथिलीमे आबि पूर्वी भारतीय लोक-संवादक सेतु बनैत अछि।

९३१. (A) कवि वृद्धजन लेल संस्थागत सहारा चाहैत छथि — शीर्षक सीधे बतबैत अछि जे वृद्धाश्रम बनबयक पक्षमे लोकजागरण कएल जा रहल अछि।

९३२. (A) अस्थायी यौवन/समृद्धिक घमंड पर — कवि कहैत छथि जे अल्पकालिक सेखीमे लोक बूढ़क दुख देखि लाज नहि मानैत।

९३३. (A) सामुदायिक धर्म-स्मृतिसँ नैतिक काम शुरू करब — लोककाव्य धार्मिक स्मरणकेँ सामाजिक सुधारक आह्वानसँ जोड़ैत अछि।

९३४. (A) वृद्ध-उपेक्षा समाजक विफलता बनि सकैत अछि — ई पंक्ति सुधार नहि भेल तँ अनिष्ट/अकाजक भय देखबैत अछि।

९३५. (A) नैतिक न्याय आ जवाबदेही — कवि भविष्यक उच्चतर न्याय-संस्थानक रूपकसँ संतानक कर्मक लेखा माँगैत छथि।

९३६. (A) बुढ़ापा आ असहायता केँ व्यक्तिगत पीड़ामे बदलैत अछि — बूढ़क नोर दर्शककेँ भावनात्मक रूपसँ उत्तरदायी बनबैत अछि।

९३७. (A) नम्र लोक-याचकक स्वर — भिखारी ठाकुर लोक-कला मार्फत जनसमाजसँ हाथ जोड़ि सुधार माँगैत छथि।

९३८. (A) पालनहार माता-पिताक उपेक्षा आ असम्मान — कविता परिवारक ऋण-संबंध टूटबाक पीड़ा उजागर करैत अछि।

९३९. (A) लोकधुन, पुनरुक्ति आ सीधा संबोधनसँ संदेश जनसमाज धरि पहुँचैत अछि — बिरहा सामूहिक सुनवाई आ स्मरणक विधा अछि, तैं सामाजिक आह्वान प्रभावी बनैत अछि।

९४०. (A) लोककविताक सामाजिक नीतिशास्त्र पर — स्रोतक असल महत्व वृद्ध-सम्मान, दायित्व आ लोक-भाषिक चेतावनीमे अछि।

९४१. (A) कविता केँ भारतीय साहित्यिक मान्यता आ सार्वजनिक प्रसंगसँ जोड़ब — ज्ञानपीठ समारोहक संदर्भ राहीक रचना केँ राष्ट्रीय साहित्यिक मंचपर रखैत अछि।

९४२. (A) राहीक सम्मानक ऐतिहासिक क्षण आ संस्थागत गरिमा देखाबय लेल — समारोहक संख्या, मंच, उपस्थित व्यक्तित्व आदि राहीक मान्यता केँ प्रसंग देत अछि।

९४३. (A) कश्मीरी कविक भारतीय राष्ट्रीय सम्मान पुष्ट होइत अछि — राही डॉ. मनमोहन सिंहसँ सम्मान पाबि अपन प्रसन्नता प्रकट करैत छथि।

९४४. (A) राहीकेँ सम्मानित कऽ ज्ञानपीठ अपने सम्मानित भेल — ई उद्गार सम्मानित कविक महत्ता केँ उलटि संस्था पर गौरवक रूपमे रखैत अछि।

९४५. (A) साहित्यिक-सांस्कृतिक अनुष्ठानक वातावरण — अनीता जैन द्वारा वन्दना साहित्यिक समारोहक संस्कारमय शुरुआत बनैत अछि।

९४६. (A) राष्ट्रीय नेतृत्वक निरंतरता आ सम्मानक विशेषता बताबय लेल — राही कहलनि जे नेहरूक पदपर आसीन प्रधानमंत्रीसँ पुरस्कार पाबि विशेष प्रसन्नता अछि।

९४७. (A) भाषाक क्षेत्रीय उपेक्षा आ केन्द्रीय मान्यताक विरोधाभास — राही कहैत छथि जे राज्य सरकार कश्मीरीकेँ मान्यता नहि देलक, मुदा केन्द्रमे ई मान्य भाषा अछि।

९४८. (A) ज्ञान, परम्परा आ पुरस्कार-चिह्नक प्रतीकात्मकता — राजा भोजक सरस्वती प्रतिमा ज्ञानपीठ सम्मानक सांस्कृतिक प्रतीक बनैत अछि।

९४९. (A) कविता पढ़य सँ पहिले कवि, संस्था आ ऐतिहासिक प्रसंग बुझबाक आधार देब — वर्णन कविता केँ जीवनी, पुरस्कार आ भाषा-राजनीतिसँ जोड़ैत अछि।

९५०. (A) भाषा, राष्ट्र, संस्था आ कवि-प्रतिष्ठाक सम्बन्ध — ज्ञानपीठ प्रसंग बतबैत अछि जे भाषा-साहित्यक मान्यता सांस्कृतिक राजनीति सँ अलग नहि अछि।

९५१. (A) ६ मई १९२५ — स्रोत अब्दुल रहमान राहीक जन्म ६ मई १९२५ कहैत अछि।

९५२. (A) ओकरा साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल — जीवनी-टिप्पणी राहीक पहिल कविता-संग्रहकेँ साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त कहल अछि।

९५३. (A) पद्म श्री — स्रोत पद्म श्रीक उल्लेख राहीक राष्ट्रीय मान्यताक रूपमे करैत अछि।

९५४. (A) एमिरेट्स फेलोशिप — जीवनीमे एमिरेट्स फेलोशिपक उल्लेख हुनकर विद्वत्ता/रचनात्मक प्रतिष्ठा दर्शबैत अछि।

९५५. (A) सनवुन्य साज — सनवुन्य साज, सुबहुक सोदा, कलाम-ए-राही स्रोतमे प्रमुख संग्रह रूपमे देल गेल।

९५६. (A) आलोचना आ निबन्धक पोथी — जीवनी-टिप्पणी कहवट आदिकेँ आलोचना आ निबन्धक पोथी कहैत अछि।

९५७. (A) ओ भाषा-अधिकार आ राज्यीय उपेक्षा पर संकेत करैत अछि — राही अपन सम्मानक क्षणमे कश्मीरी भाषा सम्बन्धी मान्यता-विरोधाभास उठबैत छथि।

९५८. (A) कश्मीरी कविताक अन्तरभाषिक प्रसार — अनुवाद समारोहमे भाषा-पार संवादक माध्यम बनैत अछि।

९५९. (A) कविक प्रतिष्ठा, भाषा-संघर्ष आ रचनात्मक पृष्ठभूमि बुझबैत अछि — कविता पहिने जीवनी प्रसंग दऽ पाठककेँ कविक संसारमे प्रवेश कराओल गेल अछि।

९६०. (A) रचनाकारक साहित्यिक मान्यता आ भाषिक राजनीति आपसमे जुड़ल अछि — राहीक उदाहरण बतबैत अछि जे कवि, भाषा, राज्य आ राष्ट्रीय संस्था एक सांस्कृतिक जालमे आबद्ध छथि।

९६१. (A) नियति-विवाद आ अमरता-लालसा छोड़बाक आग्रह — कविता आरम्भहि मे मानवक दम्भ घटा क्षणजीवनक स्वीकृति दिस मोड़ैत अछि।

९६२. (A) सीमित क्षणमे पूर्णता खोजबाक भाव — राहीक स्वर अमरता नहि, उपलब्ध क्षणक गहन अनुभवकेँ पर्याप्त मानबाक आग्रह करैत अछि।

९६३. (A) क्योंकि ओ नियति, अमरता आ क्षणभंगुरता पर कठोर आत्मबोध करबैत अछि — कविता जीवनक सीमाक सामना करय कहैत अछि, सहज प्रसन्नता नहि।

९६४. (A) मानवीय अस्थायित्वक सचेत स्वीकार — आधुनिक संकटबोध मे मनुष्य अपन सीमितता केँ देखैत अछि।

९६५. (A) छोट समयकेँ गहन जीवन-अनुभवमे बदलैत अछि — क्षण कम अछि मुदा ओहिमे भरपूरता सम्भव अछि—ई कविताक मुख्य आग्रह अछि।

९६६. (A) अमरता छोड़ू, मुदा क्षणमे भेर होऊ — कविता शाश्वत अभिलाषा हटबैत अछि मुदा जीवनक तीव्रता बचबैत अछि।

९६७. (A) मनुष्यक नियन्त्रणसँ बाहरक अवस्था — नियति मानव इच्छा सँ परे अछि; तकरा सँ वाद बेकार कहल गेल।

९६८. (A) अमरता आ पूर्ण नियन्त्रणक भ्रम — प्रारम्भक पंक्ति अहंकार आ भ्रमक परित्याग करबैत अछि।

९६९. (A) कविताक दार्शनिक अर्थ-संरचना — गहिर अध्ययन कविता के भावबोध, छवि आ तर्क पर केन्द्रित अछि।

९७०. (A) अस्थायित्व, आत्मपरीक्षण आ उदास सजगता — पहिल पंक्तिसभ आत्म-भ्रम उतारि जीवनक क्षणभंगुर सचाइ देखबैत अछि।

९७१. (A) परिचित सामाजिक/आध्यात्मिक मार्गक लोप — परिचित पथ घनगर बोनमे धँसि गेल—ई दिशा-भ्रम आ सभ्यतागत असुरक्षा देखबैत अछि।

९७२. (A) विश्वासक रक्षा-तंत्र टूटब — कविता कहैत अछि जे शंका आस्थाक कवच भेदि रहल अछि, अर्थात भीतरी सुरक्षा नष्ट होइत अछि।

९७३. (A) ओ अज्ञात, अवरोध आ भ्रमक मानसिक परिदृश्य सेहो अछि — बस्ती-पथक बोनमे गुम होयब सामाजिक/आत्मिक दिशाहीनता बनैत अछि।

९७४. (A) निश्चित विश्वासक जगह संशय आ विखंडन लैत अछि — आधुनिकता मे आस्था पर शंका प्रहार करैत अछि—कविता एहि विखंडनकेँ स्वर दैत अछि।

९७५. (A) जीवन-दिशा वा विश्वासक मार्ग — चलल पथक लोप जीवन-दिशाक असुरक्षा केँ चिन्हित करैत अछि।

९७६. (A) एक परिचय/समुदाय, दोसर अराजक अज्ञातक संकेत दैत अछि — बस्ती मानव-व्यवस्था; बोन अनियंत्रित, घनगर, अवरोधकारी क्षेत्र बनैत अछि।

९७७. (A) एक नहि, अनेक दिशासँ विश्वास पर आक्रमण — बहुवचन शंकाक व्यापकता आ घेराबंदी देखबैत अछि।

९७८. (A) भीतरसँ असुरक्षित आ संशयग्रस्त — कवच टूटि गेल तखन आत्मिक सुरक्षा सेहो टूटैत अछि।

९७९. (A) दिशाहीनता, संशय आ विश्वास-विघटन — पथ-बोन-कवच-शंका मिलि अस्तित्वगत संकट बनबैत अछि।

९८०. (A) प्रतीकात्मक आ मनोवैज्ञानिक स्तर पर — छविसभ शाब्दिक दृश्य सँ आगू मानसिक-सांस्कृतिक अर्थ रखैत अछि।

९८१. (A) जागरणक क्षणमे स्वप्न स्वयं जागि/चोटिल भऽ जाइत अछि — पंक्ति जागरण आ स्वप्नक सम्बन्ध केँ अस्थिर, पीड़ादायी बनबैत अछि।

९८२. (A) यौवन, उर्वरता आ जीवन-उत्साहक क्षय — बासन्ती रंग आ युवा छाती जीवनक प्रतीक छल; ओकर सुनसान होयब निराशा अछि।

९८३. (A) बाहरी आकर्षण बहुत, भीतर उपलब्ध अर्थ अल्प — दृश्य समृद्ध अछि मुदा चेतन हाथमे बस किछु विचार आ उजाड़क कौआ अबैत अछि।

९८४. (A) अकेलापन, अशुभता आ रिक्तता — उजाड़मे एक कौआ निराश, एकाकी, कठोर दृश्य बनबैत अछि।

९८५. (A) सामने सौन्दर्य, भीतर वीरानगी — बाहरी लावण्यक बावजूद वक्ताक अनुभव रिक्त आ असगर अछि।

९८६. (A) स्वप्न निजी आश्रय नहि रहि संवेदनशील/घायल सत्ता बनैत अछि — स्वप्न जेकरा बचाबय चाही, से स्वयं चोट/जागरणक शिकार बनैत अछि।

९८७. (A) नवता, यौवन आ हरियाली — बासन्त ऋतु जीवनोद्गमक प्रतीक होइत अछि; तकर सुनसान होयब गहन क्षय।

९८८. (A) सूना, अशुभ वा कर्कश उपस्थितिक संकेत — कवितामे कौआ उजाड़क एकाकी स्वरूपक संग मेल खाइत अछि।

९८९. (A) लावण्यक पृष्ठभूमि पर विघटन आ रिक्तता अधिक तीव्र होइत अछि — मेला देखाइत अछि, मुदा हाथमे विचार आ कौआ—ई सौन्दर्यक विडम्बनापूर्ण उलट अछि।

९९०. (A) भंग स्वप्न, क्षीण यौवन आ भीतरी उजाड़ — पंक्तिसभ भीतरक जीवन-स्रोत सूखि गेलाक अनुभूति देत अछि।

९९१. (A) ब्रह्माण्डीय रचना वा विराट सृजनक इच्छा — चान-तरेगन गढ़बाक चाह विराट सर्जनात्मक अभिलाषा अछि।

९९२. (A) विराट सृजनसँ निज पहिचानक संकट धरि — पहिने चान-तरेगन बनय चाह; आब अपने नामकरणक असुरक्षा—ई अस्तित्वक संकुचन अछि।

९९३. (A) विश्वासक मुरझायल, जीवनहीन अवस्था — मौलायल हरियरी विश्वासक शिथिल, निर्जीव, क्षीण रूप देखबैत अछि।

९९४. (A) क्रुद्ध, संकुचित आ विषधर बेचैनी रूपमे — खिसियायल साँप चेतनाक डरावन, चंचल आ आक्रामक रूप बनबैत अछि।

९९५. (A) बाह्य विराट सृष्टि बनाम आत्म-पहिचानक न्यूनतम मांग — कवितामे वक्ता विराट निर्मातासँ अपना नाम तक खोजयवला संकटग्रस्त व्यक्ति बनैत अछि।

९९६. (A) घाटी कश्मीरी भू-दृश्य आ सामूहिक जीवनक स्मृति जगबैत अछि — राहीक कश्मीरी पृष्ठभूमि मे घाटी भूगोल मात्र नहि, सांस्कृतिक स्मृति सेहो अछि।

९९७. (A) जीवन-स्रोतक सूखलापन — हरियरी जीवंत होयबाक चाही, मुदा मौलायल अछि—विश्वासक क्षय।

९९८. (A) आंतरिक भय आ अस्थिरता — चेतना स्वयं खतरनाक, चिड़चिड़ आ विषपूर्ण बनि गेल बुझाइत अछि।

९९९. (A) "हम के छी?" वा आत्म-पहिचानक प्रश्नमे — अपन नामकरण करबाक चाह स्वयं-अस्तित्वक अनिश्चितता देखबैत अछि।

१०००. (A) विराट रचना-स्वप्न टूटि आत्म-पहिचानक संकट बनि गेल अछि — चान-तरेगनसँ नामकरण धरि यात्रा कविताक आंतरिक पतन-रेखा अछि।

१००१. (A) पूज्य प्रतीकसभ अपनहि प्रक्षेपित छाया भऽ सकैत अछि — कविता देवताकेँ व्यक्तिक छाया कहि आस्था आ अहंकारक सम्बन्ध खोलैत अछि।

१००२. (A) दानव सेहो अहंकारक बनाओल खेलौना/प्रक्षेप होय सकैत अछि — कवि दानवकेँ बाहरी शत्रु नहि, अहंकारक बनल पुतड़ा सन देखैत अछि।

१००३. (A) नैतिक द्वन्द्वक स्रोत मनुष्यक भीतर अछि — देव-दानवक प्रक्षेपण भीतरक अहं, इच्छा, भय आ छायासँ उपजैत अछि।

१००४. (A) सार्वजनिक मंचक शोर, अनुकरण आ अर्थहीनता पर कटाक्ष — सभा भवन सभ्य संस्थाक प्रतीक अछि, मुदा ओतय बानरक खोँ-खोँ—अर्थात अविवेक।

१००५. (A) सच्चा संत समाजक केन्द्रमे नहि, जंगलमे खोजय पड़ैत अछि — समाजक नैतिक रिक्तता एतेक अछि जे संतक वेश/सत्य बाहर खोजय पड़ैत अछि।

१००६. (A) धर्म, अहंकार, सार्वजनिक जीवन आ नैतिकता सभक विघटनक आलोचना — कविता निजी आ सामूहिक दुनू स्तरपर अर्थहीनता आ पाखण्ड देखबैत अछि।

१००७. (A) आस्था केँ ठोस सत्य नहि, मनुष्यक छाया-जगत बना दैत अछि — शीर्षकक छाया-बोध एहि पंक्तिमे दार्शनिक गहराइ लैत अछि।

१००८. (A) भयानक दानवकेँ अहंकारक खिलौना बना दैत अछि — ई पंक्ति डरक सत्ता केँ मनोवैज्ञानिक बनबैत अछि।

१००९. (A) मानवीय संस्था पशु-शोरमे बदलि गेल अछि — सभा भवनक छवि संस्थागत पतनक तीख व्यंग्य अछि।

१०१०. (A) राही आत्म, समाज, धर्म आ नैतिक मंच सभक छाया-पक्ष खोलैत छथि — देवता, दानव, सभा आ संतक छवि मार्फत कविता गहन सामाजिक-आध्यात्मिक आलोचना करैत अछि।

१०११. (A) जीवन-यात्राक दिशा आ लक्ष्यक अनिश्चितता — नाओक खेबनाइ आ किनारक प्रश्न जीवनक पारगमन-संकट बनैत अछि।

१०१२. (A) समाज/देशक नाओ अन्हारमे दिशाहीन आ कुंद भऽ गेल अछि — देशांस शब्द सामूहिक हिस्सेदारीक संकेत दैत अछि; नाओ अन्हारमे फँसल अछि।

१०१३. (A) सत्यक नग्न प्रदर्शन वा पाखण्ड-उघारब — नटुआक नग्न नाच पाखण्ड हटाकऽ असह्य सत्यक प्रदर्शन बनैत अछि।

१०१४. (A) विनाशक ताप खा सकयवला पागल/अतिशय संवेदनशील कवि — कवि अपनेकेँ आगि-खायबला बताह कहि तीव्र आत्मदाहक रचनात्मकता देखबैत छथि।

१०१५. (A) पूर्वक संशय आ उजाड़क बाद यात्रा-उद्धारक प्रश्न उठबैत अछि — नाओ जीवन-संघर्षक साधन, किनार मुक्ति/लक्ष्यक संकेत।

१०१६. (A) छाया, अंधकार आ अस्पष्टता एके अस्तित्वगत वातावरण बनबैत अछि — छाया आ अन्हार दुनू स्पष्टता नष्ट करैत अछि।

१०१७. (A) कवि सीधे एक पात्र/प्रदर्शककेँ पुकारि दृश्यात्मक अन्त रचैत छथि — नटुआक पुकार अन्तिम दृश्यकेँ रंगमंचीय तीखापन दैत अछि।

१०१८. (A) आवरण, पाखण्ड आ झूठ हटय — निर्वस्त्रता यहाँ नग्न सत्यक प्रतीक बनैत अछि।

१०१९. (A) कवि पीड़ा, क्रोध आ सत्यकेँ भीतर ग्रहण करैत अछि — आगि खाएब असम्भव/अतिशय क्रिया अछि—कविक तीव्र अनुभवक प्रतीक।

१०२०. (A) दिशाहीन सामूहिक यात्रा, नग्न सत्यक प्रदर्शन आ कविक अग्निमय पागलपन — अन्त नाओ, अन्हार, नटुआ आ आगि मार्फत अस्थिर, विस्फोटक निष्कर्ष बनबैत अछि।

१०२१. (A) संसदक लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियममे — वृत्तान्तमे समारोह संसदक लाइब्रेरीक बालयोगी ऑडिटोरियममे भेल बताओल अछि।

१०२२. (A) सम्मान समारोहक औपचारिक गरिमा आ अनुशासन देखबैत अछि — निर्धारित समयपर आगमन समारोहक प्रतिष्ठा आ अनुशासनक संकेत बनैत अछि।

१०२३. (A) डॉ. मनमोहन सिंह — डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्रीक रूपमे मंचपर रहमान राहीकेँ सम्मानित करैत छथि।

१०२४. (A) राहीक साहित्यिक प्रतिष्ठा आ सम्मानक सार्वजनिक पृष्ठभूमि — समारोहक विस्तार कविता पढ़बाक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ तैयार करैत अछि।

१०२५. (A) साहित्यिक-सांस्कृतिक समुदायक सहभागिता — विभिन्न नामक उपस्थिति साहित्यिक जगतक व्यापक सहभागिता देखबैत अछि।

१०२६. (A) राहीकेँ सम्मानित कऽ ज्ञानपीठ अपने सम्मानित भेल — एहि कथनसँ राहीक साहित्यिक ऊँचाइ आ सम्मानक गरिमा स्पष्ट होइत अछि।

१०२७. (A) साहित्यिक अनुष्ठानक ज्ञान-परम्परा सँ जुड़ाव — सरस्वती वन्दना साहित्य-सम्मानकेँ ज्ञान आ कला परम्परासँ जोड़ैत अछि।

१०२८. (A) ज्ञानपीठ पुरस्कारक स्थापना-स्मृति उपस्थित करैत अछि — संस्थापकक स्मृति समारोहक ऐतिहासिक निरंतरता देखबैत अछि।

१०२९. (A) समय, आयु आ सांस्कृतिक स्मृतिक नश्वरता — ५०म वर्षगाँठक प्रतीक्षा आ आयुक अनिश्चितता समय-बोधकेँ गहरा करैत अछि।

१०३०. (A) कवि, भाषा, पुरस्कार आ सार्वजनिक स्वीकृतिक संदर्भ — एहि प्रस्तावना सँ कविता एक ऐतिहासिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यमे प्रवेश करैत अछि।

१०३१. (A) शॉल, सरस्वती प्रतिमाक कांस्य अनुकृति, प्रशस्ति पत्र आ पाँच लाख टाकाक ड्राफ्ट — सम्मानमे वस्त्र, प्रतीक, प्रमाण आ पुरस्कार-राशि सभ सम्मिलित छल।

१०३२. (A) ज्ञान, परम्परा आ भारतीय साहित्यिक स्मृतिक प्रतीक — सरस्वतीक प्रतिमा ज्ञान-परम्पराक मूर्त प्रतीक अछि।

१०३३. (A) भारतीय सांस्कृतिक धरोहरक वैश्विक/उपनिवेशीय प्रसंग — एहि उल्लेखसँ भारतीय धरोहरक दूरस्थ संग्रहालय-स्थितिक ऐतिहासिक बोध बनैत अछि।

१०३४. (A) प्रतिमाक पूज्य आ आलोकमय साहित्यिक रूप — प्रभामण्डल ज्ञान आ गरिमाक आभा जोड़ैत अछि।

१०३५. (A) राष्ट्रीय नेतृत्वक परम्परा संग पुरस्कार ग्रहणक भावनात्मक सम्बन्ध — राही पुरस्कार ग्रहणकेँ राष्ट्रीय स्मृतिक निरंतरतासँ जोड़ैत छथि।

१०३६. (A) कश्मीरी भाषाक संस्थागत मान्यता-संघर्ष देखबैत अछि — ई कथन भाषायी अधिकार आ मान्यताक राजनैतिक आयाम खोलैत अछि।

१०३७. (A) कविताक सार्वजनिक-राष्ट्रीय प्रस्तुति — कविताक अनुवाद उच्च मंचपर पहुँचल, ई भाषा-पार संवादक संकेत अछि।

१०३८. (A) आदर आ सांस्कृतिक सत्कारक चिह्न — भारतीय सम्मान-परम्परामे शॉल ओढ़ेनाइ आदरक चिह्न अछि।

१०३९. (A) रचनात्मक योगदानक औपचारिक मान्यता — प्रशस्ति पत्र साहित्यिक उपलब्धिक लिखित स्वीकृति अछि।

१०४०. (A) सम्मानक सांकेतिक आ आर्थिक दुनू रूप — पुरस्कारमे साहित्यिक प्रतिष्ठा संग आर्थिक मान्यता सेहो रहैत अछि।

१०४१. (A) ६ मई १९२५ — वृत्तान्तमे राहीक जन्म ६ मई १९२५ बताओल अछि।

१०४२. (A) साहित्य अकादमी पुरस्कार — राहीक पहिल कविता संग्रह साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित भेल।

१०४३. (A) पद्म श्री — वृत्तान्तमे राहीकेँ पद्म श्री भेटबाक उल्लेख अछि।

१०४४. (A) एमिरेट्स फेलोशिप — एमिरेट्स फेलोशिप राहीक शैक्षिक-साहित्यिक प्रतिष्ठा देखबैत अछि।

१०४५. (A) सनवुन्य साज, सुबहुक सोदा, कलाम-ए-राही — एहि तीन नामसँ राहीक काव्य-यात्राक प्रतिनिधि रूप देखाइत अछि।

१०४६. (A) ओ केवल कवि नहि, आलोचक-निबन्धकार सेहो छथि — कहवट आदि पोथीक उल्लेख राहीक आलोचनात्मक लेखनक संकेत दैत अछि।

१०४७. (A) कश्मीरीक मान्यता आ प्रतिष्ठा — राहीक उद्गारमे कश्मीरी भाषाक संस्थागत मान्यता प्रमुख प्रश्न अछि।

१०४८. (A) कश्मीरीसँ अंग्रेजी, अंग्रेजीसँ मैथिली — प्रस्तुति मे एस.एल. सन्धुक अंग्रेजी अनुवाद आ तकर आधारपर मैथिली अनुवादक उल्लेख अछि।

१०४९. (A) कश्मीरीसँ अंग्रेजी अनुवादक — अनुवाद-श्रृंखलामे एस.एल. सन्धु अंग्रेजी माध्यमक कड़ी छथि।

१०५०. (A) पाठक कविताकेँ कविक रचनात्मक संघर्ष आ प्रतिष्ठासँ जोड़ि पढ़ैत अछि — जीवनीक संकेत पाठककेँ कविता पाठक गहिर संदर्भ दैत अछि।

१०५१. (A) भाषा-पार अनुवाद आ साहित्यिक सेतु — कविता कश्मीरी, अंग्रेजी आ मैथिली बीच सेतु बनैत अछि।

१०५२. (A) स्रोत-स्वीकार आ साहित्यिक श्रेय — साभार उल्लेख अनुवादक स्रोतक ईमानदार स्वीकृति अछि।

१०५३. (A) भारतीय भाषासभक परस्पर संवाद — ई संकलन अनेक भारतीय भाषाक साहित्य मैथिली पाठक धरि आनैत अछि।

१०५४. (A) कविता समारोहक सहभागीक पाठ-अनुभव बनल — कविता श्रोतागणक हाथमे देल गेल, अर्थात सार्वजनिक पाठ्य रूप प्राप्त भेल।

१०५५. (A) भारतीय भाषायी साहित्यक राष्ट्रीय स्तरपर मान्यता — एहि प्रसंगसँ भाषायी साहित्य उच्च सार्वजनिक मंचपर मान्यता पाबैत अछि।

१०५६. (A) क्षेत्रीय भाषा सभ आपसमे संवाद कऽ राष्ट्रीय साहित्य बनबैत अछि — कश्मीरी कविता मैथिलीमे आबि भाषायी साझेदारी देखबैत अछि।

१०५७. (A) छाया, आत्म-संशय आ अस्तित्वगत अन्हारक संसार — शीर्षक स्वयं कविताक दार्शनिक छाया-बोधक द्वार खोलैत अछि।

१०५८. (A) भाव-संरचना आ प्रतीकक पुनर्सृजन — कश्मीरी मूलक भाव मैथिली संवेदनामे फेर सँ रचायल अछि।

१०५९. (A) मैथिली पाठक कश्मीरी आधुनिक काव्य-संवेदना सँ परिचित होइत छथि — अनुवाद क्षेत्रीय पाठककेँ दोसर भाषाक आधुनिक काव्यक अनुभव दैत अछि।

१०६०. (A) सम्मान, भाषा-संघर्ष आ कविताक आत्म-छाया एके प्रसंगमे जुड़ैत अछि — समारोहक सार्वजनिक रोशनी आ कविताक छाया-बोध परस्पर तनाव रचैत अछि।

१०६१. (A) सचिन तेन्दुलकर — वृत्तान्तक अन्तमे सचिन तेन्दुलकरक ४०म टेस्ट शतकक समाचार भेटबाक उल्लेख अछि।

१०६२. (A) हिनका भारत रत्न पुरस्कार देल गेल — एफ.एम. समाचारमे भीमसेन जोशीकेँ भारत रत्न देल गेल बताओल अछि।

१०६३. (A) ओ चन्द्रमाक १०० किलोमीटरक वृत्ताकार कक्षामे स्थापित भेल — समाचारमे चन्द्रयान-१ क चन्द्रमाक १०० किमी कक्षामे स्थापित होयबाक उल्लेख अछि।

१०६४. (A) साहित्य, खेल, संगीत आ विज्ञानक एके दिनक सांस्कृतिक समय-बोध — अन्तिम समाचार देशक बहुस्तरीय उपलब्धिक वातावरण बनबैत अछि।

१०६५. (A) एके समयमे साहित्य आ खेल दुनू राष्ट्रीय स्मृतिमे प्रवेश करैत अछि — लेखक समकालीन सार्वजनिक स्मृति के व्यापक धरातलपर देखैत छथि।

१०६६. (A) भारतीय कलासंस्कृतिक व्यापक सम्मान-बोध — संगीत आ साहित्य दुनू सांस्कृतिक गरिमाक क्षेत्र बनि उभरैत अछि।

१०६७. (A) वैज्ञानिक उपलब्धि आ राष्ट्रीय उत्साह — साहित्यिक समारोहक दिन विज्ञानक ऐतिहासिक उपलब्धि सेहो याद रहैत अछि।

१०६८. (A) दीर्घ वैज्ञानिक अवलोकनक आशा — कक्षा-स्थापनासँ आगामी वैज्ञानिक कार्यक आशा व्यक्त होइत अछि।

१०६९. (A) व्यक्तिगत यात्रा आ राष्ट्रीय समाचारक तात्कालिकता — लेखकक निजी घुरान राष्ट्रीय घटनासँ जुड़ि जाइत अछि।

१०७०. (A) एके समयमे कविता, खेल, संगीत आ विज्ञानक भारत उपस्थित अछि — अन्तिम वाक्य देशक सांस्कृतिक-वैज्ञानिक बहुलता केँ संक्षेपमे पकड़ैत अछि।

१०७१. (A) १८८७-१९७१ — वृत्तान्तमे भिखारी ठाकुरक जीवन-काल १८८७-१९७१ देल अछि।

१०७२. (A) छपरा जिला — परिचयमे भिखारी ठाकुरक जन्म छपरा जिला, बिहारमे बताओल अछि।

१०७३. (A) मौखिक परम्परामे प्रचलित — प्रारम्भमे हुनकर रचनासभ मौखिक रूपमे चलैत रहल।

१०७४. (A) कैथी लिपिमे — परिचयमे कैथी लिपिमे हस्तलिखित भोजपुरी रचनाक उल्लेख अछि।

१०७५. (A) भोजपुरीसँ — भोजपुरी कविता खण्डमे मूल भोजपुरीसँ मैथिली अनुवाद देल अछि।

१०७६. (A) वृद्धाश्रमक पक्षमे — बिरहा वृद्ध-बूढ़ सभक अपमान आ वृद्धाश्रम निर्माणक आग्रह उठबैत अछि।

१०७७. (A) लोकजीवन, रंगमंच, गीत आ जनभाषाक कलाकार — भिखारी ठाकुर लोकजीवनक कलात्मक प्रतिनिधि रूपमे प्रस्तुत छथि।

१०७८. (A) निकटवर्ती जनभाषासभक सांस्कृतिक संवाद — भोजपुरी लोककाव्य मैथिली पाठक धरि पहुँचि भाषा-सम्बन्ध मजबूत करैत अछि।

१०७९. (A) लोकवाचनसँ लिखित संरक्षण धरि यात्रा — ई लोकपरम्पराक लिखित अभिलेखनक प्रक्रिया देखबैत अछि।

१०८०. (A) भोजपुरी लोक-कविताक सामाजिक चेतना — एहि खण्डसँ संकलनमे लोकधर्मी भोजपुरी स्वर जुड़ैत अछि।

१०८१. (A) कुतुबपुर गाम आ भिखारी ठाकुर नामसँ — "कुतुबपुर अछि गाम, भिखारी ठाकुर अछि नाम" सँ वक्ता लोकधर्मी आत्म-परिचय दैत अछि।

१०८२. (A) विनम्र संबोधन आ जनसम्बोधन — बिरहा जनसमुदायकेँ विनम्र प्रणामसँ सम्बोधित करैत अछि।

१०८३. (A) बाहरी चमक भीतरक असंवेदनशीलता छिपबैत अछि — बाहरी सभ्यता बुजुर्गक दुखप्रति लाजहीनता छिपा सकैत अछि।

१०८४. (A) क्षणिक अहंकार आ दिखावा — क्षणिक शानमे लोक बुजुर्गक दुख बिसरि जाइत अछि।

१०८५. (A) लाजक अभाव आ उपेक्षा — "दुख भेल छनि, लगैए नै लाज" समाजक निष्ठुरता देखबैत अछि।

१०८६. (A) समाज मिलि वृद्धाश्रम बनाबय — बिरहा सामाजिक सहमति आ सामूहिक निर्णयक आह्वान अछि।

१०८७. (A) धार्मिक-सांस्कृतिक आस्था सँ सामाजिक काजकेँ बल दैत अछि — महाबीर स्मरण लोकभक्तिक ऊर्जा वृद्धाश्रम निर्माणसँ जोड़ैत अछि।

१०८८. (A) बुजुर्ग-संरक्षण बिना समाजक अनर्थ — ई पंक्ति सामाजिक उपेक्षाकेँ अकाजक कारण मानैत अछि।

१०८९. (A) विनती, करुणा आ सामाजिक दबाव — लोककवि विनम्रता सँ समाजक हृदय जगाबय चाहैत अछि।

१०९०. (A) बुजुर्गक दुखक विरुद्ध लोक-अपील आ वृद्धाश्रम निर्माणक मांग — बिरहा समाजकेँ बूढ़-बूढ़ीक संरक्षण लेल एकजुट करैत अछि।

१०९१. (A) हिन्दू-मुसलमान सभकेँ — "हिन्दू-मुसलमान, सभ हमर कहलपर दियौ कान" सँ सार्वभौमिक जन-अपील अछि।

१०९२. (A) बूढ़क अपमान नहि हो — बिरहा बार-बार बूढ़क अपमानक विरोध करैत अछि।

१०९३. (A) बाल्यकालक मातृ-ऋण आ पालन-पोषण — ई पंक्ति श्रोतालोककेँ माता-पिताक पालनक ऋण याद करबैत अछि।

१०९४. (A) पालनहारप्रति क्रूरता कसाइपन बनि गेल — कसाइ उपमा संतानक निष्ठुरता पर लोक-भाषिक प्रहार अछि।

१०९५. (A) जीवनक कर्मक उत्तरदायित्व — बिरहा कर्मक हिसाबक धर्म-नैतिक चेतना दैत अछि।

१०९६. (A) जीवनमे करुणा आ कर्तव्यक असली कमाइ पूछल जा रहल अछि — एहि प्रश्नमे नैतिक उपलब्धि धनसँ पैघ बनैत अछि।

१०९७. (A) उपेक्षा केलाक बाद पछतावा आ असहायता — बिरहा चेतावनी दैत अछि जे समयपर सेवा नहि केलासँ बादमे नोर खसत।

१०९८. (A) तुरन्त वृद्धाश्रम बनबाबय आग्रह रूपमे — अन्तिम पंक्तिमे वृद्धाश्रम बनबाय देबाक तत्काल आग्रह अछि।

१०९९. (A) बुजुर्गक सम्मान सर्वमानवीय कर्तव्य अछि — हिन्दू-मुसलमान दुनूकेँ संबोधन बुजुर्ग-सम्मानक सार्वभौमिकता देखबैत अछि।

११००. (A) मातृ-पितृ ऋण, बूढ़क सम्मान आ नैतिक उत्तरदायित्वक लोक-चेतावनी — बिरहा संतान आ समाजकेँ बूढ़क अपमानसँ रोकबाक लोकनैतिक आग्रह अछि।

११०१. (A) लोकभाषिक सामाजिक चेतना मैथिली पाठक धरि पहुँचैत अछि — अनुवाद भोजपुरी लोकस्वरकेँ मैथिली साहित्यिक संवादमे आनैत अछि।

११०२. (A) गीतात्मक पुनरावृत्ति सँ अपील जनमानस धरि पहुँचैत अछि — बिरहा लोकगायनक स्मरणीयता सँ सामाजिक आग्रह प्रभावी बनबैत अछि।

११०३. (A) परम्परागत गीत आधुनिक सामाजिक संस्थाक मांग उठा रहल अछि — लोककाव्य आधुनिक सामाजिक समस्या पर बोलैत अछि।

११०४. (A) सामाजिक निकटता आ सीधा संवाद बनबैत अछि — लोकसंबोधन श्रोता केँ व्यक्तिगत रूपेँ जिम्मेदार बनबैत अछि।

११०५. (A) करुणा जगाबय आ उत्तरदायित्वक डर दूनू चाही — लोक-आन्दोलनमे अनुरोध आ नैतिक दबाव साथ-साथ चलैत अछि।

११०६. (A) लोकस्मृति केँ नव पाठक-वर्ग लेल बचबैत अछि — अनुवाद आ लेखन लोकधरोहर केँ संरक्षित आ प्रसारित करैत अछि।

११०७. (A) कवि समाजक सामूहिक संस्थागत समाधान मांगैत छथि — वृद्धाश्रम मांग प्रश्नकेँ सार्वजनिक सामाजिक जिम्मेदारी बनबैत अछि।

११०८. (A) मूलभाषा आ अनुवादक श्रेय स्पष्ट रहैत अछि — स्रोत आ अनुवादक स्पष्टता साहित्यिक ईमानदारीक अंग अछि।

११०९. (A) भारतीय भाषासभक बहुध्वनिक मंच — संकलन अनेक भाषाक स्वरकेँ मैथिलीमे संवाद करबैत अछि।

१११०. (A) अनुवाद लोकस्वर, सामाजिक न्याय आ भाषायी सेतु तीनूकेँ जोड़ैत अछि — भोजपुरी बिरहाक मैथिली रूप सामाजिक करुणा आ भाषायी साझेदारीक उदाहरण अछि।

११११. (A) लोककरुणा सँ आधुनिक अस्तित्व-संकट धरि भारतीय भाषिक विस्तार — संकलन लोकधर्मी सामाजिक गीत आ आधुनिक कश्मीरी कविता दूनूकेँ साथ राखैत अछि।

१११२. (A) मनुष्यक असुरक्षा आ नैतिक संकट — दूनूमे मनुष्यक पीड़ा, असुरक्षा आ उत्तरदायित्वक प्रश्न उठैत अछि।

१११३. (A) बाहरी सम्मानक रोशनी भीतरक छाया सँ टकराइत अछि — ज्ञानपीठक उजास आ “छाह”क अन्हार मिलि जटिल अर्थ बनबैत अछि।

१११४. (A) भाषा भिन्न हो मुदा सामाजिक-मानवीय प्रश्न साझा रहैत अछि — दूनू भाषिक परम्परा मानवीय पीड़ा आ सत्यक खोज करैत अछि।

१११५. (A) भारतीय भाषासभक अनुभव मैथिली पाठकक साझा धरोहर बनबैत अछि — अनुवाद विविध भाषाक अनुभव कैँ मैथिली साहित्यिक संसारमे समेटैत अछि।

१११६. (A) नैतिक रूपेँ संकटग्रस्त समाज — तीनू प्रतीक सामाजिक करुणा, अहंकार आ दिशाहीनताक चित्र बनबैत अछि।

१११७. (A) साहित्य, संगीत, विज्ञान आ खेलक समकालीन राष्ट्रीय क्षण — अन्तिम समाचार देशक बहुआयामी उपलब्धि एके समयमे देखबैत अछि।

१११८. (A) दोसर भाषाक दुख, सौन्दर्य आ विचारकेँ अपन पाठ-क्षेत्रमे स्वीकार करू — संकलन पाठककेँ खुलल भारतीय भाषिक सह-अस्तित्व दिस लैत अछि।

१११९. (A) बिरहामे करुणा, राहीक कवितामे छाया; दुनू मनुष्यक भीतरी हाल बतबैत अछि — करुणा सामाजिक नैतिकता बनैत अछि, छाया अस्तित्वक अस्थिरता।

११२०. (A) विदेह-सदेह ३७क अन्तिम भाग भाषा-पार साहित्य, लोकनैतिकता, आधुनिक संकट आ राष्ट्रीय स्मृति जोड़ैत अछि — राही, भिखारी ठाकुर आ समारोह-सन्दर्भ मिलि बहुभाषिक साहित्यिक क्षितिज बनबैत अछि।

११२१. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। सँ जोड़ैत अछि।

११२२. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११२३. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। धरि सीमित रहैत अछि।

११२४. (A) शीर्षक पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११२५. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। सँ बनैत अछि।

११२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११२७. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११२८. (A) पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११२९. (A) गद्यक रूप पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११३०. (A) उत्तरकैँ पशु-मानव सम्बन्ध; बायोपॉलिटिक्स; आदिवासी/घुमन्तु समुदायक विलोपन। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११३१. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। सँ जोड़ैत अछि।

११३२. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११३३. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। धरि सीमित रहैत अछि।

११३४. (A) शीर्षक दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११३५. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। सँ बनैत अछि।

११३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११३७. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११३८. (A) दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११३९. (A) गद्यक रूप दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११४०. (A) उत्तरकैं दलित-प्रतिरोधक प्रतीक; 'बण्डोडु' आ कौआक उपमान; श्रम-याचनाक 'अभाव'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११४१. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। सँ जोड़ैत अछि।

११४२. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११४३. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। धरि सीमित रहैत अछि।

११४४. (A) शीर्षक बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११४५. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। सँ बनैत अछि।

११४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११४७. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११४८. (A) बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११४९. (A) गद्यक रूप बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११५०. (A) उत्तरकैं बालिका दृष्टिसँ जातिगत धारणाक 'डबल कॉन्शसनेस'; 'हरिजन' शब्दक अर्थापत्ति। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११५१. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। सँ जोड़ैत अछि।

११५२. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११५३. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। धरि सीमित रहैत अछि।

११५४. (A) शीर्षक विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११५५. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। सँ बनैत अछि।

११५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११५७. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११५८. (A) विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११५९. (A) गद्यक रूप विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११६०. (A) उत्तरकैं विध्वंसक पुनर्निर्माण; 'शब्द' सँ 'दीप'क प्रत्यक्ष; पुरातत्वीय चेतना। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११६१. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। सँ जोड़ैत अछि।

११६२. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११६३. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। धरि सीमित रहैत अछि।

११६४. (A) शीर्षक नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११६५. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। सँ बनैत अछि।

११६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११६७. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११६८. (A) नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११६९. (A) गद्यक रूप नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११७०. (A) उत्तरकैं नव्यन्याय ('व्याप्ति', 'स्वर') आधारित अनुवाद सिद्धान्त; पाश्चात्य 'टोन' पर बल। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११७१. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। सँ जोड़ैत अछि।

११७२. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११७३. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। धरि सीमित रहैत अछि।

११७४. (A) शीर्षक 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११७५. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। सँ बनैत अछि।

११७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११७७. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११७८. (A) 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११७९. (A) गद्यक रूप 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११८०. (A) उत्तरकैं 'हँसबाक' क्रियाक दमन; पितृसत्ताक 'शरीर-राजनीति'; फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११८१. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। सँ जोड़ैत अछि।

११८२. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११८३. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। धरि सीमित रहैत अछि।

११८४. (A) शीर्षक 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११८५. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। सँ बनैत अछि।

११८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११८७. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११८८. (A) 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११८९. (A) गद्यक रूप 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

११९०. (A) उत्तरकैं 'नानीलु' शब्दक सृजन; 'स्नैपशॉट' सिद्धान्त; हाइकु सँ भिन्न पूर्वीय 'मुक्तक' परम्परा। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

११९१. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। सँ जोड़ैत अछि।

११९२. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

११९३. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। धरि सीमित रहैत अछि।

११९४. (A) शीर्षक औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

११९५. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। सँ बनैत अछि।

११९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

११९७. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

११९८. (A) औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

११९९. (A) गद्यक रूप औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२००. (A) उत्तरकैं औपचारिक आ अनौपचारिक शिक्षाक 'समानान्तर'; 'गलीक शिक्षा'क मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२०१. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। सँ जोड़ैत अछि।

१२०२. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२०३. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। धरि सीमित रहैत अछि।

१२०४. (A) शीर्षक मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२०५. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। सँ बनैत अछि।

१२०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२०७. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२०८. (A) मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२०९. (A) गद्यक रूप मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२१०. (A) उत्तरकैं मस्जिदमे बम; 'धार्मिक आतंक'क उत्तर-औपनिवेशिक व्याख्या; मातृ-व्यथा। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२११. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। सँ जोड़ैत अछि।

१२१२. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२१३. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। धरि सीमित रहैत अछि।

१२१४. (A) शीर्षक 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२१५. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। सँ बनैत अछि।

१२१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२१७. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२१८. (A) 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२१९. (A) पद्य/गद्यक रूप 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२२०. (A) उत्तरकैं 'काला जादू'क राजनीति; पोस्टमॉडर्न कोलाज; अनुमान सँ न्याय। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२२१. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। सँ जोड़ैत अछि।

१२२२. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२२३. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। धरि सीमित रहैत अछि।

१२२४. (A) शीर्षक सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२२५. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। सँ बनैत अछि।

१२२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२२७. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२२८. (A) सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२२९. (A) गद्यक रूप सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२३०. (A) उत्तरकैँ सीखैत बालिकाक 'प्रदर्शन-चिन्ता'; माता-पिताक उपमान; अर्थापत्ति सँ आत्म-बोध। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२३१. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। सँ जोड़ैत अछि।

१२३२. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२३३. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। धरि सीमित रहैत अछि।

१२३४. (A) शीर्षक 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२३५. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। सँ बनैत अछि।

१२३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२३७. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२३८. (A) 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२३९. (A) गद्यक रूप 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२४०. (A) उत्तरकैँ 'सुनसान रस्ता', 'पियास', 'बालु'; इकोफेमिनिज्म (प्रकृति-स्त्री पीडाक अद्वैत)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२४१. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। सँ जोड़ैत अछि।

१२४२. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२४३. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। धरि सीमित रहैत अछि।

१२४४. (A) शीर्षक बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२४५. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। सँ बनैत अछि।

१२४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२४७. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२४८. (A) बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२४९. (A) गद्यक रूप बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२५०. (A) उत्तरकैं बूढ़ अपराधीक 'स्मृति' आ 'विस्मृतिक' स्तरीकरण; 'अतीत'क भोजन-प्रतीक। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२५१. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। सँ जोड़ैत अछि।

१२५२. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२५३. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। धरि सीमित रहैत अछि।

१२५४. (A) शीर्षक कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२५५. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। सँ बनैत अछि।

१२५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२५७. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२५८. (A) कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२५९. (A) गद्यक रूप कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२६०. (A) उत्तरकैं कसाईक 'मांस-हत्या'क अस्तित्ववादी बोध; कामूक 'अस्वीकार'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२६१. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। सँ जोड़ैत अछि।

१२६२. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२६३. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। धरि सीमित रहैत अछि।

१२६४. (A) शीर्षक 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२६५. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। सँ बनैत अछि।

१२६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२६७. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२६८. (A) 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२६९. (A) गद्यक रूप 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२७०. (A) उत्तरकैं 'समुद्री बाज' प्रेत, जादू, सेक्सुअलिटी; 'उन्माद' सँ 'वास्तविक हिंसा'क अनुमान। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२७१. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। सँ जोड़ैत अछि।

१२७२. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२७३. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। धरि सीमित रहैत अछि।

१२७४. (A) शीर्षक मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२७५. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। सँ बनैत अछि।

१२७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२७७. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२७८. (A) मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२७९. (A) गद्यक रूप मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२८०. (A) उत्तरकैं मध्यमवर्गीय पुरुषक 'अन्हार'; दुर्घटना-प्रति उदासीनता; सिनिकल रियलिज्म। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२८१. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। सँ जोड़ैत अछि।

१२८२. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२८३. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। धरि सीमित रहैत अछि।

१२८४. (A) शीर्षक 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२८५. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। सँ बनैत अछि।

१२८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२८७. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२८८. (A) 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२८९. (A) पद्यक रूप 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२९०. (A) उत्तरकैं 'जरैत खोपड़ी'क प्रत्यक्ष भयावहता; दलित इतिहासक "अन्त्येष्टि" (मार्जिनलिया)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२९१. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। सँ जोड़ैत अछि।

१२९२. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२९३. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। धरि सीमित रहैत अछि।

१२९४. (A) शीर्षक ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२९५. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। सँ बनैत अछि।

१२९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२९७. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२९८. (A) ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२९९. (A) पद्यक रूप ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३००. (A) उत्तरकैं ब्राह्मण्यवादक विध्वंस; व्यास, वशिष्ठक उपमान; 'कब्रिस्तान'क शब्द। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३०१. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। सँ जोड़ैत अछि।

१३०२. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३०३. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। धरि सीमित रहैत अछि।

१३०४. (A) शीर्षक 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३०५. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। सँ बनैत अछि।

१३०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३०७. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३०८. (A) 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३०९. (A) पद्यक रूप 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३१०. (A) उत्तरकैं 'मेहनत', 'भीख', 'दम'; श्रमक प्रत्यक्ष; फेमिनिस्ट-मार्क्सवादी व्याख्या। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३११. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। सँ जोड़ैत अछि।

१३१२. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३१३. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। धरि सीमित रहैत अछि।

१३१४. (A) शीर्षक 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३१५. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। सँ बनैत अछि।

१३१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३१७. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३१८. (A) 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३१९. (A) पद्यक रूप 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३२०. (A) उत्तरकैं 'लाण्डा' (चमड़ा सानिक कोण्ड); अशुद्ध श्रमक मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३२१. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। सँ जोड़ैत अछि।

१३२२. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३२३. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। धरि सीमित रहैत अछि।

१३२४. (A) शीर्षक 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३२५. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। सँ बनैत अछि।

१३२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३२७. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३२८. (A) 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३२९. (A) पद्यक रूप 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३३०. (A) उत्तरकैं 'साडीक आँचर' एक बहु-प्रतीक; 'कपडा' नहि, 'हृदयक परत' (शब्द)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३३१. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। सँ जोड़ैत अछि।

१३३२. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३३३. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। धरि सीमित रहैत अछि।

१३३४. (A) शीर्षक माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३३५. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। सँ बनैत अछि।

१३३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३३७. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३३८. (A) माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३३९. (A) पद्यक रूप माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३४०. (A) उत्तरकैं माताक 'दुख' आ 'सम्पत्ति'क अर्थापत्ति; देवी सँ 'दलित दासी' धरि यात्रा। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३४१. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। सँ जोड़ैत अछि।

१३४२. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३४३. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। धरि सीमित रहैत अछि।

१३४४. (A) शीर्षक 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३४५. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। सँ बनैत अछि।

१३४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३४७. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३४८. (A) 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३४९. (A) पद्यक रूप 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३५०. (A) उत्तरकैं 'काँट-फंसल चिड़ै' (उपमान); जाति-पितृसत्ता दोहरो उपनिवेशक 'जलन'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३५१. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। सँ जोड़ैत अछि।

१३५२. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३५३. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। धरि सीमित रहैत अछि।

१३५४. (A) शीर्षक गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३५५. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। सँ बनैत अछि।

१३५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३५७. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३५८. (A) गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३५९. (A) पद्यक रूप गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३६०. (A) उत्तरकैँ गर्भवती मजदूरक 'शरीर'क बायोपॉलिटिक्स; हाथ मे 'माटि'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३६१. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। सँ जोड़ैत अछि।

१३६२. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३६३. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। धरि सीमित रहैत अछि।

१३६४. (A) शीर्षक वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३६५. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। सँ बनैत अछि।

१३६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३६७. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३६८. (A) वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३६९. (A) पद्यक रूप वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३७०. (A) उत्तरकैँ वैवाहिक हिंसाक 'स्वीकार'; 'आसित' आ 'मालनकन'क अभाव। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३७१. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। सँ जोड़ैत अछि।

१३७२. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३७३. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित रहैत अछि।

१३७४. (A) शीर्षक रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३७५. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। सँ बनैत अछि।

१३७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३७७. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३७८. (A) रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३७९. (A) पद्यक रूप रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३८०. (A) उत्तरकैं रजस्वला अवस्था मे 'बलात्कार'क धमकी; 'अशुद्धता' पर फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३८१. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। सँ जोड़ैत अछि।

१३८२. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३८३. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। धरि सीमित रहैत अछि।

१३८४. (A) शीर्षक दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३८५. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। सँ बनैत अछि।

१३८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३८७. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३८८. (A) दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३८९. (A) पद्यक रूप दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३९०. (A) उत्तरकैं दलित स्त्रीक 'वस्तु'क रूप मे उपमान; 'मिट्टी', 'खाइ', 'बकरी'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१३९१. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। सँ जोड़ैत अछि।

१३९२. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१३९३. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। धरि सीमित रहैत अछि।

१३९४. (A) शीर्षक 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३९५. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। सँ बनैत अछि।

१३९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३९७. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३९८. (A) 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३९९. (A) पद्यक रूप 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४००. (A) उत्तरकैँ 'मेहदी' (शृङ्गार) आ 'हाथ' (श्रम)क शब्द-समीकरण; पुरुष आख्यानक विध्वंस। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४०१. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। सँ जोड़ैत अछि।

१४०२. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४०३. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। धरि सीमित रहैत अछि।

१४०४. (A) शीर्षक 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४०५. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। सँ बनैत अछि।

१४०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४०७. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४०८. (A) 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४०९. (A) पद्यक रूप 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४१०. (A) उत्तरकैँ 'अलिसम्मा' (न्याय प्रतीक); 'राम'द्वारा अपमान; राज्य-हिंसाक अभिशप्त। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४११. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। सँ जोड़ैत अछि।

१४१२. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४१३. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। धरि सीमित रहैत अछि।

१४१४. (A) शीर्षक 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४१५. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। सँ बनैत अछि।

१४१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४१७. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४१८. (A) 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४१९. (A) पद्यक रूप 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४२०. (A) उत्तरकैँ 'पहिल बरखा'क प्रत्यक्ष; 'सुखायल धरती' आ 'स्तनपान'क उपमान; इकोक्रिटिसिज्म। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४२१. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। सँ जोड़ैत अछि।

१४२२. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४२३. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। धरि सीमित रहैत अछि।

१४२४. (A) शीर्षक तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४२५. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। सँ बनैत अछि।

१४२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४२७. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४२८. (A) तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४२९. (A) पद्यक रूप तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४३०. (A) उत्तरकैँ तेलंगाना आन्दोलन; स्मृति, 'बतुकम्मा', 'बोनालु'; इको-नेशनलिज्म। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४३१. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। सँ जोड़ैत अछि।

१४३२. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४३३. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। धरि सीमित रहैत अछि।

१४३४. (A) शीर्षक गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४३५. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। सँ बनैत अछि।

१४३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४३७. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४३८. (A) गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४३९. (A) पद्यक रूप गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४४०. (A) उत्तरकैं गोपीक व्यथा आ 'श्याम'क प्रतीक; 'वियोग शृङ्गार'क परम्परागत भाव। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४४१. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। सँ जोड़ैत अछि।

१४४२. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४४३. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। धरि सीमित रहैत अछि।

१४४४. (A) शीर्षक फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४४५. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। सँ बनैत अछि।

१४४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४४७. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४४८. (A) फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४४९. (A) पद्यक रूप फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४५०. (A) उत्तरकैं फुटपाथक 'स्थिरता'; इतिहासक 'अभाव'; डेरिडाक 'डिफरेंस'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४५१. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। सँ जोड़ैत अछि।

१४५२. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४५३. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। धरि सीमित रहैत अछि।

१४५४. (A) शीर्षक हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४५५. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। सँ बनैत अछि।

१४५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४५७. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४५८. (A) हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४५९. (A) पद्यक रूप हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४६०. (A) उत्तरकैं हनुमान आ 'डैचशंड' कुकुरक कोलाज; उत्तर-आधुनिक 'ऊँच-नीच'क विघटन। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४६१. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। सँ जोड़ैत अछि।

१४६२. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४६३. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। धरि सीमित रहैत अछि।

१४६४. (A) शीर्षक 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४६५. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। सँ बनैत अछि।

१४६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४६७. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४६८. (A) 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४६९. (A) पद्यक रूप 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४७०. (A) उत्तरकैँ 'हाथ', 'मुट्ठी'क प्रतीक; 'धूलि' आ 'गर्दा'क नव्यन्याय (अभाव: समयक चिह्न)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४७१. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। सँ जोड़ैत अछि।

१४७२. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४७३. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। धरि सीमित रहैत अछि।

१४७४. (A) शीर्षक 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४७५. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। सँ बनैत अछि।

१४७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४७७. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४७८. (A) 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४७९. (A) पद्यक रूप 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४८०. (A) उत्तरकैँ 'अन्धार' आ 'उजियार'क द्वन्द्व; 'डर' आ 'प्रतीक्षा'क प्रत्यक्ष; ट्रामा स्टडीज। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४८१. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। सँ जोड़ैत अछि।

१४८२. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४८३. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित रहैत अछि।

१४८४. (A) शीर्षक 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४८५. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। सँ बनैत अछि।

१४८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४८७. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४८८. (A) 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४८९. (A) पद्यक रूप 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१४९०. (A) उत्तरकैं 'रोटी' आ 'चन्द्रमा'क उपमान; 'गरीबी'क अर्थापत्ति; 'अनुपस्थिति'क फेमिनिस्ट व्याख्या। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४९१. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। सँ जोड़ैत अछि।

१४९२. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४९३. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। धरि सीमित रहैत अछि।

१४९४. (A) शीर्षक बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१४९५. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। सँ बनैत अछि।

१४९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४९७. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१४९८. (A) बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१४९९. (A) पद्यक रूप बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५००. (A) उत्तरकैं बरखा, माटी, गामक स्मृति; 'दूरी'क पीडा; गंगेशक 'पृथकत्व'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५०१. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। सँ जोड़ैत अछि।

१५०२. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५०३. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। धरि सीमित रहैत अछि।

१५०४. (A) शीर्षक 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५०५. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। सँ बनैत अछि।

१५०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५०७. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५०८. (A) 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५०९. (A) पद्यक रूप 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५१०. (A) उत्तरकैं 'पोस्टर' मे मुँह; उपभोक्ता संस्कृति मे दलितक अदृश्यता (अभाव)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५११. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। सँ जोड़ैत अछि।

१५१२. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५१३. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। धरि सीमित रहैत अछि।

१५१४. (A) शीर्षक 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५१५. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। सँ बनैत अछि।

१५१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५१७. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५१८. (A) 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५१९. (A) पद्यक रूप 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५२०. (A) उत्तरकैं 'दलित स्त्री'क देह; 'बलात्कार'क इतिहास; बटलरक 'परफॉर्मेटिविटी'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५२१. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। सँ जोड़ैत अछि।

१५२२. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५२३. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। धरि सीमित रहैत अछि।

१५२४. (A) शीर्षक 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५२५. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। सँ बनैत अछि।

१५२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५२७. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५२८. (A) 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५२९. (A) पद्यक रूप 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५३०. (A) उत्तरकैँ 'लोक'क माटि मे 'जमि जायब'; 'स्थिरता' आ 'प्रवाह'क द्वन्द्व। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५३१. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। सँ जोड़ैत अछि।

१५३२. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५३३. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। धरि सीमित रहैत अछि।

१५३४. (A) शीर्षक गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५३५. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। सँ बनैत अछि।

१५३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५३७. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५३८. (A) गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५३९. (A) पद्यक रूप गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५४०. (A) उत्तरकैँ गांधीक प्रतिमा पर शराब उँडेलनाइ; 'प्रतिमाक विध्वंस' सँ 'नव प्रतिरोध'। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५४१. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। सँ जोड़ैत अछि।

१५४२. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५४३. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। धरि सीमित रहैत अछि।

१५४४. (A) शीर्षक दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५४५. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। सँ बनैत अछि।

१५४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५४७. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५४८. (A) दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५४९. (A) पद्यक रूप दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५५०. (A) उत्तरकैँ दिल्लीक खण्डहर, 'लाल किला', 'खोमचा'; इतिहासक फोटोग्राफिक परत। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५५१. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। सँ जोड़ैत अछि।

१५५२. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५५३. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। धरि सीमित रहैत अछि।

१५५४. (A) शीर्षक प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५५५. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। सँ बनैत अछि।

१५५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५५७. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५५८. (A) प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५५९. (A) पद्यक रूप प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५६०. (A) उत्तरकैँ प्रेम, स्मृति, विस्मृतिक 'पहेली'; नेरुदाक तर्ज; 'शब्द', 'हाथ', 'चुम्बन'क अभाव। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५६१. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। सँ जोड़ैत अछि।

१५६२. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५६३. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। धरि सीमित रहैत अछि।

१५६४. (A) शीर्षक 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५६५. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। सँ बनैत अछि।

१५६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५६७. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५६८. (A) 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५६९. (A) पद्यक रूप 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५७०. (A) उत्तरकैं 'नील चोला' ओढ़निहारी धरती; वात्सल्य-शृङ्गारक परम्परागत सौन्दर्य। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५७१. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। सँ जोड़ैत अछि।

१५७२. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५७३. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। धरि सीमित रहैत अछि।

१५७४. (A) शीर्षक 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५७५. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। सँ बनैत अछि।

१५७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५७७. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५७८. (A) 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५७९. (A) पद्यक रूप 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५८०. (A) उत्तरकैं 'शबनम भौजी'क 'फूसस' (prank); 'पहुँच' आ 'नाप'क अभाव; मार्जिनलिया। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५८१. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। सँ जोड़ैत अछि।

१५८२. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५८३. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। धरि सीमित रहैत अछि।

१५८४. (A) शीर्षक 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५८५. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। सँ बनैत अछि।

१५८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५८७. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५८८. (A) 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५८९. (A) पद्यक रूप 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१५९०. (A) उत्तरकेँ 'श्रीमान' सँ 'निवेदन'; शुद्धि, स्वेद, दुर्गन्धक 'नव्यन्याय'; श्रमक दर्शन। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१५९१. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। सँ जोड़ैत अछि।

१५९२. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१५९३. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। धरि सीमित रहैत अछि।

१५९४. (A) शीर्षक 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१५९५. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। सँ बनैत अछि।

१५९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१५९७. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१५९८. (A) 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१५९९. (A) पद्यक रूप 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६००. (A) उत्तरकेँ 'बगुला', 'लहर', 'नदी'क प्रतीक; 'गलत बुझबाक' सौन्दर्य। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६०१. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; सँ जोड़ैत अछि।

१६०२. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६०३. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; धरि सीमित रहैत अछि।

१६०४. (A) शीर्षक प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६०५. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; सँ बनैत अछि।

१६०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६०७. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६०८. (A) प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद';क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६०९. (A) पद्यक रूप प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६१०. (A) उत्तरकेँ प्रस्थान' आ 'घुरलाक बाद'; धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६११. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। सँ जोड़ैत अछि।

१६१२. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६१३. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित रहैत अछि।

१६१४. (A) शीर्षक नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६१५. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। सँ बनैत अछि।

१६१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६१७. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६१८. (A) नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६१९. (A) पद्यक रूप नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६२०. (A) उत्तरकैं नाखुन', 'किरी', 'छोट राजकुमार'; इकोफेमिनिज्म; बाल-कल्पनाक प्रत्यक्ष।/ स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६२१. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। सँ जोड़ैत अछि।

१६२२. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६२३. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित रहैत अछि।

१६२४. (A) शीर्षक निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६२५. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। सँ बनैत अछि।

१६२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६२७. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६२८. (A) निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६२९. (A) पद्यक रूप निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६३०. (A) उत्तरकैं निलकोर' (भँवर)क प्रतीक; आत्म-विसर्जन आ पुनर्जन्मक 'शब्द'। स्त्री-मनक 'निलकोर'; लैङ्गिकता पर बटलर। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६३१. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। सँ जोड़ैत अछि।

१६३२. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६३३. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। धरि सीमित रहैत अछि।

१६३४. (A) शीर्षक 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६३५. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। सँ बनैत अछि।

१६३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६३७. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६३८. (A) 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६३९. (A) पद्यक रूप 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६४०. (A) उत्तरकैँ 'बुद्ध', 'शरीर', 'दुख'क नव्यन्याय; 'बेर-बेर सत्य ताकब'क व्यर्थता। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६४१. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। सँ जोड़ैत अछि।

१६४२. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६४३. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। धरि सीमित रहैत अछि।

१६४४. (A) शीर्षक 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६४५. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। सँ बनैत अछि।

१६४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६४७. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६४८. (A) 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६४९. (A) पद्यक रूप 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६५०. (A) उत्तरकैँ 'बमिया' (बम), 'फ्राक', 'लहर'; युद्ध, विनाश, स्त्री-स्वप्नक ट्रामा। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६५१. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। सँ जोड़ैत अछि।

१६५२. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६५३. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। धरि सीमित रहैत अछि।

१६५४. (A) शीर्षक 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६५५. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। सँ बनैत अछि।

१६५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६५७. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६५८. (A) 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६५९. (A) पद्यक रूप 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६६०. (A) उत्तरकैँ 'बूढ़-बूढ़ी'क सामूहिक आवाज; लोक चेतनाक 'बहुस्वरता' (पॉलीफनी)। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६६१. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। सँ जोड़ैत अछि।

१६६२. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६६३. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। धरि सीमित रहैत अछि।

१६६४. (A) शीर्षक 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६६५. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। सँ बनैत अछि।

१६६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६६७. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६६८. (A) 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६६९. (A) पद्यक रूप 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६७०. (A) उत्तरकैँ 'हिन्दू-मुसलमान' एकता; सामन्तवादक व्यंग्य; मैथिली-भोजपुरी सीमान्तक पुल। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१६७१. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। सँ जोड़ैत अछि।

१६७२. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१६७३. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। धरि सीमित रहैत अछि।

१६७४. (A) शीर्षक युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१६७५. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। सँ बनैत अछि।

१६७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१६७७. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

१६७८. (A) युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१६७९. (A) पद्यक रूप युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१६८०. (A) उत्तरकैं युद्ध, भूकंप, घाटीक 'छाह'; 'बोन-मियां' रचना; उत्तर-औपनिवेशिक व्यथा। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।